Gram : DEVKIRAN Phone : 320
GHEVARCHAND JAIN
HUBLI.

24 Feb. 1961

FIRING & LATHI CHARGE.

The firing and lathi charge was simply altogether~~ness~~ un--necessary. The Public of Hubli is very very innocent and coxward. It is like a tame ~~milk~~ cow, too much afraid of Police etc.

On the 11th night there was a public meeting and there was no Sec.144 or Curfew. It is said that Police lathi charged there without any thing and at night also.

On 12th D.S.P. came and to take his car into the Police Station it was thrice lathi charged. The D.S.P. may have come to the Police station from back side entrance very easily. All were comming from the back side entrance as there was crowd on the front road. But the crowd was very quiet calm. And had the D.S.P. left his car a little away and had he even come on foot to the Police Station no body could have courage to disturb him. It is the public of Hubli and not of Bombay or Belgaum or any where else. The public of Hubli is timid.

The police only wanted to keep their high handedness alive and so that their business - troubling the innocent people and collecting thousands of ~~bribes~~ rupees as bribes -may be conti--nued without any disturbance, or be increased to a higher level. They were beha ing like robbers or invades. The D.S.P. th ught that he is everything and Public is nothing. He can do as he pleases as Hitler or Nadirshah.

Then a few moment before firing when lathi charge was ordered and done. It was done revengefully only to the show the high handedness of the Police and crush the Public like any thing and to keep the evil powers of police shining. People were dragged out of the corners and houses and were lathi charged mercilessly like beasts. Then some stones came. The stones were only from Goondas associated with the Police or from the party who prepare country wine. This party has strong bad feelings towards the police not because that the police check it but they say because of the ~~bhhkkmmkk~~ police take its share amounts from them and then even trouble them. They say that either the Police should not colle the share or should not trouble them. The Police should not do both

The stones were not ~~xkk~~ at all from the Public. Public of Hubli and whole of Mysore State cannot do these wretched things. The Public is very timid.

The Goondas, the country wine producers, the thieves are all only the Agents of the Police. All most all of them are associated with the Police. The Police get it done from them.

The Police hut at the Chowk Durgadbail is said to have been put to fire. In this deed the hands of the police must be there. The police may have purposely got it done to save themselves or atleast to reduce their guiltyness, to some extent. The hut is standing there. And there is not at all much damage to the hut. This is all the drama played by the police itself and to keep their evil powers shining and collect large amounts of bribes by troubling and harassing the merchants and noble citizens. from whom they can collect hundreds and thousands of rupees.

The police want trouble or harass the Guards thieves or the bad people because from them they can get only a little and the police is afraid of those people. The police trouble and harass to merchants and noble citizens only because they can get much from them and these people cannot do any harm to the police.

It is this time that the Police caught a man like me by mistake. It was I purely honest, sincere and ready to face any difficulties for justice that the police has been put in trouble. Had there been this case with any other Gentleman, the packets of the police would have been filled with hundreds or thousands. They came to my house for three X O's that for thousands. One of the constables told it too.

The firing and lathi charge was easily avoidable but the police wished it to have its evil powers shining and have continue or to increase the collection of huge sum of rupees in bribes.

सहजात्म स्वरुप परमगुरु

हमारे यहाँ सब लोग सुबह ५-५। बजे उठ जाते हैं और हाथ मुँह धोकर प्रार्थना हॉल में प्रार्थना के लिए चले जाते हैं। प्रार्थना ७ बजे पूरी होती है, इस तरह सुबह ५ से ७ बजे तक घरमें बडा कोई भी नहीं रहता है। बच्चे सोये हुए रहते हैं, किसी भाई को शौच की शंका होती है तो वह प्रार्थनामें से उठकर घर आता है और निपटकर फिर प्रार्थनामें चला जाता है।

ता. ११-१-६१ को सुबह हम सब प्रार्थनामें थे। लगभग ६॥ बजे दो भाई (माँगीलाल व भीखचंद छोटा) शौच जाने के लिए घर आये हुए थे। भाई श्री. माँगीलाल ने देखा कि एक आदमी घर की सीढी से उतरकर बाहर जा रहा है और उसके हाथमें घडा आदि कुछ है। पहले तो श्री. माँगीलालने समझा कि कोई पानी के लिए उपर गया होगा, लेकिन फिर विचार आया कि पानी के लिये ऊपर क्यो गया, जबकि नीचे भी पानी का नल है ही। इतनेमें वह आदमी भागने लगा तो श्री. माँगीलालका संदेह दृढ हो गया और 'चोर-चोर' की आवाज दी। पडोस के लोगोंने उसे पकडने का प्रयास किया, पर वह उनके हाथ से बच गया। आगे एक मुस्लिम सज्जन ने अपने छातेकी सहायतासे उसे रोक लिया। चोरने तांबेका घडा उस मुस्लिम सज्जन के पांव पर फैंक दिया। मुस्लिम बंधु को उस मारसे पाँवमें मामूली चोट भी आई।

लोगों ने चोरको पकड लिया। उधर हमारी प्रार्थना भी पूरी होगई थी। हम लोग सब घर आ ही रहे थे। इधरसे भाई माँगीलालने हमारे दुसरे भाई भीखचंद को मुझे सूचना देनेके लिए भेजा कि चोर पकडा गया है। हम आ ही रहे थे, रास्ते में ही भाई भीखचंद मिला और उसने कहा कि "भाईसाहब चोर पकडागया है, घडा और धोती लेकर जा रहा था।"

घरमें छोटी बडी बहुतसी चीजें जाती ही रही है—कभी कुछ कपडे गये—कभी छाता; कभी गेहूँ। कभी साबुन आदि आदि। परंतु उस तरफ खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। घर खुला ही रहता है—कोई अवसर पाकर ले जाता होगा।

लोगोंनें सलाह दी कि चोर को थोडी शिक्षा (मार-पीट) करके फिर पुलिसमें दो। पुलिस तो ५-१० रुपये लेकर उसे छोड देगी। पुलिस और कुछ भी करने की नहीं है। हम लोग चोर को घरमें ले आये। उसे थोडा पीटा। मेरे साथी उसे हाथोंसे पीठमें पीठने लगे। मैंने उनसे कहा "तुम्हारे हाथोंमें चोट लगेगी, इसकी पीठमें चोट नही लगेगी। यह तो इसका पूरा आदि है, अगर इसे पीटना है तो मुँहपर पीटो।" उसके हाथ रस्सी से बांध दिये और उसे थोडा मुंह पर पीटा। फिर हम लोगों ने दातुन सेविंग आदि किया और दूध पीया।

मेरा हृदय अत्यंत दयालु है—मैंने चोर के हाथकी रस्सी छुडवा दी और उसे हाथ मुँह पाँव धोने के लिये गरम पानी दिया। उसने हाथ मुँह धोये तो मैंने उसे दूध और गेहूँ की खिचडी का नास्ता कराया। और मैं उसे कह रहथा तू दारू क्यों पीता है, और चोरी क्यों करता है? तू जवान आदमी है, कुछ काम कर। कुली का काम कर-मै तुझे खानेको दोनों टाईम पेटभर दूंगा और तुझे काम भी दिलाऊंगा।

मैं ये बाते उससे कर ही रहा था, कि एक आदमी धोती या पाजामा, सर्ट व सफेद टोपी पहने आया। वह आदमी बहुत साधारण स्थिति का था, चपरासी जैसी क्लास का। उसके पहले भी बहुत से अडोसी पडोसी चोर को देखने के लिए आये थे। पर वे पहले आये थे-अब लोगोंका आना जाना बंद हो गया था। वह आया हुआ आदमी चोर से बातें करने लगा तो मैंने उससे पूछा "क्या तुम इसे जानते हो?" उसने इनकार किया और फिर वह मुझे धमकाने लगा "तुमने चोर को मारा है, तुम्हें दंड होगा, सजा होगी तुम मुझे घडा दो," आदि। इतनेमें उसका एक साथी और आया। वह भी सादे पोशाकमें-धोती, कुरता और काली टोपी। वह भी ऐसी बातें करने लगा।

मैंने उन्हें शांत करनेका प्रयत्न किया। उनके लिए दो कुर्सियां लगवाई और हमारे रसोडे मेंसे दो कप दूध मंगवाया। एकने दूध पिया, दूसरे ने नहीं। दूसरे ने कहा "मैं दूध पीऊं तो मूत पीऊं" मैंने अपने मनमें कहा "तू भले आदमी के हाथ का, प्रेम का दूध नहीं पीना चाहता–तू रिश्वत के रुपये चाहता है"। फिर वे वैसी ही धमकीयां देने लगे "तुमने चोर को पीटा है, तुमने बुरा किया है–हम तुमको ऐसा करेंगे वैसा करेंगे" आदि। मैंने कहा "मैंने तो अच्छा किया है और अच्छा कर रहा हूं और अच्छा ही करूँगा। मैंने चोरको समझ देने के लिए पीटा है। पिता पुत्रको या शिक्षक छात्रको गलती के लिए पीटता है–उसी तरह हमने चोर को पीटा है। अब मैं इसका जीवन सुधारना चाहता हूँ, इसे चोर मिटाकर कुली बनाऊँगा।" मुफ्ती (बिना पोशाक के पुलिस) ने कहा "तुम नहीं सुधार सकते"। मैंने कहा "तुम्हारा कहना साधारण व्यक्ति के लिए ठीक है; पर परमात्मने मुझे कोई विशेष शक्ति दी है मैं जरूर सुधारूँगा। मैं तो अच्छा कर रहा हूँ, तुम बुरा करना चाहते हो तो करो।" गुस्सेमें वह कहने लगा "मै तुम्हें दिखाऊँगा।" मुझे भी जरा बुरा लगा। मैंने कहा "तू मुझे क्या दिखाएगा। मै जानता हूँ तेरे पास पुलिस की कुछ ताकत हो सकती है। (मैं उसे पुलिस का साथी समझ रहा था–कुत्ते का साथी कुत्ता होगा) पर अब देख लेना मै तुझे बताऊँगा, मेरेपास परमात्मा की खुदा की ताकत है; अब तू भी देख लेना। खुदा की ताकत के सामने पुलिस की ताकत बहुत छोटी है–तेरा साथी पुलीस है, मेरा साथी परमात्मा है।"

फिर मैंने शात होकर उससे कहा– "हम तुम्हें भाई की तरह समझा रहे है, पर तुम समझते ही नहीं, चलो हमारे घरसे बाहर जाओ।" वे कहने लगे "हम नहीं जायेंगे, हम फौजदार साहब को बुलायेंगे" मैंने कहा बहुत अच्छा, "तुम फौजदार को बुलाओ, पर तुम बाहर जाओ, नहीं तो बताओ कि तुम कौन हो?" उन्होंने कहा "हम सी. आई. डी. है।" मैंने कहा "तुम अपनी निशानी बताओ और आराम से बैठो; नहीं तो बाहर जाओ।" उन्होंने निशानी तो नहीं बताई, पर बाहर जाने से भी साफ इन्कार करने लगे।

मै उनकी माथा पच्ची से बहुत हैरान हो गया था। मैंने अपने साथियों से कहा "चलो, ये लोग नहीं जाते हैं तो अपन ही सब लोग बाहर चले जाते है।" मैंने समझा कि हम यहाँ न होंगे तो ये किससे माथा पच्ची करेंगे। ये भी चले जायेंगे।

मुझे यह स्पष्ट था कि ये लोग रुपये चाहते है– यह उनका धंधा है; पर मै क्यों दूँ? मेरा पैसा तो दीन दुखियों की सेवा के लिए है—इन नालायकों के लिए नहीं। मैंने कोई गलती नहीं की जो मुझे डर हो। कुछ लोग अडोस पडोस के आए भी सही और उन्होंने प्रयत्न किया कि इन कुत्तों को रोटी का टुकडा (कुछ रुपये) देकर निकाल दिया जाय। मै इसके लिए बिल्कुल तैयार नहीं था। मैंने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया और उन अडोसी पडोसी सज्जनों से कहा "आप इस बात को जाने दीजिये।" शायद उन लोगोंका ऐसा ख्याल हो कि शेठजी कि कुछ गलती होगी। पर मै तो मात्र निर्दोष था। मैं उन्हें रिश्वत देने के लिए क्यों तैयार होता। और यों भी मेरा सिद्धात है कि मै ५०० रु. दंड भरना पसंद करता हूँ पर २५ रु. रिश्वत देना कतई पसंद नहीं करता। मैं आम साधारण लोगोंमें से नहीं हूँ।

हाँ, यह समझकर हम सब दुकान चले गये कि अपने में से कोई न होने पर ये भी हैरान होकर अपना रास्ता पकडेंगे।

हम सब दुकान चले गये। दुकान पर ५–७ मिनट बैठा और फिर विचार आया कि वे गुंडे हो सकते हैं; घरमें केवल औरते ही है, इस तरह उन्हे घरमें रहने देना समझदारी का कार्य नहीं कहलायगा। घर जाकर उन्हें बाहर निकाल देना चाहिये।

हम सब घर आए और उनसे कहा "तुम अपनी निशानी बतलाओ वरना घरसे निकलो बाहर"। वे कहने लगे "हम नहीं जायेंगे।" तब हमने धक्का मारा। मैंने अपने मित्र श्री. मणीभाई को भी बुला लिया। शायद वे लोग हमें मार न बैठे। श्री मणी भाई आये। उनके दो मेहमान भी आए हुए थे, मैंने उन्हे भी आने के लिए कहा। मुझे यह डर था कि ये मजबूत लोग गुण्डे हैं– शायद हमें मार न बैठे। हम लोगोंने उनको धक्का दिया तो उन्होंने खंभा पकड लिया। फिर धक्का दिया तो दरवाजा पकड लिया–फिर धक्का दिया तो सीढी की लकडियों को पकड लिया; तो हमने दो चार थप्पड मारकर उन्हें सीढी छुडाकर निकाल दिया। उनके निकलने पर चोर को भी निकाल दिया गया।

मैंने समझा कि काम पूरा हो गया। इसलिये मैं और श्री मणीभाई बाजारमें दुर्गदवेल चौक की तरफ चले गये। मणीभाईने कहा "चलो बाबूभाई के यहाँ जायेंगे।" हम उनकी दुकान पर गये। बाबूभाई नहीं थे। उनके छोटे भाई नटवर भाई थे। उन्होंने कहा "चलो पुलिस को फोन करलें।" हम फोन कर ही रहे थे कि हमारे घरसे दौडता हुआ भीखचंद आया–और मुझे कहने लगा– "भाई-साहब अपने घरके सामने ५–७ गुण्डे और आये हैं और अपने सबलोगोंको बुरी तरह मार रहे हैं।" मैंने उससे कहा "तू जा, अडोस पडोस और बाजार वाले भाईयों की मदद लें; मैं पुलिस स्टेशन जाता हूँ।"

उधर क्या हुआ था कि जिन दो व्यक्तिओं को हमने घरसे बाहर निकाला था, उनमें से एक घरके बाहर ही बैठा रहा और दूसरा गया और अपने ५–७ साथियों को ले आया। वे सब सादे पोशाकमें थें। कोई भी पुलिसके ड्रेसमें न था। गुण्डोंकी टोली मालूम होती थी। उन लोगोंने आकर रस्तेमें हमारे घरके बाहर हमारे लोगों को मारना पीटना शुरु किया।

मैं और श्री मणीभाई पुलिस–स्टेशन पहुँचें। सब इंस्पेक्टरसे हमने कहा – "पान बाजारमें 'जेमको टी डिपो' के सामने ५–७ गुन्डे आये हुए हैं और हमारे लोगों को बुरी तरह मार रहे हैं – आप जल्दी मदद भेजीये" सब–इन्सपेक्टर ने पुलिस के दो अदमियो को वहाँ जाने को कहा। मैंने कहा "वहाँ ५–७ गुन्डे है, आपके दो आदमी क्या कर सकेंगे? कृपया ज्यादा आदमीयोंको भेजीये।" सब-इन्सपेक्टर ने इस पर ध्यान नही दिया और कहा "कहाँ जादा आदमी है यहाँ?"

वे दो पुलिसके आदमी हमारे घरकी तरफ चले। श्री मणीभाई भी उनके पीछे २ गये। मैं सब इन्सपेक्टर की ऑफिस में ही बैठा रहा।

उन दो आदमियों के स्थान पर पहुँचने के पहले ही वे गुण्डे हमारे चार भाईयोंको हथकडिया डालकर, रस्सीसे बाँधकर, मारते पीटते गालियाँ देते हुए, पुलिस–स्टेशन की तरफ लेकर आने लगे। तब मालूम होगया कि ये गुण्डे नहीं बल्कि खुद पुलिस के लोग ही हैं। गुण्डोंके पास हथकडियें कहाँसे आएगी। वे दो पुलिसवाले जो कि पुलिसस्टेशनसे रक्षाके लिए भेजे गये थें, वे भी उन बिना ड्रेस वाले पुलिसों के साथ होगये। और उनके कार्य मे शामिल हो गये।

रास्तेमें थोडे आगे ही मेरे मित्र श्री शांतीभाई एम्. ए. और जो कि Phd के लिए Philosophi मे थिसिस लिख रहे है और जो १५–२० दिन पहले ही मेरे साथ हमारी पेढी में कार्य करने के लिए गुजरातसे नौकरी से छूटे होने पर आये हैं – और श्री मणीभाई के दो मेहमान ये तीनों ही लोग सीटी बस परं गये थें – बस चूक जानेसे श्री मणीभाई के घर की तरफ आ रहे थे, उन तीनों को भी इन लोगोंने पकड लिया और रस्सीसे बांधदिया और मारपीट करते हुए आगे बढे। ये तीनों सज्जन सिर्फ, हम लोगोंने उन दो गुण्डोंको घरसे बाहर निकाला तब हमारे साथ थे।

आगे रास्तेमें श्री मणीभाई को भी पकड लिया और मारपीट करते, गालियां देते, इन सब आठ सज्जनोंको पुलिस–स्टेशन ले आए। चोर भी साथ था, पर वह न तो बाँधा हुआ था न हथकडी ही पहनाई गईथी।

मैं सब-इंस्पेक्टर की ऑफिसमें बैठा हुआ था। वहाँ से मुझे भी मेरे साथियों के साथ मिलाया गया। मुझें थप्पड मारी और मेरे साथियो को चप्पल आदिसे पुलिस स्टेशनमें सब-इंस्पेक्टर श्री. पुरोहित के सामने भी मार पीटा।

फिर हम लोगोंको उनके ऑफिस के कमरेमें थोडीसी जगहमें टेबलके पास, टेबल के नीचे कुत्तों की तरह बैठाया गया।

पुलिसके एक आदमीने कहा बोलो, "अब तुम सबको मारने में सिर्फ पाँच मिनट चाहिये।"

मैं उनकी मुर्खता पर मनमें हँस रहा था। ऐसा व्यवहार मैंने पुलिस द्वारा चोर व गुण्डों के प्रति भी होते नहीं देखा था। ये लोग डाकुओं या विदेशी आक्रमण कारियों की तरह व्यवहार कर रहे थे। नादिरशाह के जुल्मों की याद आई।

इतनेमें पुलिस स्टेशन के बहार नागरिकों की भीड जमा हो गई। १५–२० मिनट बाद मेरे साथियों की रस्सी छोडी गई और फिर बादमें हथकडियाँ निकाली गई।

फिर सब-इंस्पेक्टरने मुझें अपने कमरे में बुलाया। मैं कुर्सीपर बैठने लगा तो उसने रोबसे कहा। "वहाँ खडे रहो तुम बैठने के लायक नहीं हों।" मैं खडा हो गया। उसने पूछा "क्या बात है?" मैंने सब बात सुनाई। फिर मैं अपने साथियों के साथ बैठा दिया गया।

मैंने समझा, कि काम पूरा हो गया। इसलिये मै और श्री मणीभाई बाजारमें दुर्गदवेल चौक की तरफ चले गये। मणीभाईने कहा "चलो बाबूभाई के यहाँ जायेंगें।" हम उनकी दुकान पर गये। बाबूभाई नहीं थे। उनके छोटे भाई नटवर भाई थे। उन्होंने कहा "चलो पुलिस को फोन करलें।" हम फोन कर ही रहे थे कि हमारे घरसे दौडता हुआ भीखचंद आया–और मुझे कहने लगा– "भाई-साहब अपने घरके सामने ५–७ गुण्डे और आये हैं और अपने सबलोगोंको बुरी तरह मार रहे हैं।" मैने उससे कहा "तू जा, अडोस पडोस और बाजार वाले भाईयों की मदद लें; मैं पुलिस स्टेशन जाता हूँ।"

उधर क्या हुआ था कि जिन दो व्यक्तिओं को हमने घरसे बाहर निकाला था, उनमें से एक घरके बाहर ही बैठा रहा और दूसरा गया और अपने ५–७ साथियों को ले आया। वे सब सादे पोशाकमें थें। कोई भी पुलिसके ड्रेसमें न था। गुण्डोंकी टोली मालूम होती थी। उन लोगोंने आकर रस्तेमें हमारे घरके बाहर हमारे लोगों को मारना पीटना शुरु किया।

मैं और श्री मणीभाई पुलिस–स्टेशन पहुँचें। सब इंस्पेक्टरसे हमने कहा – "पान बाजारमें 'जेमको टी डिपो' के सामने ५–७ गुन्डे आये हुए हैं और हमारे लोगों को बुरी तरह मार रहे हैं – आप जल्दी मदद भेजीये" सब–इन्सपेक्टर ने पुलिस के दो अदमियो को वहाँ जाने को कहा। मैने कहा "वहाँ ५–७ गुन्डे हैं, आपके दो आदमी क्या कर सकेंगे? कृपया ज्यादा आदमीयोंको भेजीये।" सब-इन्सपेक्टर ने इस पर ध्यान नही दिया और कहा "कहाँ जादा आदमी है यहाँ?"

वे दो पुलिसके आदमी हमारे घरकी तरफ चले। श्री मणीभाई भी उनके पीछे २ गये। मैं सब इन्सपेक्टर की ऑफिस में ही बैठा रहा।

उन दो आदमियो के स्थान पर पहुँचने के पहले ही वे गुण्डे हमारे चार भाईयोंको हथकडिया डालकर, रस्सीसे बाँधकर, मारते पीटते गालियाँ देते हुए, पुलिस–स्टेशन की तरफ लेकर आने लगे। तब मालूम होगया कि ये गुण्डे नही बल्कि खुद पुलिस के लोग ही हैं। गुण्डोंके पास हथकडियें कहाँसे आएगी। वे दो पुलिसवाले जो कि पुलिसस्टेशनसे रक्षाके लिए भेजे गये थें, वे भी उन बिना ड्रेस वाले पुलिसों के साथ होगये। और उनके कार्य मे शामिल हो गये।

रास्तेमें थोडे आगे ही मेरे मित्र श्री शातीभाई एम्. ए. और जो कि Phd के लिए Philosophi मे थिसिस लिख रहे है और जो १५–२० दिन पहले ही मेरे साथ हमारी पेढी में कार्य करने के लिए गुजरातसे नौकरी से छूटे होने पर आये है – और श्री मणीभाई के दो मेहमान ये तीनो ही लोग सीटी बस पर गये थे – बस चूक जानेसे श्री मणीभाई के घर की तरफ आ रहे थे, उन तीनों को भी इन लोगोंने पकड लिया और रस्सीसे बांधदिया और मारपीट करते हुए आगे बढे। ये तीनों सज्जन सिर्फ, हम लोगोंने उन दो गुण्डोंको घरसे बाहर निकाला तब हमारे साथ थे।

आगे रास्तेमें श्री मणीभाई को भी पकड लिया और मारपीट करते, गालिया देते, इन सब आठ सज्जनोंको पुलिस–स्टेशन ले आए। चोर भी साथ था, पर वह न तो बाँधा हुआ था न हथकडी ही पहनाई गईथी।

मैं सब-इंम्पेक्टर की ऑफिसमे बैठा हुआ था। वहाँ से मुझे भी मेरे साथियों के साथ मिलाया गया। मुझें थप्पड मारी और मेरे साथियो को चप्पल आदिसे पुलिस स्टेशनमें सब-इंस्पेक्टर श्री पुरोहित के सामने भी मार पीटा।

फिर हम लोगोंको उनके ऑफिस के कमरेमे थोडीसी जगहमें टेबलके पास, टेबल के नीचे कुत्तों की तरह बैठाया गया।

पुलिसके एक आदमीने कहा बोलो, "अब तुम सबको मारने में सिर्फ पाँच मिनट चाहिये।"

मैं उनकी मुर्खता पर मनमे हँस रहा था। ऐसा व्यवहार मैंने पुलिस द्वारा चोर व गुण्डो के प्रति भी होते नहीं देखा था। ये लोग डाकुओं या विदेशी आक्रमण कारियों की तरह व्यवहार कर रहे थे। नादिरशाह के जुल्मों की याद आई।

इतनेमें पुलिस स्टेशन के बहार नागरिकों की भीड जमा हो गई। १५–२० मिनट बाद मेरे साथियों की रस्सी छोडी गई और फिर बादमें हथकडियाँ निकाली गई।

फिर सब-इंस्पेक्टरने मुझें अपने कमरे में बुलाया। मैं कुर्सीपर बैठने लगा तो उसने रोबसे कहा। "वहाँ खडे रहो तुम बैठने के लायक नहीं हों।" मैं खडा हो गया। उसने पूछा "क्या बात है?" मैंने सब बातें सुनाई। फिर मैं अपने साथियों के साथ बैठा दिया गया।

इतनेमें नागरिक जादा जमा होगये और प्रतिष्ठित व्यापारी व अन्य प्रतिष्ठित सज्जन आये। फिर हमसे ठीक व्यवहार होने लगा। फिर आपसमें समझौते की बातें लोग चलाने लगे। हमने कहा " हमने क्या गलती की है सो हमारे साथ ऐसा व्यवहार हुआ और जानवरों की तरह हमें मारा पीटा गया।"

फिर मैं (मेरा हृदय अत्यंत दयालु एवं सुशील होनेसे) इस निर्णय पर आया कि यदि ये लोग इनके इंस्पेक्टर वगैरेह भी शामिल लिखित माफी पब्लिक व मेरे साथियों से मांगले, तो हम आपसमें समझौता कर लें। पर यह शर्त शायद उन्हें मंजूर नहीं हुई और वे लोग हमें जामिन पर छूटने के लिए कहने लगे तो हमें बहुत बुरा लगा—कि एक तो हम मात्र निर्दोष, सेवाभावी सज्जनों के साथ यह दुर्व्यवहार किया गया उसके लिए उन्हें शर्म आनी चाहिये, उसकी जगह उलटा हमे कहा जाता है कि जामिन पर छूट जाईये। हमें जामिन पर नहीं छूटना था।

कुछ लोग—कॉमन मित्र या अंदरसे पुलिस के मित्र या पुलिस से डरने वाले—समझौते की बाते करने लगे और जामिन पर छूटकर कार्यवाही करने का कहने लगे, तो मैने कह दिया "आप सब सज्जन साथ है तो बहुत अच्छा ही है; यदि आप कोई भी साथ न भी हो तो भी इस केस के लिए मैं अकेला ही काफी हूं। परमात्मा ने मुझे संत का बल दिया है और एक लाख रुपया खर्च हो तो भी हमें चिंता नही है—एक वर्ष की पैदाइश है। ८० हजार हमारी पेढी कमाती है और २० हजार मेरे मित्र श्री मणीभाई की। कदाच दो साल की इनकम दो लाख की, या जरूरत पडने पर उससे भी जादा डाल देंगे।" इससे लोगों ने ढीली बातें करना छोड दिया। फिर भी लोग ढीली बाते करते ही थे, इस तरह बातें चलती रही। शामको लगभग ६–६॥ बजे हम लोग K. M. C. होस्पिटल गये। सबको चोटें लगी थी। फिर मैं D. S. P. से T. B. में मिला। उसको Complaint दी। उसने मुझे बॅण्ड (Bond) पर छुटनेकी सलाह दी। मैं मौन रहा। मुझे यह मंजूर नहीं था। पर मेरे मित्र H. K. Shah साथ थें। उनकी और D. S. P की साधारण पहचान थी। कहीं मीटिंगमें मिले होंगे। मैने उन्हें बुरा लगे ऐसा मुँह पर कहना नहीं चाहा, पर मैं बॉड पर छुटनेके लिए कैसे मंजूर हो सकता था।

रातको हमलोग पुलीस स्टेशन में ही सोये। मै ३ बजे जग गया। ३ से ३॥ तक बिस्तरमें ही आराम किया। फिर बिस्तरमें बैठ गया और ३॥से४। तक मंत्रस्मरण (हमेशाकी भांति जोर से उच्चारण करते हुए) किया। फिर नीचे आया। मुझे घुमने जाना था। सब-इन्स्पेक्टरसे कहा, " मुझे घुमने जाना है चाहे तो आप अपने आदमी साथ भेज दीजिए। उसने मुझे कहा " आप यहीं कंपौंड में ही Walking कर लीजिये। शहरमें गडबड है और आपके साथ पुलिस भेजना हमें अच्छा नहीं लगता।" मै ने कहा " अब ४। बजे हैं, पूरी शांति हो गई है और आपके साथीने हमें मारा पीटा और सब कुछ किया है तो आपको मेरे साथ पुलिस भेजने में क्या अच्छा नहीं लगता।"

उसके अनुरोध करने पर मैंने कंपाऊंड में ही Walking कर लेने का प्रयास किया पर मुझे संतोष न हो सका। तब मैंने लिखित इजाजत मांगी। " मुझे घूमने जाना है। मैं सेंट मेरीज हाईस्कूल तक जाता हूँ जाने आने में मुझे एक घंटेसे ज्यादा समय नहीं लगता। मै घुमने नहीं जाऊं तो झाडा साफ नही होता और स्वास्थ्य बिगडता है। आप चाहें तो आपके १ से ४ या कितनेभी आदमी मेरे साथ भेज दीजिये।"

सब-इन्स्पेक्टर ने एक वाक्य जोडने के लिए कहा " यदि मैं भी लौटूं, तो ५०० रु. मैसूर गवर्नमेंटको देनेके लिए तैयार हूँ।" मैंने यह वाक्य जोड दिया।

सब-इन्स्पेक्टर ने कहा " आप घर जाईये; स्नान व नाश्ता वगैरह करके ८॥-९ बजे आ जाइये।" मैंने उसके लिए इन्कार किया। मुझे सिर्फ घूमने जाना था। मै ४॥से ५। तक घुमने गया। मेरी भावना बहुत ही पवित्र और निर्मल थी।

५। बजे आकर मैंने अपने साथियोंको जगाया। ५॥ से ७ बजे तक हमेशा की भांति हमने सामूहिक प्रार्थना (हमेशा की भाँति जोरसे) की। हम भक्तिवाले ७ थे। पुलिस स्टेशन को भी प्रार्थना भवन बना दिया।

फिर हम शौचादि से निपटे। इतनेमें पुलिस–स्टेशन के बाहर खूब लोग जमा हो गये। मैंने ४-६ डजन संतरे मंगवाये। संतरों से मेहमानों का आगत-स्वागत किया। पुलिस के कुछ लोगों को भी संतरे दिये और

हमने भी खाये। लोगों ने हमसे कहा "आज आप खाना मत खाईये" हमने उनकी बात का स्वीकार किया। मेरे कुछ साथी बहुतकमजोर होने की वजह से दूध व फल पर उपवास करने का हमने मंजूर किया।

फिर D. S. P. आये। लोगों पर आनावश्यक लाठी चार्ज व गोलीबार हुआ। निर्दोष व्यक्तिओं पर अत्याचार हुआ। फिर हमें कोर्ट में ले गये, जब लगभग १ बज चुका था।

कोर्ट में मजिस्ट्रेट महोदय ने इंस्पेक्टर को कडी नजर से देखा और हमें चौबीस घंटों से अधिक अंदर रखने के कारण कडे शब्दोंमें ठपका दिया। मजिस्ट्रेट मुझे कोई ईश्वरीय, ईश्वर परायण व्यक्ति महसूस हुआ। वृद्ध पुरुष, सिरपर सफेद मैसूरी साफा, शांत चेहरा, कोमल एवं न्याय के लिए निर्भीक प्रकृति। मुझे वह वास्तविक न्यायाधीश प्रतीत हुआ।

हम लोग पुलिस से जामिन पर या बॉंड द्वारा छूटने के लिये मंजूर नहीं हुए थे। मैं कोर्ट से भी बॉंड पर छूटने के लिए तैयार न था। पर वकील व मेरे मित्र हिम्मत शाहके दबाने से और मेरे साथी श्री शांतिभाई अेवं दो मेहमान जो मेरे साथ गिरफ्तार थे, उनसे मैं कंटाल गया था। और गोलीबार देखने का यह मेरा पहला ही मौका था– आदि बातों से मैं हैरान था। विष के एक कडुवे घुंट को पीने की तरह मैंने बॉंड पर छूटनें के लिए पूछने पर 'हॉं' कह दिया। इच्छा के उपरांत मन को मारकर बेसुध की भॉंति 'हॉं' कह दिया। विष का घुंट पी गया।

यदि हम कोई से भी बॉंड पर न आते तो और भी बहुत अच्छा होता। सत्य की जय और भी ज्यादा होती। चीफ मिनिस्टर या किसी को आना पडता और हमें वे लोग अनुरोध करते; जनता फूलों के हार गलेमें डालकर शहरमें जुलुस निकालती। सत्य की जयजयकार और ज्यादा होती। केस चलने का काम ही नहीं रहता– वहॉं का वहॉं निस्तार हो जाता।

पर काल दूषम है। इतना जादा कालको मंजूर नहीं है।

हम लोग घर आये। आते ही स्नान करके, खाना खाकर मै होस्पीटल गया–गोलीबार में घायलो की स्थिति देखने और मदद करने। पर किसीने संकोच डाल दिया कि तुम मदद करोगे तो ये पुलिसवाले उसका दुरुपयोग करेंगे। तुम्हारे ऊपर दोषों के आरोप करेंगे।

सत्य की जयजयकार रही।

होम सेक्रेट्री, I G P D I G, Deputy Commisioner (Collector) और D. S P. आदि सब घर आये। फिर हमें I B में मिलने बुलाया। मिनिस्टर आये तो भी मिलने बुलाया ओर प्रेम व सदभावनाका व्यवहार किया।

सब जगह मिटीग आदि मे बुलाया गया, सब बडे २ लोग मिले और प्रशसा हुई। मुझे तो कुछ नही–सत्य की प्रशसा हुई।

यह बनाव मारवाड़ी–गुजराती समाज, पुरा व्यापारी समाज और समस्त जनता के लिए श्रेय का, हित का कारण हुआ। पुलिस वाले किसीको कुछ भी समझते ही नही थे। अपने मनमाने अत्याचार करते थे। अब उन्हे शिक्षा मिली। अब वे जरा सोच समझकर कार्य करेगे समाज व जनता की शान रही।

मुझे उन व्यक्तियो से–जिन्होने हमें मारा–पीटा या दुर्व्यवहार किया, कोई वैर विरोध या अमैत्री भाव नही है। उनके लिए वही मैत्री भाव है जो कि सबके लिए है। न मुझे इस केसकी ही ज्यादा परवाह है। मेरा प्रयत्न यह है कि सारे भारतमे यह जो उन लोगोका मनमाना दुर्व्यवहार चल रहा है, उसे ठीक करना है। पुलिस का कार्य है स्वय सेवक, सेवा दल या स्काउट की तरह का। पर वे बन बैठे है डाकुओ आक्रमणकारियोकी तरह। इस स्थिति को ठीक करना है। भले हमें दिल्ली तक लडना पडे या प्रयत्न करने पडे–और करने पडेगे ही–हम सब करेगे, और इस स्थिति को सुधारेगे भले लाखो रुपये जरूरत हो तो खर्च हो जाएँ।

अभी महीने भर की ही बात है–२४ डिसेबर १९६० को बीजापुरमें किसी व्यापारी भाई के यहॉं सोने के आभूषण आदि की चोरी हुई। दो चार हजार का माल होगा। उसने पुलिस–स्टेशन मे फरियाद लिखवाई ता. २८–१२–६० को सब–इन्स्पेक्टर ने उस सज्जन को बुलाया–उसे मारा–पीटा, धमकी दी और उससे लिखवा कर ले लिया कि "मेरी सब चीजें आभूषण आदि मेरे ही घरमें मुझे प्राप्त हो गये है" उसके भाई को भी बुलाकर धमकियां दी।

यह है स्थिति । आप जरूरत पडने पर रक्षाके लिये या फरियाद के लिये जाईये पुलिस-स्टेशन; मगर आपको ही धमकी देकर या मारपीट कर निकाल दिया जाता है और सताया जाता है । क्या इससे प्रगट नहीं है कि अधिकांश चोरियोंमें और बदमाशियोंमें पुलिस का खुदका हाथ है ।

पर भाईयो ! पुलिस के लोग भी हमारे ही भाई है । वे लोग कुछ विदेश से नहीं आए है । पर अव्यवस्था से यह दशा हो गई है ।

किसान को, व्यापारि को, स्कूल के अध्यापक को, पोस्ट के कर्म चारियों को आदि २ लोगों को ऐसे अवसर ही नही है कि वे लोग नालायकि कर सके । पुलिस को मात्र ऐसे ही अवसर हस्तगत है–और जहाँ छोटे से लेकर बडे तक सभी चोर है वहाँ सुने कौन ? मात्र परमात्मा । परमात्मा को सुनाने के लिए आपमें सत चाहिये ।

मै सरकार से अनुरोध करता हूँ कि पुलिस कान्सटेबल व छोटे अफसरों का वेतन बढा दिया जाय और इस तरह के दुर्व्यवहारो का अति शीघ्र अंत किया जाय ।

हम अपने प्रयत्न पूरी तरह शांतिसे व विवेकसे कर रहे हैं । परमात्मा हमारे साथ है ।

—धेवरचंद जैन

राजकमल प्रेस, बेलगाम.

JINEVARCHAND JAIN

HUBLI.

already Sent to the addressee

34

The Administrator,
Hubli Municipal Barough,
H U B L I.

Gentleman,

There was some guest to me yesterday and I took him to have a round of our City. I took him to the K.M.C.Hospital and while returning we drove by the Station Road. Our car came to the Ganeshpeth Circle (Maratha galli Connected with Station Road.) I did not want to take him further on the same direction as that part of City is too dirty and poor. I wished to take him via Marathagalli and straight and then to Javalipeth side as the broadway you have made one way. But yesterday I found that the Maratha Galli also has been made one way. I had to take my guest to the dirty and ugly looking part of Hubli which is neither a bazar nor a nice looking area. I wanted to show the guest some nice looking parts of our City but I had to ~~took~~ take him to the dirty and ugly looking part of our City.

This is not at all right to make one way "Broadway and "Maratha Galli" and make that dirty part the Main Road, for the vehicles coming from the Station to Bazar. Broadway and Maratha Galli is the bazar and better looking and neat area and sufficient broad to pass even three or four cars. These roads may be closed for goods vehicles only and not be made oneway. And that dirty and ugly looking part should not be made main road Perhaps you are putting midroad lights on that ugly looking road. If at all anyhow you think the Broadway and Marathagalli narrow road(which is not). You my make this part (maratha galli and broadway) to enter the city from the Station and make the Bus stand road, Bajiban peth via Municipal Office for going to Railway Station. Any how the dirty and ugly looking area (area beyond the Ganeshpeth Circle towards the city) should not be made main road.

If you do not realise the facts and insist upon that area, it will be said to be your communal misthinking. And there are some other facts to make one's suspicion strong.

You have put the Chief Officer,

Muslim Gentleman. We don't object much for removing the Old Chief Officer He may have done wrong in time of members, but you could have taken him to the right way. If you yourself are honest and sincere, he must come to honesty and sincerity. You gave the contract of the Market to a Muslim Gentleman.

You are a good and capable man. You have done far better than the members. People appreciated your work in the beginning and when it was really good but now some looseness may have come in you. Please leave your weak points and be better. We have love and respect for you. We don't disregard you but be better, more sincere and more honest. That is what I wish.

I am always ready and free from my business to serve the City and the Nation. You can phone me or call on me at any time, you please, for my advice or consultations. I am ready to serve honorarily anywhere I am needed. I can advice you and anybody in the best way.

Yes, please dont make that part the main road for coming from the station to the City. Please change the route.

May God (Khuda) Bless you honesty, sincerity loyalty, truthfulness etc.

7-30 A.M.
23th Feb. 1961.
H U B L I.

Sincerely Yours,

(GHEVARCHAND JAIN)

P.S.

You cannot do and should not do what you wish but should do what is better or best.

I am always at the service of people. Think me as your friend and well wisher. You will be really more happy and more prosperous by more honesty and more sincerity etc.

T H A N K S.

पु. भाई साहब, (Moolchandji Daga, M.L.A. Pali)

सविनय जय सद्गुरु वंदन यहाँ जो घटना हुई उसके समाचार आपके साथ के छपे हुए पत्र से ज्ञात होंगे. परमात्मा की कृपा इस घटना ने मुझे बड़े लोगों के मैदान में धकेल दिया. परमात्मा की अनाम कृपा. कुछ तो पूर्व जन्म के खास संस्कार फिर आपका मिलना और आपका ३-४ वर्ष का अत्यंत निकट सहवास, फिर परम कृपालु परमात्मा श्री मद राजचंद्र देव के मार्ग की और परम पूज्य श्रीमद्जीजी के दर्शन व बहुत वर्षों तक उनका निकट सत्संग की प्राप्ति और इस जीव की निर्मलता आदि से यह जीव आगे से आगे बढ़ता रहा पर लोगों में ख्याति प्राप्त करने की बड़ा कहलाने की उत्सुकता नहीं हुई. प्रभु की कृपा से इस जीव ने कोई तो बहुत ही अच्छे जो कि महा पुरुषों के जीवन में भी थोड़े ही होते हैं ऐसे अनिच्छो कार्य इस जीव द्वारा हुये और दीन दुखियों का और सुखी संपत्तियों का सेवा का लाभ यह भव पाता ही रहा.

इस घटना ने लोगों को नजरों में चढ़ा दिया.

मुझे परमात्मा का अगाध साथ रहा. मुझे किसी वकील या बैरिष्टर की जरूरत न थी. मेरा परमात्मा मुझे मार्ग दिखा रहा है. और मुझे मालूम है विश्वास है कि जब जरूर जरूरत होगी वह आ जाएगा. परमात्मा उसे भेज देगा. पर लोगों को इतना ज्यादा विश्वास न होने से वे मुझे वकील व बैरिष्टर के लिए प्रेम भरा दबाव करने लगे. मुझे कोई वकील व बैरिष्टर तो नहीं आ सकते. लोगों के दबाव हैरान होकर आखिर मैंने आपको फोन किया व तार किये. एक पालनी और एक जयपुर. समझा ले मेरा भाई है. उसमें अपेक्षा से स्नेह भी है निर्मोह भी है और बल भी है. और मेरा खुद का है वह. इसलिये लोगों के दबाव से दबकर आपको फोन व तार कर दिये. वास्तव में जरूरत न थी. मैंने समझा इस निमित्त से भी भाई भाई के घर तो आएगा. दोनों भाई कुछ दिनों तक साथ रहेंगे. जीवन की बातें होंगी. एक दूसरे को मौन देखा करेंगे.

व्यावर सद्गुणी के लाडले - कुंवर साहब के लग्न की शादी तारीख ४-२-६१ की थी. मैं यहाँ से ता: २ को रवाना हुआ ता. ३ को आश्रम व अहमदाबाद आया अहमदाबाद से आपको तार किया

तारीख ४ को शिवगंज और ब्यावर गया तारीख ५ को ब्यावर ठहरा. मैं शिवगंज से ट्रेन में गया. इसलिये पाली न आ सका. विचार था कि लौटते समय ब्यावर से श्री पुनमचन्दजी की गाड़ी लेकर पाली आपसे मिलता हुआ शिवगंज आहोर होता हुआ आश्रम होता हुआ बंबोली आ जाऊंगा, मगर उनकी गाड़ी काम में थी. मैं ट्रेन से शिवगंज आया अतः पाली न आ सका और मुझे मालुम भी नहीं कि आप पाली है या जयपुर ?

मैं काल यहाँ पहुँचा. यहाँ आने पर आपका पत्र मिला. और आपको हृदय रोग जान कर दिल को बहुत लगा. आपने मुझे इतने समय तक लिखा भी नहीं. मुझे कुछ मालुम भी नहीं नहीं तो अवश्य पाली आता.

आप तीन मास बिस्तर में रहे और मुझे सूचना तक भी नहीं आप भूलते है. मैं ही आपका सबसे निकट प्रेमी हूँ आपका पुत्र या बड़ा भाई या पति भी नहीं हो सकता इससे ज्यादा निकट मैं हूँ. आप इसको भूल गये हैं मैं इस को भी भी नहीं भूल पाया हूँ. ईश्वर की कृपा है' हम दूर नहीं हम हमेशा एक है मुझे आपकी M. L. A Ph.D में या नाम या ख्याति से मतलब नहीं आप मेरे पवित्र मित्र, पवित्र भाई है आप कुछ भी हो कैसे भी हो, सुखी हो दुखी हो अच्छे हो या खराब हों पर मेरे है।

आप तो ऐसे कहते है कि मैं आता हूँ तो नाश्ता वगैरह करने का भी आपको अवकाश नहीं जिस तरह दूसरों के साथ प्रेम से थोड़ी बातें कर लेते है- विनय सत्कार लेते है वैसे ही मेरे साथ भी. मैं इसके लिए नहीं आता. आपका अपनापन मुझे जरा भी आकर्षित नहीं करता आप में मुझे आकर्षित करता है, व मेरा है.

मेरा साथ छुटने के बाद आप काफी गिरे है आप में जो पवित्रता, निर्दोषता, सेवा भाव- अतिथि सत्कार, सत्य आदि गुण अपने साथ थे जब थे वे अब काफी कम हो गये है उन्हों की बदौलत आगे बढ़े हैं पर अब उनमें कमी हुई.

आपको वैसा पवित्र साथी नहीं मिल सकता जो छोटे भाई के कर्मो पुरे करे. मुझे आपके कर्मो करने वाला एक सच्चा मित्र मिल गया. सद् गुरु मिल गये. परमात्मा मिल गया. मैं फुला-फला और आगे बढ़े- परमात्मीय गुण विशेष खिले !

मैं यहाँ आता तो मुझे खेद होता कि भाई यह क्या कर रहा है. पूर्ण सत्य मोक्ष दूर है. थोड़े सत्य के पीछे दौड़ रहा है और पूर्ण सत्य की वरमाला नहीं है.

इसी गड़बड़ थाली में आपको यह हृदय रीता हुआ लगता है इसका कारण सिर्फ मेरे पास है. यह सब झंझट M L A या M P चुनाव जीता छोड़िये. मेरे साथ आइये. आप M. L. A या M.P के योग्य नहीं है परमात्मा में रहिये आप देश के महान् नेता के योग्य है. पर यह मेरे साथ. परमात्मा के साथ. इन छोटे पदों के पीछे मत आइये. सीधे ही अंतिम पद पर जाना है. ये पगथिये steps आपके लिये नहीं है.

सब उपाधियें छोड़िये. निर्ग्रंथ उपाधी हो जाइये. निश्चिंत हो जाइये कुछ भी नहीं करना है. अपने आपको परमात्मा को सौंप देना है. उसे जो कराना होगा. वह कराएगा. सब विचारों को छोड़ देना है.

शायद आपको मेरे छोटे भाई बहुत बड़ी बात लिख रहा है. पर क्या करें? अकरता पद पर आपको आना पड़ा है. नहीं तो मेरा भगवान परमात्मा ने इसीलिए तुम्हें देश का महान् से महान् पद सम्भाल लेगा.

देश को पूरे नये मार्ग की जरूरत है यह भी कुछ हो रहा है. सब जानते है. यह सही भारत के लिये नहीं.

गांधीजी ने भी बहुत बहुत सुंदर मोक्ष मेरे उद्धार के है गांधीजी ने कृपालु देव श्री मद् राजचंद्र से थोड़ा ज्ञान पाकर देश को आजाद किया. अब उसका कुछ पुनः जागृत करना है. शायद परमात्मा यह मेरे हाथ कराए. परम कृपालु देव श्री मद राजचंद्र जैसे अलौकिक पुरुष हैं. उनका मुझे बहुत लाभ मिला है गांधीजी को थोड़ा मिला.

संसार की पूर्ण मुक्त मोक्ष शायद परमात्मा देखते हैं. इन्हें कल्पनाएं मत समझिये. हाँ मित्रो, ये बातें दोस्तों को कहने की नहीं पर आपको अपना खास भाई समझ कर अभी अभी दिया होने से व्यक्त कर दी है नहीं तो कभी कुछ कहा जाय. जब अपने आप काम करेगा.

एक तरफ इतनी शक्ति मालुम होती है. दूसरी तरफ सब कुछ [redacted] चला जाए. पाई पाई चली जाय. अच्छे अच्छे मर जाय. मुझे जेल जा फांसी हो जाय तो मैं फांसी के तख्ते पर परमात्मा की गोद में आराम से लेटने वाला हूँ. गांधीजी से बेहतर मरण कैसा होगा..

परमात्मा साक्षी है

Phone : 320
RCHAND JAIN
PAN BAZAR,
HUBLI. 16-2-61

पिता तुल्य पूज्य हरडीकर साहब,

सविनय जय सद्गुरु वंदन आपका पत्र मिला मैं वह पत्र I.G.P. आदि को पोस्ट न करूंगा. पर उसे बहुत से लोग देख तो चूके हैं. C.I.D. के D S P. आदि भी देख चूके हैं और अब प्रति (copy) किस तरह की हुई उनको दी भी है सत्य के लिये कुछ भी तकलीफ कैसी भी तकलीफ आए तो भी बहुत ही आनंद. यह मेरी वृति है, पर आप जैसे बडील, पिता तुल्य पूज्य और अनुभवी अेवं संत जैसे पवित्र पुरुषों की आज्ञा मेरे सिर पर है. मैं आपकी अनुमति के आगे नहीं नवुंगा आप जैसा लिखेंगे वैसा ही करूंगा गांधीजी ने गोखले की आज्ञा सिर चरी थी, वैसे ही आपकी आज्ञा मेरे सिर है

मुझे इस केस से कुछ भी नहीं है मैंने तो आनंद लुटा है. पर देश की यह हालत देखी नहीं आपकी आज्ञा होगी वैसा करूंगा

मुझे नहीं है मराठी जानता है: मुझे तुकड फेंकते हैं. पर आप मराठी एगा मेरा स्टाफ जानता है मैं पसंद नहीं करता. यह का है अत्यंत सरल

मेरा दी थोड़ी थोड़ी समझ बढ़ रही है
मेरे मन में अब बात रह
मेरे घर नहीं पधारे उसके लिये हम
इंतजार में हैं

आपका पुत्र समान
देवरचंद जैन
का प्रणाम

4/

77 40

COPY

NO. F.3-52(WS)/60-1
Government of Indi
MINISTRY OF HEALTH

New Delhi dated the
22nd February, 1961.

From

Shri Amar Nath Verma,
Under Secretary to the Govt. of India.

To

The Secretary to the Government of Mysore,
Local Self-Government & Public Health Department.
Bangalore.

Subject: Mallapur Piped Water Supply Scheme - Taluka Gokak - Distt. Belgaum - National Rural Water Su ly & Sanitation Programme.

Sir,

I am directed to refer to your letter No. LLH. 10VRW/60 dated the 25th October, 1960, on the subject mentioned above, and to say that the information on the following points may kindly be furnished to this Ministry before the scheme in question is considered for approval.

1. The present estimated total population of Ghataprabha Village;

D There is no water supply in village — yet. Mallapur 1/3 + Dhupdhal 1/3 may Jernal Ghataprabha village — population about 2000 Mallapur 1000 3000

2. The present arrangement, if any, to supply water to Ghataprabha Village, J. G. Cooperative Hospital, The Karntak Health Institute and the Southern Rly. Station

(2) All the Three are pumping water from percolation Tanks in river. It is too insufficient & in summer dries up completely

3. Whether the present scheme would augment the existing water supply to the above village and Institutions.

(3) Definitely.

Yours faithfully,

Sd/- A.P. ATRI.

for Under Secretary.

42

ગાયત્રી જ
૨૩/૬૬

પૂ. ડૉ. હડીકર મામા

દી. સા. ન. ઈ. પ્રા.

આપનો તા. ૨૦-૨- નો કાર્ડ દિવાળી

આપલ્યા પત્રાચી મી આતરસેનને વાચ દાખવા. હોતો. શ્રી. દુગાબા
માંચેકડૂન હી બરેચ દિવસાંત ઉત્તર નાહીં. માઝો મામા વહાડ મી
તિકડોનંચ પણ ત્યા આધી મી આપણાસ એક મામલ્યાચી
સૂચના કરીત આહે. તી કરણ્યાચા માઝા અધિકાર આહે કિંવા
નાહીં ત્યાચા વિચાર મી કરીત નાહીં. પણ તી સૂચના કરણ્યાચી
ડારરી આહે અસે મલા દિસતે. તી મણજે તુમ્હી જે પૈસે
કરીત આહાંત ત્યાલા થોડે બંધન ઘાલાવે. તુમચ્યા મનુષ્યિકા
તે સેપણારે નાહીંત. તુમ્હી જો કાર્યક્રમ આખલા આહે ત્યા
માગીલ પૂર્તિકા મલા નિશ્ચીત માહીત નસલ્યા તરી મી અંદાજ
કરું શકતો. આવશ્યકતા તુમ્હી જી પૂર્તિકા ઘેતલી હોતી ત્યા
વરુન મી તો અંદાજ કરતો.

તુમ્હી સેવાવ્રતાચે આમ પૂર્વી પેકે
ત્યામાનને આતાંચે કામ સમાધાન કારક નાહીં. મા વહાડ
તુમ્હાલા દૂર દૂર લાગૂન રાહિલી આહે. આણી સેવાવ્રતાંચી
સભ્યાંચી અધોગતી એકતર ઓળખલી પાહિજે ~~અહિંસા~~ ત્યા
નાહીંત તે સંપલે પાહિજે.
મધ્યે તેજ નિર્ણય ~~ઘ્યા~~ ઘ્યાવે પાહિજે. આસા આહે કા આપણા
નિર્ણયાલા આતા આહોત. અધોગતી હા શબ્દ માઝીયા
નિરવર આણી કઠવર અસલા તરી મી તો પૂર્ણ વિચારાતી
વાપરલા આહે. આવશ્યક તેવે મલા જે દુઃખ દિસલે
ત્યા મધૂનચ મી તો નિષ્કર્ષ કાઢલા આહે. પણ મલા
આવડલ નાહીં મણાવયાચે નાહીં. મલા ફક્ત

विहीरीचे आहे ते आपल्या दोन-चार वाड्याचे. तुमच्या वस्तीचे लोक हळू हळू आम्हांस सोडून जात आहेत. ते गरीबसेवेचे काम चालत असेल तें असो पण माझेसारख्यांना मात्र ते आम्हांस पोरके करून जात आहेत असेंच वाटते. पं. पंतांबद्दल वेडेंवांकडें बोलणारी वार्तासी ऐकावी लागेल त्याबद्दल मनाची तयारी करून ठेवावी लागत आहे. तुमचे वय अशा गोष्टीचे दोर करण्यास योग्य नाहीं. तुम्हांला मात्रयांत आम्हीं तें करण्यास मागे पाडावें ही स्वरोस्वरच आम्हांला वाटिस्वाणी गोष्ट आहे. आणि इतिपाय त्यामधून काहीं निष्पन्न होईलच असें नाहीं. काहीं करावयाचें असेल तर आतांचे सेवाकार्यांत आपुलाही वाटा घेऊन आपाला पाहिजे. माणसें, विद्या, सामर्थ्य सर्व काहीं ~~वाढवावयाला~~ वाढवावयाला पाहिजेत. ~~आ~~-अमर, व्यंकटदास आपण (आणि आम्ही) आपण गेल्या एक तरी माणसास आज सेवाकार्यांत आहे आहे असे. सुब्बारावही आहे. पण तोही चेटाकरता आपावा. त्याला वावच नाहीं. आणि म्हणूनच मोठमोठी बुद्धीमान माणसें सेवा कार्यांत मेणाली नाहीं. आवगार मेलें सांत मजूर आले होते. त्यांचा कसरी जो पाहिजे त्या मानानेंच त्यांची संघटना त्यांच्या सोयीत आपणाले. तुम्हीं दोघे गेलात, ~~तर~~ आतमधे आरोग्येला तरी त्यांत वाढ काय होणार? आडांत असेल तर बोचांत (बादलींत) येईल अशी म्हण आहे. आडच कोरडा असला तर बादलीत काय मेणार? विशाल बुद्धी सोडून पाहावयाचे

अधिकारी, गरीब आदिवासी आदि या गोष्टींची
सं. दासाला जरूरी आहे. आणि याच कारणांमुळे आजची
परिस्थिती सं. दासाला आली आहे. मुद्द्यांचा डार नाही,
करावयाचे असेल तर मुद्दयी याच दोन गोष्टींचा
विचार करायला हवे. नाही तर शब्दांचा कीस पाडून
काहीच साध्य होणार नाही.

मला मुद्दयी एक काम करावे असे
मी किती आग्रही केली याबद्दल मुद्दयी विचार करो
न करो, याच वर्षी गोष्टी बोलण्याचा माझा अधिकार
या लेखाने संपला असे समजा.

(१) हिं. सेवा दलाचे इतिहासाचे काम
अपूरच अशा अर्थाचा मेसेज आज सकाळी अशा अर्थाचा विद्यार्थ्य.
साने गुरुजी (गडचिरोली) हिंदी मेसेज पहिलीच.
तेव्हापासून गेल्या पंधरा. आतेवारी गेल्या साली
"व्हालंटियर्स" मासिकाचे विशेषांक तो गेल्या पर्यंत चालू
असावे. या काळात अनेक अशा बहुधा याच्यांचे
निधनही या २१ आहेत. तेव्हा व्हालंटियर्सची
माहिती मला किंवा शोधून काढी काहीच अशा मला
काही मुद्दाम्या असून न काही दिल्लीचा आधार मधून
मिळवायला लागतील. म्हणजे फक्त तपशील. संकलन
वा क्रमे तयार आहे. तेव्हढे झाले तो इतिहास तयार
होईल.

(२) इतर संघटनांच्या इतिहास जरूर मिळवून तरुण
मागे ठरवून आहे. परंतु त्यामध्येही अडचणी आहेत.
आतील जाहीर वाचन पाहिजे. पोलादी पाहिजे.

(3) ઉમેદવાર પરિક્ષા આપવા માટે સમયસર
હાજર થયા બાદ કોઈ કારણસર આંખે ચશ્માવાળા
લોકોના મદદ મળી શકે છે.

જ્યારે આપણે કોઈ માણસને પૂછવા જઈએ ત્યારે
આંખે દિવસે કરાવે લાગે છે. જેમાં વધારે માણસો ને હોવાનું
નથી. એટલા માટે જ પ્રતિમાઓને મોટા હોવાનું આપે
છે આપણે જોઈ મોટા હોવું કારણ નથી. એટલું
માત્ર જોઈ આપ પુરેપુરા મોટા હોવાનું આપે.

લોકોના મને વિશ્વાસ આપવા માટે
મોટા આવતા આપે. જોઈ ઉમેદવાર પાછળ માટે
ઓ-આપણા. ઓ-લોકો. ઓ-મહાદેવ, ઓ-રાવણ
જોઈએ. આમ જાતિ આપણા લોકોને મનમાં
જોઈ રહ્યા પાછળ નથી. અસો.

આપણે સર્વે સુખી છે. બધાને

આ. ન.

H6 47

S.B.Patil.B.Sc.(Agrl)Hons.B.T.,
Principal,Gramsevaks'Training
Centre,Dharwar (Mysore State.)

D.O.No.GTC/Youth/ 719
Dharwar, 10 March 1961.

Dear Dr Hardikaraji,

Under the joint auspices of the Development Block,Dharwar and our Training Centre, a Youth Rally is being organised at our Centre,from 27th March 1961 to 29th March 1961. Members of both Yuvak and Yuvati Mandals numbering twenty five,from the villages of the Dharwar Taluka will be participating in the Annual Rally.

It is felt that the Youth Rally in particular and the Youth Movement in general will receive great inspiration and guidance from you. As such, I would request you to kindly spare a day from your busy engagements for the Rally and accept our invitation to grace the valedictory function of the Rally on 29th March 1961, as the Chief Guest. The Valedictory function is fixed on 29th March 1961 at 4-00 P.M.

Please make it convenient to accept our invitation.

A line in acceptance will be greatly obliging.

Thanking you.

Yours coarddially,

10/3

To

Dr.N.S.Hardikar.M.P.,
50 Akbar Road,New Delhi.
New Delhi.

*****

+7 48

Vs 641/61 EM

EDUCATION MINISTER,
INDIA.

New Delhi,
March 11, 1961

My dear Dr. Hardiker,

I have received your letter dated the 6th March. I shall certainly make it a point to visit your Institution when I go to Mysore next time.

Yours sincerely,

(K. L. Shrimali)

Dr. N. S. Hardiker, M.P.,
10, Akbar Road,
New Delhi-11

28 45

V.K. Dhage,
Ex- MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)

सत्यमेव जयते

A-10-438,
Hardikar Bagh,
Himayetnagar,
Hyderabad, Dn, 13-3-1961.

My dear Dr. Hardikar,

I have not written to you previously but I do so now on purpose. I am sure, you are the right person. And you will be pleased to do it.

In the Ministers in the Centre, there is bound to be some adjustment and one or two new Ministers will be taken in.

Considering the services rendered in social, educational, political and labour fields, the sacrifices made and sufferings gone through for the winning of Freedom, I think Dr.G.S. Melkote should be taken in as a Minister. He will be the most appropriate person. His particular ability and work in the field of Labour cannot but be recognised.

May I suggest that you may kindly attend to it and speak to the Prime Minister, Shri.Lal Bahadur Sastri and Shri.Khandubhai Desai. With your sympathy and support the matter will get crowned with success.

I hope you are keeping well,

With my best regards,

Yours sincerely,

V. K Dhage

Dr.N.S. Hardiker, M.P.
Flat No.I,DI Type,
Diplomatic Enclave,
New Delhi.

198/MMHA/61

Private Secretary to Minister
in the Ministry of Home Affairs

GOVERNMENT OF INDIA.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS.
NEW DELHI.

CAMP March 17, 1961

MINISTER

Dear Doctor Saheb,

Reference my talk to you on telephone this morning. I am herewith enclosing copies of the communications received from the Deputy Commissioner Belgaum, regarding the steps that are being taken in respect of road repairs in Gokak Taluk.

With regards.

Yours sincerely,

(A.G.Joshi)

Dr. N.S.Hardikar,
M.P. (Rajaya Sabha
New Delhi.

M.Sachindanand Moorthy, I.A.S,
Deputy Commissioner, Belgaum.
Belgaum

30 51

No. DDB/WS-V-1850

Office of the Dy.Commissioner,
Belgaum:- 27th Febr. 1961

Subject:- Rural Communication in Gokak Taluka.

Dear Mr. Joshi,

Reference your letter No. 514 MMHA/60 dated 23-12-1960 with a copy of Dr. N.S.Hardikar's letter on the above subject.

I enclose, herewith a copy of the Executive Engineer Gokak's letter No. CMS- dated 28-1-1961 which gives detailed position of Rural Communication in Gokak Taluka which may kindly be brought to the notice of the Hon. Minister Shri B.N.Datar.

Yours sincerely,

Sd/:-M.Sachindanand Moorthy.

To

Shri A.G.Joshi, M.A.
Private Secretary to Minister of State
in the Ministry of Home affairs Govt. of India,
NEW DELHI.

No. CMS/

Office of the Executive Engineer,
Gokak Dn, Gokak. 28th Jan. 1961.

52

To

The Deputy Commissioner, Belgaum.

Subject:- Rural Communication in Gokak Taluka.

Reference your No.DDB/WS-V-1850 dated 4-1-1961 addressed to Executive Engineer, Belgaum Dn, and received in this office below his No. G-92/PB-60-61 dated 12-1-1961.

With reference to your letter No. cited above, have to report as under:-

There are in all two main roads leading to Yadwad and Koujalgi Viz,

1. Arbhavi Likapur Road M.D.R., (Total length in the Taluka, 28.5 Miles).

2. Mamadapur Betgeri Koujalgi Kuligod Road. O.D.R.(Total length 15 miles.)

Both these roads are in charge of D.L.B (Defunct) and they need improvements such as metalling etc. But since they are in charge of District Local Board (Defunct), such improve - ments cannot be carried out by this Department. However, both these roads have been recommended for being taken over to P.W.B. from the end and necessary improvements will be taken up by this Department if the roads are finally taken over to P.W.D. In the ~~Department if the roads are finally~~ mean while, however, some minor Improvements such as murum casing to road(in section having murum wearing surface) is being done under Special programmes as permissible, as per Govt. Order No. PWD-55/CRM-60 of 21-9-1960. And miles 1 to 8 and 11 of Arbhavi Lokapur road are taken up for improvements in the current yeadr's Special Programme accordingly. This would give temporary relief and permanent relief can be given only by remetalling the whole road; which will be done by this Department after the road is taken over to this Department; or the same may be entrusted to Taluka Development Boards, if the proposal of transfer remains unapproved.

As regards Honkuppi, there is an approach road to this village, which takes off from Arbhavi Lokapur road in Mile No. 14. The total length of this approach road is @ 1½ Miles. This road also is in charge of D.L.B. (Defunct). Hence regular repair and Maintenance will have to be done by Taluka Development Boards.

As regards causeway across Ghataprabha River near Masguppi (Tigadi), there is a proposal to raise the level of existing causeway, so as to cause less interuptions to traffic as at present it gets submerged for longer period during floods This work is under investiga tion. The Chief Engineer(General) has called for survey data for the same and it is being collected. And necessary survey data will be submitted to Chief Engineer (General) soon for framing plans and estimates. This work is a Major work. Hence it cannot be taken up under special programmes. It will be taken up after it is included in printed budget.

As regards other approach roads in Gokak Taluka in General, I enclose herewith a copy of finalised list of roads taken up under Special programmes, during this year.

D.A. as above.

Sd/:- S.R.S.Shastri
Executive Engineer, Gokak Dn.

LIST OF ROAD WORKS TAKEN UP UNDER SPECIAL PROGRAMME IN GOKAK TALUKA

53

RURAL ROADS.		**Ms. Flgs.**
1.	Yadwad Mudhol road.	3-3
2.	Godchinmalki Gokak Falls road.	5-6
3.	Betgeri Akkisagar.	3-0
4.	Shiltibhavi to Khanagaon Road.	3-0
5.	Yadwad Gulganjikip road.	3-0
6.	Gulganikop to Awarwad Road.	5-0
7.	Road from Gosbal to Bilkundi to Join Betgeri Tigadi road.	2-4
8.	Approach road to Mannikeri.	3-4.
MISSING LINKS.		
1.	Improvements to Mamadapur Shivapur road.	3-0
2.	Improvements to Ghataprabha Railway Station Konnur road.	2-1
3.	Improvements to Arbhavi Lokapur road.	8-5
4.	Improvements to Tavag approach road.	2-0
	Total.	45-0 miles.

NOTE: The maximum limit laid down is 50 miles per talika for a 5 year Plan period.

Sd/ S.R.S. Shastri
Executive Engineer, Gokak Dn.

18

Sh

Minister of State f r Railways
India.

No.E.(Trg)I.66PS5-6/10 New Delhi March 19, 1966.

My dear Shri Karmarkarji,

Please refer to your letter dated 25th February 1966 to Shri S.K. Patil regarding the issue of a I Clas. all-India free Railway Pass for a period of one year to Dr. Hardikar. We have carefully considered the matter and feel that it would serve the purpose if Dr. Hardikar, who is staying at Hubli, is issued I Class Complimentary cheque passes by the Divisional Superintendent, Southern Railway, Hubli, as and when required by him, this facility being allowed for one year. Necessary instructions have accordingly been issued to the General Manager, Southern Railway, copy endorsed to Dr. Hardikar.

With regards,

Yours sincerely,

Sd/-

Ram Subhag Singh.

Shri D.P. Karmarkar, M.P.
26 Dr. Rajendraprasad Road,
New Delhi.

RAJYA SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

D.O.No.RS.2(18)/60-MA.

March 20, 1961.

Chairman,
House Committee.

My dear Dr. Hardikar,

In view of your letter dated the 15th March, 1961, the Liaison Officer, M.Ps. Accommodation has been instructed to withdraw the letter of cancellation of allotment of servant quarter No.3, South Avenue. I may add that a statement made by a Member is generally taken to be correct but you will also appreciate that there have been a number of complaints about the misuse of the servant quarters allotted to Members of Parliament. Enquiries were held on the basis of these complaints and I do hope that there will be no occasion for such complaints in future.

Under the rules prior permission should be asked for and taken. In this case no such permission was issued from this office. In order to regularise matters, these procedures ought to be gone through. However, the House Committee has now been pleased to permit you to accommodate Shri Govardhan Prasad in your aforesaid servant quarter.

Yours sincerely,

T.R. Deogirikar

(T.R. Deogirikar)

To

Dr. N.S. Hardikar, M.P.

PRADESH CONGRESS
RAJASTHAN

3356

No. 665

Jaipur:
21st March: 61.

My dear Hardikerji,

I have your letter of the 17th instant. I am grateful to you for this letter. I had assured you during our talks at my residence about my full cooperation to friends in Sewadal in Rajasthan. I reiterate this assurance. I am prepared to guide them, but the burden of enthusing the young men to Sewadal will much depend upon the man-in-charge in Rajasthan. Sh.Dabdheech who has been working here for the last few years since Mr. Subbarao left us, has been only able to keep the torch burning. This is not enough. If we have to introduce any dynamism in our movement then the necessity of a dyanamic man with vision is to be kept in view. I had been writing to Shri Inamdarji about this matter and he has not been able to do anything so for. I will do my best in the circumstances. I have your blessings with me.

With respectful regards,

Yours sincerely,

(M.D. MATHUR)

Shri N.S. Hardiker,
10, Akbar Road,
New Delhi.
D/-.

1

MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)

सत्यमेव जयते

No.00114/P

26 Dr.Rajendraprasad Road,
New Delhi-1,The 23.3.1966.

My dear Doctor

I am enclosing herewith a letter in original from Shri Ram Subhag Singh, Minister of State for Railways, in respect of the free Railway Pass for you,which I had requested of Shri S.K. Patil, in a letter dated 25th February 1966.For any journey you have to obtain first class complimentary ~~pass~~ cheque pass from the Divisional Superintendent, Southern Railway, Hubli, you have to indicate the whole of the journey that you propose to make so that the necessary cheque pass will be issued to you. I understand that you are coming to Delhi some time in the near future. You can use those passes for that journey. The copy of the letter that the Railway Administration have issued to the General Manager, Southern Railway, has obviously been sent to you at your Hubli address. Please enquire.

I hope this finds you in the best of health and cheer.

Yours sincerely

(D.P. Karmarkar)

Dr. N.S. Hardikar,
P.O. Karnataka Health Institute,
Ghataprabha,
Dist. Belgaum.
(Via. Bombay)

The Tuberculosis Association of India

Patron: THE PRESIDENT OF INDIA
President: RAJKUMARI AMRIT KAUR
Chairman: [redacted] | *Hony. Treasurer*: SRI S RATNAM
Vice-Chairman: SIR SHRI RAM | *Technical Adviser*: DR. P. V. BENJAMIN
Secretary: SRI B M. CARIAPPA

Telegrams : "TUBERCLASS"
Telephones : 48863, 35443

3, RED CROSS ROAD,
NEW DELHI-2

No DO S 1/60 March 23, 1961

Dear Dr. Hardikar,

Please refer to your letter dated the 9th September, 1960 regarding reservation of beds for the treatment of railway employees suffering from tuberculosis in the Karnatak Health Institute, Ghataprabha. We have pleasure to inform you that the Railway Board have reserved 20 beds in the Karnatak Health Institute. A copy of letter No. E. 58ME5/10/Medical(S) dated the 17th instant from the Railway Board on the subject is enclosed herewith.

Yours sincerely,

(B.M. Cariappa)

Dr. N.S. Hardikar, M.P.
C/O The Karnatak Health Institute,
Ghataprabha (Mysore State)

Encl. As above

nrt

JOIN THE FIGHT TO STOP THE TOLL
THAT TUBERCULOSIS TAKES OF INDIA'S YOUTH

26 59

MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)

No.00114/P

26 Dr.Rajendraprasad Road,
New Delhi-1,The 23.3.1966.

My dear

I am enclosing herewith a letter in original from Shri Ram Subhag Singh, Minister of State for Railways, in respect of the free Railway Pass for you which I had requested of Shri S.K. Patil, in a letter dated 25th February 1966. For any journey you have to obtain first class complimentary pass cheque pass from the Divisional Superintendent, Southern Railway, Hubli, you have to indicate the whole of the journey that you propose to make so that the necessary cheque pass will be issued to you. I understand that you are coming to Delhi some time in the near future. You can use those passes for that journey. The copy of the letter that the Railway Administration have issued to the General Manager, Southern Railway, has obviously been sent to you at your Hubli address. Please enquire.

I hope this finds you in the best of health and cheer.

Yours

(D. . Karmarkar)

Dr. N.S. Hardikar,
P.O. Karnataka Health Institute,
Ghataprabha,
Dist. Belgaum.
(Via. Bombay)

Copy to Hubli address.

24 60

Government of India
Ministry of Railways
(Railway Board)

No. E(Trg)I.66PS5-6/10. New Delhi, the 23-3-1966.

To

The General Manager,
Southern Railway,
Park Town,
Madras-3.

Sub: Issue of I class complimentary cheque passes to Dr. N.S. Hardikar.

The Railway Board desire that the Divisional Superintendent, Southern Railway, Hubli, may be authorised to issue I class complimentary cheque passes available between any specified stations on Indian Railways to Dr. N.S. Hardikar C/o "Jai Hind" Weekly, Hubli, as and when required, on receipt of a request from him. This authority is valid for a period of one year.

Sd/- P.B.Jain
Deputy Director Establishment
Railway Board.

DA: Nil.

No. E(Trg)I.66PS5-6/10. New Delhi, the 23-3-1966.

Copy forwarded for information to Dr, N.S. Hardikar C/o "Jai Hindi" Weekly, Hubli, Distt. Dharwar (Mysore State), with reference to Shri D.P.Karmarkar, M.P's letter dated 25.2.1966 to the Minister for Railways.

Sd/- P.B.Jain
Deputy Director Establishment,
Railway Board.

अजमेर देहात जिला काँग्रेस कमेटी

अजमेर

22 61

अध्यक्ष :—नारायणसिंह, मसूदा, एम. एल. ए.
उपाध्यक्ष:—विश्वेशरनाथ भार्गव

~~कांग्रेस कार्यालय~~
Masuda House,
अजमेर

क्रमांक

दिनांक 27th March'61.

My dear Shri Hardikar Sahib,

It was one of my greatest pleasure, to have you as my guest and with us in Ajmer. And ever after I am ever so keen to meet you in Delhi or at your own home near Bangalore where I might possibly be by the end of April.

With our limited finances even we are always so keen and eager to keep up the standard of Sewa Dal in this district and I shall look to my best to see that the Volunteers from here join the India Ralley at Bombay.

Hoping to hear from you more and with best of begards,

Yours sincerly,

M.L.A.,
(Narayansingh)
Rao of Masuda.

Shree N.S.Hardikar,
IO, Akbar Road,
New Delhi - II.

~~803~~ 12

30-3-61.

My Dear Karmarkarji,

This is mainly to inform you that the amount of Rs. 35,000/ about which there was so much trouble and uncertainty due to some mistakes, have finally been received by K.H.I. Thanks to the troubles taken by everyone concerned.

I thank you for all the interest and the pains taken despite your very busy period and the routines.

It pained me when I heard from Dr.Kabbur and Dr.Hardikar how much worry it means to you to help K.H .I. and how much you want to help the Institution in its orderly growth. I think I am responsible for this to a certain extent because I run to you whenever I feel the need for anything more and new in the line for the growth or progress of the Institution

After hearing them,I have felt enough guilty of troubling you and I have hopes that it will not be repeated in future,years.

Institution is doing well no doubt. The bed-strength will go up by 60 within a month or two. Railways have already put up a claim for 20 of them in the T.B.Section when their Medical officer came and liked the place. They join from 1-4-

We have taken up some new health schemes for the villages and our Lung surgery work is progressing satisfactorily The Institution is very lucky to have the active services of men like Shri Bhimrao,Dr.Hardikar.Shri Kirlosker,Nimbkar,Dr. Sathe and Pardessai etc. and several others even in day to da administration. So it must grow and remain ideal. Your sympathy and help has also done so much during the last several years and helped to expand it rapidly in recent years.

With kind regards, Yours very since

M.K.Vaidya.

X आपण सोलापूर ची कॅप्टन पेपार वेक्सचेंज. आपले सूचनेनुसार-
कार्य व्यवस्थेप्रमाणे आपण येथे आणि-पाच वा ६ दिवस

डॉ. कृ. भी. अंत्रोळीकर **Dr. K. B. Antrolikar**

एम. बी. बी. एस. (मुंबई) M. B. B. S. (Bom.)

४४४, दक्षिण कसबा, सोलापूर. 444, South Kasba, SHOLAPUR.

दिनांक ★ Date 30 : 3 : १९५५

जयहिंद

डॉ. हर्डीकर यास;

सप्रेम नमस्कार वि. वि.

आपले कृपापत्र मिळाले. आनंद झाला. जुन्या इतिहासाची इतकी उत्कंठा उत्पन्न होणारे व आमच्या सारख्या लोकांचा इतकी उत्कंठा उत्पन्न होणारे व आमच्या सारख्या लोकांचा इतकी उत्कंठा उत्पन्न होणारे व आमच्या सारख्या लोकांचा सोलापूरच्या आंदोलनांत असलेला भाग अत्यंत आनंदाने देऊन यासंबंधी इतक्या आत्मीयतेने बोलणारे आपल्यासारखे गृहस्थ इतक्या वर्षात पहिले आढळले. समाधान झाले.

तुम्ही इतक्या आपलेपणाने सोलापूर विषयी व आमच्या विषयी लिहीलेत म्हणून च मी स्वतंत्र पत्र लिहीत आहे. आपल्याकडे काही पेपर्स पेपर्स लिहीले आहे.

30 साली सोलापूरची माहिती आपणास उत्तम प्रकारे आहे. त्या काळीच परिस्थितीत आपण व आपल्या विद्येचे कार्यकर्ते यांनी येथील सर्व माहिती मिळवली होती तेवढी माहिती आहे. तत्पूर्वी १४ वर्षांची शिक्षा झाली होती. विजापूर व येरवडा जेलमधे सजा भोगली. इंडिया असोसिएशन राजकीय कैदी म्हणून सर्व जण मजकडे आदराने पाहात होते. येथली गावपंचायत सुटली. पण १९३२ ला १९३३ असे कायदेभंग चळवळीत साधारण ५।६ वर्षे काढली. १९४७ व १९४८ ला असे ८ वर्षे गेली. पुढे १९५२ साली लोकसभेच्या आमदारकीचे पडले तेव्हा पासून माझी परिस्थिती इतकी सांगण्यासारखी

नाही. १९८० साली इंदिरा काळात १९७२ पेक्षा
दुप्पट आला पण चौपट झाला असे म्हणता येत नाही १९८०
ला सोन्याचा साठा फक्त दहा टन होता. मी १९७०
साली प्रॉक्टरला सोडली. त्यावेळी डॉलर ची किंमत
डॉक्टरी च्या हिशोबात १००/१२० रुपये निश्चित होती. १९७० नंतर
डॉलर खाली गेला किंवा असे म्हणावे लागले. वरील हिशोबाप्रमाणे असे म्हणता
येईल फक्त १० वर्षांपूर्वी तेही १९८० च्या लोकसभेच्या निवडणुकीच्या
सुमारास पडून राहिले त्यांची किंमत डॉलर चढल्याने वाढली.
१० वर्षे प्रॉक्टरने सोडल्यावर डॉक्टरांनी ही व्यापारविषयक कायदेविषयी
याची फारशी माहिती होती पण सुदैवाने १९८१ ची लढत कसोटीची
निवडणुक पैसा मिळवून आहे पण पूर्वी मिळवलेला माल अजून तसाच आहे.
हे धंद्यातून दोन तीन वर्षांत काढून टाकणे हे कोणत्याही चांगल्या डॉक्टरांना जमले
पण अर्थात ही एक ही सुलभता पैसे मिळवून लागलेला नाही. यापेक्षा
एक सुलभता धंदा सुरू करील. तो आपले दिवस डॉक्टर होणार आहे
पाटापुरता व सुलभता हेही दोन्ही पुरता पैसा मिळतो यांनी मनात धरले
समाधान नाही, जवळजवळ सर्व आयुष्य कॉंग्रेस संस्थेत गेले. सार्वजनिक
कार्यात आणखी दिवस घालवून सुलभ पद्धतीने दोन्हीपैकी
व सार्वजनिक कार्यकर्ते वरील देशासाठी मिळवून ते एक ही माझे सुदैव समजावे
आणि सुलभता डॉक्टरी करून दाखवली की तसे सार्वजनिक कार्यासाठी मोकळी
होईन. पण:— आता मजसारख्या जुन्या कार्यकर्त्यांकडे दुर्लक्ष होत आहे.
नवीन नवीन लोकांची भरती होत आहे. आहे पण तोपर्यंत
ही आपण निर्दिष्ट कार्याचे देशाच्या इतिहास आपल्या वेगाने लिहिणाऱ्यांची
वरची वरी करण्यासारखे दोष कोणी दिसत
नाही पण आपल्या या जुन्या पिढीतील लोकांची वाढ घेणाऱ्या पुढच्या पिढी
नाही याची मात्र जाणीव फार मनाला लागते आहे यात शंका नाही.—
महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमिटीत या जुन्या पिढीची संख्या

डॉ. कृ. भी. अंत्रोळीकर
एम. बी. बी. एस. (मुंबई)
४४४, दक्षिण कसबा, सोलापूर.

Dr. K. B. Antrolikar
M. B. B. S. (Bom.)
444, South Kasba,
SHOLAPUR.

दिनांक _____ ★ Date _____

अधिकारावर विराजमान नाहींत. वर पाहतां सगळे वर कोणीतरी
आकर्षण करून दिले पाहिजे. तशी वर आकर्षण करून देणारी
ही कोणी शक्ति नाही. व आपल्या स्वभावात पडलेले दुर्गुण.
स्वार्थीपणा सोडवत नाही. कोणाची फारसी खुशामत करायचा नाही
नाहीं त्यामुळे आहार-व्यवहार
वर तरी कसे होणार? ~~हे~~ हे सर्व मी आपणास लिहिले आहे कारण पूर्वीच्या पत्रांतील
व आपण वरच्या ओळींवरून-यांचा मतितार्थ ध्यानात घेतला
आपण आहां. आपणास सर्व माहिती मिळाल्यावर या पत्राचे
पुन: काहीं मार्ग निघू शकेल का? हे आपल्यासारख्यांना
विचारण्याचे धाडस करीत आहे.
Veer सावरकर विषयी पुस्तक लिहिण्याचा संकल्प मी पाहिल्या आहे व
Veer सावरकर संयुक्त महाराष्ट्राच्या चळवळीत भाग घेतला पाहिजे
असा त्यांचा दृष्टिकोन होता. त्यांनी आपले धारण बदलले असेल
असे मला वाटत नाही. कोणत्याही Veer सावरकर प्रेमीला
आपली महाराष्ट्रवरील पत्रे पाहून Veer सावरकर प्रेमी
असा निष्कर्ष काढणार नाही. त्या विषयी आपले

~~K 24~~ (4

राज्य सभा

No.0133/P

26 Dr. Rajendraprasad Road,
New Delhi 1, The 1st April 1966.

My dear Doctor

I am leaving Delhi by air on the 4th morning and after spending a day at Poona, will be leaving Poona on the 5th afternoon by the Poona-Bangalore Express. I will be passing through Ghataprabha Station at 10-42 P.M. on the 5th night in the Poona Bangalore Express. I am anxious to know whether the grant that has been made has been cashed or if therewas any difficulty. You can just send someone with a message to the station. You or Dr. Vaidya should not takethe trouble of coming at that late hour at night.

2. I am returning on the 6th evening by plane from Belgaum.
3. All else is well. I hope this finds you in the best of health and cheer.

With pranams,

Yours affly,
D. P. Karmarkar

Dr. N.S. Hardikar,
P.O. Karnatak Health Institute,
Ghataprabha,
Dist. Belgaum
Via. Bombay.

संसदीय कांग्रेस दल

CONGRESS PARTY IN PARLIAMENT

SUBS.. RECEIPT

24-25 Parliament House,
NEW DELHI.

No. 4226

Dated 3/4 196

65

सधन्यवाद प्राप्त

Received with thanks from

श्री
Shri N. S. Hardikar

सदस्य लोक सभा
Member ~~Lok Sabha~~ / Rajya Sabha S. No. _____ State _____
राज्य सभा

से रुपये
the sum of Rupees Forty Only

बाबत चन्दा
on account of subscription

April 196 . By Cash/Cheque

No. _____ on _____

Rs. 40/-

INDIA
10nP
YEN NAYE
PAISA

N S Hardikar

Telephones: { 40320
45870

Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD
NEW DELHI-1

2nd April, 1961.

My dear Hardikerji,

Thanks for your letter dated 8th March, 1961. I think you have learnt from the letter of Sri Sunil Das that I have come to Calcutta to get my pluster removed from the right hand. Recently I have get the pluster removed. But still I have to stay here for three weeks at least under medical advice. Anyhow, I hope, I will be able to attend the Seba Dal Rally which is to be held in the month of May.

Though I was very much keen to tour all over the country for Seva Dal and other organisational work some unforeseen circumstances did not allow me to do so. I hope, I will be able to do something in the coming months. After my return to Delhi I will contact you.

With respect,

Yours sincerely,

Abha Maiti
(Ava Maiti)

Sri N. S. Hardiker, M.P.,
10, Akbar Road,
New Delhi - 11.

DR. V. V. ATHALYE, A. V. P.
Consulting Physician,
Member, Court of Examiners and
Board of Homeopathic System
of Medicine (Bombay Govt.)

~~47~~ 67

Saraswati Sadan,
SATARA CITY

Confidential

Dear Dr. Nargarkar,

Received yesterday your card from [illegible] that you will come to Satara some day according to convenience. It would be convenient to me if you [illegible] part of May or at any time thereafter, for [illegible] and daughter-in-law will be going out of [illegible] reasons and at different times during the part of May.

Some time in the winter I [illegible] days at Ghatprabha if you are there [illegible].

As regards writing a history of [illegible], I have a very unpleasant experience with [illegible]. Not less than two times I had been asked by different [illegible] send them whatever information I had about the [illegible] rashtra or some encouraging article. And when I [illegible] I was informed that the idea was dropped for [illegible] other. For example before a few years some one from [illegible] Dal, Congress House, etc., Bombay requested me to send some information or article. But when it was sent, he wrote to me that the publication in view was cancelled. I had brought this to the notice of Shri S.V. Inamdar who was sorry to know it. I have therefore decided not to waste my time in preparing any article, statement etc. in connection with Seva Dal. Only when you yourself will undertake to write the history, I shall send you every thing that I consider most important. I trust you will not mind my having written every thing frankly.

I have in view some plan with which our Seva Dal should work under present circumstances. I shall discuss it with you when you come here.

Yours fraternally

V. V. Athalye

26 64

कांग्रेस सेवादल राजस्थान

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

जयपुर

दिनांक ७-४-६१ १९६

आदरणीय डाक्टर साहब,

सादर प्रणाम ।

आपका पत्र मिला । पढ़कर बहुत प्रसन्नता हुई । मैं जोधपुर का दौरा करके लौटा हूं क्यों कि वहां सेवादल कांग्रेस के असहयोग से अस्त व्यस्त हो गया था अतः पुनः वहां के संगठन को सक्रिय करके तथा रैली के लिए तैयारी करके यहां आया हूं । तारीख ४ अप्रैल से ७ अप्रैल तक जिला संगठकों की एक बैठक हुई और उसमें रैली की जिम्मेदारियों का विभाजन हुआ । आपके शुभ आशीर्वाद से हम अपने उद्देश्य में अवश्य सफल होंगे । मैं अभी रैली की संख्या के लिए इतना ही निवेदन कर सकता हूं । समय बहुत थोड़ा है इसलिए काम पर लग रहे हैं । मैं उन जिलों में शीघ्र ही दौरा करने वाला हूं जहां से संख्या बढ़ सकती है । आप श्री माथुर साहब को आर्थिक सहयोग के लिए अवश्य लिखें । अप्रैल के आखिरी सप्ताह में हम राजस्थान के रैली में भाग लेने वाले समस्त जत्था और दस्ता नायकों का एक शिविर लगाने का निश्चय कर चुके हैं ।

आशा है आपका स्वास्थ्य ठीक होगा।

आपका है

देवशंकर पाचाच

प्रदेशीय संगठक

श्री. युत, डा० ना० सु० हर्डीकर,
कांग्रेस सेवादल,
७ जन्तर मन्तर रोड,
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी,
नई दिल्ली

CENTRAL SOCIAL WELFARE BOARD

Telegram:-
"SANGHASEVA", New Delhi.

Jeewan Deep Building,
Parliament Street,
New Delhi.

No. CSWB/Fin/Gen/Accts/60.

Dated: 14 April 1961
24 Caitra, 1883.

The Chairmen,
All State Social Welfare Advisory Boards.

Sub: Jeep grants to voluntary organisations who have taken up Welfare Extension Project activities.

Madam,

I am directed to say that the question of giving jeep grants to voluntary organisations who have taken up Welfare Extension Project activities is under the consideration of the Central Social Welfare Board. Jeep grants to such organisations will be considered in the same way as grants for Mobile Vans under the grant-in-aid programme, and subject to the same condition. Such institutions, which have taken up the activities of five or more centres may therefore be requested to send applications (even on plain paper) to the State Social Welfare Advisory Board, if they are willing to abide by all the conditions, including that of bearing the entire cost of maintenance. These applications may please be sent to the Central Social Welfare Board with the State Board's recommendations, in one more more batches.

In this connection, it will also be desirable to ensure that existing drivers who have had a good record are taken in service by the institutions receiving these jeep grants. State Boards may therefore consider the desirability of stipulating such a condition beforehand in each case.

2. The jeeps to be given as grants to such cases have to be in good condition. In any case, all jeeps have now to be put in good condition. Therefore, necessary repairs may be carried out immediately to the extent savings in the project budget for 1960-61 are available (under any head), and the expenditure included in the accounts for the respective projects for 1960-61 before they are finally closed. I would like the State Boards to put all the jeeps in good condition as quickly as possible, and if possible before the 15th of May, 1961. The work of repairs should not be entrusted to any firm without calling for quotations.

Yours faithfully,

R.S. Krishna

(R.S. KRISHNAN)
SECRETARY.

70

LS 34

सत्यमेव जयते

PRIVATE SECRETARY TO THE
DEPUTY MINISTER FOR
LABOUR AND EMPLOYMENT.

New Delhi, the 15th April, 1956

Dear Sir,

I am directed to acknowledge the receipt of your letter addressed to Shri Abid Ali, Dy. Labour Minister, regarding the extension of Employees' State Insurance Scheme to Gokak Mill.

The matter is being enquired into and a further communication will follow.

Yours faithfully,

(A.R. Cycil)

Dr. N.S. Hardiker, M.P.
New Delhi.

+6

71 39

D.O.NO.3-52(WS)/60-P
MINISTER FOR HEALTH
INDIA
NEW DELHI

15th April, 1961.

My dear Dr. Hardikar,

Kindly refer to your letter regarding Mallapur Piped Water Supply Scheme. Certain information, required by the Planning Commission, in this respect, has been called for from the State Government vide this Ministry's letter No. F.3-52(WS)/60-F, dated the 22nd February, 1961 (copy enclosed)

The scheme will be considered further on receipt of this information.

With best wishes,

Yours sincerely,

D. P. Karmarkar

(D. P. KARMARKAR).

Dr. N. S. Hardikar, M.P.
Karnatak Health Institute,
GHATAPRABHA

(Mysore State;
via Bombay & Belgaum)

27 72

फोन:— २३८८
३८३५

तार:—"कांग्रेस"

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

स्टेशन रोड,
ज य पु र

Jugal Bhawan
Kanti Chandra Road
Beni Parks, Jaipur

Congress Seva Dal

17th April 1961.

Respected Doctor Sahib;

I was waiting for a reply to my letter from you. In the meantime, we received the news — of course, quite shocking — of the postponement of the 2nd A.I. Rally. Now, nothing more remains to keep you informed about! You had instructed me to keep you informed about Rally preparations in the Pradesh. A meeting of the district workers was held here more or less successfully with a view to draw the final picture of our part in the Rally. The tempo of the workers was quite encouraging. What shall happen in the new situation, is difficult to guess.

By your blessings, the tension in our mutual relationship has diminished — rather has totally vanished. But to be much hopeful about 'the persons concerned seems to be 'sinful'! Still, I cannot find that nearness of hearts, that frankness and that co-workers spirit. I am writing in details to Shri Dhamdarji.

But I do not want you to worry about this personal affair. I would be very much thankful to you if you kindly send a guiding note on the present situation of the organisation in our province. In the meeting in Pcc I tried to clarify it verbally. The internal mal-adjustment combined with social atmosphere "non-cooperation" does not allow to yield any results. What should I do before I have to take long leave from the ~~form~~-field work? Please do guide me at your earliest. I am feeling guilty conscious of not doing anything. Please do write in details in this matter of oblige

Rally is a test for us. I shall not be a soldier to appear in the tests. Then, the situation in which I leave the orgn. is the only test. Have I not failed! How could I have been successful!

Please excuse me if I write out of limits of a soldier. I am aware I am writing to our highest officer. But I get the courage to write this from the affection and confidence which I enjoyed during your recent visit. I beg your pardon for any over-use of rights & duties that I have. I hope & pray the Almighty to be able to enjoy your love & confidence thro' out my life.

Awaiting for your blessings---

Please accept kind regards of from both of us.

Yours obediently

Bhaskaran

INLAND LETTER

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये

Personal

Dr. N.S. Hardiker
M.P.
10, Akbar Road

NEW DELHI-1

भेजने वाले का नाम व पता

H-47 73

CHAIRMAN

No.CMS/Misc.(4)/61
CENTRAL SOCIAL WELFARE BOARD,
NEW DELHI.

20th April 1961.

Dear Dr.Hardikar,

Your letter dated the 19th April 1961. I am sorry we cannot extend the period of stipends beyond the period stipulated./ If we relax the rule, it may be in the case of all the trainees, who were paid stipends by us. Therefore, I regret my inability to comply with your request.

Yours sincerely,

(DURGABAI DESHMUKH)

Dr.N.S.Hardiker,
Member of Parliament
(Rajya Sabha),
10,Akbar Road,
New Delhi-11.

TEL. NO. 34964

DR. R. V. SATHE,
M. D. (BOM.),
M. R. C. P. (LOND.

NAGINDAS MANSION,
OPERA HOUSE TRAM TERMINUS,
GIRGAUM, BOMBAY 4.

1442

74

26-4-1961.

My Dear Doctorsaheb,

Your letter of the 21st inst.

to hand.

1. I knew about the award of a Fellowship to Dr.M.K.Vaidya through his brother -Shripad. And I wrote to congratulate him long back. However, I was glad to get details from you. And today, I have a letter from Vaidya as to the oppotuneness of this Fellowship in view of the conditions at the K.H.I. I have written to him today stating that the fellowship has come at the right time, and that it is going to benefit him, the K.H.I. and all of us.

2. I am again obliged to drop the K.H.I. visit in May owing to the meeting of the Health Survey and Planning Committee from the 11th of May to 31st May. And I have communicated the same to Dr. Vaidya. The K.H.I. will ofcourse sanction the expenses necessary for his tour.

I trust, you are keeping and doing well. With best regards,

Yours sincerely

R Sathe

2 43 75

Copy of Editorial in Hindu on 26th April, 1961.

USEFUL RECORD

If tuberculosis is a much less dreaded disease in this country now than it was about two decades ago, the Tuberculosis Association of India can certainly take credit to a great extent for having brought about such a consummation. A voluntary agency conceived 22 years ago, the Association has battled consistently to make the public on the one hand aware of the magnitude of the problem and helped the Government on the other, to tackle it on effective lines. Its work is said to be geared to the tasks on interpreting the tuberculosis situation to the community, assessing official programmes to tackle it and stirving generally for their support and expansion. The T.B. Seals Campaign which has now become familiar to everyone has not only enabled them to collect Rs.50 lakhs over the last 10 years since it was instituted, but done much to educate public opinion about the disease, its prevention and treatment. The Association's institutions, the Lady Linlithgow Sanatorium at Kasauli, the T.B. Hospital at Mehrauli and the New Delhi T.B. Centre have served not only as a model for institutions of the kind, but have also helped to develop some of the most hopeful techniques in the uphill fight against this scourge which is perhaps the No.1 public health problem in most under-developed countries. One of them is the domiciliary treatment of T.B. which has now been accepted as the most practicable means of treating the very large number of T.B. cases in this country, for whom the provision of sanatorium facilities would not be

.....2

possible in the foreseeable future. What the Association's Delhi Centre experimented with, even twenty years ago, has now become part of the official programme, thanks also to the discovery of new antibacterial drugs.

With a membership, largely made up of dedicated workers in the cause and with valuable experience in controlling the disease, the Association's assessment of the record of the Government in this field and its advice on the future course of action deserve to be noted with respect. Though the Association's Technical Committee has been able to influence the Government in fixing targets of achievement in T.B. control during the Plans and extended its active support in their realisation, it is a pity the record of the Government so far has been disappointing. The twentysecond annual report of the Association, now published, notes with regret that the schemes of the Second Plan have not been implemented as fully as is desirable. As against 180 tuberculosis clinics which were to be set up only 60 have been established "and even these do not seem to have the full complement of staff and equipment". And yet, these clinics are to serve as the main plank in the mass application of the domiciliary treatment of the five million sufferers from the disease in this country. "As against ten Training and Demonstration Centres, only two have been established and as against 5,000 beds for isolation, only about 1,500 have been added. As regards Rehabilitation Centres, none seems to have come up." That at least the B.C.G. programme of vaccination is making some progress, with 162 million

persons tested and 57 million vaccinated may sustain the hope that the entire susceptible population can be covered by it in the next few years. But in the light of the dismal record of the various State Governments whose responsibility it is to set up the clinics and staff them, the taller targets of the Third Plan for these may be received with a feeling of scepticism. But further neglect in this direction is fraught with serious consequences to the health of the people. The ravages of this dreaded killer have now been found to be as widespread in the countryside as in the towns and more vigorous steps should be taken to implement the national programme of control by all concerned. If voluntary agencies like the Tuberculosis Association of India can do what they have done, with their very limited resources, the people can hardly understand why the State Governments with their much greater resources of money and men, as well as liberal Central assistance and co-operation from international agencies, have not a better record to show.

over 1.1% according to a sample survey by the Mines Board of Health. Luckily most of the cases were non-infective. Calcutta and its suburbs have nearly 20,000 sufferers out of 350,000 in West Bengal. In Gaya district 2% of the population are reported to be affected, the highest figure in Bihar. Gaya city alone has 3,000 victims. Most of the States in India except Rajasthan, Punjab and some parts of Gujarat record the occurrence of this disease, the eastern and southern areas showing preponderance. Though the official estimate of the total number of leprosy victims in India is two millions, innumerable cases go undetected in the villages—especially among women. The total number of beggars carrying the disease is estimated at 200,000 to 300,000.

On the whole, a pretty grim picture and liable to be disheartening. Efforts are being made by private organizations and the Government to cope with the problem, but much remains to be done. Segregation on such a vast scale is neither possible nor desirable. In fact, segregation in leper colonies has been given up in advanced countries in favour of out-patient treatment—a fact quite often not realized by many here. The chief remedy lies in carrying treatment to the home through clinics and peripatetic centres. This requires funds and a set of trained doctors and nurses of whom there is a dearth at present. The Central Government has a scheme for establishing 250 control units by the end of the third Plan to reach the two million cases of leprosy, involving an expenditure of about Rs 17 crores. A laudable effort though inadequate, even if the money is spent in the right direction and not on establishment alone. What is most urgently needed is awareness among people about the necessity of early detection and the efficacy of modern treatment through the sulphone group of drugs. They must be made to understand that with proper treatment in the early stages not only is radical cure possible but also deformities can be prevented. This is inexpensive and not troublesome. Even cases in the advanced stage are curable and physical deformities have been known to be healed. If awareness of this grows and with it the realization that the majority of leprosy cases, especially in the early days, are non-infective, there will be real co-operation between the framers of the scheme and those for whom it is planned.

"Leprosy could be completely eradicated within a reasonable space of time", says the chairman of the British Leprosy Association, Sir Alan Burns. There are now 15,000,000 cases in the world. Success, he said, depended on the provision of finances and skilful organization of healing. These are words of great hope. Leprosy is no longer the dreaded disease it used to be a few years ago. Patients undergoing treatment can lead normal, active, useful lives. It has now been shown to be less contagious than tuberculosis. Research is still going on into methods of improving treatment and the possibility of immunizing healthy persons. The movement has become worldwide and World Leprosy Day is observed in all coun-

फोन:— { २२८८ / ३८३५ }

तार:—"कांग्रेस"

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

30 79

जयपुर

कांग्रेस सेवादल

अंक १२२६

दिनांक २७-४-६१

आदरणीय डाक्टर साहब,

आपका पत्र मिला। पत्र में मेरे लिए जिन शब्दों को लिखा गया है मैं उसके लायक नहीं, लेकिन जब आदेश और आशीर्वाद के रूप में मुझे जो प्यार मिला है उसके काबिल बन सकूं, इसके लिए तो - सेवादल में हूं।

आपके हृदय के निकले हुए शब्दों ने मुझे उत्साहित किया है उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। आपका शिक्षाएं ध्यान में रखकर हम आगे बढ़ेंगे।

रैली की तैयारियों में आर्थिक परिवर्तन के ढिलाई तो अवश्य आई है। अब संस्था में भी परिवर्तन होगा। फिर भी हम अवश्य प्रयत्न करते रहेंगे।

आशा है आप स्वस्थ होंगे।

आपका है।

(देवाशंकर दाधीच)

श्रीयुत डा० एन० एस० हर्डीकर,
एम० पी०
१०, अकबर रोड, नई दिल्ली।

D.O.No. MCH 220/61-62

Dr. P.L.Mohanamba, B.Sc.,
MBBS., DMCW., DCH(Glasgow)
Superintendent,
Bureau of Maternity & Child Welfare
Centres, Dept. of P.H.

P.B.No.44,
Bangalore - 9

2nd May 1961.

Dear Sir,

With reference to your D.O.letter dated April 20, 1961, I write to inform that a notification inviting applications from lady candidates for A.N.M.Trg. has already been sent for advertisement in the News papers and Gazette. A copy of the same is herein enclosed for your kind information.

The Chief Medical Officer, Dr. M.K.Vaidya, has already been informed that the interview will be held on 1-6-1961 at K.H.I. Ghataprabha, in this office D.O.letter No.MCH.180/61-62 dated 25-4-1961

With kind regards,

Yours sincerely,

P.L. Mohanamba

2.5.61

Dr. U.S. Hardiker,
Member of Parliament(Rajya Sabha)
10, Akbar Road,
New Delhi-11.

Mgp.

D.O.No. MCH 220/61-62

Dr. P.L.Mohanamba, B.Sc.,
MBBS., DMCW., DCH(Glasgow)
Superintendent,
Bureau of Maternity & Child Welfare Centres, Dept. of P.H.

P.B.No.44,
Bangalore - 9

2nd May 1961.

Dear Sir

With reference to your D.O.letter dated April 30, 1961, I write to inform that a notification inviting applications from lady candidates for A.N.M.Trg. has already been sent for advertisement in the News papers and Gazette. A copy of the same is herein enclosed for your kind information.

The Chief Medical Officer, Dr. M.K.Vaidya, has already been informed that the interview will be held on 1-6-1961 at K.H.I. Ghataprabha, in this office D.O.letter No.MCH.180/61-62 dated 25-4-1961

With kind regards,

Yours sincerely,

P.L. Mohanamba

2.5.6

Dr. U.S. Hardiker,
Member of Parliament(Rajya Sabha)
10, Akbar Road,
New Delhi-11.

Mgp.

Ref. No.

JAI HIND

Phone : 3993

BHARATH SEVA DAL

(REGD.)

PRESIDENT : *Padmasri Dr.* M. C. MODI

VICE-PRESIDENT : T. SIDDALINGAIYA *B.A.,B.L., M.L.A.*

GEN. SECRETARY :
S. R. GURU, *B.A.*,

TREASURER :
V. S. NARAYANA RAO

DALAPATHY :
RAMA RAO, *I.N.A.*

No. 1, NEHRU NAGAR

BANGALORE 20 2nd May 61

To

Padmabhushana Dr. N. S. Hardikar, M.P.
10, Akbar Road.
New Delhi

Respected Sir

Your kind letter of 30th April. I am thankful for your kind enquiries. As you are aware of by now, that Sri S. R. Guru is the General Secretary and he is attending to the work in all earnestness. I am just taking into consideration the work accomplished and also thinking on the lines how best the Seva dal units are to be vitalised and the activities to be intensified. I request you kindly give me your valuable guidance on the above point so as to implement. Thanks well in time.

P.T.O.

I know very well the great handicap with which the Organisation is working and also that the adequate work has not been carried out in the District. Greater and stricter supervision will be effected to whip up the lethargic Speed. What little is done, will be done best and in a perfect manner.

Due to non-availability of funds, it has been found very difficult to carry on our programmes as per our Budget.

The question of collection for the General Hostel is not yet been implemented in full swing.

The proposal of practising "Drama" for the collection of funds not been finalised. Of course, I am hopeful that "Your Role" in the Drama will go a long way to attract some.

Regarding the books, to be purchased by Secretariat, I shall discuss the subject with the General Secretary, if he can buy some quantity after the finalisation of accounts.

I request you kindself to intimate about your next tour and programme.

Yours affectionately,

संसदीय कांग्रेस दल

CONGRESS PARTY IN PARLIAMENT

SUBS.. RECEIPT

24-25 Parliament House,
NEW DELHI.

No. 4391

Dated.....196

सधन्यवाद प्राप्त

Received with thanks from

श्री/Shri

सदस्य लोक सभा/राज्य सभा

Member Lok Sabha / Rajya Sabha S. No. State

से रुपये

the sum of Rupees

बाबत चन्दा

on account of subscription

196 . By Cash/Cheque

No. on

Rs.

कोषाध्यक्ष

Treasurer

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
NEW DELHI

5 May 1961

CONGRESS SEVADAL

HK 83

REVISED MADHYAM SAINIK TRAINING COURSE (PROVISIONAL)

This is the new training course as mentioned in our circular No.3. The background and the spirit of the course is as follows:-

1. It was experienced that the one month course could not be easily taken up and completed because of its duration and expenses. In the absence of trained instructors of the required standard the course did not prove very useful. There were certain subjects in the course which were never taken up due to certain reasons. This course has been prepared in the light of the above experience.

2. The idea prevelent that Madhyam Sainik course is meant for an ordinary volunteer only has to be changed. This course is meant for a volunteer who has some responsibility in Sevadal as a worker. Hence the duration of the course is reduced with a view to facilitate all the present workers to comrlete this training if he or she has not done so. It is experienced that all those who had under gone even Uch Sainik training do not necessarily prove to be capable workers. They have no initiative and confidence. This is much more true in case of persons with the so called Madhyam Sainik training. All this forces us to the conclusion that the standard and efficacy of this course has to be maintained. For this, one shall have to be strict so that only active, promising workers having sufficient time could undergo this training.

3. Training camps should not be understood as holiday camps. At every stage right from entrance to exist, the trainees should feel that they were being trained, they were learning something new. For this it is necessary to create an atmosphere of a studious, receptive mentality, subbordination and enthusiasm in the camp. Everything should be preplanned and systematic. Correct and complete execution of work should be insisted at every stage in the camp, taking every item activity, movement etc as a part of training. The programme on the first day should include camp arrangements and on the last day, demolishing and packing. The operations on the first and the last day should serve as a training of major importance. The opening and closing functions and also other functions during the camp should serve as a training and practice in performance of such types of public functions.

4. The camp should have a collection of books connected with the subjects appearing in the course. Every trainee should be expected to come prepared to discuss and solve his problems in the class than to hear and at the most take notes of the subject from the teacher. So, continuous lecturing should be discouraged and talks and discussions should be encouraged. This also would initiate thinking and develop power of expression which is quite essential in the present age. Better ways and means should also be found out to develope these qualities.

5. The trainees when they leave the camp must have developed physical vigour, intellectual understanding, urge and confidence to do something with a clear plan of that something in his head. From this point of view the progress of the trainees should be examined at the end of each week and clear cut impressions should be noted in the Register (Individual impressions)

THE COURSE

TABLE I (7 DAYS)

DRILL AND PHYSICAL TRAINING

1. Squad, Unit and Lathi Drill (correct positions and movements)
2. Brisk exercise and physical efficiency tests.
3. Group exercise - Lathi or Lezim.
4. Games - Relays and Recognised major games of Sevadal.

B. PRACTICAL TRAINING

1. Volunteer arrangements and duty at various functions.
2. Excursions and outings including route march.
3. Flag salutation (preparation and performance)
4. Songs and slogans.
5. Sentray and guard duty.
6. Kit and Kit inspection.
7. Crowd psychology and how to manage crowds.

C. INTELLECTUAL TRAINING

1. Sevadal Programme and activities.
2. History and fundementals of Sevadal and comparision with other organisations.
3. Essentials of organised, disciplined and systematic service with Sevadal spirit.
4. Congress programme (Congress resolutions)
5. Internal security and external defence of the country.
6. Understand ones own Pradesh.

TABLE II (7 DAYS)

A. DRILL AND PHYSICAL TRAINING.

1. Cerimonail drill, and drill in every day life.
2. Cross country events comprising of climbing, jumping, swimming (if possible) etc.
3. Revision in drill and practice in words of commands.
4. Games (practice in a particular major game)

B. PRACTICAL TRAINING (Actual practice)

1. Outdoor camping and pioneering (Scout crafts)
2. First aid - simple treatment, bandage, and removing and attending on a patient.
3. Help in kitchen and serving, camp sanitation and hygiene.
4. How to organise Sevadal in a Mohalla, Town or Village and City and how to conduct it.
5. How to work as a Nayak.

C. INTELLICTUAL TRAINING (Lectures and discussions)

1. General outline of current political theories.
2. Political parties in India and their working and activities.
3. Socialism - Socialistic Pattern of society - social, economic and cultural outlook of life.
4. Talks on current National and International problems.
5. Knowing our country.
6. Talks on:-

(a) Our National drawbacks.
(b) Ideals and achievements of life.
(c) Healthy habits.
(d) How to make Sevadal self-supporting.

Contd---2

(e) Work for Sevadal.
(f) Youth welfare activities of Government and of other youth organisations.

D. PRACTICAL WORK DURING HOLIDAY AS MASS APPROACH

1. Enrolment of Congress members.
2. Sanitation work.
3. Survey of a village.
4. Some project work.
5. Congress and Sevadal propaganda through cultural programmes or competitions.

NOTE:- One or two of these items should be taken under this head.

STUDY AND EXPRESSION

Complete Sevadal literature , Congress constitution, Union constitution and other books be stocked. Daily news, occasional debtates etc. The trainees should be asked to explain to the visitors the working and activities of Sevadal. Questions and answers in general knowledge shall be taken daily in the evening.

GENERAL INSTRUCTIONS

1. Asan's and self massage could be added if so desired.
2. Brisk exercises should include abdominal exercises.
3. At the beginning of each subject the portion of the primary training course should be revised.
4. No extra time should be devoted for preparation for last day demonstrations. It should be done during daily practice.
5. Instructions in flag salutation should be given during daily flag salutation.
6. Songs and slogans need not be given specific time. It could be taken during free time.
7. Two holiday programmes should be arranged during the camp period according to convenience. One day will be devoted to programme under mass contact and the other day for Route march (outing) kit inspection, debate etc.
8. If the trainees had not participated in the construction of the camp on the first day they should be taken for outdoor camping on an additional day.
9. All instructions in connection with Madhyam Sainik course in the past should be followed strictly if they do not in any way conflict with those given here.
10. Strictness in admission, uniform, discipline should be adhered to.

DAYS:-

14 days training.
2 holiday programmes.
2 closing and opening.

18 days

TIME(Daily):-

Drill.	1 Hour.
Physical training.	1½ Hours.
Games.	1 Hours.
Practical training.	2 Hours.
Intellectual training.	3½ Hours.

INS/-

May 5, 1961.

{२३८८
{३८३५

34

तार:—"कांग्रेस"

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

85

क्रमांक ९३०६

जयपुर

दिनांक ३-९-६१

आदरणीय डाक्टर साहब,

आपका पत्र दिनांक १७-३-६१ का मुझे प्रवास से लौट आने पर प्राप्त हुआ । मुझे, खेद है कि मैं अस्वस्थ तथा प्रवास पर रहने के कारण यथा समय आपके पत्र का उत्तर नहीं दे सका ।

आपके पत्र में उल्लिखित निर्देशनों की क्रियान्विति का पूर्ण प्रयास किया जायेगा और इन प्रयासों में हमें आपका मार्गदर्शन सदैव उपलब्ध होगा ।

मुझे ज्ञात हुआ है कि बम्बई में होने वाली रैली की तारीखें आगे बढ़ गई है । इस प्रकार रैली की तैयारी करने में हमें और कुछ समय प्राप्त हो गया है ।

आशा है आप स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे । श्री स.का. हनामदार साहब को नमस्कार । आदर सहित ।

विनीत,

(परसराम मदेरणा)
प्रधान मंत्री

आ.श्री ना.ग. हार्डीकर
१०, अकबर रोड,
नई दिल्ली - ११

86 39 a/c

May 10, 1961.

[redacted]

I hereby appoint a committee of the following to examine the working of the Congress Sevadal a All India Sahakari Bhandar, Bombay. The terms of reference are attached hereunto. The committee will submit a report to the undersigned before the 15th of June, 1961. The same shall be treated as a confidential document

(1) Miss Pushpa Patel Mahila Chhaya, Patel Society, Broach.
(2) Shri B.P.Sinha, 210, Cadell Rd., Bombay - 28.
(3) Shri K.Balnaver - Convenor, Gopal Bhavan Panjabi Wadi, Cadell Rd., Bombay - 28.

N.S.H

(N.S.Harshe)

Copy for information:-
✓ Mrs. Padmaben Patel, GOC, Congress Sevadal, Congress House, Bombay -4.
✓ Shri W.Patel, Chairman, S.D.Bhandar, Congress House, Bombay -4.
✓ Shri Dwarkadas Patel, Secretary, S.D.Bhandar, Congress House, AHMEDABAD.

Telegrams . CONGRESS

Telephones : 40320
45870

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI.

87 45

Date May 10, 1961.

~~CONFIDENTIAL~~

I hereby appoint a committee of the following to examine the working of the Congress Sevadal a All India Sahakari Bhandar, Bombay. The terms of reference are attached herewith. The committee will submit a report to the undersigned before the 15th of June, 1961. The same shall be treated as a confidential document

(1) Miss Pushpa Patel Matrimchhaya, Patel Society, Breech.
(2) Shri B.P.Sinha, 210, Cadell Rd., Bombay - 28.
(3) Shri M.Balsaver - Convener, Gopal Bhavan Sanjgiri Wada, Cadell Rd., Bombay - 28.

(N.S.Hardikar)
GENERAL SECRETARY

G/C

CONGRESS SEVADAL

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

44 88

TERMS OF REFERENCE:-

1. To examine the financial position of the Store.

2. To examine the present working of the Store from and administrative and from commercial point of view.

3. How can the utility of the Store from the point of view of the Pradesh and District units of Sevadal could be increased.

4. How can the All India Office of Congress Sevadal effectively guide and supervise the Store so that it may primarily serve the Sevadal Organisation in spite of its other limitations as a Registered Cooperative Society.

5. To suggest ways and means for the removal of defects, if any, and make the Store an effective instrument for the purpose for which it is meant, in the light of the above findings.

(N.S.Hardikar)
SANCHALAK

May 10, 1961.

[illegible] ತಾ. 10- 5- 61

89

ಶ್ರೀಮತಿ ಡಾ ಎನ್. ಎಸ್. ಹಿರೇಕೆರೂರ ಇವರಿಗೆ —

ವಿನಯಪೂರ್ವಕ ಪ್ರಣಾಮಗಳು -

ತಮ್ಮ ಪತ್ರ ಮುಟ್ಟಿತು. ಪತ್ರದಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿದ ವಿಷಯ ಬಹಳ ಸಂತೋಷವಾಯಿತು. ಹೆಣ್ಣಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಅವಶ್ಯವಾದ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಲು ಅಲ್ಲಲ್ಲಿ ತಮ್ಮಂಥ ಶ್ರೀಮಂತರು ಮುಂದೆ ಬರುವುದು ನಮ್ಮ ದೇಶದ ಭಾಗ್ಯವೆಂದೇ ಹೇಳಬೇಕು. ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸುವ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ಅಡಚಣೆಗಳಿವೆ. ಅವುಗಳಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯವಾದವು ಎಂದರೆ ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸಿದರೆ ಅವರು ಸಂಸಾರಕ್ಕೆ ಸಹಾಯಕರಾಗುವುದಿಲ್ಲವೆಂಬ ಭಾವನೆ ಹಾಗೂ ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸಿದರೆ ಅವರು ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿ ಬಿಡುತ್ತಾರೆಂಬ ಭಯ. ಈ ಎರಡು ಅಡಚಣೆಗಳನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಿ ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಬೇಕಾಗಿದೆ.

ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಮಟ್ಟದ ಶಾಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳನ್ನು ಸೇರಿಸಲು ಪಾಲಕರಿಗೆ ಬಹಳ ಕಷ್ಟವಾಗಿ ಬಂದಿದೆ. ಶಾಲೆಗಳು ಮನೆಯಿಂದ ಬಹಳ ದೂರವಿರುವುದರಿಂದ ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳನ್ನು ಶಾಲೆಗೆ ಕಳಿಸಲು ಪಾಲಕರು ಹಿಂದೆಗೆಯುತ್ತಿದ್ದಾರೆ. ಶಾಲೆಯಿಂದ ಮನೆಗೆ ಬರುವಷ್ಟರಲ್ಲಿ ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳು ಬಹಳ ದಣಿದಿರುತ್ತಾರೆ. ಆದ್ದರಿಂದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಶಾಲೆಗಳನ್ನು ಮನೆಯ ಹತ್ತಿರವೇ ತೆರೆಯಲು ಸಾಧ್ಯವಾದರೆ ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸಲು ಪಾಲಕರು ಹಿಂಜರಿಯಲಾರರು. ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸಿದರೆ ಅವರು ಸಂಸಾರಕ್ಕೆ ಸಹಾಯಕರಾಗುವುದಿಲ್ಲವೆಂಬ ಭಾವನೆಯನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಲು ಶಾಲೆಗಳಲ್ಲಿ ಕಲಿಸುವ ವಿಷಯಗಳಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ಬದಲಾವಣೆಗಳಾಗಬೇಕಾಗಿದೆ. ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸಿದರೆ ಅವರು ಸ್ವತಂತ್ರರಾಗಿ ಬಿಡುತ್ತಾರೆಂಬ ಭಯವನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಲು ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸಿದರೆ ಅವರು ಸಂಸಾರಕ್ಕೆ ಸಹಾಯಕರಾಗುವುದಿಲ್ಲವೆಂಬ ಭಾವನೆಯನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಿ ಅವರು ಸಂಸಾರಕ್ಕೆ ಸಹಾಯಕರಾಗುವಂತೆ ಮಾಡಿದರೆ ಸಾಕು ಹೆಣ್ಣುಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಶಿಕ್ಷಣ ಕೊಡಿಸಲು ಪಾಲಕರು ಹಿಂಜರಿಯಲಾರರು

कांग्रेस - सेवादल

रतलाम (मध्यप्रदेश)

श्रम-शिविर

क्रमांक 29 42 610 दिनांक १६:५:६१

श्री मानू अ०भा० संगठक जी

कांग्रेस सेवादल नई दिल्ली

विषय:- मनु भाई कोठारी नामक व्यक्ती के संम्बन्ध में ।

आदरणीय,

निवेदन है कि एक मनुभाई कोठारी नामक व्यक्ती लगभग २ वर्ष पूर्व रतलाम आया था । तब उसने अपने को सौराष्ट्र का बाढ़ पीडीत व्यक्ती बताया था और सहायता की याचना कीथी । उसके बाद वह लगभग १ - २ महिने पूर्व फिर रतलाम आया और उसने अपने आपको युनाईटेड ट्रेडस कं० बम्बई का लम्ब्रेटा मोटर सायकल का एजन्ट व बम्बई निवासी बताया और लगभग रवीन रतलाम रहा । उसने लोगों को यह कहा कि मैं सेवादल के लोगों को किस्तों पर मोटर सायकल लम्ब्रेटा व इत्यादी दिलाता हूं । हमारी कं० का एक ट्रायवर ट्रक में मोटर सायकल लम्ब्रेटा इत्यादी खरीद दार के घर जाता है । मैं रेली के समय बम्बई में वहीं गाडी दे दूगां आदि उसने उसकी आर्डर बुक जिसपर युनाईटेड ट्रेडस लिखा है श्री जमनालाल जी के नकली हस्ताक्षर कर लिये है । इस पर हमें सन्देह हुआ और हमने उसे रतलाम मगाया । उसके पूर्व वह दोपहर को एक और व्यक्ती को भी लाया था ।

हमने सुना है कि वह दिल्ली भी कुछ दिन रहा है और उसने श्री रामचरणलाल जी पाठक से ५० रूपय एडवान्स भी लिये बताये है ।

अब सवाल यह उठता है कि क्या वह व्यक्ती वास्तव में एजेन्ट है या नहीं है, तो उसी से पूछने पर हमें ज्ञात हुआ कि उसके पास कोई के लेटलाग , एजन्सी लाइसेन्स वगैरह नहीं है । वह केवल सेवादल संबंधी सही सही सी बातें बताकर , श्री सुबुबाराव जी का नाम लेकर लोगों ठगता है । इस संबंध में हमने श्री सुबुबाराव भाई सा० से भी जब वे रतलाम आये थे चर्चा की थी उन्होनें भी यही कहा कि यह सब झूठ है । अत: यदि फिर कभी मिले तो उसे पुलीस के सुपुर्द कर दिया जावे ।

24

KHANAGAON KUSHTA NIWARAN SAMITI,

So 91

GOKAK. Dist Belgaum.

President-Shri A. R. Panchagavi, B A, LL. B
M L A (Mysore) Gokak
Vice President.-President Dist. Congress
Committee, Belgaum.

Adviser-Shri Annu Guruji Pachapur.

Hon Secretary-Dr. G R. Kadalgikar.
L C P S, Gokak.

Date 12/5-61

To
The Dy. Commissioner
Belgaum.

Sub- Sympathetical view & timely help to K.K.N.Samiti.

Sir,

Anti Leprosy Work is being carried on on philonthropikal bases for the last 10 years with free services of Dr.Kadalgikar (Gokak and the Red Cross Society Belgaum,Central Govt. of India & State Govt.of Mysore are helping this Institute very sparingly.

211 cases of Leprosy are being freely treated as out-patient who from the villages round about are attending the Khanagaon clinic. Our registered Samiti have, after deliberate consideratio opened a branch clinic at Nesargi for those L. patients who cannot affoard to a long distance to Kha. clinic the V.P.C.s round about Nesargi have resolved to help this cause by contributing some o e amount as to their capacity per year to meet out the expensi on travelling of our workers'staff every week to conduct the clini at Nesargi. So also the V.P.C.s in Kundar-Nad have resolved to help this cause for one moee clinic to be opened at Ankalgi shortly.

A Memorandum of the Dy. Commissioner Belgaum no G.B MOWSR 525 dated 18/3/60 has been issued to every Municipality in Belgaum District who have extended thier contributions for construction of a building at Samiti's Khanagaon Kendra.

Now you are kindly requested to help the extention of the Samiti's work by sanctioning the requests of V.P.C.s in respect of helping this Noble cause.

you are again requested tokindly pay a visit to our Samiti when you happen to come to Gokak.

Early &sympathetic reply is awaited

youre faithfully
G Kadalgikar
Hon. Secretary

For with com. to
S. N. S Hardikar G Kadalgikar
for Perusal

35

दूरध्वनि क्रमांक १९९ ॥ वन्देमातरम् ॥

◆ विदर्भ महारोगी सेवा मंडळ ◆ 12

पो. तपोवन–जि. अमरावती.

जावक क्रमांक ५७१ दक्षर

श्री जगदंबा कुष्ठ निवास
दिनांक १८ । ६ । १९६१
सौर २८ वैशाख १८८३

ॐ० हरिहर

यांसी सेवेशी,

सप्रेम जयहिंद -

आपलें दि. ५ चें कृपापत्र पावलें.

आपणांस मी राज्यसभेमध्यें घेतलें म्हणून सांगितलें होतें पण इतर महत्त्वाच्या कामामुळें लोकांकडे येणें आलें नाहीं. त्याच दिवशी परत परत यावयाचें असल्यानें इतराहि कामें पुष्कळ होतीं. यामुळें भेट होऊं शकली नाहीं. क्षमस्व!

घरप्रपंचासंबंधी वातावरण अत्यंत स्फूर्तिदायक व आनंदी असें आहे. व लोकांचे कार्यकर्तेहि कर्तव्यदक्ष आणि सेवाभावी आहेत हें पाहून समाधान वाटून आपला एकट्याचें हेवाहि वाटतो!

आपल्या संस्थेच्या विकासाला सर्व दृष्टीनें मोठा वाव आहे व त्याचा फायदा आपण जास्तीत जास्त घ्यावा अशी मी आपणांस विनंति करीत आहे. यासाठीं आपली सर्व शक्ति घरप्रपंचा आरोग्य आणि विकासिता व वैभवशाली करण्याकरितां खर्च करावी तर आपल्या सेवाकार्याला इतर सर्व कामांपेक्षांहि हें स्थायी स्वरूपाचें व आदर्श असें काम होईल. भारतांतल्या सेवाव्रत जीवन घालविणारें एक आदर्श असें केंद्र आपण करावें अशी मी आपणांस विनंति करीत आहे

पटपुरा हें कुष्ठसेवेचें व कुष्ठरोगी लोकांच्या निवासाचें आदर्श असें ठिकाण व्हावें, अशी माझी इच्छा आहे पण तेथील कार्यकर्ते लोकांना इतकी साथ आहेत की, त्यांच्या स्वयंस्फूर्तिनेच ह्या नवीन कार्यास आरंभ व्हावा अशी माझी इच्छा होती व आहे. म्हणून मी फारसा आग्रह धरला व आपल्याकडे केला नाही.

आरंभी आपण संस्थेतर्फे कुष्ठपहाणी, शिक्षण व औषधोपचार (Survey, Education + Treatment) या कार्यास ७०-८० गांवें घेऊन सुरुवात करावी म्हणजे स्थानिक सरकारांकडून अनुदान मिळू शकेल. त्यानंतर कुष्ठनिवासाच्या कामास सुरुवात करावी असें तेथील सर्व परिस्थिती पाहून मला वाटले आहे.

या विषयी ~~मी~~ आपल्याशी बोलून पुढची योजना ठरवण्यात येईल असो.

महाराष्ट्र कुष्ठसहाय्यक व हितचिंतक परिषद यांच्यातर्फे मी पुरवणी करीत आहे त्यावेळी आपण यात्रेत कुष्ठकार्याची व त्यांत येणाऱ्या अडचणींची कल्पना आणून देऊं शकेल.

सर्व्हिस सिव्हिल इंटर नॅशनलचे [illegible] या हिवाळी दीड महिना राहून सहाय्यास प्रत्यक्ष येणार आहेत. या मुलांच्या दिवसांतील खेळण्याचा व दुसरा काम करीत असतात. त्यांच्या फक्त जेवण शिवाय दुसरा कोणताही खर्च आम्ही करीत नाही.

~~आपल्या आरंभी [illegible] खेळण्याचा खर्च~~

कर्नाटकांतील एक डॉक्टर व इतरही मुलांचा आमच्याकडे आहे. फिजिओथेरपीचें शिक्षण घेण्यासाठी

आपल्या संस्थेतील पाहुणे आणि या [illegible] आपला परिचय करून देण्यासाठी [illegible] पाहुण्यांचा परिचय करून देण्यासाठी [illegible] आहे.

विनीत

To.
prof. J N Jagadinan
Organizing Secretary
Hind kushtha Niwarn Sangh.
Madras 4

37 94

Sir,

Being given to understand that a training-class in physiotherapy is going to be started soon and applications are invited from ex Leprosy-patients wishing to attend the same, I the undersigned beg state as follows

That I am a resident of Karanalak I am undergoing treatment for Leprosy in Shree-Jagadamba kushtha Niwas for the last 1½ years and also now slightly positive I am able-bodied and working as an injector and compound-er in this institution for the last one year

As for my educational qualification I beg-to state that I have passed my pre-university Examination of the Karanalak University in the-year 1958 Due to this disease I couldn't continue my further studies Now I have decided to dedicate my life, in the service of my fellow suffers and so I think ~~that~~ the training in physiotherapy will help me-to discharge my duties properly.

I therefore request you sir, to select me as a stipendary for your class and give a chance to serve my brothers.

I strongly hope that due consideration will be given to my request

Yours faithfully
S D Mugali

My present address

S D Mugali
Shree Jagadamba kushthaNiwas
Tapovan (Amaravati)
(Vidarbha)

38

कांग्रेस - सेवादल

रतलाम (मध्यप्रदेश)

:२: श्रम-शिविर

क्रमांक दिनांक

साथ ही आज दिनांक १०:५:६१ को आदरणीय श्री डा०हाडीकर जी सा० से भी जब वे दिल्ली से घर लौट रहे थे हमने जानकारी के तौर पर उन्हें ये कुछ बातें बतलाई । तब उन्होंने कहा कि मेरी तरफ से श्री रामदार को लिखना कि वे इस संम्बन्ध में पत्र में सब जगह समाचार दें ताकि वह व्यक्ती अन्य स्थानों पर जाकर किसी भी सेवादल के भाई बहन को न ठग सके ।

अतः श्री मान् की सेवा में यह पत्र आवश्यक कार्यवाही करने हेतु प्रेषित है ।

शेष कुशल

आपका ,

हीरालाल :: प्रेम ::

जिला शिक्षक

कांग्रेस सेवादल श्रम शिविर रतलाम

प्रतीलिपी :१:

:१: श्री डा०हाडिकर जी साहब,

व०मा०संचालक कांग्रेस सेवादल , हेल्थ इस्टीट्यूशन घट प्रभा बेलगाम, दक्षिण रेल्वे

:२: श्री जी० वी० सी ० कांग्रेस सेवादल, बम्बई को सूचनार्थ भेजते हुए निवेदन है कि यहां बम्बई में युनाईटेड ट्रेडर्स कं० कहीं हो तो उससे जानकारी प्राप्त करें कि क्या उनका मनुभाई कोठारी नामक कोई एजंट है ? तथा क्या बम्बई में "इंडिया बैंक है। इंक्त जानकारी से हमें भी अवगत कराने की कृपा करें।

Telephones : { 40320
45870

43

Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

96

Bombay
15-5-61

7, JANTAR MANTAR ROAD
NEW DELHI-1

My dear Dr. Sahib

I have arrived here on 13th night of this month. According to our talk I am writing my views about our organization.

I had expressed my views when we met in Delhi. The time now has been changed. We shall have again to think about our organization. I think you are also not completely satisfied with this present working and the results of the organization. There should be some change in the organization as today's atmosphere.

I am writing my views here. They are:

(1) There is no doubt that Servodal should be a part and partial of congress but as congress being a political party, if (Servodal) should not now be merely a voluntarily organizations but something more. To supply trained and efficient workers to the congress and its activities should be our motto or object. If we want to bring effective effectiveness we should try to make efforts to fulfill this object.

(2) Our workers should be developed as more intellectually and as general workers. The flow of the workers should be continued.

(3) Our organization should financially be self sufficient. If should not be burdensome to the congress as it feels. If we want to maintain our dignity and value we should find out new ways and means for finance.

THE KARNATAK HEALTH INSTITUTE
HOSPITAL AND SANATORIUM
(DIST. BELGAUM)

PO. TELE. } K. H. INSTITUTE
TELEPHONE: GHATAPRABHA NO. 31
RAILWAY : GHATAPRABHA(S.RLY).

45

97

Ref. No.

Date 16-5-66.

To

Shri. Ishwar Chand,
Business Executive,
Publications Division
Government of India,
Old Secretariate
D E L H I-6

Sir,

Please refer to your letter No. BIV/PP/65 dated December 10, 1965 and see that we have yet to receive from you your publications worth Rupees 103.00 (Rs. One hundred and three) only.

2/- Now please send:

15th, 16th, 17th, 18th, 19th & 20th Volumes of the collected works of Mahatma Gandhi- Deluxe Edition.

3/- Also, let me have a copy of the latest list of books you have published during the last four months.

Your brother,

N.S. Hardiker

(N.S. HARDIKER)
Administrator, KHI

DKM/-

DKM\-

Administrative Officer, KHI
(M.S. HARDIKER)

Your proposal,

2\- Also, let me have a copy of the latest list of books you have supplied during the last four months.

collected works of Mahatma Gandhi- Deluxe Edition.
Left, left, Left, left, left & SOLD Volumes of the

3\- Kam Briggs sent:

punched and three) only.
Rupees Two Thousand Fifty Only.
Document No. 101.00 (Rs. One
Please refer to your letter No. BIA\pp\28 dated

Yours,

D E L H I-6
Old Secretariate
Government of India,
Publications Division
Business Executive,
Smt. Indrani Chand,

To

Dt-2-66.

No 28

H.N. Agarwal
Deputy Secretary

D.O.No. 9(9)/61-PP

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF
INFORMATION & BROADCASTING.
New Delhi

May 16, 1961

Dear Dr. Hardiker,

Kindly refer to the discussion of the meeting of the Informal Consultative Committee held on the 13th March, 1961, regarding the performances arranged by the Central Drama Troupe of the Song and Drama Division.

A statement showing the details of 60 performances arranged by the Central Drama Troupe during the year 1960, is sent herewith for your information.

Yours sincerely,

(H.N. Agarwal)

Dr. H.N. Hardiker, M.P.
76, South Avenue,
New Delhi-11.

48 100

SONG & DRAMA DIVISION
MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

***

Statement showing
The programmes given by the Central Drama Troupe during
1960-61.

S.No.	Date of performance	Place	Name of the play	Remarks
1.	6.4.1960	Rampur	Malti Madhav	
2.	7.4.1960	-do-	-do-	
3.	8.4.1960	-do-	-do-	
4.	27.4.1960	Summer Drama Festival New Delhi.	Mrichkatikam	
5.	28.4.1960	-do-	-do-	
6.	3.6.1960	Football Stadium	-do-	
7.	5.6.1960	-do-	Aram Rajay	
8.	26.6.1960	Nanital	Chaurahe Par and Aram Rajya	Two shows were given in one day.
9.	27.6.1960	-do-	Mangoo	-do-
10.	29.6.1960	Barreily	Chaurahe Par & Aram Rajya	
11.	1.7.1960	Moradabad	-do-	
12.	2.7.1960	-do-	-do-	
13.	5.7.1960	Sharanpur	Mangoo	
14.	8.7.1960	Jagadhari	Aram Rajya & Chaurahe Par	
15.	11.7.1960	Sirhind Club, Ambala	-do-	One show was given during day and other during night.
16.	11.7.1960	Panipat Line, Ambala	Mangoo	-do-
17.	13.7.1960	Mangal	Chourahe Par & Aram Rajya	
18.	14.7.1960	Ropur	-do-	
19.	16.7.1960	Patiala	Mangoo	
20.	18.7.1960	Nabha	-do-	
21.	20.7.1960	Sangrur	Mangoo	
22.	22.7.1960	Patiala	Aram Rajya & Chourahe Par	Two shows were given in one day
23.	23.7.1960	Rajpura	-do-	
24.	25.7.1960	Chandigarh	Mangoo	
25.	26.7.1960	-do-	Aram Rajya & Chourahe Par	

	14.9.1960	Ramjas College, Delhi	Aram Rajya & Chourahe Par
27.	15.7.1960	Karorimal College, Delhi	-do-
28.	28.9.1960	Srinagar(Nedeos Hotel)	-do-
29.	30.9.1960	Pattan	Chourahe Par Ranglika
30.	2.10.1960	Dagger Div.,Srinagar	Chourahe Par Aram Rajya
31.	3.10.1960	Srinagar(Neodeos Hotel)	-do-
32.	5.10.1960	Stadium, Srinagar	Mangoo
33.	6.10.1960	-do-	-do-
34.	9.10.1960	Hari Bhawan,Jammu	Aram Rajya & Chourane Par
35.	10.10.1960	Water Point, Jammu	-do-
36.	13.10.1960	Nahan	-do-
37.	14.10.1960	Renuka (Dadahu)	-do-
38.	17.10.1960	Solan	Mangoo
39.	28.10.1960	Mehrauli	Mangoo
40.	29.10.1960	Kidwar Nagar,N.Delhi	Mangoo
41.	30.10.1960	Dangal Ground	Mangoo
42.	13.11.1960	Gurgaon	Aram Rajya & Chourahe Par
43.	14.11.1960	-do-	Aram Rajya
44.	16.11.1960	Panipat	Aram Rajya & Chourahe Par
45.	19.11.1960	Bhatinda	-do-
46.	20.11.1960	-do-	-do-
47.	22.11.1960	Ludhiana	-do-
48.	23.11.1960	-do-	-do-
49.	26.11.1960	Red Fort, New Delhi	-do-
50.	14.1.1961	Dangar Ground,N.Delhi	Doctor
51.	15.1.1961	Ajmal Khan Park,N.Delhi	-do-
52.	16.1.1961	Dangal Ground,N.Delhi	Aram Rajya
53.	17.1.1961	Ajmal Khan Park,N.Delhi	Aran Rajya & Chourahe Par
54.	18.1.1961	Dangal Ground,N.Delhi	-do-
55.	19.1.1961	Kidwai Naga,N.Delhi	Doctor & Aram Rajya
56.	3.2.1961	Contentia Hall,N.Delhi	Doctor & Aram Rajya

S.O 102

57.	2.1961	Delhi Cloth Mill, N.Delhi	Aram Rajya & Chourahe Par
58.	5.2.1961	-do-	-do-
59.	23.2.1961	Contantia Hall, N. Delhi	Doctor and Aram Rajya
60.	24.2.1961	Swatantra Bharat Mill, Delhi	Chourahe Par Arama Rajya.

54 103

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी, मुंबई.
काँग्रेस सेवा दल,

-: कचेरी स्थळ :-
राष्ट्रीय मिल मजदूर संघाच्या
नव्या जागेत (पूर्वीची
जयंत स्टुडिओची जागा)
परेल टँक रोड, मुंबई १२.

सेवापती
सुलेमानखान पठाण

(1)

१८. फ. ६१
मुंबई.

पू० डॉक्टर साहेब स. वंदे.

नागपूरच्या पत्त्यावर पाठविलेले पत्र मला मिळाले.

(1) मला प्रोताध्यक्ष डॉ. आबासाहेब खेडकर यांनी नागपूर शहर, नागपूर जिल्हा कडे लक्ष्य देण्यास सांगितले होते. कारण तिकडे विदर्भ आंदोलन तीव्र व विधायक स्वरूप धारण करणार होते. संघटनेवर आघात होण्याचा संभव होता. तिकडे मला राखेलागले. मी नागपूरला वा २० तारीस पासून वा० २ मे पर्यंत राहिलो नंतर पुन्हा मुंबईला वाउटे फ पर्यंत राहिलो

(2)

વધુમા નાગપુરના તાજ પાલિ તા ૧૩ પર્યંત રોકાશે. નાગપુર જીલ્લામાં વનાગપુર શહેરમાં કાર્ય કરતે: સંઘટન વાઢવામા પ્રયત્ન કરો

(2) રેલી વ્યવસ્થા સાથી અગાઉથી પ્રમુખ વ્યવસ્થા ન થશે. સ્વયં. પ્રવાસ. આમ થશે ધોમા નાગરા મે ૧૫ પ્રમુખ સર્વ જિલ્લા પદાધિકારીઓ વધારવા ના પાઠવવું. વસે ન દુસરે પ્રમુખ ના આગમન પ્રવાસ વ ઓરિસા નિયડ બુકો નાગપુરથી કાઢવા ના પાઠવવું. મી રહેશે અકુતાબાર્ડ જાઈને દુસ્વર્ક કરવું. રિપોર્ટ અગાઉ ના પાઠવવું.

આપણા કોર્ટ આવેલા નિકટ ના લોકો વસ્યામુકે મી આપણા વિદ્યુશક્તિ ગાડી અગાઉ મળી દિના કરવા. આસ્તિમુક સ્થળો મી આપ પાસ લિહેવે ગાડી.

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी, मुंबई.
काँग्रेस सेवा दल,

दलपती
सुलेमानखान पठाण

-:कचेरी स्थळ:-
राष्ट्रीय मिल मजदूर संघाच्या
नव्या जागेत (पूर्वीची
जयंत स्टुडिओची जागा)
परेल टँक रोड, मुंबई १२.

③

या मे महत्त्वांत खालील प्रमाणे शिबिरे
घेतली आहेत.

(1) प्रांतीय मध्यम सांघिक शिबिर.
(31 मे ते दुसरे) एकूण 60
Total - जिल्हा - सातारा.
येथे.

(2) नागपूर जिल्हा शिबिर- 28 मे ते
3 रे. एकूण 60 चा
मध्यम सांघिक.

(3) जळगांव जिल्हा शिबिर- एकूण 60
चा. तांत्रिक कारणांमुळे
नाही. केवळ मध्यम
मध्यम सांघिक शिबिरे.

(४)

अ कुमठ ~~~~ परवांच येथें येऊन गेले.
मग त्यांनी शहर पोलिसांत ~~~~. तेथून
येथील शिपायाने व्यवस्थे साठी गोरे
आले:

अ. ता 23 पासून - गासिम, अकोला,
धुळे येथील दौरा करून
अमरावती वरून नागपूरला गेले.
तेथे नागपूर जिल्ह्यातील एक दोन ठिकाणी
दौरा आटोपून ता 29 ला कळंब
येथे पोहचले. तेथे 3 दिवस राहून.
वरून मुंबईला येऊन. वरून अकोला
व नागपूर शिपाई रजा साठी गेले.
अ कुमठ कळंब येथील शिवाजी
महाविद्यालय. त्यांनी कें काम
केले आले.

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी, मुंबई.
काँग्रेस सेवा दल,

दलपती
सुलेमानखान पठाण

(५)

-:कचेरी स्थळ:-
राष्ट्रीय मिल मजदूर संघाच्या
नव्या जागेत (पूर्वीची
जयंत स्टुडिओची जागा)
परेल टँक रोड, मुंबई १२.

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटीचे
अ.भा.काँ.कमिटी सदस्य कार्यालय सुरू
करण्यात आले. आणि सोनियाजी गांधी
यांच्या हस्ते: मुख्य प्रदेश
कमिटीचे उद्घाटन झाले.
आम्ही सेवादल म्हणून काम करीत आहोत
संघटनेच्या दृष्टीने, त्या-त्यामध्ये समजले जात
आमचा प्रयत्न आहे. आमच्या पोरांच्या मार्गदर्शन
नवीन काम करून अशी काँग्रेस संघटना
मजबूत प्रयत्न करणे तो अपूर्ण आहे.
अजून आम्हाला पुष्कळ काम करून ते पक्षाला
वेळ लागेल.
आमचे मुंबईला कार्यालय. त्यामध्ये

(૬)

પ્રતિ આમાંસ મેદૈન; તારીખ કરવાના
લી વિનંતિ..

આમા મહેદન પેશાના શિયારતના
મેટે અમને લી વિનંતિ તારીખ
આપવા.. આમાંસ જોયાના
વ્યવસ્થા કરવા. પ્રસાદના મહેદન.
મહા આશા આપે: આમા કુપા મેળવી
દર્શન કરવા.

કુપાદર્શી તેવા લાવિનંતિ
વિનતિ

MO
૧૮.૪.૫૧
મુંબઈ.

દિનેશચન્દ્ર પ્રભાત

सत्यमेव जयते

109

854-PM/61

FINANCE MINISTER,
INDIA.

New Delhi
18th May 1961

My dear Hardikar,

On my return from tour yesterday, I saw your letter of the 9th May inviting me to visit the Karnatak Health Institute at Ghataprabha during my tour in Mysore State. My tour programme in Mysore was drawn up by Shri B.D.Jatti and if you had written to me earlier, I would have asked him to include a visit to your institution in my programme. I would have indeed been glad to see all of you at the Institute. I had always felt that the zeal and dedication shown by the authorities in starting this institute will not fail to achieve good progress and I am glad that the Institute has in fact achieved considerable progress. Will you please congratulate them on my behalf ?

Yours affly

Morarji Desai

(Morarji Desai)

Shri N.S.Hardikar,
C/o.Health Institute,
Ghataprabha,
Dist. Belgaum,
Southern Rly.

:पी: 110 57

दिनांक : २०-२-९

प्रिय भाई साहब,

सादर नमस्ते।

माननीय भाई साहब, एक साथी द्वारा कुछ दिन पूर्व एक पत्र आपको दिया गया था जिसमें मोटर साइकल का विवरण दिया गया था जिसके संबंध में श्री चेतन्यापात निम्बे एवं श्री प्रह्लाददास पारेड़ा द्वारा की गई अनियमितताओं का उल्लेख किया था। उत्तर में आपने लिखा था कि मैं इस संबंध में जानकारी प्राप्त कर आपको लिखूंगा, जिसे प्रतीक्षा हमें कई दिनों से है।

उज्जैन नगर पालिका की कुछ घटनाएं आपके समक्ष रख रहा हूं। उस पर ध्यान देकर उज्जैन तेवाक्ष संगठन को सक्षम बनाने के लिये मार्गदर्शन करें।

हमारे परम आदरणीय भाई श्री गयानन्द जी वर्मा ने अपने त्याग व परिश्रम से उज्जैन तेवाक्ष संगठन को ऊंचा उठाया व उन्हीं की कृपा से आज हम इस लायक हैं कि आपके सामने दो शब्द रख सकें, पिछले कुछ दिनों से उनके द्वारा संगठन को क्षति पहुंचाने जैसा गंभीर प्रयास किया जा रहा है। उदाहरण के रूप में पिछले दिनों जैन विश्व भारती मान्य विश्वविद्यालय लाडनूं के तत्वावधान में पदयात्रा के उपलक्ष में वर्मा जी द्वारा अपनी भारत तेवाक्ष लाइन्स नामक जो फैक्ट्री है उसका लाभ लिया गया था। इस उज्जैन नगर में कार्यक्रम तय हुआ जिसमें ग्रामोद्योग व तेवाक्ष के स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाने का कार्यक्रम तय किया गया था। उस कार्यक्रम में सभी को उपस्थित रहने के लिये जो सर्कुलर ग्रामोद्योग विभाग के प्रभारी श्री भगवान सिंह जी चौहान ने दिया कि ग्रामोद्योग के कार्यकर्ता आपके समक्ष बैठेंगे। उनको मार्गदर्शन देना है। सभा की उस सभा में तेवाक्ष के स्वयंसेवक भारी तादाद में बैठे हुए थे व ड्यूटी दे रहे थे। उस समय हमारे प्रदेशीय संगठन मंत्री श्री गयानन्द वर्मा भी स्टेज में बैठे थे, तथा उन्होंने नहीं कहा कि तेवाक्ष के लोग यहां बैठे हुए हैं, अतः इन्हें यहां से निकाल कर बाहर भेज दो। इस प्रकार हमारे कार्यकर्ताओं को निराश होकर घर जाना पड़ा। क्योंकि श्री वर्मा जी अपनी पदयात्रा के समय भारत तेवाक्ष लाइन्स का उपयोग कर चुके थे इसलिये वे तेवाक्ष के कार्यकर्ताओं को किसी रूप में अपनी सेवा में अपना सम्मान समझते थे।

आपके उज्जैन दौरे के समय स्वयंसेवकों की व्यक्तिगत जिम्मेदारियों को सुनने व उनके द्वारा मौन व्रत नहीं किया गया, कलमदिया कार्यालय में सिर्फ आराम से आयोजन किया जा रहा है। मासिक रिपोर्ट कार्यालय मंत्री को कलम देकर उल्टी व सीधी भिजवाई जाती है। जिले व नगर में कार्यक्रम में अपने अधिकार के बारे में कार्यक्रम बताया जाता है और कार्यक्रम बदल दिया जाता है और पैसे पर भी नहीं सोचा जाता है। इस कारण कार्यालय मंत्री ने अपना मोबाइल बंद कर दिया तथा तेवाक्ष की पूरी व्यवस्था बाहर न जाते हुए अपने नाम की बन्द किया और आप के आने पर दो दिन में अपना निजी काम करते हुए जो उचित हुआ उसने किया किन्तु यहां आय व्यय का हिसाब पूर्तिया ठीक नहीं है। और डेढ़ाई रुपयों का व्यय रखा अपने नाम के लिये किया व डेढ़ाई रुपये की रकम वर्मा में कुछ के नाम से जमा है व वापिस करने का नाम ही नहीं लेते हैं।

जहां कहीं भी जैवाक्ष के व्यौरा प्रकाशन किया जाता है वहां भारत जैवक समाज का नाम भी जोड़ दिया जाता है। जसे जैवाक्ष के स्वयंसेवकों के विभाग पर गलत असर पड़ता है। [illegible] ा वाप ६ माह में उज्जैन की रिपोर्ट में कैसे ही प्रकाशन का नाम नहीं रहा। [illegible] का यही कारण है कि जैवाक्ष छात्र विभाग को छोड़कर।

[illegible] ी वर्मा जी अपने वक्तव्य में भारत जैवक समाज का औचित्य घोषित करते हैं, जबकि इस जैवाक्ष के कार्यकर्ताओं व्दारा [illegible] ा जिला कांग्रेस की निर्वाचन करने पर [illegible] कारपालिका में एल्डरमैन के रूप में चुनने का निर्णय लिया गया था। और चुने भी गए हैं। किन्तु उनके कारपालिका में जाने से भी कोई फायदा नहीं हुआ। यहां तक कि कारपालिका के पार्षदों को भी सुना गया है कि जैवाक्ष के उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष बनने की मना करते हैं।

वर्तमान जिलाधिनायक [illegible] रामकरण जी वर्मा अपने बाप की भारत जैवक समाज [illegible] निर्माण समिति का चेयरमैन घोषित करते हैं और उनेकार के मद में बन्धे होकर, अपने प्रभाव से भी वर्मा जी के बाप भिड़कर जिस प्रकार कार्यकर्ताओं को परेशान करते, जिससे भारत जैवक समाज और जैवाक्ष दोनों से स्वयंसेवकों को मुक्ता ली गई है, उसके कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं :

:१: श्री शिवनारायण कांग्रेस जैवाक्ष का एक कार्यकर्ता है उसका औरत अपने ठेले पर सब्जी बेचती थी एक दिन उससे पालिन का पर गाली उठाई और उसके कुलम [illegible] ालकुमार वर्मा ने औरत को थप्पड़ चांटे खाने पर मजबूर किया। वर्मा जी ने साथ आने वाले व्यक्ति को कुछ रुपयों का आश्वासन भी दिया किन्तु कुछ माह बाद रुपया देने से इन्कार कर दिया।

:२: श्री कन्हैयालाल वर्मा, कांग्रेस जैवाक्ष के एक अग्रिम कार्यकर्ता हैं जिन्हें कि भारत जैवक समाज में उच्चतर पद में कार्य मिला था। किन्तु उन्हें भी नौकर [illegible] पर उज्जैन में बुलाया गया। और यह आश्वासन भी दिया कि तुम नौकर छोड़ दो और हमारे ठेले पर काम करो। किन्तु दुःख है कि आज ६ माह के बाद भी उन्हें नौकर नहीं दी गई और हमारे एक कार्यकर्ता के परिवार के साथ रोटी रोजी का खिलवाड़ किया गया। उसे जैवाक्ष के प्रति में गलत भावना पैदा हुई है और स्वयं जैवक यहां तक कहने को तैयार हो गए हैं और कहते पाए गए हैं कि जैवाक्ष के अधिकार स्वार्थी और अत्याचारी हैं।

:३: उज्जैन जिला कांग्रेस जैवाक्ष के जनसंपर्क मंत्री श्री शिवप्रकाश चौरसिया के साथ भी उक्त दोनों महानुभावों व्दारा खिलवाड़ किया गया। श्री वर्मा जी व्दारा श्री चौरसिया को यह आश्वासन देकर कि तुम जैवाक्ष में काम करो, जिससे तुम्हारी पढ़ाई भी हो जायेगी और कुछ पैसा भी प्राप्त हो जायेगा तुम मिल की नौकर छोड़कर यहां काम करना प्रारंभ कर दो। उसे उसकी नौकरी से छुटाकर ५० रु० महिने पर जैवाक्ष में कार्यालय पर रखा, जबकि मिल में उसे ७० रुपये मासिक मिलते थे। उससे श्री वर्मा जी ने अपने कैसे संस्थार्थी का काम लिया। साथ ही जैवाक्ष के पैसे केकर श्री वर्मा जी ने अपने ठेले का कार्य लिया जो कि ८ घंटे नहीं बल्कि १२,१२ घंटे तक काम कराया, इस प्रकार से उंगठन की के महत्व को एक ओर रखकर, उंगठन के पैसे से अपना निजी कार्य लिया, और धंधा फूटने पर एक या दो माह के पैसे अपने पास से दिया

वह भी अपनी मजबूरी के कारण कार्य करता रहा क्योंकि फिर से पुनः नौकरी मिलना मुश्किल था, साथ ही उसकी आर्थिक स्थिति भी खराब ही थी। आखिर कब तक इस प्रकार से उसके साथ और शोषण के साथ उनके द्वारा विश्वासघात किया गया तो मजबूर होकर उसे कार्य छोड़ना पड़ा, अब भी वह तेवाड़ा को अपना सहयोगकार मानता है।

:४: आपने अपने दौरे के समय उससे कहा था कि तुम इस पद के लायक नहीं हो, उस समय आप वह चाहता तो उचित उत्तर दे सकता था किन्तु अपने अधिकारियों का सम्मान करते हुये उसने अपने ऊपर तैयार अपने आपको बुरा भला सुनना स्वीकार किया। और उसके साथ ऐसा कहीं लगता कि उस समय आपने उसके चेहरे पर भी देखे या नहीं। साथ ही कार्यालय रजिस्टर में उसने अपनी गलती प्रमाणित की और अधिकारियों को बताया। किन्तु अब उसने आपके आगमन के पूर्व ही षड़यन्त्रपूर्वक मिथ्या, असत्य प्रचार करके, झूठा सीधा कार्य करने वाले कर्मचारियों को निष्क्रिय सिद्ध किया और यह भी कहीं ऐसा लिखा जो कर्मचारी को नागवार गुजरे और उसे अपने कार्य से हटाने के लिये यह रिपोर्ट तैयार की हो। साथ ऐसे व्यवहार से उसके मानसिक सन्तुलन को प्रभावित किया है जिससे अपने कार्य के कारण कांग्रेस अध्यक्षों के अधिकारों, तथा और भी कई शिकायतों में कार्य किया और आपसे भी झूठा सच्चा कहकर तीसरे की आदि तीसरे की प्रशंसा का पात्र बन चुका है। इस तरह ऐसे प्रकरण में बच्चे नालायकी बताने की कला जाता है और दूसरे तरफ कम नालायकी करके और चापलूसी करने के अधिकारी रहते हैं तो वहीं वह नालायकी अपने दुर्भाग्य से उन पर ही आगे चलने में तोला जाता है, ऐसे कार्य में कई प्रकार के आधारहीन उपस्थित कर दिया जाता है जिसे वह अपना दिया मानकर छोड़ जाता है।

:५: जो कि उसके द्वारा ही तैयार कराकर प्रस्तुत किया गया, ऐसा लगता हुआ है कि उक्त तैयार कर तेवाड़ा के नाम से लिखा कर उन्हें दिया गया है जिसमें वह अपना लिखा बताते हैं। यह भारत सेवक समाज के उपयोग में लाते हैं। इस तरह नागपुर में तेवाड़ा के नाम से जितना भी धन्धा किया है उसका हिसाब भी जानबूझ कर नहीं है।

:६: इसने तीसरे वर्ष भी कार्य किया है जिसमें कार्य के दौरान पद पर रहते हुये कहीं भी तेवाड़ा का लिखा है आपके में अपना नाम दिया था। तीसरे वर्ष में जब कार्य का तो उन्होंने एक पद छोड़ने की तैयार होने की बात और तेवाड़ा के पद पर बना रहना स्वीकार किया। किन्तु वे साथ में दोनों पदों पर कार्य कर रहे हैं, इस प्रकार उन्होंने प्रदेश तेवाड़ा के पैसों का भी दुरुपयोग किया है।

:७: कहकर यह दिखा गया है कि स्वयंसेवकों की कमी का प्रदर्शन करके साथ बहुत से पैसा उनके द्वारा खा जाते हैं। जिसे स्वयंसेवकों के साथ अन्याय बढ़ा हुआ है। ऐसे कोई भी प्रोग्राम सफल नहीं हो पाते हैं। और कभी कांग्रेस तेवाड़ा की गलत रिपोर्ट भिजवाकर गलत बताया जाता है, कभी पंचायत समिति के चुनाव पर जो कि उस में संपन्न हुआ था जिसमें की कार्य में १०/१० रु० स्वयंसेवक के रूप में तैयार देख बनाई। उसका हिसाब तब तक नहीं जाता है और कुछ जिलों को न तो देख ही प्राप्त हुई और ना पैसा ही मिला है।

:८: तेवाड़ा के अंतर्गत एक वाचनालय है जिसका नाम था वाल आदर वाचनालय है। जिसकी नगरपालिका द्वारा ही वर्ष में १०१:रु० अनुदान दिया जा रहा है।

हम सभी तक वाचनालय की उनकी कैसी संस्था समझते थे और उनके द्वारा भी वाचनालय पर उनका व्यक्तिगत अधिकार जताया जाता है। जो खुलान वाचनालय की शिक्षा विभाग के पुस्तकें भी वर्मा के द्वारा नहीं खरीदी गई किन्तु उनकी स्वयं की दुकान से जो पुस्तकें नहीं बिकती थी वे २० रुपये की खरीद कर रख दी है। हमने पिछले दिनों समाचार में इस वाचनालय का नाम पढ़ा और माना पढ़ा कि यह जिलाध्यक्ष के संरक्षण का रहा है। जिलाध्यक्ष से वाचनालय हमारी राय में इसीलिये आवश्यक किया जाता है कि छात्रों को अच्छी पुस्तकें पढ़ने को मिलें। परन्तु नगरपालिका द्वारा का खुलान की राशि से साहित्य खरीदने के बजाय जेब में रखकर निजी उपयोग में लाया जाता है।

कुछ दिन पूर्व जिला कांग्रेस से श्री रामधारी शर्मा ने सदस्यता की फार मांगा। पी क्योंकि वाचनालय का नाम ४ माह से ठप्प पड़ा है व जिस भी सदस्यों ने चंदा नहीं किया है। जिसे श्री वर्मा जी के एक रिश्तेदार को एक्स दिलाने के लिये कुछ जानकारी जिला कांग्रेस को दी गई।

अतः मैं सम्मान से हमारा निवेदन है कि उपरोक्त हमारे द्वारा दिये गई जानकारी को निजी रूप में व्यक्तिगत न मानते हुए शिकायत न समझें। क्योंकि हमारे सामने जिलाध्यक्ष उनका और वाचनालय एक ही एक ऐसा है, और खुशामदी ऐसा है जिलाध्यक्ष व कांग्रेस की प्रतिष्ठा में चार चांद लगे।

एक और अंतिम निवेदन आपसे हम करना चाहते हैं कि यह जो गोपनीय जानकारी हमने प्रस्तुत की है उसे बताय मांगने के लिये किसे अधिकृत है उन्हीं के पास न भेजा जाये, क्योंकि हमारे संगठन में और शासन में यह देखा जाता रहा है कि शिकायत होती किसी व्यक्ति के संबंध में किया जाता है वह उन्हीं के पास पूरी की पूरी ज्यों की त्यों अधिकृत रूप से उन्हीं के पास भेज दी जाती है, जिससे संबंधित व्यक्ति द्वारा जिलाध्यक्ष के साथियों को पूरा का दृष्टि से देखा जाता है और बदले की भावना पर उतर जाता है। अतः आपसे निवेदन है कि हमारे द्वारा दी गई जानकारी पर आप उचित कार्यवाही करें एवं गुप्त रूप से इस बात की जांच करावें कि हमारे द्वारा की गई शिकायत कहां तक उचित है।

आशा है सम्मान इस संबंध में मार्गदर्शन देकर अनुगृहीत करेंगे।

भवदीय

आपका आदि
रामदास पवार
कांग्रेस सेवा दल कार्यकर्ता

प्रतिलिपि श्री मध्यप्रदेश कांग्रेस
कमेटी
मंत्री जनपद सभा
नगरपालिका
जिलाध्यक्ष
कांग्रेस कमेटी

Ref. No D.2 / 61-62 JAI HIND Phone : 3993

BHARATH SEVA DAL

(REGD.)

PRESIDENT : *Padmasri Dr.* M. C. MODI

VICE-PRESIDENT : T. SIDDALINGAIYA *B.A, B.L., M L.A.*

GEN. SECRETARY :
S. R. GURU, *B.A.*

TREASURER :
V. S. NARAYANA RAO

DALAPATHY :
RAMA RAO, *I.N.A.*

No. 1, NEHRU NAGAR

BANGALORE 20 ... 23rd May 61.

To

Padmabhushana Dr. N. S. Hardiker,
No. 10, Akbar Road, New Delhi 20.

Sir,

I am thankful for your ~~in~~ kind letter dated 9th May 1961.

I have enclosed along with this a brief report of Bharath Seva Dal Activities for the year 1959-60 and 1960-61 as desired by you with the relevant statements for your kind perusal.

I always look forward for your kind ~~guri~~ guidance.

Yours faithfully,

Dalapathi.

62

115

BHARATH SEVA DALA, BANGALORE.

Brief report on the activities of Bharath Seva Dal for 1960-61.

The progress of activities of Bharath Seva Dala during 1960-61 is more concentrated on re-organisation and reconstitution of Dala. General Body of Bharath Sevadal met more than twice and transacted important matters for the improvement of Bharath Seva Dala. 12 District committees and 108 Taluk committees were reconstituted. New Executive Committee has been elected. Under shaka programme, 368 registered units have been organised in which 19849 volunteers have undergone training. There is great improvement in the increase in strength of volunteers trained in shakas though each District wise achievement require great improvement. During 1960-61, 10098 boy volunteers and 2015 girl volunteers have passed in Prathamic Examination. Two big camps of Madhyama Training were conducted one at Davangere and another at Malladhihalli in which 116 volunteers have been trained at a total cost of Rs.8,356=00. The significant feature of these camps are that intensive training activities on Athelatics games have been given. Six social service camps have been organised in Dr.M.C. Modi Free Eye Operation camps and in Jatra Camps such as Ghati Subrahmanya, Sivaganga, Mylara, Siddaganga etc., nearly Rs.1,500= has been spent for these camps.

At Mysore, Dasara service camp has been organised in which more than 200 volunteers were drawn from all over the State, more than 500 youths both boys and girls participated in the State Procession. Our volunteers have rendered service at the Dasara Exhibition.

With the object of improving the efficiency and increasing the knowledge, so as to enable the seval workers to know the up-to-date informatio , seven camps were organised in District Centre for 159 Bharath seva dala taluk organisers and shaka nayaks. These camps have found very useful in fostering better understanding, team spirit and exchange of experiences for the improvement and progress of sevadal movement.

Bharath Seva Dala College of Physical Education and social

P.T.O.

service could not be continued due to the paucity of the students. It has been proposed to continue the College in anticipation of securing the required financial aid and other concessions. The progress during the collection of Hostel funds, is slowly progressing, coupons of Re. 1, Rs.5, and Rs.10 have been issued to sevadal workers for selling the same. Arrangements are ahead to get free films for benefit shows.

Since the grant amount has been received, only at the end of the year, it was with great difficulty moneys for the programme have been met. It is hoped that greater progress can be achieved during the ensuing year.

Mts

Brief Report of Bharath Seva Dal on Development Scheme for the year 1959-60.

During the year 1959-60, six Jathra social service camps were conducted with an average duration of nine days, 225 volunteers participated in all the camp at a total cost of Rs.1,891=93. One Manual Labour Camp at Hanasoge has been conducted. The duration of the camp was 15 days. 53 volunteers participated in the camp. The cost of the camp was Rs.877=31. The estimated cost of the work was Rs.1,600=00.

Four social service camps were conducted in connection with 1. Dr.Modi's Free Eye Operation Camp. 2. Bihar Blind Relief Mission. 3. The convention of All India Formers Forms. 214 volunteers participated in the camp and they have rendered valuable service to the patients. The total cost of the camp was Rs.719=10 only. As usual this year also the Pilot Project Scheme was organised in 14 villages ofN.E.S. area of Mulbagal Taluk with a duration of 33 days. 705 village youths were trained in Physical Education, Honour to National Flag, National Anthem, Village Improvement work, compost making, soak pits, co-ordination with the N.E.S. authorities and village. The total cost of the scheme was Rs.756=87.

Training Camp:-

44 Prathamik camps were conducted at a total cost of Rs.987=61 wherein 2156 volunteers trained. Training of non-official members of Block Development Office camp sponsored by the Director of in Service Organised jointly byBharath Sevak Samaj and Bharath Sevadal have conducted 3 camps at Baginigere, training nearly 70 members Orientation Training camp sponsored and conducted by the District Social Educational Organiser, Director of Public Instruction's Office conducted and seven camps in which our Instructors have given training 329 teachers. Instructors were deputed to Sarvodaya Safai conference and Gandhi smaraka nidhi.

Madhayama Training Camp/

Three Madhyamik camps were conducted at a total cost of Rs.4,244=78N in which 132 volunteers and teachers have been completed the course One camp was conducted at Vidyanagar at a total cost of Rs.3,227=33 only in which 79 Secondary school teachers were trained.

Certificate Course of Physical Education:

The College of Physical Education and Social Service under the auspices of the Bharath Seva Dala has been started in the year 1959-60 in order to up grade the Kendranayak course to the level of certificate in Physical Education. of Government of Mysore and to make the training more effectively. In addition to the syllabus prescribed by the Director of Public Instruction in Mysore, Bangalore, the College lays emphasis on Social Service and citizenship training as a Revised Kendranayak certificate is also issued to the successful candidates.

28 students were given training for C.P.Ed. Course, out of which 17 candidates were successful. A lump sum grant of Rs.25,004=93 only has been incurred.

12407 boys and 2496 girls totalling to 14903 volunteers have undergone training of sevadal in 319 Registered Units during the year 1959-60/

As usual, this year also sevadal volunteers have participated drawn from all over the State in the State Dasara Procession. Sevadal volunteers have attracted many spectators by their discipline,service and smartness.

65 118

BHARATH SEVA DALA.

Statement showing the District War Registered Shakas for the year 1960-6

		- Sevakies.		Sevakas		Total	
		Shakas	Number.	Shakas.	Number	Shakas.	Number
1.	Bangalore City Dist.	8	122	11	514	12	636
2.	Bangalore District.	5	110	18	1187	20	1297
3.	Mandya "	3	119	20	1250	21	1369
4.	Mysore "	4	170	20	937	24	1107
5.	Hassan "	5	344	12	857	16	1201
6.	Shimoga "	17	696	47	2126	63	2822
7.	Chitradurga "	10	534	53	3237	62	3771
8.	Bellary "	1	30	10	646	10	676
9.	Chickmagalur "	4	173	11	457	15	630
10.	Tumkur "	5	309	26	1556	31	1865
11.	Kolar "	3	154	18	1739	21	1893
12.	Mangalore "	2	52	13	470	14	522
13.	Karwar "	2	51	9	287	10	338
14.	Dharwar "	9	385	26	797	34	1182
15.	Belgaum "	..	..	12	423	12	423
16.	Vijapura "	..	..	1	41	1	41
17.	Raichur "	1	16	3	60	4	76
18.	Gulbarga "	..	..	..	..	..	..
19.	Bidar "	..	..	..	..	..	..
20.	Coorg "	..	..	..	..	..	..
	Total	..	3265	..	16584	368	19849

Dalapathy.

BHARATH SEVA DALA.

Statement showing the number of volunteers ~~stood for~~ passed in prathama examination during 1960-61.

1.	Kolar	Gauribidnur	47
2.	Mandya		51
3.	Hassan		116
4.	North Kanara		179
5.	Bellary		89
6.	Bangalore City		39
7.	Bangalore District		103
8.	Dharwar	"	202
9.	Belgaum		74
10.	Vijapura		50
11.	Mangalore		41
12.	Shimoga		89
13.	Chitradurga		214
14.	Tumkur		82
15.	Raichur		56
16.	Mysore		46
		Total	1473

Dalapathy.

67 119

BHARATH SEVA DALA.

Statment of Seva Dal Units.

Sl. No.	Year.	Total units.	Boys.	Total units.	Girls.	Total	Total number of sevaks and sevakis.
1.	1950-51	86	5821	15	650	101	6471
2.	1951-52	72	2944	18	719	90	3663
3.	1952-53	102	4092	27	977	131	5069
4.	1953-54	115	4811	24	875	139	5686
5.	1954-55	120	5170	20	750	140	5920
6.	1955-56	121	6027	11	557	132	6584
7.	1956-57	268	11523	40	1953	308	13476
8.	1957-58	201	12241	42	1733	243	13974
9.	1958-59	230	11970	50	2152	275	14122
10.	1959-60	272	13637	61	2615	319	16252
11.	1960-61	310	16584	72	3265	368	19849
	Total		94,820		16246		1,10,706

Dalapathy.

Bharath Seva Dala.

Statement showing the different grades of Sev Dal Training imparted to Volunteers.

Sl. No.	Year.	Prathamic.		Sahayaka.		Madhyamika.		Kendranayaka.		Remarks.
		Sevakas.	Sevakis.	Sevaks	Sevakis.	Sevakas	Sevakis	Sevaks	Sevakis	
1.	1950-51	353	34	..	..	(23) 701	..	(2) 63	..	
2.	1951-52	492	62	..	..	(11) 357	..	(1) 40	..	
3.	1952-53	622	83	..	..	(6) 265	28	(1) 40	..	
4.	1953-54	682	99	..	..	(8) 255	19	(1) 60	..	
5.	1954-55	788	115	..	..	(10 27	..	(1) 61	..	
6.	1955-56	816	134	(5) 460	68	(5) 209	..	..	..	
7.	1956-57	1008	118	..	..	(5) 279	..	..	..	
8.	1957-58	891	227	..	..	(5) 173	..	(1) 76	..	
9.	1958-59	1702	298	115	..	(2) 78	..	...	..	
10.	1959-60	1644	472	67	..	(2) 26	37	..	..	
11.	1960-61	1100	373	..	..	(2) 116	..	..	..	
	Total	10098	2015	642	68	2466	84	340	..	

1. Brackets indicate camps conducted.
2. Kendranayak camps was not conducted for girls
3. Prathamic training was given mainly in sakhas
4. In special circumstances a few camps only will be arranged.
5. Sahayaka training was given to the newly appointed teachers.

Dalapathy.

121 | 69

Pujya Doctor Sahib

New Delhi.
23rd may 1961

On the eve of your departure from Delhi, you asked me to write down what I felt was needed for the betterment of the Organisation. It is easier to find out the diffects than to suggest the remedy. Without better (practical and useful) suggestions, it is useless to say anything. But any how I will try to place before you my feelings. It is my firm belief that you know and feel which way the wind blows; only you ask the workers because you want to give expression to their thoughts

With this belief I place the following:-

1. According to time values change. There was some attraction in voluntary work when we were engaged in the battle of freedom. But after independence, the wind blew from the West and the youth of this country came in contact with Western values of voluntary work. They do not want and they never call it as Pay but desire to get some fixed money as honourarism. It is told that People engaged in voluntary work in Western countries get the amount to mantain themselves. Besides this they get every facility which they need to be in pace with the existing atmosphere. We will have to manage to give honourarim to every district officer at least to the person who is incharge of District work. In Gujrat where it is said the organisation is on a sound footing every worker placed in some position gets honourariam. I feel this arrangement helps the organisation to have its roots.

2. In some places the congress committees pay to some workers but they (exploit) expect to have all kinds of work from them. It is but natural for them because they pay. There must be some unwritten understanding that they are for the exclusive work of Congress Sevadal.

3. It is proclaimed that Congress Sevadal is a recruiting ground for congress workers. This idea should be given a practical shape. Every worker who desires to enter politics under the banner of the Congress must under go training courses of Congress Sevadal. Training courses should be so amended as to suit the political workers. On the other hand Sevadal volunteer must be so trained as he should be come worker, and not mere a volunteer.

4. After three years of active work in Congress Sevadal field Sevadal worker may be asked to go and work in Congress.

5. If the above is not possible them the entire structure of Congress Sevadal should be changed and adjusted accordingly which can get help from the Government. Just like Bharat Sevak Samaj. No doubt if the Government at the center changes we may not get grants and facilities but before that time if at all it comes we can find out other sources for finance.

6. Training courses should be classified according to the work one has to do. General training should be their but after that particular training be given and only those who are to be entrusted with particular kind of work should be admitted in the respective training camp. Each and every person should not be given every Training.

7. Sevadal is a semi militant organisation. In our 'Pratigya' there are some words as "I shall abey the orders of my superior officers" etc. The officers or workers should not be encouraged to speak whatever they like but strict discipline be maintained.

With pranams,

Yours
Govardhan Prasad

B. BASAVALINGAPPA, B.A., LL.B.,
Deputy Minister for Home.

122

"VIDHANA SOUDHA"
BANGALORE-1,

T No DMH 407/61

70

Dated 23rd May 1961

Dear Sir,

I was singularly happy to have visited the Health Institute at Ghataprabha, on 17th May 1961. I was impressed very much by the location and the surrounding places of the Institute and the climate. The Institute is fast developing from stage to stage with your blessings. But for your dedication and blessings, I do not think the Institute would have achieved all-round development and success attracting many important persons. The Institute will, I am sure, be very soon a hospital estate serving the cause of rural as well as urban population in an effective way.

I am highly grateful to you for the affections and kindness shown to me and my family during our stay. I am profitted very much by the discussions I had with you and I always look to you for guidance and blessings.

With respectful regards,

Yours sincerely,

(B.Basavalingappa)

Dr. N.S.Hardikar, M.P.
Health Institute,
Ghataprabha.
(Belgaum District)

~~7~~ 123

NARAYANRAO KULKARNI.

MEMBER :
Archaeological Museum, Bijapur.
Mysore Govt. Road Transport Advisory Council, Bijapur Dvn.
SECRETARY :
The Tourist Association, Bijapur.

"KALANIDHI"
BIJAPUR.

23-5-61

My dear Dada,

So glad to receive your party and particularly the young girls & their visit to Bijapur. I am sending here 2 albums of the same Rates & one and they will be of Rs 1.50, and Rs 2.50 per copy if any more albums are required. I have also sent 12 Bijapur Folders as ordered by Dr. Kulkarni.

So far I have traced 25-30 photographs of the volunteer movement since 1924, and earlier and some of them are to be worked out from hundred

originals & negatives. I have 2-3 pictures of your Sitting Camp. in 1922 a

It is a very expensive job now & I hate to do it for you & your cause. I want to meet you once?

With kindest wishes

Sincerely yours

Narayan

Z 125

Constitution House,
Room No 194
Curzon Road
N. Delhi.
23-5-'61.

My Dear Daddy,

I am sorry for not writing to you all these days. Hope you are doing well and busy with your routine work.

Mrs. Moore ನಿನ್ನೆ ಸ್ಕೂಲ್ ಡೆಲ್ಲಿ ಪುಸ್ತಕದ ಬೆಲೆ ಮತ್ತು ಪೋಸ್ಟಲ್ ಚಾರ್ಜಸ್ ಕಳಿಸಲು ಹೇಳಿದ್ದರು. ಅದನ್ನು ನಿನ್ನೆ ಕೊಡಬೇಕೆಂದು ಕನಸು ಇಷ್ಟಿತ್ತು ಈಗ ಅದನ್ನು ಕಳುಹಿಸಿದ್ದೇನೆ.

Cost of Scott, Foresman Text Books

1)	Just Like me	$ 1.11
2)	Being Six	1.29
3)	Seven or so	1.47
4)	From eight to nine	1.56
5)	Going on Ten	1.68
		7.11
	Postage	.78
		7.89

ಈ ಪಟ್ಟಿನ 5 ಪುಸ್ತಕದಲ್ಲಿ ನಿನ್ನ ಹತ್ತಿರ 2 ಇದೆ. ಉಳಿದ Title ದಂಬು ನಿನ್ನು ತೆಗೆದಿಡು, ನಾನು Mrs. Moore

TAMILNAD CONGRESS COMMITTEE

Telegrams: "CONGRESS"
Telephone: 72477

111, MOUNT ROAD
MADRAS-6.

Ref: T. N. C. C.

CONGRESS SEVA DAL

73

127

24th May '61.

Dear Hardikarji,

Namasthe. Why no letter from you for a long time. Did you receive my previous letter writeen from my tour-camp?

As advised by Shri S.V. Inamdar, I took a Pradesh tour for 17 days and found the atmosphere not bad. Constant contact and perseverence may bring some good result. In Coimbatore, I have persuaded them to conduct a full Madhyam Sainik training camp from 2nd June onwards. I believe this might perhaps ave the way for my future work here. The attitude of P.C.C. is still inimical, but y t I want to putforth my fforts.

Did you meet Shri G. Rajagop l and talk to him. Ha e you any plan to come down to South, and if so, I wish you should come to my camp.

I am leaving Madras to-morrow night to Trichy and Madurai, then proceed to Coimbatore for the camp.

Wish to read from you soon. Are you keeping good health? It is my sincere prayer th t you should take care of your health.

With affectionate,

Sincerely yours,

(V.S. Narayan)

129

74

CONGRESS SEVA DAL

2nd All India Rally.

Congress House,
Bombay - 4.

25th May 1961.

Dear friend,

Please find herewith a list of the Charts of Smritish Banerjea Jatiya Prodasrshani, Calcutta. You will find therein charts depicting various events of India Indenpendente Struggle.

We want to prepare a Seva Dal Exhibition, - depicting History of Seva Dal Movement, for the ensuing 2nd All India Rally of Congress Seva Dal at Bombay, in next October. In order to prepare the chart we want authentic materials in the form of photos, pamphlets, books etc. If you are knowing of such materials please let us know = immediately.

Try to get the materials free of charge or on Loan. We will pay postal and other charges.

Awaiting your early reply.

Yours sincerely,

Bhanukumar Nayak

(Bhanukumar Nayak)
DIRECTOR OF PUBLICITY.

Encl:- Lists.

75 130

LIST OF THE CHARTS OF SWADESHI BANERJEA JATIYA PRODARSHNI - CALCUTTA:

I. Our Say.

2. The Battle of Plassey / when the British first captured power from Muhammadans.

3. First Factory at Surat and Hughly.

4. Import of British goods and downfall of Cottage industries.

5. The famine of 1770.

6. Lord Cornwalis.

7. Creation of Police and Zamindari for quelling cultivators.

8. Wahabi Movement -

Muslim resistance expressed in Titu Miah's revolt against the British Yoke and Wahabi assassin's revenge upon Lord Mayo - the then Viceroy of India in Andamans.

9. British Imperialists' claw to strangle the Muslim spirit of resistance and power.

IO. (a) Introduction of Railways for the exploitation and peaceful administration of the Indian people with the help of the British Army and the British goods.

(b) Results - Destruction of Cottage Industries, famine epidemic, flood and malaria.

II. Santal Rebellion - as a protest against the repression of the British Missioneries along with their Hindustani Sahukan who came to them with the introduction of the Railways.

I2. (I) Sepoy Mutiny - Indian people's first struggle for independence.

(2) Its inception at Barrackpore - with the result that Mongal Pandey and I4 others were hanged on the open streets in broad day-light.

(3) But the echo of the Mutiny spread from Bengal to U.P., Punjab, Delhi, Jhansi etc., as a result Nana Saheb, adopted son of Peshwa Baji Rao the Second joined the mutineers' conspiracy against the British yoke.

(4) Jhansi's Rani Lakshmibai took a leading part in the mutiny.

(5) Tantiya Topi - the uncrowned leader of the U.P. Kisans joined them with his band of followers in ready response. First the mutineers won the battle - afterwards they were defeated and their leader - Tantiya Topi was hanged.

)6) This is not all. British General took revenge upon the rebels by blowing up both the innocent sons of the Emperor Bahadur Shah, one of the leaders of the Sepoy Mutiny. But he was not satisfied with this measure only. Emperor Bahadur Shah was tried at the Red Fort, Delhi on a charge of treason against the King Emperor and was transported to Rangoon to die there unnoticed and unknown.

(7) Tomb of Bahadur Shah.

(8) Netaji paying homage to the tomb of Bahadur Shah as the first leader of India's struggle for freedom.

I3. Indigo Planters' Revolt against the European Kuthiwals - depicted in a drama 'Nildorpan' by name.

Karl Marx and Frederic Engels:

The two renowned Seers and Sages of the Nineteenth Century Europe, who took a very keen interest in connection with India's social and economic ruination.

I. The soil of India has been disfigured with the white bones of Indian weavers due to the British exploitation - Marx.

2. The social framework of India has become rotten under British yoke - Marx.

3. There is no hope of betterment of India's indigenous industry and production under British yoke - Marx.

I5. Fathers of Indian Nationalism:

1. Raja Ram Mohan Roy -
The prophet of Indian Nationalism and the father of modern India. His name is associated with two great reforms in India, namely the abolition of Sati System and the introduction of Western learning into this country.

2. Vidyasagar -
Father of the Bengali race in reality. He was the first man to invent the Bengali type and to introduce the present form of Bengali vernacular and Bengali literature.

3. D'Rozio -
One of the leadering intellectuals of the age.

4. Michael Madhusudon -
National poet of Bengal, nay of India who introduced blank verse into Bengali language.

5. Hem Chandra -
National Bard of Bengal.

6. Bankim Chandra -
Father of 'Bande-Mataram' Mantra.

7. Ramesh Chandra Dutt -
One of the first economists of India towards the end of the last century. He was the great authority on land revenue affairs, economic questions and famines. He presided over the Congress in Lucknow in 1890..

8. Nabin Chandra -
Nationalist poet of Bengal - famous for his verses on the battle of Plassey and other historical incidents depicting Indian people's Struggle against British Imperialism.

9. Swami Vivekananda -
The creator of Modern India - He became world famous for his Chicago-speech in India's message to the World. Also he was the father of the present patriotic social service in India.

10. Sister Nivedita -
Disciple of Vivekananda and a great upholder of India's cause of liberation and progress.

11. Ranada -
One of the leading intellectuals of Maharashtra. His attainments as a scholar and Savant, which have made him memorable both as an economist and a Historian have left the Nation a rich legacy in the rise of the Maratha Power and his essays in Indian economics.

12. Girish Chandra -
Pioneer of the National Theatre Movement in India.

13. Sir Syed Ahmed
Contemporary of Raja Ram Mohan Roy, father of Wahabi Movement in India. Founder of the Aligarh University in 1875. His house at Delhi was demolished by the British Army during the days of Sepoy Mutiny - as a result his mother got serious wounds and died afterwards for the same.

16. Birth of Congress - 1885.
Our Congress was born at a time when the objective situation was such that though not an organised mutiny was ahead, but that the people pervaded with the sense of hopelessness, wanted to do something, by which was merely meant, a sudden violent outbreak of sporadic crime, obnoxious persons, robbery of bankers and looting of bazars, acts of lawlessness which by due collisions of forces might anyday develop into a national revolt' such were the agrarian riots of the Deccan in Bombay. Hume thereupon resolved to open a safety-valve for this unrest and the Congress won such an outlet.

So the name of the Congress was in Bombay (History of Congress)

17. W.C.Banerjee.
First President of the Congress.

18. Portrait Gallery of Indian Political Leaders:

1. Surandranath Banerjee.
2. Gokhale
3. Tilak
4. Badruddin Tayabji
5. Rahimtullah Siani.

19. Congress first takes up the Labourers' Cause in 1806 in connection with the Tea Plantation Workers of Assam.

20. Social conditions of India in 19th Century as mirrored in contemporary history.

21. Lord Curzon - the evil genius - who advocated the partition of Bengal.

22. Partition of Bengal in action.

23. Its reaction in countrywide agitation as a protest against the partition through.

1. Rakhi-Boudhan ceremony.
2. Boycott of British Cloth
3. Boycott of Liverpool salt
4. Boycott of British made bangle
5. Shivaji Utsav.

24. Its leaders : -
1. Surendranath Banerji
2. Ananda Mohan Bose
3. Bepin Chandra Pal
4. Sri Arabindo
5. Aswini Kumar Dutt
6. Abdulla Rasul
7. Sokharam Ganesh Deuskar
8. D.L.Roy.

25. Its result:
1. Gokhale as Congress President declared in 1905 - 'The goal of the Congress is that India should be governed in the interest of the Indians themselves.'

2. Preaching of Nationalism through India's own Newspapers Journals.

Two leading pioneers of this movement were Bepin Pal and Sri Aravindo.

3. Dadabhoy Nawroji - as Congress President in 1906 declared that 'In Self-Government lies our hope, strength and greatness.'

4. Lala Lajpat Rai -
was transported under Regulation III of 1818 on the 9th May 1907.

5. Dr. Bhupendranath Dutt -
Editor 'Yugantar' convicted in a sedition case when he refused to defend himself.

6. Initiation of the working class struggle in India.

(a) Textile workers strike in 1907 in Bombay, Ahmedabad and Calcutta.

(b) Press workers' strike in 1907 - continued for six months.

(c) Railway workers' strike in 1907 E.I. Rly. men struck work in demand of increment of wages. A Bengali worker named Santosh Bose conducted the strike. This strike was first of its kind in India.

(d) First sympathetic General strike in Railways.

7. Rash Behari Ghose - Congress President.
He declared in his presidential address in Surat -

' However beneficial a foreign rule may be, no people in whom all manhood has not been killed out, will ever willingly submit for ever to the yoke, though it may be wreathed with flowers. '

8. Surat Congress - first split within the Congress.

9. Vow of Sacrifice - Bengal, Bombay and Punjab.

10. In Bengal, P. Mitter, Bar-at-Law, Satish Mukherji, Jotin Banerji Barin Ghose, Pulin Das, and others took leading parts in the revolutionary movement in its very infancy.

In Bombay Chapekar brothers, Tilak, Savarkar Brothers were the main initiators in this phase.

In Punjab, Hardayal, Ajit Singh, Lala Lajpat Rai and others played very prominent part in this revolutionary period.

11. Repression against Newspapers.
- Leading editors and printers were arrested. Sri Arobindo and Brahmandhab Upadhaya were put into prison. Brahmandhab died in the prison in his trial period.

12. Brahmo-Bandhab - a Christian monk -
father of the revolutionary cult of Bengal - a colleague of Rabindranath Tagore.

13. Muzzapur Bomb Outrage.
As a protest against inhuman treatment meted out to a Congress Volunteer named Sushil Sen who was caned 15 times by a trying Magistrate Mr. Kingsford on whom the bomb was thrown though accidentally he escaped due to mistake.

14. (i) Khudiram - the first martyr who threw bomb on the Magistrate of Muzaffarpur. He was hanged for this offence.

(ii) Profulla Chaki - Colleague of Khudiram accompanied him upto Muzaffarpur in his action, participated in the action and died a heroic death before surrender by suiciding himself.

15. Maniktolla (1908)
After the Muzaffarpur incident an extensive search was made throughout the country and a bomb factory was discovered in a garden house near Maniktolla. In this connection, altogether 38 young men were arrested of which Sri Arabindo, Kanai Lal Dutt of Chandranagore and Satyen Bose of Midnapur were particularly to be mentioned.

16. Barricade fight of the Bombay workers.
-- as a protest againstthe conviction of Tilak - first political strike of the Indian working class. They struck work for six days and fought with the police by erecting barricades on theopen streets.

17. Lenin - congratulated the heroic fight of the Bombay workers as a protest against the conviction of Tilak as the pointer to the future role of Indian working class in the coming Struggle for India's Independence.

18. Andaman -
First crusaders of Indian Revolution - voyage to Andaman.

19. They sacrificed everything to have all.
Kanai, Satyen were hanged.

26. Lahore Congress - Madan Mohan Malaviya - President declared in 1909 'Amongst the causes of discontent there is none greater than the deep poverty that pervades the land.'

27. Return of Tilak from transportation.

28. Return of Gandhiji from South Africa.

29. Tolstoy.
Russian philosopher said to be the spiritual preceptor of Gandhiji. The name of Gandhiji's ashram in South Africa was named as 'Tolstoy Ashram.'

30. Gandhiji-Tilak-Resent carrying the banner of Home Rule agitation.

31. India in the surroundings of the first world war.

(1) 1916 - Lucknow Congress. The President Ambika Charan Mazumdar declared in his presidential address - 'Prosperity is man's accident while liberty is the birthright.'

(2) Gandhiji at Champaran

(3) Gandhiji in Kaira Famine.

(4) General strike at Ahmedabad.

(5) Indo-German conspiracy -
- to overthrow British imperialism from India.

(6) Plan

(7) Berlin Committee

(8) Kamagatamaru

(9) Dr. Sun-yet Sen's approval.

(10) Those who are sacrificing their lives for the emancipation of motherland - Martyrs.

(11) Raja Mahendra Pratap.

(12) Jatindranath Mukherjee -
Leader of the Indo/German conspiracy - famous for Baleswar fight.

32. Revolutionary activities in Punjab.
(1) Pingley.
(2) Rashbehari
(3) Kortar Singh
(4) Sohanlal
(5) Amirchand
(6) Oudh Behari
(7) Sri Ram Raju

33. Congress upto 1919.

34. Jallinwallah Bagh Massacre.

35. Amritsar Congress in 1919.
Motilal Nehru declared in his address 'Repression and terrorism have never yet killed the life of a nation. Our rulers have failed to realise that repressionand conciliation cannot go hand in hand. Constitutional reform without free citizenship is like a rich attire ona dead body.'

36. Reactions after Jallianwalla Bagh Massacre.
(a) Gandhiji - appeared in the political horizon of India with his truth and non-violence mantram.

(b) Rabindranath Tagore foregoes knighthood.

(c) Acharya Profulla Chandra Roy - a great scientist and social worker.

(d) Acharya Brojen Seal - Indian Philosopher.

(e) Acharya Jagdish Chandra - Famous scientist.

(f) Narasingham - Nationalist poet of Andhra.

(g) Vallathol - bard of Kerala

(h) Ramananda Chatterji a great journalist.

(i) Satyen Dutt - Nataionalist poet of Bengal.

(j) Sarat Chandra Chatterji - a great novelist and a Congressite.

(k) Najrul - bard of Bengal.

(l) Sir Ashutosa - father of Calcutta University.

(m) Deshbandu Chittaranjan.

(n) Jatindramohan Sen Gupta

(o) Subhas Chandra Basu

(p) Birendranath Sasmol.

37. Strike wave in India.

1. Jute and Railway workers' strike.
2. Coal-mine workers' strike.
3. Ahmedabad Labour Association.

38. Khilafat movement.

39. Birth of Trade Union Congress - under the presidetship of Lala Lajpat Rai. - the then president of the Indian National Congress.

40. 1920 - Nagpur Congress.

41. Civil Disobedience Movement
1. Leaders' Gallery.
2. Bonfire of British goods
3. Boycott of Council
4. Boycott of Courts.
5. Boycott of Schools and Colleges.
6. Boycott of Foreign products.
7. Gradual development of national industries.
8. Tea plantation/strikes at Chandpur

...7

9. A.B.R. Strike.
10. Streamer service workers' strike.
11. Union Board boycott at Midnapur.

42. Reactions of Civil Disobedience movement .
1. Mopla Rebellion.
2. Repressions on Thongal - Mopla priest.
3. Mopla prisoners in closed Wagons.
" - real blackhole tragedy under the British rule.
4. Chauri-Chora.

43. Gaya Congress - 1922
Deshbandhu Chittaranjan declared 'the question of all questions in India today is the attainment of Swaraj'.

44. Swarajya Party -
Under the leadership of Deshbandhu Chittaranjan, Motilal Vithalbhai Patel.

45. Cocanada Congress -
President Mohammad Ali - declared 'Swaraj must be the Sarvaraj, the raj of all and in order to be that it must have been won through the sacrifice of all.'

46. Deshbandhu -
as president of Trade Union Congress in 1924.

47. Cawnpore Bolshevik conspiracy case.

48. Gopinath Shah - executed.

49. Belgaum Congress: 1924.
Gandhi presided and declared - 'Hindu-Muslim unity is the breath of our life.'

50. Cawnpore Congress - Srimati Sarojini Naidu in 1924.
"No Sacrifice is too heavy, no suffering too great, no martyrdom too terrible that enables us to redeem our mother from the unspeakable dishonour of her bondage and bequeath to our children an imperishable legacy of peace."

51. First May Day in India in 1927.

52. Madras Congress in 1927.
Dr. Ansari as president declared:
"Non-cooperation did not fail us, we failed non-cooperation.'
"The Swaraj we are striving for will be neither Hinduraj nor Muslim Raj. It will be a joint raj, protecting the just and legitimate rights and privileges of all."

53. Simon Go Back.

54. Go Back Simon.

55. Bardoli Satyagraha.

56. G.O.C. Subhaschandra - Calcutta Congress 1928.

57. First student conference at Sraddhanand Park, Calcutta -
Presided by Pandit Jawaharlal Nehru.

58. Pandit Nehru - President of Trade Union Congress in 1928 and 1929.

59. Jute workers' General Strike in Bengal in 1928-29.

60. Protest against Trade Dispute Act by the Congress. Leader Vithalbhai Patel, President Central Assembly.

61. Meerut Conspiracy Case.

62. Bomb outrage in the Central Assembly as a protest against Trade Disputes Act.

63. Bhagat Singh.

64. Jatin Das.

65. Jail reform.

66. Tata Workers' Strike

67. Lahore Congress - 1929.

68. President - Pandit Nehru.
"Independence for us means complete freedom from British domination and British imperialism. The real problem before us is the conquest of power."

69. Evolution of National Flag.

70. 26th January, 1930.

71. Surya Sen - Leader of the Chittagong Armoury Raid.

72. Chittagong 1930.

73. Chittagong Armoury Raid in Action

74. Jalalabad Hill Fight.

75. Gandhiji's Dandi March.

76. Historic March.

77. Salt-Law Breaking.

78. Sarojini Naidu - Leader of Dharasana Salt Law breaking Satyagraha Movement.

79. Frontier Gandhi - Joined Congress with his Red Shirt Volunteers.

80. Garhwali Soldiers' Revolt.

81. Sholapur Strike.

82. Sholapur Mazdoor Raj.

83. Sholapur - 1930.

84. Subhas Chandra as President of All India Trade Union Congress in 1930.

85. Karachi Congress.

86. Jawaharlal declaring fundamental rights of the people through microphone.

87. Nawjawan Bharat Sabha Members demonstrating as a protest against Bhagat Singh's execution.

88. Karachi Congress - Vallabhhai Patel President.
"My interest lies in helping the down-trodden to rise from their state and be on a level with the tallest in the land."

89. Gandhi-Irwin Pact.

90. Kisan unrest in U.P. - Jawaharlal as leader.

91. Nagarani Gindallo.

92. Civil Disobedience - 1932.

93. No-tax Campaign.

94. Black and tan Regime in Bengal

95. Robindranath's protest against Hizli shooting on unarmed prisoners.

96. Revolutionary Bengal.
    1. Revolutionary Midnapur.
    2. Benoy Bose
    3. Dinesh Gupta
    4. Priti Wyaddeddar
    5. Santi and Sunity.

97 Harijan Movement - by Gandhiji

98. Congress Relief in Behar earthquake.

99. Calcutta Dock Strike in 1934.

100. Dr. Ansari.

101. Birth of C.S.P.

102. Bombay Congress 1934 - Rajendra Prasad declared -
" Independence means the end of exploitation of one country by another and of one part of the population of the same country by another part."

103. Hunger Strike of political prisoners in Andaman.

104. Congress Relief in Quetta Earthquake.

105. Birth of Kisan Sabha in Behar under the leadership of Swami Sahajananda.

106. Lucknow Congress, 1936 - Pandit Jawaharlal Nehru declared -
"The Congress must be not only for the masses, as it claims to be, but of the masses only then will it really for the masses."

" I should like the Congress to become a socialist organization and to join hands with other forces in the world who are working for the new civilization."

107. Faizpur Congress - Pandit Nehru - " We talk of Swaraj and Independence but in human terms it means relief to the masses from their un-utterable sorrow and misery."

108. Congress Ministry -
    1. Drive against illiteracy.
    2. Anti-liquor campaign.
    3. Kisan awakening in U.P.
    4. General Strike in Cawnpore
    5. Digbay strike.

109. Haripura Congress.
    1. Resolution in connection with the formation of Kisan Sabha.
    2. Chinese Medical Mission.
    3. National Planning Committee.

110. Tripuri Congress.

111. Birth of Forward Bloc.

112. Neither a pie, nor a bhai.

113. Ramgarh Congress - Maulana Abul Kalam Azad -
" A foreign Government can never encourage internal unity in the subject country."

...lo

114. Individual satyagraha.

115. Cripps' Proposal - This is the very same old imperialistic game.

116. Legislation of the Communist Party.

117. "Q U I T I N D I A"

118. "D O O R D I E"

119. Arrest of Gandhiji at midnight.

120. Pledged to Independence.

121. Eternal Sacrifice.

122. Imperialism.

123. Mass rising in Balia, Satara, Midnapur.

124. Declaration of Peoples' Raj.

125. Patri Sarkar.

126. Ahmedabad Deadlock.

127. Congress wireless.

128. Bangkok Conference - Forward to Delhi.

129. Mohan Singh.

130. The way to Delhi is the way to freedom.

131. I. N. A. Pledge.

132. Jhansi Rani Regiment.

133. Azad Hind Government.

134. Rash Behari Bose - the Chief Adviser to the Azad Hind Government.

135. Bengal in 1943.

136. Denial Policy.

137. Leonine Violence.

138. -do-

139. Hanging of Kayyur Kisan Comrades.

140. Entrance of Azad Hind Fauj into the soil of India.

141. Major General A.C. Chatterjee - First Governor designate of liberated India.

142. Jai Prakash.

143. Churchill.

144. Netaji.

145. Congress Freedom.

146. Simla Conference.

147. I.N.A. Trial in Red Fort.

148. Bhulabhai Desai - the Senior Defence Counsel.

...11

149. 21st November 1945 -
Protest demonstration of students in Calcutta created a new history.

150. Congress Election Manifesto.

151. Sarat Chandra Bose.

152. Vallabhbhai Patel.

153. Mass Upsurge in greater India.

154. Mass awakening in greater India.

155. Gandhiji at Sodepur.

156. R.I.N.' ratings revolved against the tyranny of the British Bureaucracy being inspired by the cause of India's freedom.

157. Either they have to fulfil their declaration of September, 1945 word by word or they have to face the bittermost struggle of Congress - Maulana Azad - 19.2.'46.

158. Congress stands for Krisnok Mazdoor Proja Raj.

159. Impending famine of India will ring the death bell of the British Imperialism.

160. "To resist famine, people shall have power."

161. Go ahead to establish classless society in India - Gandhiji.

162. The revolution of India will terminate to world revolution - Vijayalaxmi Pandit.

163. Maulana Azad's plan for Free India.

164. Impending Famine in 1946.

165. Resist Famine.

166. Famine Resistance in Congress Ministry - Govind Ballabh Pant declared " No one will be allowed to starve and no one will be allowed to die. This is our determination and we will not, we shall not, we dare not fail in it."

"We intend to rely almost completely for the success of the scheme on non-official effort, non-official cooperation and to the extent it is possible on non-official agency."

167. Constable strike.

168. The Congress will not tolerate British domination any longer even if they had to taste the British Dungeon for that." - Pandit Nehru.

169. Pandit Nehru is being served with restraint order.

170. Sk. Abdulla - the leader of Kashmir.

171. Postal Strike.

84 142

फोन { साइट ... —२६७७
सदाकत आश्रम—२२५१

स्वागतसमिति

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

६७वाँ अधिवेशन (बिहार), १९६२ : सदाकत आश्रम, पटना-१०

RECEPTION COMMITTEE
INDIAN NATIONAL CONGRESS
67TH SESSION (BIHAR), 1962
SADAQUAT ASHRAM, PATNA-10
फोन - २६७७

مجلس إستقبالية
انڈین نیشنل کانگریس
۶۷ واں اجلاس
صداقت آشرم-پٹنہ ۱۰

Ref. No.

कांग्रेस सेवादल शिविर
ककड बाग रोड, पटना-१.
दिनांक:- २५-८-६१.

आदरणीय डाक्टर साहब,

प्रणाम् ।

आपका २० अगस्त का कृपा पत्र मिला । पत्र पाकर अत्यन्त आनन्द का अनुभव हुआ । आपकी आशा, आपके स्वप्न, कार्य से भी अधिक रुपहले और सुनहले हैं, और कल्पना की अनुभूति तो आप में अद्भुत है ।

लेकिन डा० साहब दूर होती जा रही है कल्पना- पास आती जा रही है जिन्दगी सचमुच कितनी असुन्दरता से भरी है +यह दुनियां, कि हाथ करते भी हाथ जलते हैं; सेवादल का कार्य ऐसे नाजुक दौर में करना बहुत ही कठिन है ।

आपके जमाने का सेवादल कुछ और था । वैसी कुरबानी देने में हम झिझक नहीं सकते क्योंकि उसके पीछे सम्मान था, इज्जत थी, गौरव था। और आज कितनी मुसीबतें उठायें, कार्य करें, गौरव और सम्मान धूल में मिल जाता है । लोगों की निगाहें अपनी - सीमा से बाहर नहीं उठतीं ।

आपके पत्र से बल मिला है, हिम्मत आयी है । आप आयेंगे तो गौरव से मिल सकने की क्षमता आये ऐसा प्रयत्न कर रहे हैं । बुरसाले खूब खुश है आपके छोटे से कार्ड में उसका दो बार-नाम-

(कृ०प्र०उ०)

VH3

फोन { साइट ... —२६७७
सदाकत आश्रम—२२५१

स्वागतसमिति

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

६७वाँ अधिवेशन (बिहार), १९६२ : सदाकत आश्रम, पटना-10

RECEPTION COMMITTEE
INDIAN NATIONAL CONGRESS
67TH SESSION (BIHAR). 1962
SADAQUAT ASHRAM, PATNA-10

مجلس إستقبالية
انڈین نیشنل کانگریس
۶۷ واں اجلاس
صداقت آشرم-پٹنہ ۱۰

(२)

Ref. No.

जो आया है ।सुशील दादा यहां की स्थिति का पर्यवेक्षण करके दिल्ली गये ।सम्भव है आपसे वह मिलेंगे ।एक पत्र आप दारोगा चौधरी को भी लिखें,वह आपको बहुत मानते हैं ।

Darogaprasad Chaudhari
Chairman Volunteer Sub Committee
R.C. Congress
Kankarbagh Road
Patna 1

पत्र प्रतीक्षा में
(मदन भाई)
एरिया आर्गेनाइजर.

श्री डा० एन० एस० हर्डीकर साहब,
ससद सदस्य,
१०, जनपथ रोड, नईदिल्ली-११.

Government of India
All India Radio : Dharwar

D.O. No.Dha-3(2)/61-PI.
27th May, 1961.

Dear Dr. Hardikarji,

I am grateful for your kind letter of the 26th instant and for all the facilities that were accorded to our Outside Broadcast Unit. We have tried to give whatever coverage possible to the function. If you could kindly send me two 30-minute tapes for the purpose mentioned by yo , I shall get the needful done.

With kind regards,

Yours sincerely,

(L. G. Vaidyal

Dr. N.S. Hardikar, L.P.,
Karnatak Health Institute,
GHATAPRABHA.
(Dist: Belgaum)

146

Congress Seva Dal

85

PADMA PATEL
G.O.C.

73111
Telephone : 33111
Telegram : 'Congress'

CONGRESS HOUSE,
V. P. ROAD,
BOMBAY 4.

Date २८-५-६१.

पूज्य डॉक्टर साहब,,

आपको नम्र प्रार्थना है के हमारे यहा पर मध्यम सैनिक शिबिर की पुर्णाहुता ता.९-६-६१.के रोज है। आपने कहा था के वह शिबि -र पर जरुर हाजिर रहुंगा। तो आपको मैं निमंत्रण देती हुं के आप ता. नव जुन के रोज बम्बमी में हाजिर रहेंगे ।

आशा है आपका स्वास्थ्य प्रसंन होगा।

आपकी
पद्माबहन
(पदमा पटेल.)
दलपति.

नोंध :-

146

Congress Seva Dal Akhil Bhartiya Sahakari Bhandar Ltd.

(Regd. No. C-2671 of 1957)

CSD/CSB/1908/61. 86

Congress House,
Vithalbhai Patel Road,
BOMBAY 4.

Date 3[illegible]-5-61.

मार्गीय/महाशय, डा.२०.अप्रैल,.....

ता.९ जून शुक्रवार के रोज भंडार की मैनेजींग कमेटी की सभा निम्न कार्य के लिये होगी तो आशा है आप अवश्य उपस्थित रहेंगे यही आशा ।

समय:सुबह १०:३० बजे, स्थान:भंडार की आफिसमें ।

अेजन्डा

(१) नये सदस्य को दाखिल करना ।

(२) वार्षिक हिसाब पर विचारणा ।

(३) श्री.जानी की नियुक्ति को मंजुरी ।

(४) भंडार के भावि कार्यक्रम पर विचार विनीमय ।

(५) अन्य सभापति की मंजुरी से..... ..।

भवदीय
मानद मंत्री.

27 53 407 No. 962/DHA/61

सत्यमेव जयते

DEPUTY MINISTER FOR HOME AFFAIRS.

New Delhi,
30th May, 1961.

Dear Dr. Hardikar,

Back in Delhi my first duty should be to thank you most heartily for your kindness, courtesy and hospitality during my one day's stay at Ghataprabha. I enjoyed much the company of all the friends I met in Ghataprabha and was happy to spend the day in their and your company.

The girls camp must have closed and children must have gone home with plenty of zeo and energy. It is a good programme indeed. The refresher courses are absolutely necessary from year to year to keep the young people active in body and mind.

With my very best wishes,

Yours sincerely,

Violet Alva

(Violet Alva)

Dr. V.S.Hardikar, M.P.,
c/o Karnataka Health Institute,
Ghataprabha,
Belgaum District,
Mysore State.

148

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

ND 87 4

Class / Prefix

No.

Recd. from

By

Sent at H. M.

To

By

Office-stamp

Handed in at Office

Date 13 Hour 15 Minute 20

Service Instructions

Words 8

TO Dr N.S

Recd. here at H.

Ghatapr. bka

= Madhyam Saink Camp Stationed

go Number Kindly Visit Upto

6th Reply =

Kuch nahi hua

MGIFPAh.—2068—10-1-57—1,99,900 Bks. [T-30-6/63]

89

INVEST WISELY

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Class
Prefix T Code M No. 3

Rcvd. from Bom

By

Sent at H. M.

To

By

Handed in at (Office of Origin) | Date | Hour | Minute. | Service Instructions. | Words.

33 Bellary | | 12 | 00 | Rst 2 | 20

Rcvd. here at 16 H. 30 M.

Doctor Hardikar
Institute Ghalaprabha
= Your bellary programme postponed
myself staying Bangalore fourth
and fifth instant
= Subramanyam

N. B. The name of the sender, if telegraphed, should be written after, but separated from the text.

B-32A
Office Stamp
EXTL P.O
1 JUN

Regd. No. 11-***-178-29-7-55—***-P-***,***-3 11-2-65—2,50,000 Books.

90

INVEST WISELY
Buy NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Class / Prefix ML Code ____ No. ____

Office-stamp

Recd. from Bom

By

Sent at ____ H. ____ M.

To

By

Handed in at (Office of Origin)	Date	Hour	Minutes	Service Instructions	Words
6 Thaltan.	1	12	55		13

Recd. here at 15 H. 21 M.

TO

Dr N. S Jhandikar ~~Ghatage~~

~~Ghatagebhai~~

= ~~car~~ arrearged b/w morning

mail Poona = Ramathbhai

MGIFPAh.—2068—10-1-67—1,99,900 Bks. [T-30-5/68]

स्वागतसमिति—६७वाँ भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस अधिवेशन

स्वयंसेवक-उपसमिति

पटना (बिहार)

चेयरमैन
श्री दारोगा प्र० चौधरी

मंत्री
सुश्री राजेश्वरी सरोज दास
कंकड़बाग रोड, पटना-१.

पत्रांक 662

दिनांक ६-६-६१. १९६

श्रीमान् डाक्टर साहब,

प्रणाम् ।

आपका ३ सितम्बर १९६१ का कृपा पत्र मिला। बहुत दिनों के बाद पत्र पाकर हार्दिक प्रशन्नता हुई । कांग्रेस सेवादल के आप जन्मदाता हैं हमारा सौभाग्य है कि अब तक हमें आपका मार्गदर्शन मिल रहा है । आपका पत्र पाकर फिर पुराना जोश और उत्साह जाग उठता है ।

मैं आपका पुराना सैनिक हूं और मेरे साथ सन् १९३१ में प्रशिक्षण पाये हुए पुराने साथी श्री दीनानाथ - सहाय जो भी स्वेच्छा से अधिवेशन कार्य में हाथ बटा रहे हैं। हम दोनों रामगढ़ कांग्रेस के अवसर पर फील्ड मार्शल थे ।मैं पूरी अक्ति से अधिवेशन को सफल बनाने में संलग्न हूं ।आपके आशीर्वाद से अवश्य ही सफलता मिलेगी ।

श्री मदन भाई तथा श्री खुरसाले जी दोनों ही मिलकर काफी मेहनत कर रहे हैं । सेवादल के नये तथा पुराने सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त करने की कोशिश में हूं। १५ सितम्बर से पटना, आरा, गया जिले का १०० स्वयंसेवकों का एक प्रशिक्षण शिविर पटना में हो कर रहा हूं । इसी बीच में पुराने साथियों का तीन दिन का एक सम्मेलन बुलाना च

(आगे ---)

स्वागतसमिति—६७वाँ भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस अधिवेशन

स्वयंसेवक-उपसमिति

पटना (बिहार)

चेयरमैन
श्री दारोगा प्र० चौधरी

मंत्री
सुश्री राजेश्वरी सरोज दास

पत्रांक —

दिनांक — १९६

चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि इस अवसर पर आपका आशीर्वाद प्रदान हो।

आपका
दारोगाप्रसाद चौधरी
(दारोगा प्रसाद चौधरी)
चेयरमैन

श्रीयुत् डाक्टर एन०एस० हर्डीकर, एम० पी०.
संचालक- काँग्रेस सेवादल,
१०, अकबर रोड, नई दिल्ली-११.

No: 705/B-41/Allot.G(N)/60

DEPUTY MINISTER
WORKS, HOUSING & SUPPLY, INDIA

New Delhi
June 8, 1961

My dear Dr. Hardikar,

Kindly refer to your letter dated the 12th May, 1961, regarding the request of Shri B.G. Gujar for change of accommodation from Srinivaspuri. I may inform you that Shri Gujar has already been registered for a change to a quarter in Lakshmi Bai Nagar. The allotment will materialise when he reaches his turn on the list.

With regards

Yours sincerely,

(Anil K. Chanda)

Dr. N.S. Hardikar, M.P.,
10, Akbar Road,
New Delhi

No: 705/B-41/Allot.G(N)/60

DEPUTY MINISTER
WORKS, HOUSING & SUPPLY, INDIA

New Delhi
June 8, 1961

My dear Dr Hardikar

Kindly refer to your letter dated the 12th May, 1961, regarding the request of Shri B.G. Gujar for change of accommodation from Srinivaspuri. I may inform you that Shri Gujar has already been registered for a change to a quarter in Lakshmi Bai Nagar. The allotment will materialise when he reaches his turn on the list.

With regards

Yours sincerely,

Anil K Chanda

(Anil K. Chanda)

Dr. N.S. Hardikar, M.P.,
10, Akbar Road,
New Delhi

टेलीफोन : २०९२४
भानुकुमार नायक,
१७, भांगवाडी, बम्बई-२.

ता० १०/६/६१.

प्रिय डॉक्टर साहब,

मेरा किस्से पहलेका

ता० लिखा होगा,

किस्के सम्बन्ध, मैंने [illegible] के सामने

रखने के लिये जो विचार किताबदारजी को

दे दिये हैं उनकी अंतिम सम्मति

मालूम करने के लिये मुंबई हूँ।

मैं ता० 22 का यहाँसे दिल्ली जानेके

लिये रवाना होऊँगा। उससे पहले

अगर आप ठीक समझें तो मेरे

विचारके बारेमें अभिप्राय मेरे

साथी आपसे चर्चा करना चाहें

तो तय कर सकूँ। कुशल हूँ।

भवदीय

भानुकुमार नायक

BHANUKUMAR NAYAK
17, BHANGWADI, BOMBAY, 2. INDIA.
12.0924

सत्य

BHANUKUMAR NAYAK, AHMEDABAD INDIA.

For information 155

भानुकुमार नायक,
१० भारवाडी अमदावाद २.

94

10th June 1961.

My Dear Inamdarji,

Please find herewith some thoughts for discussion in next Annual Camp. I intend to attend the Camp and ~~xx~~ reach New Delhi on or about 23rd June.

These thoughts are outcome of the situation prevailing here. The situation may differ from pradesh to pradesh but the fundamental pointsremain the same.

It seems to me that we are unwanted guests to many of the Congress leaders. This tendency is derived from two things: (1) Fear of Seva Dal becoming stronger and capturing congress, (2) Youth Congress and Mahila Vibhag are there for election and other work; thus there is no need of Seva Dal.

More when we meet. I am O.K.

Yours brotherly,

Encl.: Thoughts. (Bhanukumar Nayak)

Copy: Dr. N.S.Hardikar.

सानुकुमार नायक,

10th June 1961.

GENERAL DISCUSSIONS

(a) Current thoughts and tendencies in our workers and volunteers.

--------O---------

Time is changing fast and we have to keep pace with it. There was a time when students and youths left their studies and joined the struggle for independence and sacrificed their carners. It was duty of everybody that time.

Now although we need the same spirit of acrifice the question comes before every worker is : 'For whom should we sacrifice?' Mindwell, Pt. Nehru and other revered leaders are too far for common worker, he judges our organisation from the immediate heads-- M Mandal, District and Pradeshiya leaders. Many of them are engaged in petty quarrals, for striving their own ends and so forth. These things are against trainning of Seva Dal and do not command respect of Seva Dal worker.

The other thing is, during the time of freedom struggle our leaders were with us and

भानुकुमार नायक,

46

10th June 1961

they were seurse of inspiration to us. Newadays they are not with us. They live and talk from far away. The gap between us has given effect to the belief that Seva Dal has lost its value and it is not an organisation for Front Rank People. This apathy has let down us heavily. When our own people are not giving us due respect and imp ortance what to talk of others?

In this situation should we go abegging that they should raise our importance? No, that is not spirit of Seva Dal. We should set up such Rules and Codes in our orgainsation and hold them steadfastly so as to compel them to admit that 'Seva Dal is the only organisation on which they can depend.'

But before we do that we should convey our feelings to Working Committee and A.I.C.C. We should tell them frankly that unless we are given due status we find it difficult to run the organisation and attract new members.

What should we do?

BHANUKUMAR NAYAK 7 BHANDARWADI BOMBAY. 2. INDIA.

भानुकुमार नायक,

Every new entrant in Seva Dal should be assured that after going through particular training he will be posted as an Officer in the organisation. Seva Dal officers should be appointed for specific terms. As soon as they complete their term they should be upgraded.

Upper most officers should be given full-time jobs, equal to other congress workers; if they so desire, otherwise they should be offered with parliamentary jobs like M Corporaters, Mxkxxxxxx M.L.As , M.Ps etc. Seva Dal Officer should be regarded equal to the rank of Secretary of Mandal, District of Pradesh Congress Committee respectively. This includes use of all the fecilities provided for such xxxxx offices.

Present Pradeshiya Volunteer Boards should be scrapped henceforth and Pradesh Officers should be given budgetery and executive powers with complete budget at their command. An advisery committee may be set up where there is only one or two Pradesh Officers. Strict checking should be provided for removing inefficient and inactive officers.

O

Maratha L.I. R.C
DO Belgaum.
15 June 46.

For Personal Information

Dear Mr Hardelian.

Thanks for your
nice letter of the 15th.

General Cariappa
will be here on the 19th
afternoon and will be
leaving for POONA on 20th
evening by POONA mail.
He is visiting Belgaum
to address the College
Students. The programme

has already been finished and due to each of him it's not possible for him to visit your friends. There are so many engagements here for him till he entrains on the 20th inst. I loved to get him to your place. Hope you will be kind enough to excuse me for not being able to fit in this visit to your place.

However, I shall hand over your nice letter

2/155

V.J.Technical Institute,
Bombay-19.
15th June, 1961.

Sir,

I am working as a teacher in Electrical Engineering in the Victoria Jubilee Technical Institute Bombay for the last 14 years. For the last few years, I am attached to the High Voltage laboratory in the Institute.

With a view that I should specialise in the field of "High Voltage Engineering", in February 1960, I was sponsored by the Principal of the V.J.Tech. Institute, for training in High Voltage Engineering in one of the French Institutions, under a "French Government Scholarship for teachers in Technical Institutions, high-schools etc. 1959-60" - vide his letter No.2/D/46 of 4th February 1960.

Later in April 1960, I was also sponsored for a similar training abroad, under the "United Nations Technical Assistance Organisation Programme (UNTAO) for 1961-62", vide his letter No.19/A/236/2083 of 13th April 1960.

Since the period of the French Government Scholarship was almost expiring, I sent a reminder on the 9th August 1960, to the Secretary, Ministry of Scientific Research & Cultural Affairs New Delhi, regarding my application under the UNTAO programme. I was then informed by the Ministry vide their letter No.F-11-21/60 T.2 of 27th August 1961 that my application was under consideration of the Government of India. However I have had no further intimation re. this matter since August 1960.

I wonder if it would be possible for you to help me in letting me know how the matter stands.

I have enclosed copies of all the necessary papers for your perusal.

Thanking you,

Yours truly,
Dandavate
(P.R.DANDAVATE)

Dr.N.S.Hardikar, M.P.
NEW DELHI.

~~3 56~~ 10'2

The last date for receipt of application is 6th February 1960.

MINISTRY OF SCIENTIFIC RESEARCH & CULTURAL AFFARIS

FRENCH GOVERNMENT SCHOLARSHIPS FOR TEACHERS IN TECHNICAL INSTITUTIONS. HIGH SCHOOLS ETC. 1959-60.

INFORMATION CIRCULAR

NUMBER OF SCHOLARSHIPS

The number of scholarships is thirty (30).

DURATION

Each scholarship is tenable for one academic year with a possibility of extension, if found necessary.

SUBJECTS OF STUDY/RESEARCH

Post-graduate study/research in any branch of Engineering or Technology.

VALUE OF SCHOLARSHIPS

(a) maintenance allowance of 50,000 Francs a month (Rs.486/- approximately);

(b) special lodging allowance whenever rent is above 10,000 Francs a month;

(c) free tuition;

(d) free medical service; and

(e) passage bothways.

QUALIFICATION OF CANDIDATES

Candidates should possess the following qualifications:-

(a) at least a first class Bachelor's Degree or equivalent qualification in Engineering or Technology and

(b) at least two years' teaching experience after obtaining the academic qualification mentioned at (a) above.

Note:(i) Candidates possessing a working knowledge of French will be preferred.

(ii) Selected candidates who do not possess a working knowledge of the French language will be required to attend a three-month course in the language either in India or in France. While in India, a monthly allowance of Rs.350/- shall be payable.

A G E

Candidates should be below 35 years of age on 1.11.1959. The upper age limit may be relaxed up to 38 years in the case of highly qualified and experienced candidates.

MEDICAL CERTIFICATE

Each selected candidate will be required to produce a medical certificate by a Civil Surgeon to the effect that he/she is physically fit to undergo study/research in France.

BOND

Each selected candidate will be required to execute a bond with the Government of India to abide by the terms and conditions of the award.

INSTRUCTIONS FOR THE SUBMISSION OF APPLICATIONS

Each application should comprise:-

(i) One copy of the application for scholarship on the prescribed form;

Contd.....P.2.

(ii) one attested copy of the Matriculation or equivalent certificate in support of age;

(iii) one attested copy each of the degrees, diplomas, certificat mark-sheets etc., in respect of the statements regarding educational and technical qualifications, expereince etc., made in the application (in no case should original documents be attached with the application);

(iv) one attested copy of the detailed programme of study/research which the candidate intends to undertake in France;

(v) a declaration to the effect that he/she has not applied for any other Government of India Scholarship. If he/she is already a candidate for any other scholarship the name (s) of the Scheme (s) should be given.

Applications from Indian nationals resident in India, duly completed in all respects and neatly written or typed should reach the Ministry of Scientific Research and Cultural Affairs (Section C.S.-1) Government of India, New Delhi by 6-2-1960. The cover should bear the words 'Application for French Government Scholarships for Teachers in Technical Institutions and High Schools etc. 1959-60.'

Incomplete applications and those received after the prescribed date will not be considered.

Applications submitted on paper other than the application form will not be considered.

Each application must be accompanied by a crossed postal order of Rs.5/- (Rs. 1.25 in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other Backward Class candidates who must attach a certificate to the effect that they belong to one of these classes) addressed to the Secretary, Ministry of Scientific Research and Cultural Affairs, New Delhi. Money orders or cheques will not be accepted.

No request for return of any documents or the postal orders will be entertained.

Applications through the proper channels must reach the Ministry of Scientific Research and Cultural Affairs on or before the 6th February, 1960.

Those who are in employment must furnish a certificate from their employees that they will be released immediately to avail themselves of the scholarship, in the event of their being selected.

Only Indian nationals, resident in India, are eligible to apply.

No member of the scholar's family i.e. dependent (s) will be permitted to accompany or join him/her in the country for which he/she has been selected as a scholar.

All candidates will be informed of whether or not they are selected.

.....

To

The Secretary,
Ministry of Scientific Research & Cultural Affairs,
Government of India,
New Delhi.

Sub:- Application for French Government scholarships for Teachers in Technical Institute, High Schools Etc. 1959-60.

Dear Sir,

I am enclosing herewith an application of Shri P.R. Dandavate - a member of the teaching staff of this Institute - for the French Government Scholarships.

Shri P.R.Dandavate has been in the Educational field for about 16 years. He has been with us for about 13 years, and is one of our able teachers, in the electrical engineering department. In addition to the normal work in the department he has been taking special interest in the study of High Voltage Engineering. He is very keen on acquiring further training in this field. In view of the fact that this Institute posseses excellent High Voltage laboratory equipment, the training of Shri P.R.Dandavate in one of the French Institutions will go a long way in improving the teaching facilities in the subject of High Voltage Engineering, at our place.

I am sponsoring Shri P.R.Dandavate's application form inspite of the fact that his age exceeds your age requirements a little. This is because of Shri P.R.Dandavate's special aptitude for the High Voltage work, and the liklihood of his getting suitable facilities in France for advance training in the field of his own liking.

Yours faithfully,

Sd/ (R.K.MODY)

Principal & Secretary,
Victoria Jubilee Technical Institute Bombay-19.

EXPRESS DELIVERY

No.F.11-15/60-T.2.
Government of India,
Ministry of Scientific Research and Cultural Affairs,

New Delhi-, the 24th March, 1960.

From

The Assistant Educational Adviser (Technical)
to the Government of India.

To

Principal,
Victoria Jubilee Technical
Institute, Bombay.

Subject:- Proposals for technical assistance i.e. services of foreign experts and training facilities abroad under the Technical Co-operation Schemes for the years 1961-62.

.....

Sir,

I am directed to forward herewith a copy of the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) O.M. No. F.1/1/60-T.A.I. dated the 1st February, 1960, inviting proposals for technical assistance under various foreign aid programmes.

2. The assistance under (i) United National Expanded Technical Assistance Programme of UNESOO, and (ii) T.C.M. Programme, has been confined to certain selected institutions and it will not be possible for this Ministry to include any fresh proposal under these programmes due to the limited funds available.

3. I am, therefore, to request you to kindly formulate your proposals for assistance under the programmes mentioned below and forward the same to this Ministry before the dates mentioned against them:

	Programme	Last Date
1)	United Nation Technical Assistance Organisation (UNTAO) for two years i.e. 1961. and 1962 separately.	15th April, 1960.
2.	Colombo Plan.	1st June, 1960.
3.	Indo-French Technical Co-operation Programme.	1st June, 1960.

The proposals should be accompanied by the necessary proformae in respect of each request separately. More copies of the proforma and the certificates will be obtained from your institution after your proforma have been approved by this Ministry. The proposals under the programmes should be sent under separate covers to avoid confusion. Nil replies may also please be sent. The requests should be forwarded through the Administrative organisation concerned.

Yours faithfully,

Sd/- X X X

To

The Secretary,
Ministry of Scientific Research & Cultural Affairs
Government of India,
New Delhi.

Sub:- Application for sponsering a trainee under United Nations' Technical Assistance Organisation (UNTAO) Programme for 1961 and 1962.

Ref:- Your letter No.F-11-15/60-T 2 of 24th March 1960.

Dear Sir,

I am enclosing herewith an application for sponsoring the candidative of Shri P.R.Dandavate for training in High Voltage Engineering abroad.

Shri P.R.Dandavate has been in the Educational field for about 16 years. He has been with us for about 13 years, and is one of our able teachers, in the electrical engineering department. In addition to the normal work in the department he has been taking special interest in the study of High Voltage Engineering. He is very keen on acquiring further training in this field. In view of the fact that this Institute possesses a good H.V.laboratory equipment, and that the person incharge of this laboratory is due to retire from service very shortly, the training of Shri P.R.Dandavate in a suitable institution abroad, will go a long way, in improving the teaching facilities in the subject of High Voltage Engineering, at our place.

I, therefore, strongly recommend his case for training abroad.

Yours faithfully,
Sd/- X X X
Principal & Secretary.

61/166

Training under the United Nations Technical Assistance Organisation (UNTAO) Programme for two years i.e. 1961 and 1962.

a) Name of the Candidate - (Surname underlined) PADMNABH RAMCHANDRA DANDAVATE.

b) Designation in detail - Senior Lecturer in Electrical Engineering.

c) Name of the country where training is desired - i) United States of America ii) Canada iii) France (In order of preference).

d) Name of the Institutions where the training is desired. - i) University of Purdue - Lafayette - Indiana - United States of America.
ii) University of Stanford - Palo-Alto - California - United States of America.
iii) National Research Council - Ottawa - (Ontaria) - Canada.
iv) Centre de Rocherche et d'Essais de Fortenay Paris France.
v) Laboratoire Central des Industries Electriques Fontenay Parise France.
(In order of preference).

II Sponsoring authority - The Principal & Secretary, Victoria Jubilee Technical Institute, Matunga, Bombay 19, (India).

III Project for which the proposed technical assistance is needed:-

a) Title of the Project - High Voltage Engineering and High Voltage Testing Techniques.

b) Detailed description - A High Voltage laboratory consisting of i) Power frequency H.V.Transformer of 300 kV 150 kVA capacity, (ii) An Impulse Generator of 500 kV. 7.5 kj (iii) A d.c. H.V.testing set of 100 kV of 10 MA rating and (iv) a H.V. oil testing set, was established in this Institute in 1949. In keeping with the requirements of teaching at the undergraduate and post-graduate level and the requirements of the local industries for commercial acceptance and other tests, it is intended to step up the capacity of the laboratory by ordering additional equipment. This will improve the teaching and other testing facilities for which it is desirable to have a member of our teaching staff trained in the High Voltage Techniques in a leading establishment abroad, as adequate facilities do not exist for similar training in this country.

c) Date of commencement - Beginning of 1961.

d) Target date for completion. End of 1962.

P.T.O.

62

e) Objective to be attained - Learning High Voltage Engineering and High Voltage Testing Techniques, for which there are no adequate facilities in this country.

f) Its relation to the development plan of the country. - There are 5 leading Transformer Manufacturers in the city of Bombay, in addition to 3 or 4 switchgear and cable manufacturing concerns. These manufacturers often require High Voltage tests like impulse tests, power frequency tests etc. to be carried out on the transformers, cables, switchgear etc. that they manufacture. They also have a number of odd High Voltage Problems for which they often seek the help of this laboratory It may be stated here, that this is the only H.V.Laboratory of its type, in Western Zone of the country.

With the additional equipment that is intended to be purchased, this laboratory should form a good nucleus for further development, in addition to the commercial testing and teaching at the undergraduate and post-graduate levels.

g) Technical assistance required year by year till the project is completed.

i) Experts. Nil.
ii) Ancillary equipment. Nil.
iii) Training facilities. Training of one member of staff in the High Voltage Engineering and High Voltage Testing Techniques.

h) Is it included in the Second and / or Third Five Year Plan? Manufacture of Heavy Electrical Plant is included both in the Second and Third Five Year Plans.

IV Training facilities required:

a) Field of training - High voltage engineering and High voltage testing techniques.

b) Details of the training and the specific course if any, desired. i) Study of different types of High voltage equipment such as Power frequency equipment, Impulse Generators and D.C.High Voltage equipment
ii) Study the High Voltage Testing Techniques (iii) Study the research programme in the different establishments and (iv) Carry out investigations on some specific problems such as aging of insulating materials, Influence of corona on extra high voltage equipment, strength of insulators submitted to combined electrical, mechanical and thermal stresses,

P.T.O.

characteristics of new insulating materials, phenomenon preceeding electric breakdown of solids, etc. (v) Taking simultaneously a suitable theoretical course of advance studies connected with the above topics in an University.

c) The standard or level at which the training is to commence and the standard it is desired to attain. - Post graduate level in general.

d) Proposed period of training - Two years.

e) Is this training not available in India ? - Not available.

Purpose of the training desired

a) Ultimate purpose of the training stating whether the candidate is working at present with a foreign expert or will work on return; whether it is intended that the trainee would replace a foreign expert. - Carry out training of students in High Voltage Engineering and High Voltage Testing at the graduate and post-graduate level. Carry out testing work for local industries. Investigate various problems as outlined in iv b above.

The candidate sponsored is not working under any foreign expert, nor will he work under a foreign expert on his return. However the candidate is expected to replace a person in High Voltage Engineering Dept., who is due to retire from service very shortly.

b) The capacity in which it is intended that the trainee shall be subsequently employed. - Member of the teaching staff in the Electrical Engineering Dept. of this Institute.

c) The specific problems which the trainee would be expected to handle on return. - Problems as detailed in IV (b) & V (a) above.

d) How does it advance the programme - It will improve the teaching facilities at the undergraduate

P.T.O.

64 165

of the scheme or Project concerned.

and post-graduate level and it will be very helpful to the manufacturer's in the City of Bombay, in developing their products.

VI Qualifications of candidate

a) Name	-	PADMANABH RAMCHANDRA DANDAVATE.
b) Date of birth.	-	23rd October 1918
c) Age in years.	-	41
d) Educational qualifications and standard attained by the candidate.	-	B.Sc.(Subsidiary); L.M.E.(Licentiate in Mechanical Engineering in II class) L.E.E.(Hons.)(Licentiate in Electrical Engineering - in I class Honours); Graduate I.E.E.(London) (Graduate of the Institution of Electrical Engineers - London); A.M.I.E.(India)(Associate Member of the Institution of Engineers - India); Associate Member of the Institution of Military Engineers. The candidate makes a substantial contribution to the teaching of the undergraduate students especially of the senior classes.
e) i) Designation of the post held by the trainee at present	-	Senior Lecturer.
ii) Date from which the post is held	-	Joined the electrical engineering department of the Victoria Jubilee technical Institute, Bombay-19, as a member of the teaching staff in August 1946 and was promoted as a Senior Lecturer in July 1957.
iii) Whether permanent or temporary.	-	Permanent.
f) The nature of employment & practical experience already acquired by the trainee in the subject in which he is to be sent out.		The candidate has been working in the High Voltage Laboratory ~~fa~~ of this Institute since 1949.
g) Papers etc. published by the trainee	-	Nil.
h) Whether the candidate is social and can converse freely in English on everyday matters.	-	The candidate is very social and is quite capable of carrying on conversation on everyday matters in English.
i) How far is the candidate acquainted with the French language ?	-	Started studying French.

P.T.O.

1969 63

k) Whether he has been a member of "Alliance Francaise" or any other French cultural organisation in India.	Intends becoming a member of "Alliance Francaise".
Has the candidate been sponsored previously and rejected ? If so mention full details of references including reference number, if any of the Department of Economic Affairs.	The candidate was sponsored in February 1960 for the "French Government Scholarships for Teachers in Technical Institutes, High Schools etc. 1959-60. The result of the same is not known.

(R.K.MODY)
(Signature of the Sponsoring Authority)

Designation - Principal & Secretary,
V.J.Technical Institute,
Matunga,
Bombay 19 (India).

66 76 170

Regd. Post A.D. 9th August, 1960.

To
The Secretary,
Ministry of Scientific Research & Cultural Affairs,
Government of India,
New Delhi.

Sub:- "UNTAO Foreign Scholarships Programme for 1961-62".

Ref:- Your letter No.F-11-15/60-T2 of 24th March 1960 to The Principal & Secretary, V.J.Tech.Institute Bombay-19 and letter No.19/A/236/2083 of 13th April 1960 from The Principal & Secretary, V.J.Tech.Institute, Bombay to you.

Dear Sir,

My case was sponsored by the Principal & Secretary, Victoria Jubilee Technical Institute, Bombay, vide his above mentioned letter, for the United Nations Technical Assistance Organisation (UNTAO) Programme for 1961-62, for training in High Voltage Engineering abroad. May I request you to let me know how the matter stands, to enable me to proceed with my further plans?

An early reply will be appreciated.

Thanking you,

Yours faithfully,

Sd/- X X X

(P.R. DANDAVATE)

BOMBAY,
Dated

67 ##. 179

No.F.11-21/60-T.2
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SCIENTIFIC RESEARCH & CULTURAL AFFAIRS
New Delhi-2, the 27th August, 1960.

From

Harbans Lal,
Section Officer.

To

Shri P.R. Dandavate,
Senior Lecturer in Electrical Engineering,
Victorial Jubilee Technical Institute,
Matunga, Bombay-19.

Subject: Proposal in respect of Shri P.R. Dandavate sponsored by Victorial Jubilee Technical Institute for training under UNTAO Programme for the year 1961-62.

.....

Sir,

I am directed to refer to your letter dated 9th August, 1960 on the subject cited above and to say that your application for training under UNTAO Programme is under consideration of the Government of India.

Yours faithfully,

Sd/- X X X

(Harbans Lal)
Section Officer

H-2 1962

68

V.J.Tech.Institute,
Bombay-19.

14th June, 1961.

Regd.Post A.D.

To

The Secretary,
Ministry of Scientific Research & Cultural Affairs,
Government of India,
NEW DELHI-2.

Sub:-UNTAO foreign Scholarship programme for 1961-62.

Ref:-i) Your letter No.F-11-15/60 T 2 of 24th March-1960 to the Principal & Secretary, V.J.Tech.Institute,Bombay,

ii) Letter No.19/A/236/2083 of 13th April 1960 from the Principal & Secretary, V.J.Tech.Institute,Bombay, to you.

iii) A reminder to (ii) above dated 9th August 1960

& iv) Your letter No.F-11-21/60 T-2 of 27th August 1960.

Dear Sir,

My case was sponsored by the Principal & Secretary V.J.Technical Institute, Bombay under the "UNTAO" programme for 1961-62 for training in High Voltage Engineering abroad. In August 1960, you had informed me that my application was then under consideration of the Government of India.However I have not received any further intimation in this regard so far. May I therefore request you to let me know how the matter stands, to enable me to proceed with my further plans ?

An early reply will be appreciated.

Thanking you,

Yours faithfully,

(P.R.DANDAVATE)

D.O No 495/MMHA/61

GOVERNMENT OF INDIA.
MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
NEW DELHI.

CAMP

June 26, 1961.

MINISTER

My dear Dr. Hardiker,

Eversince I returned to Delhi I had been very busy for about 10 days. Thereafter I left on a tour to the Andhra Pradesh and Mysore States from where I returned only on the 20th of this month. I shall be again going to Calcutta to preside over the All-India Sanskrit Sammelan which is being inaugurated by the President of the Indian Republic. This was the reason why I could not reply to your very kind letter of the 27th May earlier.

2. It was very good on your part to have used such kind words about me and appreciated my visit to the Institute as also to the surrounding villages. I propose to spend two more days when I go there next time either in the last week of July or in the first week of August. I shall be writing to you well in time.

3. A copy of your letter to me has been sent to Shri D.P.Karmarkar, the Central Minister for Health for full sympathy. A copy of my letter to him is enclosed for your information.

4. This Institute has passed through a chequered career. I am, however, happy to find that it has turned the corner. There is no reason why it should not receive further and more liberal grants from the Government and the people alike.

5. I wanted to call in and meet some philanthropically minded friends in Bombay but could not do so as all of them had been out of station. I shall be doing so when I go there the next time.

6. I am hoping that Shri B.V.Potdarwill be spending most of his time at the Institute. I am anxious that he does so primarily in the interests of his health and of course for the Institute.

7. You will kindly convey my invitation to him to come over and stay at Delhi for a couply of months sometime

after the autumn.

8. I am doing well and hope this will find you all in good health.

Yours sincerely,

B N Datar

(B. N. Datar)

Dr. N. S. Hordiker,
C/o Karnatak Health Institute,
Ghataprabha P.O.
Dist. Belgaum,
(Mysore State)
By air via Bombay
and Belgaum.

45 174

June 26, 1961.

My dear Shri Karmarkar,

I spent two days at the Karnatak Health Institute and in the adjoining villages during my last visit to Belgaum in the month of May.

2. This Institute is being carried on most satisfactorily by Dr. Vaid and the members of the managing committee, some of whom like Dr. N.S.Hordiker and Shri V.V.Potdar have been giving all the time and energy to it.

3. I am enclosing a copy of the letter that I have received from Dr. Hordiker. Therein he has mentioned a number of items over which large sums are required from the Government and the people alike. I know that you have already helped this Institute to a large extent. All the same, you may kindly consider their present request with the fullest sympathy.

With best wishes,

Yours sincerely,

(B. N. Datar)

Shri D.P. Karmarkar,
Minister of Health,
Government of India,
NEW DELHI.

Corr. 7.

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

From

The Superintendent I/C,
D.T.O.Belgaum.

To

Shri N.S.Hardikar,
Member of Parliament(Rajya Sabha)
Karnatak Health Institute....
Ghataprabha.

No. C-1/5/19/1059 **., dated** Belgaum **the** 28th June 1961. **195**

GIPN-S2-20 PMG-25-4-36-2 Lac Bks.

Sub:- Delay in delivery of a Telegram from New-Delhi dated 16.5.61.

Sir,

Reference my previous letter No. C.1/5/19/607 D/- 22.5.61, I beg to enclose herewith a copy of a letter from the Chief Superintendent C.T.O.Bombay in reply to your letter D/- 19.5.6 regarding delay in delivery of a telegram from New Delhi D/- 16.5.61

The orginal letter from the Chief Superintendent, has been wrongly addressed to Ghatkopar instead of Ghataprabha and a copy of it, is enclosed to avoid delay in reply.

Yours faithfully,

(.V.[illegible].Saraf)
[illegible]
Central Telegraph

Encl:- 1

~~#7 176~~

Corr-22

In reply please quote .....

Indian Posts and Telegraphs Department

COPY.

From :- The Chief Superintendent,
Central Telegraph Office, ~~Bxixxxxx~~
Bombay..

To

Shri N.S.Hardikar,
Member of Parliment (Rajya Sabha)
Karnatak Health Institute Ghatkopar.

No. C.3-21/1107 **dated at** Bombay 27th **the** June 1961. **196**

Subject :- Delay in delivery of a Telegram from New-Delhi Dated 16.5.61.

Respected Sir,

This has reference to your letter 19.5.61 addressed to the Post and Telegraph Master, Karnatak Health Institute Ghataprabha.

I feel extremely sorry to state owing to a ~~xxxxxx~~ regretable error of service the telegram was delayed in this office for which suitable action has been taken against the official concerned.

With apologies for the inconvenience caused to you and the sender.

Yours faithfully,
SD/-
for CHIEF SUPERINTENDENT.

CORR. 21

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

In reply please quote .....

FROM The Sub-Divisional Officer Phones
Belgaum Sub-Division, Belgaum.

TO

Dr. N.S.Hardikar,
Member of Parliament (Rajya Sabha)
Chataprabha.

NO. P-12/48 DATED AT Belgaum THE 6-6-1961.

SUBJECT / Jaistha 16, 1883.

Subject:- Your trunk call to Bijapur on 18-5-1961.

Dear Sir,

This is in continuation of my acknowledgement letter No. P-12/ dated 22-5-1961. I have conducted a careful investigation into your complaint and following are my findings.

When the call materialised for the first time the circuit was found to be too low for conversation and as such had to be dis-connected. This trouble on the circuit was due to the local telephone line from Chataprabha Exchange to your premises being out of order. This was precisely the reason why the Gokak operator failed in his attempts to contact you. In fact he had built up the trunk line to Bijapur on two subsequent occasions and on each occasion he was not able to put the call through to you due to the faulty condition of the local telephone line No.32.

This being the case no particular person charges are recoverable from you since the call was ineffective due to faulty condition of the line. I am taking up this case with the Accounts Office Telephone Revenue (Central) Poona-2 to ensure that no charges for this call are raised against your account.

Please accept my regrets for the inconvenience caused to you.

With regards,

Yours faithfully,
B.E. Londalekar
6/6
Sub-Divisional Officer Phones
Belgaum.

GPN—CRFW—1 PATNA/60—15-6-60—47,000 bl

Corr-7

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

From	To
The Sub-Divisional Officer Phones, Belgaum.	The Accounts Officer Telephone Revenue (Central) Poona -2.

No. P-12/40 , dated at Belgaum the 8-6-1961. 196

Subject:-Trunk Call from Chatenpalka No.32 to Bijapur No.169 on 17-5-61.

Kindly refer to this office telegram XT.TD/22 of 22nd ultimo wherein trunk call tickets for the above call were called for from your office.

Dr.V.S.Varlikar, I.A.S. (Vijaya Ghosha) subscriber to telephone No. 32 Chatenpalka booked an urgent PP call to telephone No.169 Bijapur on 17-5-61 between 2000 to 2100 hours. When the call materialised the circuit was found to be too low for conversation and was ordered to be disconnected. The operator subsequently tried the call twice but he failed to get the calling subscriber on the circuit due to the faulty condition of the local telephone line. It is understood from the operator that he cleared the call 2% minutes after booking it as a call for which there was no reply from the calling party. But the reason for not getting the calling party on the circuit was that the local line was out of order. Since this is an instance in which a PP call became ineffective due to the failure of the telephone circuit no charges are recoverable from the subscriber. Kindly therefore ensure that no charges are raised against the subscriber's account for this call.

MGIPN—CRPW—7 P. & T. NSK/60—29-6-60—1,47,700 Pds.

Kindly acknowledge receipt of this letter.

(PTO)

(Sd)
S.D.O.Phones, Belgaum

179

Copy forwarded with compliments to Dr. N.S. Hardikar, Member Of Parliament, (Rajya Sabha), Chatarabha for information in continuation of this office letter No.P-12/48 dated 6--1951.

8/6

Sub-Divisional Officer Phones
Belgaum.

B. D. JATTI,
Chief Minister.

76 180 54

VJ 1739

"VIDHANA SOUDHA"
BANGALORE-1,

Dated 7/7/ 1961

My dear Doctor,

I am deeply distressed by your letter of 30th June. The distress is all the greater because I am unable to make out exactly what prompted that letter. I can however see the perfectionist in you crying out in anguish at our imperfections. I can only plead that we are but men of clay.

I have not been able to understand why you should doubt our ability to run the country. Have we not, under the inspiring leadership of Captain Nehru, steered clear of ideological currents? Have we not secured a place of honour in the comity of nations, thanks to his stewardship? Are we not trying to pull ourselves up into the 20th century by the boot-straps? May be we are muddling along. May be we are not marching fast enough. But, are we not nevertheless marching towards the goal? You cannot expect a bullock-cart to go with the speed of a jet.

You refer to cinema theatres in our State and ask why we are not settling the question. Pray, what is the question and what exactly is the mistake? If you tell me that, I might be able to offer you an answer.

Then about compulsory education. Because we do not have enough teachers and we do not have enough school buildings, is it your idea that we should drop the idea altogether? We have no money and we have no machinery. Should we, on that account drop the idea of industrialisation? I am afraid, I cannot quite agree with you. After all, compulsory education is our goal. Because the goal is difficult to reach, should we have no goal at all?

P.T.O.

77 182-

" There seems to be no peace at all" you say. have often thought so myself. After long reflection ...wever I have come to feel that just as the musk-deer runs and runs to catch its own perfume, we are also frantically running in search of peace which after all is within ourselves.

Need I add again that I am most profoundly distressed at your distress?

With kindest regards,

Yours sincerely,

B. D. Jatti

(B. D. Jatti)

Dr. N.S.Hardiker,
Member of Parliament,
H U B L I (S-Rly.).

BSR.

~~78~~ 182

GOVERNMENT OF INDIA
ALL INDIA RADIO: DHARWAR

No.Dha-15-(4)61-P1 Dt.17th July 1961
26th Asadh 1883 Saka

Dr.N.S.Hardikar,
Ghateprabha.

Dear Sir,

Sub: Symposium in Kannada on "Rashtra-bhivruddige Tagorara Koduge" on 9.9.1961

As part of the Centenary Programmes of poet Rabindranath Tagore, we propose to broadcast a symposium in Kannada on 9.9.1961 under the title "Rashtrabhivruddige Tagorara Koduge" (Tagore's Contribution to National Reconstruction). In this symposium, we request you to speak on "Tagore as Patriot". The duration of the broadcast will be about 4½ mts. We should be grateful to have your kind acceptance with us at an early date and also to know a date which will be suitable to you for recording this programme. The other participants in this symposium are Sarvashri S.S.Kodeyar and J.G.Kulkarni who will speak on "Education" and "Rural Reconstruction" respectively.

Thanking you,

Yours faithfully,

for ASST. STATION DIRECTOR

Encl.as above
PD/17/7

FILE No 26

1961

PAGE No's 183 – 322

183

98

18-7-61

My Dear Karmarkarji,

I took your leave at Belgaum and was here by 8.30 P.M. All were anxiously waiting for the reports particularly Doctor Hardikar who was too anxious about us and our errand. They were happy that all had gone smooth though it meant some anxiety and troubles to you.

I hope further rites and routines have gone on to your full satisfaction. Though you have tried to take the whole thing with philosophic composure and outlook, I could see the pain of the loss in you and the restlessness of the responsibility of duty you had calculated. I pray, therefore, that all has gone well as desired by you and your brother.

1. To-day, as promised, I am sending with this the pamphlet about the compact Mass x-ray unit. There are two of them discribed on pages 6 and 7 with illustrations. This is only one variety. there may be others from other companies. There may be also further improvements on these by this company. I hope it will serve the purpose. The bus is also show

2. I am, and Doctor also is, interested in the idea of "Arogyamandir" as suggested by you. It was one of our main purposes in the Institutional set ups that has come from your mouth. Please, therefore, send me the details about it if you could easily do it so that we could finalise some definite steps before I go to Canada if I have to go.

3. Details of the idea of the villagers conferances, and the morbidity surveys may also be made known to me, if possible, in good time so that I can see if the schemes can be got going with the help of the workers of K.H.I.

4. Our village Health service is going on in the shape of (1) Village Medical visits, (2). Eye diseasis eradication scheme for Paibar, (3). The maternity Homes in the villages which have gone up to 5 now. (4). The womens and child welfare project of CSWBoard which covers 8 centers, (5) the village leaders conferances every two months. (6) Mahila mandals etc. It does mean considerable strain on the K.H.I. itself but so far they have not been stooped for want of cooperation or funds. They have only slowed the progress of the parent organisation, in some ways.

5. I am enclosing a copy of the annual report of K.H.I. which you must not have received yet for your kind perusal.

With kind regards,

Yours sincerely,

M.K. Vaidya. M.

184 A Handley

REPORT SUBMITTED BY SUSHIL MUKHERJEE ON ORGANISATIONAL WORK OF THE CONGRESS SEVA DAL.

99

I jointed the All India staff members of the Congress Seva Dal at Delhi on 22.6.1961 and accompanied them to Baij Nath where the Annual Camp was held from 24th to 30th of June 1961. Shri S.V. Inamdar, A.I.Organiser asked me to explain to the campers the work of election organisation visa vis the work of Congress Seva Dal in elections. I prepared a note on the subject before hand and explained the same to the campers in class for eight hours in six days. Also a committee was formed out of the campers present. I sat with the committee for three hours and drafted the plan of work necessary for effective execution of the instructions which appeared in the above mentioned note. Copies of the note and the draft of the plan of work are attached herewith.

I was directed by the A.I. Organiser to visit Jammu in connection with routine work of the Seva Dal and Dal work in the coming General election. Accordingly I reached Jammu on 3.7.61 and stayed there for two days. The Pradesh Committee of the National Conference convened a meeting of all workers on 4.7.61. at Jammu. I spoke in the meeting for two hours. About 200 workers attended the meeting. A few questions were put to me for clarification of some points, regarding communal organisations. Those were replied by me to the satisfaction of all workers who were present in the meeting. Besides the above mentioned meeting The pradesh President and General Secretary of the National Conference met me thrice in two days and disucssed the local situation.

A good number of respectable ladies are working in the National Conference. They met me separately and requested me to arrange so that they can receive guidance regularly from the women section of the AICC.

I met Seva Dal workers twice. Many of them are college students. The Seva Dal head of the Pradesh is a very influential and active man. I believe the Dal will be able to make satisfactory progress in Jammu if necessary supervision are kept on tthem. I visited Seva Dal Kendras and found that those were conducted according to the instruction.

Contd... 2

of the A.I.C.C. Office of the Congress Seva Dal.

I returned to Delhi on 6.7.1961 in the morning.

Sushil Mukherjee

SUSHIL MUKHERJEE

79 - 186 54

THE TUBERCULOSIS ASSOCIATION OF INDIA

Patron : THE PRESIDENT OF INDIA
President : RAJKUMARI AMRIT KAUR
Chairman : LT.-COL. V. SRINIVASAN | *Hony. Treasurer :* SRI S. RATNAM
Vice Chairman : SIR SHRI RAM | *Technical Adviser :* DR. P. V. BENJAMIN
Secretary : SRI B. M. CARIAPPA

Telegrams · "TUBERCLASS"
Telephones { Technical Adviser : 35443
Secretary : 34018

3, RED CROSS ROAD,
NEW DELHI-2

No. ITB-8/61

26th July, 1961.

My dear Doctor,

I have yours of the 24th inst. I thank you very much.

I am glad that you realise Government machinery moves slow, but I cannot accept your conclusion that private machinery some times does not move at all. Take your own case. You always move about and probably move more than what you should. I do the same. I did not reply to your letters from Coorg and Coimbatore because I was moving about. In any case, the T.A.I. always moves faster than your Government machinery and if only it had its way the Colombo Plan Fellowships would have come through long time ago and everyone would have been perfectly prepared now to attend the Toronto Conference. However, I am glad at last matters have moved to the extent they have and here, I think, the credit must go to our friend. It is really tragic that Dr. Krishnan's name has been left out. Why I do not know. I have nobody in the Ministry to whom I can talk about him. I can only sympathise with him because I know he was ready to undertake this tour and the news that he has been left out must have gone to him as a shock.

I am sorry I will not be able to come to Ghataprabha. Probably at this time I should not go because of the floods. Floods have been raging in my place too. Coorg and South Kanara according to reports, are the worst sufferers. Mysore Government may be helping people. The Central Government is feeding their employees again by another three crores a year! God help our poor villagers who are exposed to all kinds of sufferings on account of nature's fury and who may get small doles only from Welfare Funds, etc. Here is the fate of our taxpayer.

I really do not see why Dr. Vaidya should send Rs.1,000/- to my address. It is not necessary. This money cannot be used outside India on account of foreign exchange restrictions. His expenses in Canada will be met by the Colombo Plan. If he or you propose to send this money to the Association as a donation we will be glad to accept it. I have a letter from Dr. Wherrett

JOIN THE FIGHT TO STOP [illegible]
THAT TUBERCULOSIS TAKES ON INDIA [illegible]

(Canada) stating that he has taken up this question with the Colombo Plan officials there and I expect to get a final reply very soon. It is only on receipt of that I can work out my tour programme outside India.

I shall be leaving for Hyderabad next Monday and after completing some work in Bangalore I will be back in Delhi on the 11th of August. In Bangalore my address will be: C/o The National Tuberculosis Institute, 8, Bellary Road, P.O. Box No. 73, Bangalore.

We are doing well. I hope this will find you in good health.

With kind regards,

Yours sincerely,

(B.M. CARIAPPA)

Dr. N.S. Hardikar, M.P.,
Karnatak Health Institute,
P.O. Ghataprabha,
Dist. Belgaum, (Mysore State).

L.

102, 187

GOVERNMENT OF MYSORE

M.Shaikh, M.A.,
Deputy Commissioner,
Belgaum.

D.O. No. GB/RRC-9209.
Office of the Deputy Commissioner
Belgaum, Date, 2 -8- 1961.

Dear Dr Hardikar,

Subject:- Recovery of binding dues from the Rayats of Musaguppi village in Gokak Taluka.

Please refer to our discussions regarding the remission of binding dues from the Rayats of Musaguppi village in Gokak Taluka, as requested by its representatives present at the time of the meeting held on 30th July 1961 at Ghataprabha.

I looked into the papers and I find that both the Governments of Bombay and Mysore were referred to for waiving of these dues, but they did not agree with our proposals. Government of Mysore, however, have ordered to recover the dues in instalments and accordingly the Tahsildar, Gokak has been asked to recovery the dues in instalments. The request having been thrice refused at Government level I doubt the advisibility of again raising the same question. I have informed the Union Minister Shri. Datar also of this.

The villagers may therefore, please be apprised of the position

Yours

(A.M. Shaikh)

Dr.N.S.Hardikar, M.P.,
Chairman, K.H.I., Ghataprabha.

BHARATHA SEVA DALA

No 1. Nehru Nagar, Bangalore - 20

Dear Friend,

It has been decided by this organisation to construct a General Hostel building costing about 4 lakhs of rupees as per the estimate of the egineers of the P.W.D. A site in the Kumara Park Extension has been granted to us by the Government of Mysore. As per the present plans it is proposed finally to accommodate 200 students whom we wish to train in this hostel, into intelligent youth of character fit enough to shoulder the responsibilities of citizenship as leaders of our Motherland. As per the General Hostel Scheme of the Government of Mysore, the Government will give us Rs 2 lakhs and we have to raise the remaining Rs 2 lakhs.

The Hostel will consist of buildings as described in the accompanying Schedule. The cost of building a room or a hall has been got estimated by an experienced engineer. Our appeal is that you should donate a room or a hall in your name or any other name dear to you. The gift will be engraved on a polished stone and put in the room along with a photo of the person in whose name the gift has been made.

I am sure Sir, you will admit the cause is worthy one, deserving encouragement.

I thank you very sincerely in anticipation of your liberal response.

Bangalore
15-8-1961

Yours in Seva

(M.C.Modi)
President
Bharatha Seva Dala

BHARATH SEVA DALA. 105

GENERAL HOSTEL BUILDINGS.

The Total Estimated cost for each rooms and halls.

			Rs.
1.	Lobby (near the rooms)	16 + 1½ x 16 + 1½	7,650=00
2.	Student rooms (19) each	11 + 3 x 14 + 3	6,250=00
3.	(The estimate includes half the width of the corridor)		
	For additional 18 rooms		1,12,500=00
3.	Dining Hall	50 + 3 x 24 + 3	35,775=00
4.	Kitchen	16 + 3 x 18 + 1½	9,250=00
5.	Stores	16 + 3 x 12½ + 1½	6,400=00
6.	Meeting Hall with verandah	33½ + 3 x 24 + 3 + 8	33,300=00
7.	Guest Room	13¼ + 2 x 16 + 3 + 8	10,300=00
8.	Room (W.C.)	13¼ + 2 x 16 + 8	9,150=00
9.	Room (W.C.)	13¼ + 2 x 16 + 8	9,150=00
10.	Lobby (Central)	13 + 2 x 20 + 8 + 2	11,250=00
11.	Room (W.C.)	13¼ + 2 x 16 + 8	9,150=00
12.	Room (W.C.)	13¼ + 2 x 16 + 8	9,150=00
13.	Staff Room	34¼ + 3 x 16 x 3 x 8	25,000=00
14.	Store Room	34¼ + 3 x 16 + 3 + 8	25,000=00
15.	W.C. & Baths (10)	16 + 3 x 23 + 3	12,350=00
16.	Verandah 6' wide, (between Dining Hall and Rooms.)	24 + 6 + 4½ x 10	11,125=00
17.	Verandah 7' wide	24 + 6 x 4½	6,075=00
		Total Rs.	3,48,825=00
18.	For another set of rooms (19) first floor		60,000=00
		Total Rs.	4,08,825=00

Rupees Four lakhs eight thousand eight hundred and twenty five.

No. 12-3/80-NE.

FROM

The Director General of Health Services.

TO

The Chief Medical Officer,
Karnataka Health Institute,
CHATARABAHA (Western State).

Sub: Non-Lapsable Special Central Assistance for the construction of 5 nos. hostel for the Scheduled Tribe students - Regarding.

Ref: Your letter No. DT. 7/8/81, addressed to the Joint Secretary (AL.K.ADARAVALA), New Delhi-5, received in this Directorate on the 15th June 1981.

****

With reference to the above, I am to say that under the Non-Lapsable Special Central Assistance Scheme for the Welfare of Scheduled Tribes, the Government of India are prepared to consider the construction of 5 nos. hostel for the students belonging to Scheduled Tribes in the Backward Districts of the State. The Scheme envisages construction of hostel buildings for accommodation of 100 students in each hostel. The cost of construction of each hostel building is limited to Rs. 5,00,000/- per hostel. The Central Assistance is restricted to 90% of the cost of construction of the hostel buildings and the remaining 10% is to be met by the State Government. The Central Assistance is released in two instalments, 75% as the first instalment and the balance 25% after the hostel buildings are completed and occupied by the students. The Central Assistance is released in the form of loan to the State Government and the State Government in turn sanctions grant-in-aid to the Voluntary Organisations. The Central Assistance is released in the form of loan to the State Government and the State Government in turn sanctions grant-in-aid to the Voluntary Organisations.

The proposal may be sent to this Directorate in the prescribed proforma in duplicate for further action in the matter.

Yours faithfully,

sd/-
(A.K.ADARAVALA)
for Director General of
Health Services.

****

12/8/81.

No.19-6/60.N

From

The Director General of Health Services,

To

The Chief Medical Superintendent,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha (Mysore State)

NEW DELHI, the 29.8.1961

Subject:- Training of Auxiliary Nurses-Midwives under the Community Development Programme.

.....

Sir,

In continuation of this Directorate letter No. 19-6/60-N, dated the 21st August, 1961, I am to say that the Government of India have since clarified that the non-recurring grant of Rs. 2,000/- per seat for the construction of a hostel for students being trained at your Institution under the above-mentioned scheme will be calculated on the basis of twice the number of students admitted by you annually or the number of seats to be provided in the proposed hostel, whichever is less. No grant will be admissible for the number of seats for which a hostel already existed. you are, therefore, requested to make it clear in your proposal how many seats are available in your hostel. You had said in your letter that you had accommodation for 40 students. If you wish to enrol 100 students and are in a position to build a hostel for 60 students a grant for that number may be asked for through the State Government. The number of students which are being admitted annually or are proposed to be admitted annually and the number of seats to be provided in the proposed hostel should also be clearly indicated in the proposal.

Yours faithfully,

Sd/-
(T.K. ADRANVALA)
for Director General of
Health Services.

Issued on 29.8.1961.

1962

c/o **SAHA BROTHERS** 106

~~MANUFACTURERS, GENERAL MERCHANTS & AGENTS~~

Ramkrishna Avenue, Patna-3 ~~BRAJKISHORE PATH, PATNA-1~~

Ref. No. 587/61

21st August, 1961.

My dear Doctor,

The day before yesterday I received your favour of the 17th instant, simultaneously with one postcard of the same date from brother Inamdar. In my last postcard to Inamdar on my return from New Delhi I asked for the opinion of both of you on my proposal to have a reprint of the 'Sainik Kawayad'. Inamdar has written "The book 'Sainik Kawayad' is now out of date. The words of command and other details have now been completely changed. So it is no good reprinting the book." In reply thereto I am writing to him today as follows:-

"If you kindly send me the new words of command & indicate the changes that have taken place in other details I think it will be worth while to have the 2nd revised edition of the book. I have already consulted a press-manager who is personally known to me for many years. He has given me the following rough estimate for 2000 copies of the same size.

Printing charges for 2000 copies —	Rs 315/-
Paper	" 414/-
Cover, Binding, Charts, Small Blocks of President, PM & Doctor	about 200 rupees

Thus maximum cost will be about Rs 1000/- i.e. cost per copy — .50 NP

The sale price can easily be fixed at Re 1.00 or Re 1.25 NP per copy.

Pt. Jawaharlal Nehru's Foreword is already there and I have got with me a new one written in Hindi on 9.8.61 by Babu Rajendra Prasad.

P.S. On receipt of your kind reply about Sainik Kawayad I will send you certain figures from which you will know about the efforts in another direction. Inamdar

I want to add in 2 pages a very short history of Sevadal by Doctor. Further additions will be the National Flag and the National Anthem. Three small blocks say 1" x 1½" are proposed to be printed at the left hand top corner of Foreword, Asirbad (Caption of Rajendra Babu's Hindi lines and Doctor's Sevadal history. Publication will be in my name on behalf of Asoka Prakashan, Ramkrishna Avenue, Patna-3 (BIHAR). I will require a copy of Doctor's latest photograph for the above purpose. Rajendra Babu's and Pt Nehru's photographs will be available here. Required-sized blocks will be prepared here.

..... On receipt of these I will consult Shri Ramendranath Roy Chowdhury, the author and take his help in revision."

Your approval is the first essential requisite for giving effect to this attempt of mine, the second requisite is Gnandar's supply of the new words of command and the changes in other details and the third & most important item is the requisite money. Though I am a pauper, I feel confident that I will be able to raise a loan of Rs 500/- to meet the cost of paper, and charts & blocks and that the Press-manager will agree to take the printing charges in Three months' time.

If the relevant factors be favourable, I want to make the publication ready for dedication to Revered Babu (Rashtrapati) on 3rd December, 1961. In 4 months' Time thereafter the book will be available for sale during the Congress Session at Patna.

107

Are You coming to Patna during the Congress Session?

3 1961

SAHA BROTHERS

MANUFACTURERS, GENERAL MERCHANTS & AGENT

108

BRAJKISHORE PATH,
PATNA-1

Ref. No. _____ 19

By grace of God, I am at present enjoying fairly mental and physical health. Of course, various problems, financial and otherwise are there. The greatest headache is the problem of finding out employment for my Son-in-law, Shri Sushil Kumar Podder, 123 C Raja Dinendra Street, Calcutta 4. The other day I had gone to New Delhi to bring my friend Shri Rajeshwar Patel, M.P. '23 Feroze Shah Road) to Patna, in connection with a serious problem that arose in the development of the Pioneer Engineers & Builders (Private) Ltd of which I am the Mg. Director. Rajeshwar's presence at the Board meeting held at 11 AM on 9.8.61 has fortunately eased the first phase of the problem. I am making earnest efforts to tide over the threatening difficulties. On the 7th instant I saw Shri Nityanand Kanungo also at his residence at 6 York Road, New Delhi. He himself was worried over his own position in the Commerce Ministry and told me clearly that he would not be able to do anything for my Son-in-law. I am trying my best to solve this problem by securing a Govt service as a Junior Designer in the local Institute of Industrial Research. I have approached Bihar's Chief Minister also who is in charge of Industries also. The post is under the Industries Department, Bihar Govt. God

willing I may be able to honour my word solemnly given before 13.12.56 (the date of marriage) on the assurance of provision for Sunil so kindly given to me by Shri Kanungo on 7.9.56 and by Shri Dip Narayan Sinha, the then Cooperative Minister of Bihar on 8th or 9th November, 1956. I am fortunately receiving the help of Dip Babu even now. He is now Minister of Irrigation, Power & Information.

I am making ~~sincere~~ attempts in several directions for my rehabilitation in Bihar socially & economically. Sneha Prakashan is ~~to be~~ proposed to be organised as a Publishing Concern with Sainik Kavayad as the first book. Saha Brothers are already in correspondence with a Bombay firm for an agency in Coffee. I sincerely want to serve the cause of Khadi & Village Industries and so I have offered my services to the Khadi and Village Industries Commission. I am giving you trouble in this matter.

I have got an unusual dose of energy & God alone knows if He will give me openings for utilising the same in useful ways. I have become a student of ancient history & culture of India and also a bit of Sanskrit. Buddhism has got my attraction and I have planned to retire at Sarnath on 6th February, 1967. I aspire after the membership of Bihar Legislative Council in 1962 with the help of Shri Rajeshwar Patel. I don't know if that will be possible as I have not got the requisite qualification for nomination. There is no question of contesting in election.

I am sure, of course, Kalyani to see you at the Rajya Sabha. I don't like an unfamiliar atmosphere.

With kindest regards, Yours sincerely, Sd/- Prafulla

LEDERLE LABORATORIES (INDIA) PRIVATE LIMITED

Lederle

Registered Office THE INTERNATIONAL, 16 QUEEN'S ROAD · P O. BOX 1994, BOMBAY 1

PLEASE REPLY TO· P. O B 32, MADRAS 1-TEL 2981-2987 EXT. 241-GRAMS LEDLAB, MADRAS

K/8/71

August 21, 1961

Sri N.S.Hardiker
Member of the Parliament
10, Akbar Road
New Delhi-11.

Dear Sri Hardiker:

I sincerely thank you for your post card of 10th inst. informing me that Dr.M.K.Vaidya, Chief Medical Officer, Karnatak Health Institute is shortly going to Canada.

I am also pleased to note that he will be visiting New York on his way to Canada. It is mentioned that Dr.Vaidya has proposed to leave India for U.S.A. on 1st or 2nd September, and he will be staying in Toronto.

Please let me have Dr.Vaidya's address in Toronto and the tour program to enable me to give the details to our Bombay Office for onward transmission to New York. It would be difficult for them to contact Dr.Vaidya without these details.

Thank you very much for the hospitality you have shown to me during my visit to Karnatak Health Institute.

With regards,

Very truly yours

LEDERLE LABORATORIES (INDIA) PRIVATE LIMITED

E. K. Kumar
Regional Manager

ekk:rv

1652/61-62

JAI HIND

Phone: 3993

BHARATH SEVA DAL

(REGD.)

PRESIDENT: Padmasri Dr. M. C. MODI
VICE-PRESIDENT: T. SIDDALINGAIYA B.A., B.L., M.L.A.

Express delivery

GEN. SECRETARY:
S. R. GURU, B.A.
TREASURER:
V. S. NARAYANA RAO
DALAPATHY:
RAMA RAO, I.N.A.

No. 1, NEHRU NAGAR

BANGALORE 20 23 - 8 - 61.

My Dear Doctorji,

I hope you received my letter dated the 15th addressed to Delhi. However I am enclosing a copy in case you have missed it.

I have to-day wired you (Express) as follows:- Refer my fifteenth letter Delhi stop. Your presence absolutely necessary hostel fund collection stop. Please come 25th latest.

Sd. Guru,

Sevadal.

Our President Dr. Modi will be coming here this evening and will stay here till the Drama is over. He was here on the 15th August and it was on his instruction and on the suggestion of Sri.B.N.Thimmanna that I wrote you my letter of 15th August.

I have nothing more to add to what I have already stated in my letter referred to above (copy enclosed). Sri.T.Siddalingaiah also has been requested to be free from to-day upto September 10th.

I too will do my best to be free and attend office daily. How far I will succeed in this I cannot say for my family business is attending to a transaction worth Rs.50,000=00 and both my father and brother will be requiring my advice and suggestions at a moments notice. Whatever it be, I will see to it (even by working far into the night) that the work of the Drama and fund collection will not be held up on my account.

May I once again request you to very kindly make it convenient to go over here by 25th at the latest.

All of us are doing well.

Yours sincerely,

General Secretary.

Copy to:

1. Dr. Modi, President, Bharath Seva Dala.
2. Shri.T.Siddalingaiah,B.A.,B.L.,M.L.A.,Vice-President,B.S.D.
3. " V.S.Narayana Rao, Treasurer.

656/61-62. JAI HIND 444 498 Phone: 3993

BHARATH SEVA DAL

(REGD.)

PRESIDENT : *Padmasri Dr.* M. C. MODI
VICE-PRESIDENT : T SIDDALINGAIYA *B A, B L, M L A*

GEN. SECRETARY :
S R GURU, *B A*,
TREASURER :
V S NARAYANA RAO
DALAPATHY :
RAMA RAO *I N A*

No. 1, NEHRU NAGAR

BANGALORE 20 23-8-61.

My Dear Doctorji,

Since writing the ~~above~~ enclosed letter, I saw your card dated 20th and so I am not sending the copy referred to above.

I extremely sorry that what I intended to be a little humorous has been taken seriously by you and for this I apoligise to you very sincerely. If you will permit me to explain myself the word orders has been intentionally put within inverted commas to indicate that the connotation of the word is not what it usually is. Any way the mistake is mine and not that of Sri.B.N.Thimmanna or Dr. M.C.Modi. And so if the letter has caused you any annoyance or anger, I sincerely apologise to you for it.

Regarding the script to be sent to you when I raised the point with Sri.B.N.Thimmanna even before I wrote my letter of 15th, he told me that since the character to be assigned to you would have to be very short, as we could not burden you with a long script, "it is better we do it in consultation with Doctor himself." Hence no script was sent to you.

We are all doing well at Doddaballapur.

Yours sincerely,

General Secretary.

Dr.N.S.Hardikar,
Chataprabha.

PRESS NOTE

'QUICK' ESTIMATES OF NATIONAL INCOME FOR 1960-61.

The national income of India in real terms recorded a rise of 6.5 per cent in 1960-61 over 1959-60 according to the 'quick' estimates prepared by the Central Statistical Organisation on the basis of trends disclosed by the current available data. Of this overall rise as much as 2.7 per cent was contributed by agriculture (proper) alone whereas the remaining sectors contributed the rest i.e. 3.8 per cent. As these estimates are based on partial data, they are provisional and likely to undergo revisions in the annual paper on national income to be released early next year.

Contributions of some individual sectors to the overall percentage change in national income in 1960-61 over 1959-60 at 1948-49 prices are summarised in the following table:-

Sector	Percentage contribution to total national income: 1959-60	Percentage change in 1960-61 over 1959-60	Contribution to the overall percentage change in 1960-61 over 1959-60
(1)	(2)	(3)	(4)
Agriculture (proper)	38.8	+ 6.9	+ 2.67
Mining and factory establishments	8.8	+ 11.9	+ 1.05
Communications	0.4	+ 5.6	+ 0.03
Railways	2.6	+ 7.0	+ 0.18
Organised banking and insurance	0.9	+ 11.4	+ 0.11
Other commerce and transport	15.3	+ 7.8	+ 1.19
Other sectors	33.2	+ 3.8	+ 1.27
All sectors	100.0	+ 6.5	+ 6.50

P.T.O.

The following table presents the estimates of national income and per capita income at 1948-49 prices for the years 1950-51 and 1955-56 to 1960-61 :-

Year (financial)	National Income at 1948-49 prices (in Rs.100 crores)	Per Capita Income (in Rs.) at 1948-49 prices (based on 1951 and 1961 population census figures)
(1)	(2)	(3)
1950-51	88.5	247.5
1955-56	104.8	267.8
1956-57	110.0	275.6
1957-58	108.9	267.4
1958-59	116.5	280.2
1959-60 (preliminary)	117.6	276.9
1960-61 (provisional)	125.3	288.8

From the above table it will be seen that the rise in national income in real terms during the Second Plan period was 19.6 per cent as against 18.4 per cent over the First Plan period. The rise of 6.5 per cent in the net national income in 1960-61 over the preceding year is appreciably higher than the average rise of 3.9 per cent per annum during the Second Plan period as a whole.

.....

JAI HINDI 20/12/61

Phone : 3993

BHARATH SEVA DAL

(REGD.)

PRESIDENT : *Padmasri Dr. M. C MODI*

VICE-PRESIDENT : T SIDDALINGAIYA *B A, B.L, M L A.*

GEN. SECRETARY :
S R. GURU, *B.A.,*

TREASURER :
V. S. NARAYANA RAO

DALAPATHY :
RAMA RAO, *I N A*

No. 1, NEHRU NAGAR

BANGALORE 20.....~~24th~~ Aug 61

My dear Doctorji,

Saw your post card dated 23rd inst from Bombay just now and so am writing this to you immediately, I have already sent a express wire and a letter to Ghataprabha. Dr Modi came here just to/day at about 1 P.M. and immediately sent a wire to you and also a letter requesting you to go over here at the earliest. I ~~have~~ hope you have seen the wires and letters by now.

I saw your p.c. dated 20th only yesterday at about 1 P.M. Had I seen your p.c. before I sent the wire the wordings of the wire would have been different. I came to the office on the evening of 22nd night at about 10 P.M. and made enquiries about your coming, with the attender, presuming of course that if you had written in the meanwhile, he could have picked up the information by the talk of the members of the staff. He said he knew nothing. So the very first thing that I did in the morning was to Phone to Sri Siddalingaiya. He told me that he too had written to you and that Since Sri Rama Rao was at Pandit ji's house I should phone there and find out about your programme and ~~h~~whereabouts. So immediately I phoned to Sri Panditji's house and contacted Sri Rama Rao. He too told me that you would be in Ghataprabha and that either I should phone or wire to you to that address. Hence I sent that wire with in a few minutes of my talk with Sri Rama Rao - then I drafted the first letter dated 23rd. Then I went on looking in to my tray of papers and somewhre at at the end or so I saw your Card dated 20th It was then that I drafted my 2nd letter and got it typed and sent both of them in one envolope.

Sri B.N. Thimmanna Is the convenor for the Drama Committee and in charge of the rehearsals and all other arrangements for the Drama. The Executive Committee of the B.S.D. has sanctioned a sum of Rs 1000/- towards the preliminary expenses of the Drama enactment. The car has been placed fully at his disposal and I never make use of it even if I want to go anywhere for office work. I thought he must have already written to you in the matter and got your consent to have a part in the drama and the length of the script. It now transpires that he has not done it. Had he informed me about it I would have written to you long back and got your views in the matter of the script etc. But before I wrote to you my letter of 15th inst. when I casually enquired Sri Thimanna about the part to be assigned to you in the Drama he told me that since we could not burden you with a long script "it is better we consult him before we assign a part to him." That is what I was told when I wrote the letter, of 15th inst. It was only then that I realis that you had not been informed about your part in the Drama.

Regarding the part for you in the Drama itself I may say this much. The part and the script will be trimmed to suit your convenience So even if you come, as you say about a week or 4 days prior to the Dra you could be trained to come on the stage within that short period.

But we are particular in having you here earlier so that we coul have the benefit of your valuable suggestions in collecting funds. Henc our anxiety to have you at the earliest. Now that you say that you cannot move either Delhi or Bombay til Dr. Vaidya flies to Canada what can we do. We ~~what~~ are at a loss to decide anything at this end. You alone can decide what to do and come to our aid at this juncture.

Yours Sincerely
S R Guru

202

Dr. N.S.Hardiker
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)

10, Akbar Road,
New Delhi,
26-8-61.

To

Sirs,

Shri Ramrao Deshmukh, a good friend and colleague of mine, who is a member of the Rajya Sabha, is a candidate for one of the seats on the I.F.C.(Industrial Finance Corporation) about which, I am sure, you know everything.

Mr. Ramrao, of course, will write to you. But as I am interested in him I write this note urging you to cast your votes in his favour or pass a resolution authorising him (or failing him Mr. V.P.Varde) to exercise your votes in your own behalf. The resolution is to be passed in terms of Regulation 27 and is to be sent to the I.F.C. Office before September 30, 1961. I will be highly obliged to you if you will kindly do this & oblige me.

Will you be good enough to acknowledge this note and assure me of your help in this regard?

Your brother,

(N.S.HARDIKER)

293 82 Duplicate

Dr. N.S.Hardiker
MEMBER OF PARLIAMENT
RAJYA SABHA

10, Akbar Road
New Delhi
26-8-61

To

Sirs,

Shri Ramrao Deshmukh, a good friend and colleague of mine, who is a member of the Rajya Sabha, is a candidate for one of the seats on the I.F.C.(Industrial Finance Corporation) about sure, you know everything.

Mr. Ramrao, of course, will write to you. But as I am interested in him I write this note urging you to cast your votes in his favour or pass a resolution authorising him (or failing him Mr. V.P.Varde) to exercise your votes in your own behalf. The resolution is to be passed in terms of Regulation 27 and is to be sent to the I.F.C. Office before September 2?, 1961. I will be highly obliged if you will kindly do this and oblige me.

Will you be good enough to acknowledge this note and assure me of your help in this regard?

Your brother,

(N.S.HARDIKER)

Dr. N.S.Hardiker
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)

10, Akbar Road
New Delhi
26-8-61

To

Sirs,

Shri Ramrao Deshmukh, a good friend and colleague of mine, who is a member of the Rajya Sabha, is a candidate for one of the seats on the I.F.C.(Industrial Finance Corporation) about which, I am sure, you know everything.

Mr. Ramrao, of course, will write to you. But as I am interested in him I write this note urging you to cast your votes in his favour or pass a resolution authorising him (or failing him Mr. V.P.Varde) to exercise your votes in your own behalf. The resolution is to be passed in terms of Regulation 27 and is to be sent to the I.F.C. Office before September 22, 1961. I will be highly obliged to you if you will kindly do this and oblige me.

Will you be good enough to acknowledge this note and assure me of your help in this regard?

Your brother,

(N.S.HARDIKER)

T. No 154

206 87 (a-7)

THE TUBERCULOSIS ASSOCIATION OF INDIA

Patron : THE PRESIDENT OF INDIA
President : RAJKUMARI AMRIT KAUR
Chairman : LT.-COL V. SRINIVASAN | *Hony. Treasurer :* SRI S. RATNAM
Vice Chairman : SIR SHRI RAM | *Technical Adviser :* DR. P. V. BENJAMIN
Secretary : SRI B. M. CARIAPPA

Trunk call Vaidya on 31-8-61 at 11.30 A.M.

"UBERCLASS"
echnical Adviser : 35443
ecretary : 34018

3, RED CROSS ROAD,
NEW DELHI-2

8 /61

18th August, 1961.

EXPRESS

Dear Doctor,

I have received your letter of 25.8.'61 as also that of Dr. Vaidya. I have seen the Imigration Officer in the Canadian High Commissioner's office today. He is waiting for the medical report of Dr. Vaidya. If Dr. Vaidya proposes to start from Delhi he has immediately to send a telegram to the Imigration Officer, Canadian High Commission, No. 13, Gol Links, New Delhi, asking to withhold his pass port and telling him that he (Dr. Vaidya) will be coming to Delhi before the 30th of this month. This is subject to the fact that his medical report is clear. If Dr. Vaidya wants to leave from Bombay he has immediately to send a telegram to the Imigration Officer that he wants to start from Bombay because I have told this officer to wait for Dr. Vaidya's telegram to this effect. A telegram to the effect should also be sent to Miss MacDougall, First Secretary, Canadian High Commission, Canada House, No. 4, Aurangzeb Road, New Delhi, immediately on receipt of this letter. I saw the Imigration Officer at 3 O'Clock today and until then Dr. Vaidya's medical report had not reached him. He therefore presumes that it will reach him tomorrow morning. Dr. Vaidya therefore should send the telegram immediately after he receives this letter. If he wants to start from Delhi he should be here on Thursday or Friday to clear other formalities.

Yours sincerely,

(B.M. CARIAPPA)

Dr. N.S. Hardikar, M.P.,
C/o Sri K.D. Nerleker,
B-22, Ganesh Prasad,
10, Sleater Road,
BOMBAY-7.

Copy to:- Dr. M.K. Vaidya, C/o Sri V. Nimbkar, The Amerind, Fifteenth Road, Khar, Bombay-52.

JOIN THE FIGHT TO STOP THE TOLL
THAT TUBERCULOSIS TAKES OF INDIA'S YOUTH

206 88 64

TELEPHONE: 45030

D. PAUL CHOWDHRY,
EXECUTIVE DIRECTOR.

INDIAN COUNCIL
FOR
CHILD WELFARE

JANPATH, NEW DELHI 1

D. O. NO. Z-3/61/2193

28th August 1961.

Dear Dr. Hardiker,

Thank you for your letter dated the 20th August 1961. We have received report in respect of the Holiday Homes organised by you at Ghataprabha along with unaudited statement of Accounts. We are generally satisfied with the report and the Statement of Accounts. However, we have to bring one point to your notice regarding teacher leaders. The Report indicates that there were 11 teacher leaders to help in organising the holiday home as against 2 teacher leaders allowed under the scheme framed by the Central Social Welfare Board. I presume that these teacher leaders were from the Karnatak Health Institute staff, Ghataprabha and that no additional expenditure was incurred on these teacher leaders out of the grant sanctioned by the Central Social Welfare Board. The Statement of Accounts, however, does not indicate any additional expenses on 9 additional teacher leaders.

The Statement of Accounts furnished by you indicates a total cost of Rs. 2,881.07 as against grant of Rs. 3,000/- released to you. The unspent balance of Rs. 118.93, may, therefore, be refunded to the Council.

It may not be possible for me to come to Ghataprabha but in case I have any plan to visit Mysore, I will definitely visit Ghataprabha.

Our first regional Bal Sevika Training Centre is going to be started on the 30th of this month at the premises of the Bal Bhavan, Kotla Road. We have not yet decided the allocation of the second such centre in the South. In this connection, I would suggest that you kindly meet our General Secretary, Smt. Pushpa Mehta, sometime in our office to discuss plan of this second centre in the South, indicating to her the resources available with the Karanatak Health Institute to undertake such a programme.

Thanking you for interest you are showing in the Council's work and assuring you of our best co-operation at all the times,

Yours sincerely,

D Paul Chowdhry

(D. PAUL CHOWDHRY)

Dr. N.S.Hardiker,
10, Akbar Road,
NEW DELHI-11.

PIONEER ENGINEERS & BUILDERS (Private) LTD.
BRAJKISHORE PATH, PATNA-1

JNAN SAHA, M.A.
MG. DIRECTOR

Ref. 589/61 28.8.1961

My dear Doctor,

Please find enclosed certain typed papers with reference to a line in my letter No. 587/61 dated 21.8.61. I will continue as Secretary till the re-organisation is over and make room for a reputed scholar to be appointed as a whole time paid Secretary according to the Scheme. So please do not minimise my anxiety for an opportunity to serve the cause of Khadi & Village Industries under the Khadi & Village Industries Commission of Bombay or if possible, under the Small Industries Corporation just formed by the Govt of Bihar. The pity is my age factor stands in the way. I however believe that God's will stands supreme in all human affairs.

On the 26th I received Anandan's reply. He writes "The words of command now in use in Sevadal are exactly the same as in Indian Army. They have published a book of their own for the use of Sevadal workers. We have also published a book in Hindi & in English. That is our official publication. So I do not see any scope for a private publication on the subject. Again the A.I.C.C. publication is priced

75 NP. We have also brought out publications on the other subjects mentioned in your letter. Personally, I think a new publication as proposed by you would not serve any purpose at this stage." 118.

Frankly speaking, I am not convinced of the futility of my attempt by Inamdar's sole argument 'Sainik Kawayad' is an exact translation of Infantry Training Manual which I think is being followed even in the present day Indian army. I can arrange to collect all the publications mentioned in Inamdar's letter and forecast my proposed publication accordingly to them. But the entire thing depends on your considered opinion. I will not proceed any further, not even reply to Inamdar's letter till I am favoured with your opinion. I still consider myself a disciplined soldier and I must wait for my General's order.

With kindest regards, Yours fraternally,

Jnan Saha

C/o M/s Saha Brothers, Ramkrishna Avenue, Patna-2.

75 np. We have also brought out publications on the other subjects mentioned in your letter. Personally, I think a new publication as proposed by you would not serve any purpose at this stage." 118

Frankly speaking, I am not convinced of the futility of my attempt by Inamdar's above argument. 'Sainik Kawayad' is an exact translation of Infantry Training Manual which I think is being followed even in the present day Indian army. I can arrange to collect all the publications mentioned in Inamdar's letter and recast my proposed publication according to them. But the entire thing depends on your considered opinion. I will not proceed any further, not even reply to Inamdar's letter till I am favoured with your opinion. I still consider myself a disciplined soldier and I must wait for my General's order.

With kindest regards, Yours fraternally,

Inan Saha

C/o M/s Saha Brothers, Ramkrishna Avenue, Patna-3.

BIHAR ENCYCLOPAEDIA

A meeting of the Central Board will be held at 7 P.M. on Thursday, the 31st August, 1961 at the residence of the Chairman, Sri Dip Narayan Sinha, Minister for Irrigation, Power and Information, Bihar.

.....

AGENDA

1. To consider the Scheme prepared by the Sub-Committee appointed on 16.5.61, the names of persons suggested by the Sub-Committee appointed on 16.7.61 for the General Editorial Board and also the names of persons suggested to be approached for becoming Patrons of the Organising Committee Relevant papers are enclosed herewith.

2. To devise ways and means to give effect to the Scheme and the relative matters.

3. To consider any other matter that may be put up with the permission of the Chairman.

All the members are earnestly requested to attend the meeting.

23rd August, 1961.

Secretary,
C/O M/S Saha Brothers
Ramkrishna Avenue,
Patna- 3.

IIo 210

PROCEEDINGS OF THE MEETING OF THE BIHAR ENCYCLOPAEDIA SUB-COMMITTEE HELD ON 30th JULY, 1961

A meeting of the Bihar Encyclopaedia Sub-committee was held on July 30, 1961 at 8.30 a.m. at the residence of Dr. Balbhadra Prasad, at 44, Patliputra Colony, Patna-10. The following members were present.

1. Dr. Balbhadra Prasad, Chairman.
2. Dr. K.K.Dutta.
3. Sri Jnan Saha.
4. Dr. P. Dayal
5. Sri Mahabir Prasad Singh (by invitation).

As directed by the Central Board the Sub-committee discussed the scheme for the proposed Encyclopaedia together with the estimates of the costs involved.

1. It was decided that in order that the work may start in right earnest it was a necessary to have an office with a whole time Secretary, three typist clerks and three bearers including a sweeper. There should also be a General Editor who should be able to devote most, if not his entire time, to this work.

2. In the opinion of the Sub-committee the Encyclopaedia should be roughly of 5000 pages of 300 words each, and should be published in convenient sized volumes not exceeding five in number.

3. The Sub-committee felt that it might be advisable , to print 2500 copies of the English Edition and 2500 copies of the Hindi Edition of the Encyclopaedia, and an effort should be made to publish all the ten volumes within a period of 4 to 5 years.

4. In order that the Encyclopaedia may serve its purpose as an authoritative source of reference on Bihar, it would be necessary to illustrate it by a number of maps, including maps of different thanas & towns, etc.

5. Based on the above assumptions the Sub-committee estimated that the total expenditure involved on the prepra -

- tion and publication of the Encyclopaedia was likely to be Rupees Ten lakhs. The details of the estimates of expenditure for five years are as given below:-

A. EXPENDITURE ON OFFICE:-

1. Honorarium to the General Editor or Editors @ Rs. 1,000/- p.m. (1,000/- X 12 X 5)	Rs. 60,000/-
2. Salary of the Secretary @ Rs. 600/- p.m. (600 x 12 x 5)	Rs. 36,000/-
3. Typist-3, @ Rs. 150/- p.m. each (150 x 3 x 12 x 5)	Rs. 27, 000/-
4. Bearers-3 @ Rs. 50/- p.m. each (50 x 3 x 12 x 5)	Rs. 9,000/-
5. Office rent @ Rs. 200/- p.m. (200 x 12 x 5)	Rs. 12,000/-
Total of A	Rs. 1,44,000/-

B. EXPENDITURE IN EDITORIAL WORK:-

1. Remuneration to authors @ Rs. 15/- per 500 words (15 x 5000)	Rs. 75,000/-
2. Remuneration to Draughtsman and artists for maps & Illustrations	Rs. 40,000/-
3. Remuneration for Translation of the text from English to Hindi or Vice-versa.	Rs. 35,000/-
4. Honorarium to subject Editors	Rs. 12,5000/-
Total of B -	Rs. 1,52,500/-

C. EXPENDITURE ON PUBLICATION OF 5 VOLUMES IN ENGLISH AND 5 VOLUMES IN HINDI.

1. Printing	Rs. 60,000/-
2. Cost of paper and binding	Rs. 3,75,000/-
3. Illustrations and maps (inc.blocks)-	Rs. 1,50,000/-
4. Publisher's commission @ 20% of publication cost.	Rs. 97,000/-
Total of C-	Rs. 5,82,000/-
D. MISCELLANEOUS:-	Rs. 1,21,500/-
GRAND TOTAL	Rs. 10,00,000/-

.....

August, 15, 1961.

Secretary
C/O M/S Saha Brothers,
Ram Krishna Avenue,
Patna- 5.

2/2/62

BIHAR ENCYCLOPAEDIA

List of persons suggested to be approached for becoming Patrons of the Organising Committee.

1. Maharajadhiraj Sir Kameshwar Singh, of Darbhanga.
2. Raja Bahadur of Hathwa.
3. Raja Bahadur of Dumroan.
4. Sir J. J. Shaudy.
5. Seth K. K. Birla
6. Sir Sultan Ahmad.
7. Shri P. R. Das
8. Sri Mahavir Prasad, Advocate General.
9. Sri Jagjiwan Ram, Minister for Railways.
10. Sri Satya Narayan Sinha, Minister for Parliamentry Affair.
11. Raja Bahadur of Ramgarh.
12. Dr. T. N. Banerjee.
13. Sri Raghuvans Narayan Singh of Kursela.
14. Sri Lal Narayan Singh
15. Sir C. P. N. Sinha
16. Justice Satish Chandra Misra

.....

2/2/62

A meeting of the BIHAR ENCYCLOPAEDIA Sub-Committee was held on August 4, 1961 at 8.30 A.M. at the residence of Dr. Balbhadra Prasad at 44, Pataliputra Colony, Patna-10.

The following members were present :-

1. Dr. Balbhadra Prasad. ------- Chairman.
2. Dr. B.P.Sinha.
3. Dr. P. Dayal.
4. Shri Jnan Saha.

Shri Mahabir Prasad Singh attended the meeting by invitation.

As directed by the Central Board, the Sub-Committee after mature deliberation suggested the names of the following persons for,

I.- General Editorial Board.

1. Dr. Balbhadra Prasad.
2. Shri Sorakh Nath Sinha
3. Dr. K.K. Datta.
4. Dr. D.N. Singh, Principal, L.S. College, Muzaffarpur.
5. Achrya Shivapujan Sahay.
6. Dr. B... Sinha
7. Dr. Parmeshwar Dayal.
8. Dr. Narmadeshwar Prasad, Head of the Deptt. of Sociology, Patna University.
9. Prof. Nalin Vilochan Sharma.
10. Dr. S.C.Chatterjee. Head of the Deptt. of Sociology, Bhopal.
11. Dr. D.N. Lal, Head of the Deptt. of Statistics, Patna University.
12. Sri Har Nandan Thakur, Secretary, Agriculture Deptt Govt. of Bihar, Patna.
13. Dr. R.S. Sharma, Head of th Deptt. of History, Patna - University.
14. Dr. Syed Akhtar Ahmad, Hea of the Deptt. of Urdu, Patn University.
15. Prof. Diwakar Jha, Head of the Deptt. of Economics, Patna University.

II. Wholetime Secretary - Any one of

(a) Dr. J.N. Sircar, D.D.P.I. Bihar.

(b) Dr. Dharmendra Brahmachari Sastri, Principal, Jagjiwan Colleg Arrah.

(c) Dr. Bhakat Prasad Mazumdar, Prof. of History, B.N.College,

(d) Shri Divakar Prasad Srivastava, Asstt. Director, A.N. Sinha Institute of Social Studies, Patna.

III. General Editor.

Either Shri B.M.K.Sinha or Shri J.N. Ghosh.

Secretary,
C/o. M/S Saha Brothers,
Ram Krishna Avenue, Patna-3.

August 27, 1961.

Choudhary.
.....

From Richmond

29/7/61.

My dear Doctor, [illegible] politicos at it.
By God I could cheerfully murder the lot

FOT. Many thanks for yours. I wonder if Solicitors Enquiries both regards Kamesh & myself I am ashamed to say friend we have both behaved badly in regard to correspondence partly because as it arrived at once a few items to write about when it did not if it was to old to matter And of course a new wife & her own in own advancing years is a problem enough. but when you add Oriental Matrimonial Extravagance to the sale inefficient bungling as we have in our India life Can become really Explosive mixture. More of this in Text

I have not yet finished the posting in Middle East. I should a heading so by Emily Angier. I think the writing more regularly from now on I am sure the Excuses are thinner. Kamesh is or ought to I

Bombay, 1st Dec.

Dear Mrs. Clark,

As you will see by the enclosed letter from Dr. Harker, I have left Bombay & am now in Karnataka. I could not see Dr. Harker at his office as I had to leave my flight. Mrs Harker was visiting her son in the north.

Jamadkhandi
(Taluka Bagalkot)
I have left the first Hospital where I was working & am now in the second Hospital. Please write to me here. Give my love to Mrs. Harker & the children.

Yours sincerely,
Mary Pattani

Jamakhandi is the nearest railway station to Govt Hospital Kundgol. Can you please let me know if you received the letter I sent to Kundgol?

First fold here

BY AIR MAIL
PAR AVION
AIR LETTER
AEROGRAMME

INDIA
POSTAGE 15nP

SIXPENCE

7 AUG
B-324

DR N.S. HARKER M.
~~10 AKBAR ROAD~~
Karnataka Health Institute,
~~DELHI 6~~
Ghataprabha
(Dist Belgaum)

Second fold here

Sender's name and address:
Mrs Clark.
19. Montague Road.
Richmond
Surrey

AN AIR LETTER SHOULD NOT CONTAIN ANY ENCLOSURE; IF IT DOES IT WILL BE SURCHARGED OR SENT BY ORDINARY MAIL.

~~89~~ ~~65~~ 216

G.N.Nair,
Divisional Superintendent,
Southern Railway.

Hubli,
30th August 1961.

My dear Doctor,

I regret to inform you that injustice continues to be done to me. Orders have been received promoting yet another Officer who is junior to me in service. Shri P.V.Rajagopal, who was Divisional Supdt. here sometime back and who is now in Madurai, has been promoted and posted as Divisional Supdt.,Madras overlooking my rightful claims for promotion. This gentleman had quite recently been to Delhi and his promotion orders were received 4 days after his return.

I am just bringing this to your notice and leave the rest to you.

With respectful regards,

Yours sincerely,

Dr.N.S.Hardiker, M.P.,
No.10, Akbar Road,
New Delhi.

123 217

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी

काँग्रेस सेवा दल

कॅम्प: पुणे.

परेल टँक रोड,
मुंबई १२.
ता. ३१-८-१९६१

प त्र क:-

सप्रेम वंदे.

आपणांस ठाऊकच आहे कीं ऑक्टोबर १९६१ च्या २४, २५, २६ तारखेस अ.भा.सेवादलाचा दुसरा अद्वितीय मेळावा आपल्या राज्यांतील मुंबई शहरांत भरणार आहे. हया मेळाव्याचें - उदघाटन भारताचे पंत प्रधान पंडित नेहरुजी २४ तारखेस करणार आहेत. हया मेळाव्यास श्री. संजीवन रेड्डी श्री.मोरारजीभनजी देसाजी, श्री.स.का.पाटील, श्री.कृष्ण मेनन, श्री.यशवंतराव चव्हाण हे मार्गदर्शन करणार आहेत. हया मेळाव्यास महाराष्ट्रांतून हजर राहाणाऱ्या बंधु-भगिनींना मार्गदर्शन करण्यासाठीं खालील कार्यक्रमाप्रमाणें मी येत आहे. कार्यक्रमांत केंद्रांना भेटी, बैठकी आदि कार्यक्रम ठेवावा. हया सर्व कार्यक्रमास संबंधित काँग्रेस कार्यकर्त्यांना विनंती करावी.

आपला,

आनंदीराम कुमट

प्रदेश संघटक.

-:का र्य क्र म:-

तारीख	कोठून	कोठे
४-९-६१	पुण्याहून दुपारीं निघून सायंकाळी खानगुण	
५-९-६१	खानगुणहून निघून दुपारीं खटाव	
६-९-६१	खटावहून निघून सकाळीं सातारा	
७-९-६१	साताऱ्याहून सकाळच्या पहिल्या ॲस.टी.नें निघून - पंढरपूर	
८-९-६१	पंढरपूर ते पुणें प्रवास	
९-९-६१	पुण्याहून ४ च्या गाडीनें धुळेसाठीं रवाना	
१०-९-६१	धुळे मुक्काम	
११-९-६१	धुळ्याहून दुपारी ॲस.टीनें, कोपरगांवांसाठीं प्रयाण	
११-९-६१	सायंकाळीं केंद्र पहाणी व मार्गदर्शन	
११-९-६१	रात्रीं शिरडी मुक्काम व १० ला कार्यकर्त्यांची बैठक	
१२-९-६१	दुपारीं पुण्यासाठीं प्रयाण	
१३ ते १६	पुणें मुक्काम.	
१७-९५६१	तळेगांव सेवादल कार्यकर्त्यांच्या बैठकींत दुपारी मार्गदर्शन	
१८ व १९	मुंबई.	
२०, २१, २२	पुणें मुक्काम.	
२३-२४-२५	सांगली जिल्हा.	
२६-९-६१	सांगली तें पुणें प्रवास	
२७ ते ३०	पुणें शहर जिल्ह्यांतील सेवादल केंद्रांना भेटी व मार्गदर्शन	
१-१०-६१	घोडनदी केंद्रास भेट व मार्गदर्शन	
२-१०-६१	पिंपळवंडी केंद्रास भेट व मार्गदर्शन.	

सर्व संबंधित सेवादल प्रमुखांसाठीं व संबंधित जि.कॉ.कमिटी व मंडळ काँग्रेस कमिटी तथा अखिल भारतीय संघटक सेवादल संस्थापक, प्रदेशाध्यक्ष, सेक्रेटरी यांचेकडें रवाना.

~~124~~ 218

काँग्रेस सेवादल महाराष्ट्र प्रदेश

अ० भा० सेवादल द्वितीय रली, प्रचारार्थ

श्री० सुलेमानखाँ पठाण, दलपति यांचा

दौरा कार्यक्रम

ता० १०-९-६१ रविवार - औरंगाबाद, सकाळी ८ वाजता
परभणी सायंकाळी ५ वाजता

ता० ११-९-६१ सोमवार नांदेड - सकाळी
बीड सायंकाळी

ता० १२-९-६१ मंगळवार उस्मानाबाद, दुपारी
सोलापूर सायंकाळी

ता० १३-९-६१ बुधवार - पंढरपूर दुपारी
कुर्डूवाडी।फरते।

ता०१४-९-६१ गुरुवार पुणे
मुंबई

ता० १५-९-६१ ते १८-९-६१ मुंबई कार्यालय-

ता० १९-९-६१ मंगळवार - खामगांव

ता० २०-९-६१ बुधवार अकोला

ता०२१-९-६१ गुरुवार अमरावती

ता०२२-९-६१ शुक्रवार यवतमाळ

ता० २३-९-६१ ते ता० २७-९-६१ , नागपूर, वर्धा, चांदा व भंडारा
या जिल्हयातील ठिकठिकाणचा दौरा नागपूर।
कळविला जाईल०

ता० ३०-९-६१ --- मुंबई परत

जिल्हा अधिनायक किंवा जिल्हा संघटक,
थाना,
स० वन्दे०

अ० भा० सेवादल द्वितीय रलीसाठी वरील दौरा कार्यक्रम पाठवित आहे०त्याप्रमा ा दौ-यावर येत आहे० आपण सेवादल कार्यकर्त्यांची बैठक बोलवावी० या बैठकीसा होत असल्यास जिल्हयातील प्रमुख सेवादल कार्यकर्त्यांनाहि बोलवावे०

या बैठकींना जिल्हा काँग्रेस कमिटीचे पदाधिकारी-थाना व इतर प्रमुख कार्यकर्त्यां बोलवावे० इतर सेवादल सहायकांना बोलवावे०मी रली संबधी चर्चा करीन०

विनित
सुलेमानखाँ पठाण
दलपति

प्रति० अध्यक्ष, जि०काँ० क०
वरील दौ-याचे सहकार्य आपण करावे ही आशा०
अधिनायक, जि०काँ०क०

90 - 6 C - 219

Telephone : 8468

JANATA SHIKSHANA SAMITI'S

Banashankari Arts College

VIDYAGIRI

DHARWAR

R. Y. DHARWARKAR, M. A.,
Principal

Ref 626

Date 2.9.1968

Respected Sir,

The J.S.S.Banashankari Arts College founded by the late revered Shri R.S.Hukerikarji will complete 25 years of its useful existence this year. It is proposed by the well-wishers and sympathisers of the Janata Shikshana Samiti that the Silver Jubilee should be celebrated in a suitable manner. It is also suggested that a Souvenir containing articles by eminent persons should also be brought out.

Dr. R.R.Diwakarji, Dr. Ross Ensminger of Blackburn College, Illinois, U.S.A., Shri S.S.Wodeyar, Registrar, Karnatak University etc. who were requested to contribute articles have already sent the same.

An article from you will greatly enhance the prestige of the publication. I shall therefore be obliged if you kindly arrange to send an article on the following topic at your earliest convenience. We are fully aware of the pressure on your time. Still, however, we request you as

P.T.O.

91

well-wisher of this institution to kindly send your article. The article may be six pages in print.

TOPIC: ' WHAT INDIA NEEDS TODAY'.

Thanking you and with regards,

Sincerely yours,

(R P Dharwadkar)

Padmabhushan Dr. N.S.Hardikar,
Karnatak Arogya Dhama,
Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
GHATAPRABHA

92 68 220

3, Red Cross Road,
New Delhi-2,

4th September, 1961.

Dear Dr. Hardikar,

I have just now received your post card giving the very sad news of the passing away of Dr. Anantha Rao. He was a very nice young man and a good doctor and I am extremely sorry to hear of his passing away. Kindly convey my condolences to the institution and also to his family.

Yours sincerely,

(P.V. BENJAMIN)

Dr. N.S. Hardikar, M.P.
10, Akbar Road,
New Delhi.

5·9·61

my dear doctor.

Your Card. Thanks.

I did meet mr Vasudev, brother of Dr Ananta Rao. What can be done — you also meet him & let us visit their home here to console them, when you are here.

Hope Dr Vaidya flew today & you are free after 9th inst. you please run here soon.

Re the drama, every part is made easy to act for us: Also easy for audience to follow. you need not feel ill at ease. all is as natural as we are. It is based on Sarvodaya principle — giving national messages to our people. Acting is not artificial. You know we are not expected to behave like professionals. Dear Anna must also come on the stage. It will add to the tone of spiritual and moral inspiration we want to produce. It is not like other dramas — only to make money for a building or other benefit.

We will show essential things which underlie the life of a nation, how to conduct a good govt, to make good citizens and society — above all how to breathe & build a Gand'

spirit of Service to the country. 128

We actors also enjoy our own parts. There is no strain on my nerves. You please prepare ~~it~~ in your own mind what you would like to say on the stage to teach the public which is our permanent audience, in 2 or 3 minutes' time.

We are going later to publish the play in a book form so that the whole Karnataka will find a new message in it and carry the same to all nooks & corners. - by enacting the same.

Our governor was pleased when we explained the details of our purpose & he will give his best. Support & Cooperation by being present & also by delivering a great message & also in concrete form.

Why we want you urgently is - so that we may all go together in getting donors for rooms in their names. We have got a donor to build the main hall. He pays half and we make up the other half out of our govt's grant

Govt gives 2 lakhs & we collect 2 lakhs, altogether 4 lakhs required for the Hostel Building. We are progressing well in our collections but Your loving presence will be helpful in making our task easy. So, we want you here at once to make it easier by your active association.

I will enact the role of Kanakadasa in this play which will go down to posterity as a model - with all the great personalities' names & photos - as a constant source of inspiration. It is not enough to have national theatres existing everywhere. This is proposed but we want perfect plays. Hence, let us all work together!

२९८३-४२५

Phone : { 47-3..
47-321!

Congress Sevadal

MALAY BANERJEE
RGANISER

Congress Bhawan
59B, CHOWRINGHEE ROAD,
CALCUTTA 20

7th September 1961.

Sri N.S.Hardikar,
Sanchalak,All India Congress Seva Dal,
10, Akbar Road,
New Delhi-11

Respected Hardikarji,

Most pleased to reveive your kind Post card Dated 12 August 1961.

I know you are very eager to have the conches . I can send them immediately, But Please send me your idea about the number of chonches you require for training volunteers at your end. your final instruction about the number is most important to me .

Please advise early.

Respectfully Yours,

Malay Banerji

9224

K. Annadhanam
CHARTERED ACCOUNTANT

126

TELEPHONE { OFFICE: 26769
RES: 51798

OFFICE :
B7/113 ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-1

RESIDENCE :
14-A/11 W.E. AREA
KAROLBAGH
NEW DELHI-5

7th Sept. 1961

Dr. L.S. Karidkar, M.P.
Hubli.
District Dharwar,
Southern Railway.

Dear Sir,

Your letter of the 5th September from New Delhi was a pleasant surprise. The training that you gave us for a short period has had an immense effect on me. I only wish that all the youngsters in the country are given training on the lines you were kind enough to impart to the volunteers of the Sevadal.

I request that intimation may kindly be sent to me in advance when you visit Delhi next. Apart from the delight, it will give me in meeting a Master, it will give me an opportunity to pay my respects to one who has had a hand in shaping the character of many a youth in the country.

With kind regards,

Yours truly,

K. Annadhanam

(K. Annadhanam)

93 69 725

LEDERLE LABORATORIES (INDIA) PRIVATE LIMITED

Lederle

THE INTERNATIONAL, 16 QUEEN'S ROAD • P. O. BOX 1994, BOMBAY 1

PLEASE REPLY TO: P. O. B. 32, MADRAS 1 - TELEPHONE: 2981-2987, EXT. 241 - TELEGRAMS: LEDLAB, MADRAS

September 7, 1961

Dr. N.S.Hardiker
Member of the Parliament
Karnatak Health Institute
Ghataprabha
Belgaum Dt.

Dear Dr. Hardiker:

Thank you for your post card of 3rd inst. intimating me Dr.Vaidya's address in Canada.

I have written a letter to our General Sales Manager, requesting him to inform our Company in Ottawa.

I would be too happy to receive Dr.Vaidya's program if he is planning to visit New York, so that suitable arrangements can be made to make it convenient for him to visit our Plant in New York.

With kindest personal regards,

Sincerely yours

(E. K. KUMAR)

226

फोन नं. ६२६५ टेलिग्रॅम : "काँग्रेस"

काँग्रेस-सेवादल महाराष्ट्र विभाग

काँग्रेस भवन, पुणें ५.

अण्णासाहेब मगर
सेक्रेटरी, स्वयंसेवक समिती (महाराष्ट्र)

आनंदीराम कुमट
संयोजक

जा. क्र.

ता. 15-9-61 १९

Camp:- 101 Shukrawar peth
Poona 2

पूज्य डॉ० साहेब -

सादर प्रणाम.

सातत दौरा सुरू आहे. कामावरुन
काढून टाकलेल्या पगाचा प्रश्न
मुबइत ५/6 ठिकाणी आहे. कामाच्या
बाबतीत मी तडजोडी पण करणार नाही व
कुठे देणार नाही.

कळावे ही विनंती.

आपला नम्र सेवक

अण्णा मगर

227

Tel. No. 65794

MAHARASHTRA PRADESH CONGRESS COMMITTEE

Parel Tank Road,
Parel, Bombay 12.

434

Ref. No.

Date १३-९-१९६१

कॅम्प: पूना.

प्रिय बंधूनो

सप्रेम वंदे,

आपल्या सर्वांच्या भेटीनंतर व कांहीं ठिकाणच्या प्रमुख अधिकाऱ्यांच्या सूचनेप्रमाणें व त्यांचेशी भेटींत चर्चिल्याप्रमाणें अखेर दि. २०-९-६१ बुधवार रोजीं जुन्या महाराष्ट्रांतील प्रमुख संघटकांची बैठक मुंबईस घेतली आहे. हया बैठकींत जुन्या महाराष्ट्रांतील सेवादल संघटनेसंबंधीं व आपणांस दैनंदिनीं येणाऱ्या अडचणी-संबंधीं व निवडणुकीच्या कामाकाजासंबंधीं विचार विनिमय करून सर्वानुमते ठोस निर्णय घेण्यांत येणार आहे. हया बैठकीस मुख्य मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, सेक्रेटरीज, व जुन्या महाराष्ट्रांतील मंत्री-उपमंत्री यांनाही निमंत्रित केलेले आहे, व बहुतेकांनीं येण्याचें आश्वासन मला दिले आहे.

पहिली बैठक श्री. बाळासाहेब चौधरी, उपमंत्री, महाराष्ट्र राज्य यांचें निवासस्थानीं बुधवार दिनांक २०-९-६१ रोजीं सकाळीं ९ वाजतां होईल. व दुसरी बैठक त्याच दिवशीं २.३० वाजतां श्री. बाळासाहेब भारदेनी, सहकार मंत्री, महाराष्ट्र राज्य यांचें निवासस्थानी होईल. तरी आपण बैठकीचें महत्व ओळखून आपल्या जिल्हा अध्यक्षांशीं बोलून हया बैठकीस कोणत्याही परिस्थितींत हजर रहावे.

आपला नम्र,

(आनंदीराम कुमट)
प्रदेश संघटक.

प्रती माहितीसाठीं:
श्री. बाळासाहेब चौधरी व
श्री. बाळासाहेब भारदेनी,
यांचेकडे रवाना.

224

Tel. No. 65794

MAHARASHTRA PRADESH CONGRESS COMMITTEE

Parel Tank Road,
Parel, Bombay 12.

434

Ref. No.

Date १३-९-१९६१

कॅम्प: पूना.

प्रिय बंधूंनो,

सप्रेम वंदे,

आपल्या सर्वांच्या भेटीनंतर व कांहीं ठिकाणच्या प्रमुख अधिकाऱ्यांच्या सूचनेप्रमाणें व त्यांचेशी भेटींत चर्चिल्याप्रमाणें अखेर दि. २०-९-६१ बुधवार रोजीं जुन्या महाराष्ट्रांतील प्रमुख संघटकांची बैठक मुंबईस घेतली आहे. हया बैठकींत जुन्या महाराष्ट्रांतील सेवादल संघटनेसंबंधीं व आपणांस दैनंदिनीं येणाऱ्या अडचणी-संबंधीं व निवडणुकीच्या कामाकाजासंबंधीं विचार विनिमय करून सर्वानुमते ठोस निर्णय घेण्यांत येणार आहे. हया बैठकीस मुख्य मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, सेक्रेटरीज, व जुन्या महाराष्ट्रांतील मंत्री-उपमंत्री यांनाही निमंत्रित केलेले आहे, व बहुतेकांनीं येण्याचें आश्वासन मला दिले आहे.

पहिली बैठक श्री. बाळासाहेब चौधरी, उपमंत्री, महाराष्ट्र राज्य यांचें निवासस्थानीं बुधवार दिनांक २०-९-६१ रोजीं सकाळीं ९ वाजतां होईल, व दुसरी बैठक त्याच दिवशीं ३.३० वाजतां श्री. बाळासाहेब मारदेजी, सहकार मंत्री, महाराष्ट्र राज्य यांचें निवासस्थानी होईल. तरी आपण बैठकीचें महत्व ओळखून आपल्या जिल्हा ~~अधिवेशन~~ अध्यक्षांशीं बोलून हया बैठकीस कोणत्याही परिस्थितींत हजर रहावे.

आपला नम्र,

(आनंदीराम कुमट)
प्रदेश संघटक.

प्रती माहितीसाठीं:
श्री. बाळासाहेब चौधरी व
श्री. बाळासाहेब मारदेजी,
यांचेकडे रवाना.

To:- पृ० जि० अधिकारी.

~~12-9~~ 927

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी

टे. नं. ६५७९४

-: कचेरी स्थळ :-

राष्ट्रीय मिल मजदूर संघाच्या नव्या जागेत (हॉफकिन इन्स्टिट्यूटचे जवळ) परेल टँक रोड, मुंबई १२.

१३.९.६१

प्रिय डॉक्टरसाहेब, सोलापूर.

स.न.वि.

मी रात्री ८.३० च्या हॉवरा एक्सप्रेसने ता० ९.९.६१ ला मुंबई हून मराठवाड्याच्या दौऱ्यावर निघालो. माझेबरोबर खास गाडीने ६० अनेरांचा ग्रुप होते. ते धुळे येथे दौऱ्यावर गेले. मी मनमाड हून औरंगाबाद साठी निघालो. ता० १०.९.६१ रोजी सकाळी ५.३० वाजता औरंगाबादला पोहचलो. श्री जगन्नाथराव खटोड आपल्या पाच सहा सहकाऱ्यासह स्टेशनवर मला घेण्यास हजर होते. औरंगाबादला सेवादल सैनिक व काँग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ते यांचा मोठा लोंढा कॉ. कमलेच्या ऑफिसात सकाळी ७० झाली. ८० काका उपसैनिक २५ कार्यकर्ते पदाधिकारी जिथून होते सुरुवातीस, रेल्वे संबंधी जोडले दोघे रेल्वे संबंधी मार्गदर्शन करते. जिल्हा कॉ. कमेटीच्या पदाधिकाऱ्यांनी आर्थिक बाजूतर मदत देण्याचे आश्वासन दिले कॉ. कार्यकर्ते रेल्वेचा सहाय्यक सैनिक म्हणून येतील

औरंगाबाद - ता० १०.९.६१ रात्री

औरंगाबाद हून श्री खटोड यांचे घरून जालना येथे आलो तेथे सेवादलाच्या काही प्रमुख कार्यकर्त्यांना भेटलो. रेल्वे संबंधी चर्चा केली: येथून काही सैनिक रेल्वेचा येतील. श्री जगन्नाथ पेरा वरखेडे पुढचा येथे जातील.

जालना - १०.९.६१ दुपारी ३ वाजता

औरंगाबाद जिल्ह्यातून १०० च्यावर सैनिक रेल्वेचा येतील.

जालना - इथ परभणी: येथे रेल्वेने मोंढ्याजवळ. हे जिल्ह्याचे ठिकाण आहे. येथे आर्थिक कठीण होते. येथे जिल्हा सेवादल श्री इब्राहिमखाँ महेबूबखाँ हे आलो त्यांना भेटलो. ते तयारीला रेल्वे साठी सैनिक तयार करतील. येथून २५ सैनिक रेल्वेचा येतील. मात्र येथे शिस्तीचा अभाव दिसला. मी श्री जगन्नाथराव खटोड या पदाधिकारी आहे. शिस्तीची व्यवस्था श्री खटोड करतील असे सुचवले, तरी श्री खटोड यांना कळविले आहे.

परभणी - १०.९.६१ रात्री ९ वाजता

[illegible]
११.९.६१

श्री. स्वामी समर्थ सेवेकरी संस्थान

सेवेकऱ्यांनी पुजावीं नांदेडला पोहचणे.

येथें श्री शिवाजीराव देशमुख यांचे जिल्हासंघटक आहेत यांचेकडे जिल्ह्यांत, कमेटीचे अध्यक्ष व सेवेकऱ्यांचे नांव कळविणे इतिकर्तव्यता नंतर कळविणे येथून २५ सेवेकरी संख्येने रवाना झाले. जि.कॉ. कमेटी सेक्रेटरी

ता १२.६.८५ नांदेडहून ता११.६.८५ ला दुपारी निघालों. वसमत येथे होमगार्डचे मैदानांत ता११.६.८५ चा संध्याकाळी पोहचलो नांदेड दुसरे दिवशी १२.६.८५ ला सकाळी पोहचलो. रस्त्यांत कोणकोणत्या गांवांत मोठ्या मिरवणुका झाल्या.

ता१२.६.८५ ला जीपचा सेवेकरी कार्यकर्ते व कमेटीचे अध्यक्ष यांचा मेळावा. येथे नांवे सुरु आहे. २५ पैकी पर्यंत रेल्वेचा सोयीचे येथून प्रेक्षागृहाचा आवाज येथे ६० कार्डा १०० स्वयंसेवक एकत्र होणे. उत्साह मोठ्या आहे. अंदाज शिस्तीचा आहे. ती व्यवस्था करणे आहे येथून २५ पेक्षा रेल्वेने येणार आहेत. येथे विश्वासराव यांचा परिचय जि. संघटक आहेत. जीपचा श्रीनारायणदासजी अग्रवाल जि. संघटक आहेत

← पहला मोड ९३.६.८५ | पुढे मागे (M.P.)

COMET

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी

-: **कचेरी स्थळ** :-

राष्ट्रीय मिल मजदूर संघाच्या नव्या
लेबर (हॉस्पिटल इन्स्टिट्यूटचे
परेल टँक रोड, मुंबई १२.

सौ. शांताबाई दाणी
यांचे आशीर्वाद

दि. ९-९-६१

शुभेच्छुक -
(सही)
(पूर्ण नाव)

CONGRESS SEVA DAL
All India Congress Committee,
New Delhi-1.

BOMBAY RALLY.

National Discipline Mela.

Dear friend,

Herewith, I am sending some hints covering the National Discipline Mela, our programme for the record day. I trust you are proceeding with the preparations for the programme. If not, do please start at once. We must have it on a grand Scale and with good preparation, the programme can be most impressive. Also, it will be convenient for us that you send us the items that your pradesh will contribute for the Mela evening. Try to send details like number of participants, description of the programme etc., so as to reach here before the end of September.

I The Programme

tentatvely, the programme for the mela is suggested to begin at 5.30 P.M. on Wednesday the 25th October, 1961 and consist of the following sequence:-

1. All units to be ready for demonstrations.
2. Vande Mataram to be sung by all including public in strict discipline (New tune).
3. Short speach to be follow by clapping.
4. An air shot, to be followed by flying ballons, pigeons and blowing of Conches.
5. Physical Exercise demonstration will start and go on for 30 minutes.
6. Another air shot to be followed by switching on the lights.
7. Cultural items to start and go on till 8.30. P.M.
8. Another air shot.
9. Instructions from general michrophone for all, including public to line up in the track.
10. At the command and in tune with the bands, all march around the track for 10 minutes.
After the halt, there will be a short, talk to be followed by Jan Gan Man by all, in discipline and Jaykaras.

Note: 1. We will have about 15 stages. Each pradesh to take charge of one.
2. Public will not be required to sit at a place, but will be encouraged to keep moving.
3. Participarts from different pradeshes are encouraged to bring 'Fraternity Cards' and present them to those from other pradeshes to exchange friendship.

PRADESHES ARE TO PRINT THESE CARDS. The cards may contain matters like a photo from the pradesh, a folk song in Vernanlar and also Hindi and space for writing address. Specimen copies will be sent to pradeshes.

II Decentralisation.

Decentralisation will be the basis of the success of the Rally. Each pradesh, each officer and each participant must feel the responsibility and must contribute activity.
1. Pradesh will arrange and decorate their own stages in accordance with the needs of their programmes.
2. Pradeshes will as assign duties to thoir own Volunteers to keep round the stage and maintain order and discipline and also to invite outsiders to join their programmes.
3. Pradesh will arrange small stages if they have many activities to exhibit.
4. Pradeshes chalk out their own programmes both physical and cultural, for demanstration.

III Responsibility.

The Pradeshes are required to bring all accessories that they require for their programmes. In case they need any special help from Bombay they must write us well in time.

1. The programme shall be such that will not require loud speakers. At best, small loud speakers may be brought by pradeshes.
2. Let the programme have the nature of 'mass items'. It will be good if they can take in many from the public to join activity.
3. Have a lot of musical instruments and mass singing.
4. Remember you have to arrange both for physical exercise, and cultural demonstrations and they will be from the same platform. Your programmes involve big number of volunteers-men and women.

IV. Instruments.

Pradeshes must try to make the programme most colourful and lively. The following and such other equipments will be helpful:-

1. Lots of musicial instruments varying from conches to pipes like Shahnai, drums etc. Even cheaper sets could be useful
2. A big number of flags.
3. Lots of balloons-better with the name of pradesh printed on them.
4. Lazims in good numbers.
5. Big sign boards of pradeshes and pradesh flags in smaller sizes.
6. Traditional and other colourful dresses.

I hope this gives a clear picture of the programme and I also hope you will try to bring the best of programmes from your pradesh for the National Discipline Mela.

Yours brother,

11-9-61. (Sd.) S. N. Subba Rao.

S.K.K/

Telegrams: "PORCELAIN" 94 41 230 Telephone: 2025

GOVERNMENT PORCELAIN FACTORY,

A.Samba Moorty, B.E.,
Director

POST BAG NO. 4
SCIENCE INSTITUTE POST

C. Ref. No GMF 17/2/61-62

Encls: .....

BANGALORE-12. Sept. 14, 1961

Dear Shri Hardikar,

I have your communication dated 1st Sept.1961.

Shri S.M.R.Askari is the Joint Director of Small Scale Industries. He has got the Office at the same building in the Old Govt.Soap Factory Bldgs. Post Office Road, Bangalore-1, in which I was having my Office.

With regards,

Yours sincerely,

Shri N.S.Hardikar,
10, Akbar Road, New Delhi

231 ~~Sh~~

MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)

सत्यमेव जयते

New Delhi

9-17-8-61.

My dear Doctor

I am enclosing a complete list of those who are entitled to vote at the forthcoming election. I shall be most grateful if you could very kindly induce as many of them to cast their votes for me or pass resolutions ~~etc~~ authorising me (or failing me Shri V. P. Varde) to exercise their votes on their behalf.

Each one of the shareholder institutions has a copy of the model of regulations of the

55

If S.F.C. + they have to pass a resolution in terms of Regulation 27 + send it to S.F.C (Industrial Finance Corporation) of India before 22nd September 61

Apart from their having a book of regulations circulars giving the form of resolutions to be passed will be sent to each institution. A copy of this will also be sent to you.

Please request as many of them as you can to cast their votes for me. I shall be most grateful for all the help and assistance that may be forthcoming in this respect.

I am leaving Delhi today. So I thought it safe to send this letter to you so that you can

With best wishes + regards

Yours sincerely,

Ramrao Deshmukh

285

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमेटी

टे. नं. ६५७२४

दि. १७.६ ——— १९६१.

-: कचेरी स्थळ :-
राष्ट्रीय मिल मजदूर संघाच्या नव्या जागेत (हॉफकिन इन्स्टिट्युटचे जवळ) परेल टँक रोड, मुंबई १२.

मुंबई.

135

पूज्य डॉक्टर साहेब

सं. वरे

मी ता १३७। दोन-चार असतांना लिहितोय म्हणजे असेल. ते सोलापूरहून आले: आंगयेथून देतो आहे.

ता १३७।

सोलापूरला आल्यावर गुरुजी, श्री मुकुंदराव कुलकर्णी आदि मित्रांशी शहर काँ. कमेटीमध्ये व जिल्हा काँग्रेस कमेटीचे अध्यक्ष आणि सेक्रेटरी हे मिटलेच पाहिजे असे मी प्रयत्न करीन. ते करीन व ऑफिशियल नव्हते.

यानंतर पंढरपूरला गेलो: येथे डॉक्टरांना, श्री. नरसिंहराव जडे, श्री. भास्करराव गोरे आदींना भेटलो:

सोलापूर व पंढरपूर व जिल्ह्यांतून पुरेसा पैसा जमविण्याचे काम गोरांत सुरु आहे. त्यासाठी अहवाल येणे आहेत व कमिटी त्यावरून असे ठरविते की जवळ जवळ सोलापूर जिल्ह्यांतून दर १५० रुपये व २००५ रुपये पर्यंत टॅक्सेशन होत आहे. अक्कलकोटचे श्री. तात्यासाहेब मोरे जिल्हा लोकल बोर्डाचे मेंबर व सहकारी मंत्री श्री. सुरेश गायकवाड पंढरपूरचे आहेत त्यांनी कामाला सुरुवात केली आहे.

पंढरपूरहून नागरगोजे पुण्यास परतले. श्री. शिवाजीराव टकले आणि श्री. कुमठेकर हे दोघे पुणे शहरात काम गोरांत सुरु आहे

૧૫૦ સૌરાષ્ટ્ર પુર્વ શહેરોનું ચોમાસું ખૂબ
૫૦ માઈલ ઉત્તરમાં અમદાવાદ. કુ. પુનંદાબહેનનું
પિયરઘર ઘોઘા હોવાથી અવારનવાર ત્યાં જવાનું થતું.

પુર્વ ખિલ્લામાં સૌથી મોટું જિલ્લા મથક
ધોળકા હોવાથી મોટું શાકમાર્કેટ ધોળકામાં છે. પુર્વ ખિલ્લામાં
૧૦૦ સૌરાષ્ટ્રના ગામોનું અનાજ ધોળકા
ગામમાં ઠલવાય છે. રેલ્વે કસ્ટમરોનું
અનાજ ઉતરવાનું મોટું યાર્ડ ધોળકા છે. ખાનગી માલ ધંધાદારીઓનું
ગોડાઉનો ધોળકા ઉતરતો માલ પાર્સલ થાય છે. તેમ ધોળકા
આવેલ: ધોળકા રામોં વિરમ - ગોધાવર ભાવનગર - ભાવનગર
ગાડીનું: ૧૧૨૮, ૨૬ ડબ્બાનું મેઈલ: ડાકગાડીનું
એક ડબ્બો પણ ધોળકા આવેલ. ગુમાનસિંહજીનું —

Redirected

શ્રી ડૂબ

Tadpatri-Galli

Hubli

સંભાળક ના ગ્રેલ સેવાદક

કુ.પો - ઈશ્વરસેવા - પોસ્ટપ્રસા

જિલ્લા - બેલગાંવ

(મૈસૂર સ્ટેટ)

પ્રેષક ઠેકાણું -->

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी

टिळक भवन

राष्ट्रीय मिल मजदूर पंचायत नया

नगर (हॉफकिन इन्स्टीट्यूट्स

नवरंग) परेल टैंक रोड, मुंबई १२.

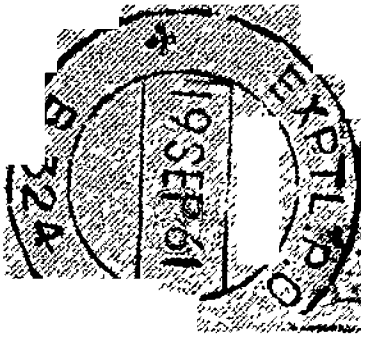

A.S.E.Iyer,
Adviser on Small Industries,
I.L.O.Expert.

937

5, Arunachalam Avenue,
Horton Place, Colombo 7,
CEYLON. 20th Sept. 1961.

My dear Doctor,

I am in receipt of your postcard dated the 11th. I hope by the time this letter reaches you you would have returned to Ghataprabha from Bangalore.

You are aware that I am going to Delhi on official business. I will be in Delhi from the 1st to 20th October. Thereafter I may be going to Bombay, Madras and Bangalore on behalf of the Government of Ceylon. Raja is not accompanying me. She may come to Madras for a couple of days. That will be decided just before I left for Delhi.

We are getting on well. Raja has not made many friends but keeps herself busy as usual with the dogs and the clothes. Why don't you come to Colombo for a change? Raja wanted me to remind you about your promise. You may do so after Dr.Vadiya returns.

With love.

Yours affectionately,

A.S.E.Iyer.

Dr.N.S.Hardikar, M.P.
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha (Distt.Belgaum),
INDIA.

Smt. Sudha V. Reddy,
CHAIRMAN

MYSORE
STATE SOCIAL WELFARE ADVISORY BOARD.
BANGALORE.4

Telephone Office 2455

D-o. 6209

738

26 Si ...ol

Dear Dr.Hardikar,

I am sorry, I could not meet you during your visit to Bangalore. I am returning from tour. There were some prliminary meetings for a Women's Convention, which I was attending for the best part of the day, and that explains why I could not have the pleasure of meeting you.

You have referred to the jeep. Since it is a Government of India vehicle, it is exempt from taxes. It is not known why the Regional Transport Officer of Belgaum has been unable to accept this position, while most of the other Regional Transport Officers in the State have accorded such exemption. Even otherwise, a temporary certificate may be obtained for moving the vehicle on payment of Rs 2/- and the vehicle sent over here for needful repairs. The Inspector had already been deputed for this purpose and could be in Belgaum by 27th or 28th instant.

p.t.o.

It is the responsibility of the State Board to effect all necessary repairs on the jeep and see that it is put into a fit condition before the Central Board makes a grant ~~paid~~ of it to a voluntary institutions.

You will, therefore, notice that I shall be unable to authorise you to keep it, in the circumstance indicated. That will have to be taken up at a higher level.

In this connection, I am sending you copies of recommendations to the Central Board dated

With kind regards,

Yours sincerely,

Sudha V. Reddy

(SUDHA V. REDDY)

Sri N.S.Hardikar,
Health Institute,
Ghataprabha,
BELGAUM DISTRICT.

TNK.

2 (2

Ghataprabha,
Dist. Belgaum,
27-9-1961.

My Dear Mrs. Sudha Reddy,

Some time ago I wrote to you and had requested you to attend to the Welfare Jeep which was with us. After I came to Ghataprabha I saw Mr. Narsimhaia and had a talk with him. He has taken the Jeep along with its trailor. In the absence of jeep it will be difficult for us to work in villages. I have spoken to Mr. Narsimhia about it. I know you have recommended a jeep for us. I do not know why the Centre has not written to us anything about it. It is just possible that they are waiting to hear from you. Therefore will you be good enough to write to the Centre immediately and help us in the work that we are doing in the villages?

Your brother,

Camp: Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
September 9, 1961.

Copy. 241

My Dear Durgabai,

The Jeep which we had has been taken away by the State Social Welfare Advisory Board. In the absence of a vehicle it is very difficult to approach villages, and work satisfactorily without losing energy & time. I need not write about this to a person like you who knows everything. Even before taking this work I as a representative of the K. H. Institute, had requested you to give us a grant for a new vehicle, to work in the Project villages. Even the State Social Welfare Advisory Board had recommended the same in their letter dated 25th of April 1961. For a ready reference I am quoting here the relevant portion for your information. Nothing so far has been done nor have we heard about this from your office.

2. Will you be good enough to let us have a Jeep which will run economically or enough money to purchase a Jeep which will not make us incure too much expenditure?

3. I can only say that we need your help immediately; otherwise it is very difficult to push on our work.

Your brother,

SGP

Camp: Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
September 30, 1961.

7-4-2

My Dear Durgabai,

I have written to you about Miss Narmada Kumthaka who was sent to the Handicrafts Teachers' Training College in Bombay for being trained in handicrafts. She was your stipend holder. After finishing her training at Bombay, she returned to Ghataprabha and took part in the Holiday Home Camp which was run then.

2. From the seventeenth of July she has started a training course of soft toy making. She has taken two batches of four each and will complete the course in the month of January 1962. All the material that was necessary for these classes has been supplied by this Institute. In one of its own buildings, the beginning of the "Production Centre" for which she was sent to Bombay has been made. And I can assure you that we will try our level best to secure some market for the produced goods.

3. But, afterall, how much can we help this production centre? Primarilly, we are a Health Centre and we are willing to serve villages en every possible manner. In so far as the Production Centre is concerned you have to help us. It is for you to show us the path. We shall work and Narmada shall train other workers. Please, therefore, do write to me a line as to what we should do and how we should prodeed further in this respect.

4. Will you be good enough to write to me immediately to this address?

Yours affly.,

N. S. Hardikar

SGP

on 23.2.61 I went and saw him for a few minutes and left tape recorder. Some papers had to come from B'berg so I thought I better wait until everything was o.k to give you the news

How are you keeping? I understand Kith I is coming up beautifully. When I come to India I shall definitely try & come over to Chakpradhad and see the place.

I am keeping very well here. My work is o.k. I have been working since January I like the work.

I have no plans at the moment. I shall stay here for a couple of years and then see how things go.

I had a letter from Chi Narayan yesterday. All is ok

1.10.61.

243

Dear Dr. Handikar,

Thank you very much for your letter which I received about 10 days ago. I had planned to write you before this but decided to wait until the arrangements re. tape recorder was made. Please excuse the delay.

I have delievered the tape recorder to Shri. S.V.K. Rao. He was to leave London to-day. I mentioned that you would like it to be left at Gnanaprabha. I understand Mr. S.V. Krao. is going to Delhi first and then he would bring it over to you when he comes to Ghatkoprabha.

I had a wire from Shri S.V.K ~~Rao~~ from Edinburgh and phoned me on arrival in London As he was free

Mat Fide

444

Hope to hear from you again

Soon

With best wishes

Yours affly

Devi

Dr. N.S Hardikar
Health Institute,
Ghataprabha,
Dist. Belgaum,
INDIA

Second fold here

Sender's name and address: DEVI,
19 Montague Road, Richmond,
Surrey - England

AN AIR LETTER SHOULD NOT CONTAIN ANY ENCLOSURE ; IF IT DOES IT WILL BE SURCHARGED OR SENT BY ORDINARY MAIL.

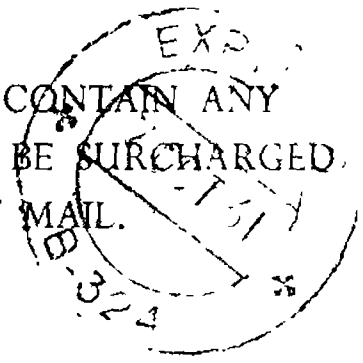

Dr. N.S.Hardiker

415

Camp: Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
Date: Oct. 6, 1961.

Dear Brother

1. We want a Typewriter. Standard size for day-to-day office work with a rod of 20" for accounting purposes.

2. What will be the price of this? Will you be good enough to let me know? Also please let me know as to whether your agent in Belgaum will be able to supply it to us? If so, please do direct him to bring one to us here, so that we may take it from him.

3. Our is a Charitable Institution meant for the suffering humanity. We have a General Hospital, a Sanatorium, Maternity Centre, Nurses Training School, Social Welfare Services, etcetera. The Governments - State as well as Central - have been helping us from time to time.

4. I will be highly obliged to you if you would show us some concession.

5. Awaiting your favourable reply

Your brother,

SGP

Dr. N.S.Hardiker

716

Camp: Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
Date: Oct. 6, 1961.

My Dear Durgabai,

I am waiting to hear from you in answer to the letter that I have written to you so far. I want to know from you on two points : 1. Regarding a conveyance for the use of the Social Welfare work that we have recently taken over; and 2. Regarding the starting of Production Centre in our area as decided two year ago.

Your brother,

N.S Hardiker

SGP

Phone : 5404

NEW SCIENCE COLLEGE
Narayanguda,
HYDERABAD—A.P.

947

Date.....

Dear Sir/Madam,

It is the desire of many friends and admirers of Dr. G.S. Melkote, Member of the Lok Sabha, to celebrate his 60th birth day falling on 17th October 1961 in a manner fitting to his life of sacrifice and selfless service. His contributions in the field of education, labour and various medical organisations have very greatly been appreciated by one and all.

It is, further, desired that to commemorate this occasion, a volume be brought out comprising of contributions by eminent persons of this country from various political and social fields of activity.

Therefore, on behalf of the committee formed for the publication of this volume, I request you to contribute a suitable article to be included in this volume on any subject that you deem proper.

I am enclosing herewith a brief account of his various activities in which he has made very valuable contributions. I will be thankful if you could also send a message on this occasion.

Thanking you,

Yours faithfully,
Hari Lakshmipathi
(Hari Lakshmipathi)
SECRETARY

D/- 8.10.1961.

Sri N.S. Hardikar,
Member of Parliament,
HUBLI.

LIFE HISTORY OF DR. G.S. MELKOTE, M.P.

A.	Place of birth:	Berhampore, Orissa.
B.	Date of birth:	September 17, 1901.
C.	General Education:	Was studying in the 1st year B.Sc. before getting admitted in the Medical College.
D.	Professional:	Took the Diploma of L.M. & S. in Medicine from the Osmania Medical College, Hyderabad, in the year 1927. Stood first or second in every subject. Stood first in first and was awarded the Gold Medal for all-round proficiency. Started Medical Practice in the city of Hyderabad as a General Practitioner in 1927. Ran a Nursing Home till 1947. Since 1947, a full-time Congress and I.N.T.U.C. worker.
E.	Congress activities before 1949 (i.e., till Hyderabad joined the Indian Union)	1. Gave up practice and joined the All India Congress organisation and participated in the Salt Satyagraha Movement in 1930, and was lathi-charged at Ramachandrapuram in East Godavari District. 2. Attended the Karachi Session of the Congress as a Delegate in 1931. 3. Member, Working Committee, Hyderabad State Congress, in 1938 (under the late Shri Vaman Naik). 4. One of the organisers of Hyderabad State Satyagraha in 1939. 5. Was arrested and kept under detention along with wife in the 'Quit India' Movement at Hyderabad in 1942. 6. Member, Working and Action Committees of the Hyderabad State Congress, during 1947-49. 7. G.O.C. Congress Sevadal, First Session of the Hyderabad State Congress. 8. Was arrested and kept under detention, along with wife and son, during Hyderabad Satyagraha of 1947.
F.	Congress activities after Hyderabad merged with the Indian Union:	1. Liaison Officer on behalf of Hyderabad State Congress with the Military Government during 1948-50. 2. Chairman, the Hyderabad City Salamati Samithi Committee (organised by Pujya Vinobaji -- to bring about amity and peace between the various communities after the tumult caused by Police Action in the State).

3. Member, Food Advisory Committee, to Hyderabad Government during the Military regime.

4. President, Hyderabad District Congress Committee - 1949-51.

5. Executive Member, Reception Committee, Hyderabad Session of A.I.C.C and G.O.C., Sevadal, Congress session - 1953.

6. Member, Congress Selection Committee, State General Elections - 1952.

7. Member Observer on behalf of the All India Congress Committee for Orissa for the Mid-term Elections in May 1961.

8. Member Observer on behalf of the All India Congress Committee for Bombay City for the General elections 1962.

9. Active worker - Congress since-19-

Other Constructive activities:-

a) Gandhian Ideals:

1. Member, Gandhi Smarak Nidhi - 1954-1957.

2. President, Hyderabad Gandhi Vichar Samithi.

3. Advisory Member, Gandhi National Memorial Fund Committee for Hyderabad State.

4. Was Member, Hyderabad Bhoodan Yagna Samithi.

b) Khadi:

1. Chairman, Gadwal and Karnataka Seva Sangha Since 1945 - produces Khadi to the tune of Rs.8 lakhs annually and engages about 3,000 workers.

2. Formerly Member, Hyderabad Khadi Samithi.

c) Sevadal:

1. Member since 1930.

2. Awarded Special Certificate of Merit in 1954 by Pandit Jawaharlal Nehru.

3. G.O.C., Sevadal, Hyderabad State Congress Session - 1947.

4. G.O.C., All India Congress Session, Hyderabad - 1953.

d) Bharat Sevak Samaj:

1. Executive Committee Member, Hyderabad from 1953 - still continuing.

2. Organised a camp of 1000 students for one month in the Tungabhadra Development Project - 1955.

Contd...3.

95 C

e) Labour:

1. President, Hyderabad State INTUC, 1949-52.

2. Member, Working Committee, All India I.N.T.U.C., 1950-52, 1957-- continuing.

3. General Secretary, All India I.N.T.U.C. 1958.

4. Organising Secretary, All India I.N.T.U.C., 1959-60 and 1961-- continuing.

5. Member, Indian Labour Conference 1958-59, 1950-60.

6. Represented I.N.T.U.C., at the South East Asia Reformal Conference on Workers' Education and Industrial Health held at Delhi and Calcutta in 1958 and 1959, organised by the I.L.O., and W.H.O.

7. President, Allwyn Metal Factory Workers' Union, Hyderabad-1949-52.

8. President, Taj Glass Factory Workers' Union, Hyderabad -1949-52.

9. President, Sirpur Paper Mills Workers' Union, Hyderabad state, 1949-52.

10. President, Sir Silk Workers' Union, Hyderabad State 1949-52.

11. President, Hut Dwellers' Association 1951 - 59.

12. President, Hyderabad Rickshaw Pullers' Association - 1951-52.

13. President, Indian National Defence Workers' Federation - 1959 still continuing.

14. President, Tele Post Indian National Workers' Federation - 1960 - still continuing.

15. President (Govt.of India) Medical Press Employees' Union, Faridabad, Punjab.

16. Member, Workers' Education Committee, Govt. of India.

17. Member, Food Process-ing Industries Committee, Government of India, on behalf of INTUC.

Contd.. 4.

18. President, C.P.W.D., Employees' Union (All India), Delhi.

19. Chairman, Motor Transport Workers' Minimum Wages Committee of Mysore State - 1958-59.

20. Participated on behalf of INTU C at the Non-Official Non-Government Organisations Conference organised by United Nations Organisation in India in 1959 on the subject 'Method of Bringing about Peace in the World'.

21. Helped the Government of India in combating the General Strike of 1960 particularly in the Defence and Postal Sections. The General Strike failed miserably.

22. President, All India Military Dairy Farm Employees' Union (Class III and Class IV)

23. Founder Member and President, Evening High School for Employees, Narayanguda, Hyderabad.

f) Educational and Cultural:

1. Elected Member of the Senate and Syndicate, Osmania University in 19[illegible] - continued till 1960.

2. Dean, Faculty of Medicine, Osmania University -- 1955-59.

3. Chairman, Inspection Commission, on behalf of Osmania University, Aurangabad Medical College-1956-57.

4. Founder Member and President, New Science College, Hyderabad-- 1957 - still continuing.

5. Founder Member and President, Siddipet Arts & Science College, 1957-60.

6. Founder Member and President, Adilabad Arts & Science College 1957-60.

7. Founder Member, Chairman Trust Committee and President, Hyderabad Polytechnic - 1957 - still continuing.

8. President, Nrupathunga Multi-purpose High School, Hyderabad-1951 still continuing.

9. President, Sharada Kanyashala, Hyderabad-1951--still continuing.

10. President, Himayathnagar Primary School - 1956-59.

Contd...5.

11. Vice-President, Ramakrishna Missio & Montossori School, Begumpet, Hyderaba 1961.

12. President, Kanya Gurukul, Begumpet Hyderabad-1960-continuing.

13. President, Boys' High School, Kandaswami Gardens, Hyderabad.

14. President, Lalgirji Multipurpose High School, Hyderabad.

15. Chairman, Hyderabad Public School 1952-54 and Member, Executive committee 1954-57.

16. President, Karnataka Sahitya Mandira (Library). 1952-61.

17. Founder Member and Chairman, Laxmi Venkatesh Desai College, Raichu - 1954 - 61.

18. Founder Member and President, Evening High School for Employees. Narayanguda, Hyderabad.

19. President, Samskriti Sangamotsav, 1959 - 61.

20. President, Hyderabad Karnatak Sammelan - 1958 - 59.

1. Member, Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, since 1949.

2. Member, Executive Committee, Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, Hyderabad - 1954.

3. Member, Annual Executive Committee 1957-60, on behalf of Andhra Pradesh.

(c) Economic activities

Founder Member and President of the Indian Institute of Economics, Hyderabad 1955-57 - now Executive Member.

(d) Scouting:

1. Deputy Scout Master in charge of and independent troop - 1919-21

2. Examiner for first aid in Scouti for several years before 1947

(e) Sports:

1. Chairman Hyderabad State Sports Association - 1954 - 59.

2. President, Hyderabad Badminton Association - 1955 - 56.

Contd...6.

. Founder Member and General Secretary Hyderabad Medical Association 1932-40.

. President, Indian Medical Association, Hyderabad, Pradesh 1946 - 47

3. President, Indian medical Association Hyderabad Pradesh - 1948 - 49.

253

4. Vice-President, All India Medical Association - 1959 - 60.

5. Member, Hyderabad Medical Council 1948 - 50.

6. Member, Delegate, from Hyderabad, Indian T.B. Association, Delhi-1946-47.

7. Member, Executive Committee, All India T.B. Association, since 1960.

8. Member, Zahirabad Leper Colony - 1950 - 57.

9. Executive Member, Mehrauli T.B., Hospital, Delhi - 1961.

(H) Children: Founder, Member & Chairman, Radha-Krishna Poundlin Home, Hyderabad--1954 - continuing.

(I) Exhibition:

1. President, All India Industrial Exhibition, Hyderabad - 1954 - 57.

2. Member, All India Industrial Exhibition Society, Hyderabad - 1957 still continuing.

3. Member, Hyderabad Science Museum Society.

(J) Work relating to the welfare of Harijans and and backward classes

1. Member, Harijan Seva Sangh, Since 1940.

2. President, Harijan Seva Sangh, Hyderabad - 1946 - 48.

3. Member, Adimjati Sevak Sangh.

(K) General:

1. Life Member, Indian Conference of Social Work.

. Member, Family Planning Association Hyderabad.

(L) LEGISLATURE WORK

1. Municipal Corporation:

1. Member, Hyderabad Municipal Corporation - 1949 - 51.

2.. Member, Finance Committee, Hyderabad Municipal Corporation -1949-50

Contd...7.

2) Legislative Assembly:

1. Member, Hyderabad State Legislature from March 1952 to November 1956.

2. Member, Andhra Pradesh Legislature from November 1956 to April 1957.

Legislative Work in the capacity of a Minister:

454

a) Minister of Hyderabad State:
Finance Minister - 1952-54
PWD & Labour Minister 54-56

b) Chairman, Singareni Collieries.
c) Chairman, Hutti Gold Mines.
d) Chairman, Hyderabad State Bank.
e) Member, Hyderabad State Industrial Fund.
f) Chairman, Hyderabad Industrial Research Lab - 1952-54.

Liason Minister between Hyderabad and Mysore - States Reorganisation 1956.

3) Lok Sabha:

Member, Lok Sabha - 1957 - Still continuing.

Lok Sabha Committees:

Member of:

1. Standing & Informal Consulative Committees:-
   a) Labour
   b) Education
   c) Defence
   d) Finance
   e) Health
   f) Cotto ge industries
   g) Communications

2. Select Committees:-
   a) Motor Transport Act.
   b) Preference Shares.

3. Statutory Committees:-
   a) Company Law Advisory Committe 1959 - still continuing.
   b) All India Institute of Medic l Sciences.
   c) Botanical & Zoological Surve/ of India.
   d) Health Survey & Planning Committee - 1959-still continuing.
   e) Ancillary Industries Advisory Committee - since 1959 - still continuing.

4. Public Accounts Committe, Lok Sabha - 1961 - still continuing.

5. Non-official Member, Tungabhadr Development Advisory Board.

6. Chairman, Motor Transport Workers' Minimum Wages Committee of Mysore State.

Contd...8.

7. Chairman, Indigenous System of Medicine, Andhra Pradesh.

(c) FOREIGN TOURS:

1. Represented Osmania University at the Commonwealth Universities Conference held at Cambridge in '5[illegible].

2. Represented Hyderabad at the International Family Planning Association at Stockholm, Sweden, in '5[illegible]

3. Represented Govt. of India at the International Labour Conference held at Geneva, Switzerland, in the year 1955.

4. Represented lok sabha at the Commonwealth Parliamentary Conference held at Canberra of Australia in 1959.

5. Represented Govt. of India at the Asian Regional World Health Organization meeting in Ceylon for a fortnight in October 1959.

6. Have toured England, Scotland, Norway, Sweden, Denmark, Belgium, Holland, Germany, France, Switzerland and Austria in Europe for about two months in 1953 and 1-1/2 months in 1955; and have toured more than half of Australia and visited Singapore, Bankok, Rangoon and Ceylon in 1959 and have spent about 2 months in visiting these places.

(d) LANGUAGES KNOWN:

	Read	Write	Speak
a) Kannada	Yes	Yes	Yes
b) Telugu	Yes	Yes	Yes
c) Hindi	Yes	Yes	Yes
d) English	Yes	Yes	Yes.
e) Marathi	Yes	Yes	Little
f) Tamil	No	No	Can manage own affairs.
g) Urdu	Yes	Not much	Yes
h) Sanskrit (second language in Matric)	Yes	Yes	No
i) French	Yes	Yes	No

Studied French for one year in the Pre-University class as a second language.

(f) Special Interest: Yoga, Khadi, Labour, Education, Harijan and Adimjati Uplift, Sevadal and Gardening.

@@@@@@@@@

256.

CENTRAL SOCIAL WELFARE BOARD

Telegram —
"SANGHASEVA", New Delhi.

BOMBAY MUTUAL BUILDING,
1ST FLOOR, PARLIAMENT STREET,
NEW DELHI

No. CB/P-III-8/Belgaum(1)/61. 156 *Dated* 9 OCT 1961
, Asvina, 1883.

One Copy

Dr. N.S. Hardikar,
Karnataka Health Institute,
Ghataprabha, Belgaum Dt.,
Mysore State.

Sub: Sanction for a jeep for Karnataka Health Institute, Ghatprabha.

Sir,

Please refer to your letter dated the 29th September, 1961 to the Chairman, Central Social Welfare Board.

2. I am directed to say that it was not possible for the Central Social Welfare Board to issue sanction for the handing over of the jeep to Karanataka Health Institute since the acceptance of conditions of the grant by your institution for grant of the jeep, particularly communicating the undertaking to bear the entire cost of running and maintenance of the jeep and to keep it in good working order, had not been received. A copy of the Central Board's Circular No. CSWB/Fin/Gen/Accts/60 dated the 14th April, 1961 is enclosed for your information. The State Board's recommendations in this regard have not yet been received.

3. However, in view of the circumstances stated in your letter, we are conveying sanction to the State Board to allow use of one jeep to your institution. You are requested to get in touch with the Chairman, Mysore State Board directly in this connection.

Yours faithfully,

(MADHURI SRIVASTAVA)
PROJECT OFFICER.

Encl: one.

[illegible], DHARWAR. 257

Date 10-10-1961.

My Dear

You have seen and I think known all about one Venkatesh Hanamantrao Itagi. Once he saw us both on - Ranebennur Station when we were going to Bangalore. This boy is earning his livelihood by selling dry eatables in the train as groundnut etc. The father of this boy was my primary school teacher in Haveri who died five days ago. He has come to me for money to perform last rituals when I am writing thi I am giving him Rs30/- he wants and writing this to you re. his case.

He was a postman. He served 7½ years but was not confirmed and therefore he applied to the higher authorities. This brought displeasure of the Inspector of Post Office Gadag Sub-division - Mr. K.R.Kulhalli on him and he was checked off by giving him a notice of one month. He was actually removed from service on 9-12-59. The order given to him only says" Your services are terminated under rule 5 of C.C.S.(FS) 1949 by giving one month's notice.

Then he submitted a petition to the D.G.Posts and Telegraphs New Delhi on 10-3-1960. The Circle Officer D.P.T.Bangalore No.1 has intimatedhim that the petition was withheld. Then he approached the Superintendent of Post Office Dharwar who recommended his case and informed him that the petition was sent to the proper authorities. It is nearly one year since then. Under R.P.Rules 1960 he has to get pay arrears amounting to Rs25/- or so which also is not given.

This is very hard case that must get relief. Shri. B.P.Kini Superintendent of Post Offices has given him hopes that he may be reinstated. The matter is said to be delayed in D.G's Office at Delhi.Shri. V.Nanjappa is the Director General.

I request you to take personal interest in this case and see that this man is reinstated.

Yours affectionately,

(N.B.K...)

Dr. N.B.Kabbur
M.B.B.S.,
DHARWAR.

958

Date 10-10-1961.

My Dear

You have seen and I think known all about one Venkatesh Hanamantrao Itagi. Once he saw us both on - Ranebennur Station when we were going to Bangalore. This boy is earning his livelihood by selling dry eatables in the train as groundnut etc. The father of this boy was my primary school teacher in Haveri who died five days ago. He has come to me for money to perform last rituals when I am writing this I am giving him Rs30/- he wants and writing this to you re. his case.

He was a postman. He served 7½ years but was not confirmed and therefore he applied to the higher authorities. This brought displeasure of the Inspector of Post Office Gadag Sub-division - Mr. K.R.Kulhalli on him and he was checked off by giving him a notice of one month. He was actually removed from service on 9-12-59. The order given to him only says" Your services are terminated under rule 5 of C.C.S.(FS) 1949 by giving one month's notice.

Then he submitted a petition to the D.G.Posts and Telegraphs New Delhi on 10-3-1960. The Circle Officer D.P.T.Bangalore No.1 has intimatedhim that the petition was withheld. Then he approached the Superintendent of Post Offices Dharwar who recommended his case and informed him that the petition was sent to the proper authorities. It is nearly one year since then. Under R.P.Rules 1960 he has to get pay arrears amounting to Rs25/- or so which also is not given.

This is very hard case that must get relief. Shri. B.P.Kini Superintendent of Post Offices has given him hopes that he may be reinstated. The matter is said to be delayed in D.G's Office at Delhi.Shri. V.Nanjappa is the Director General.

I request you to take personal interest in this case and see that this man is reinstated.

Yours affectionately,

(N.B.Kabbur)

सत्यमेव जयते

289

5198/61MO

MINISTER
INFORMATION & BROADCASTING
INDIA.

New Delhi, October 12, 1961.

My dear Doctor,

Your letter of September 30th regarding records of VANDEMATARAM. I find, on enquiry, that we cannot give anything. This is a commercial orgarisation and they will not be likely to be amenable to our influence or advice for giving free copies or giving at a very reduced price. I think the best thing would be to try to get some grart in order to buy the records.

With regards,

Yours sincerely,

B.V. Keskar

Dr. N. S. Hardikar, MP,
Ghataprabha (Dist.Belgaum)

Dr. N.S.Hardiker

+59 200.

CamP; Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
Date: Oct.13, 1961.

My Dear Mrs. Sudha Reddy,

1. Herewith please find a copy of letter I have received from the Project Officer of the Central Social Welfare Board, New Delhi. I draw your attention to ~~the~~ para 3 of the same.

2. You possibly remember that we have asked for a grant of 15,000 rupees from the Social Welfare Board for purchasing a suitable vehicle for running in the Project villages which are now being worked by the Karnatak Health Institute. In your letter No. MYSB/ A2/11659 dt. 25th April 1961, addressed to the Secretary C.S.W.B., New Delhi, have stated :-

> "As the Institution is taking up all the 6 Centres of the Project, a vehicle is necessry. The institution is requesting for a grant of Rs. 15,000/- for purchasing a suitable vehile. It is recommended that a Jeep may be given. The institution's request may be complied with and the grant sanctioned at your earliest."

3. Such being the case, I do not know whether your Central Office is giving sanction to the State Board to allow the use of one Jeep (possibly old) instead of giving us a grant of 15,000 rupees. It is not clear to me ~~at~~ all. Whatever it is, please be kind enough to give us a vehicle as quickly ~~as possible~~ so that our work in the villages will not ~~hamper~~. suffer

4. May I expect a reply from you to the above address

Your brother,

N.S. Hardiker

TD,

All communications to be addressed
to the Chairman

764

TELEGRAMS: "RAJKALYAN" PHONE: 2455

THE MYSORE STATE SOCIAL WELFARE ADVISORY BOARD

SMT. SUDHA V. REDDY
CHAIRMAN.

"GEETHA"
SHANKARMUTT ROAD

Ref. No. MYSB/A9/60,16 Bangalore-4 13th Oct., 6

13 OCT 1961

Sri N.S.Hardikar,
Karnataka Health Institute,
Ghataprabha,
BELGAUM.

Sir,

Sub: SUPPLY OF JEEP

With reference to your letter dated 27-9-1961, I am directed to state that the jeeps have been sent for repairs. As spon as they are ready, one jeep will be alloted to Karnataka Health Institute, Ghataprabha.

This is for your kind information.

Yours faithfully,

(V.DODDANANJAIAH)
Secretary.

Dr. N.S.Hardiker

Camp: Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
Date: Oct.16, 1961.

My Dear Inamdar,

1. I have your wire of yesterday. Thanks. I see that there is a vast amount of enthusiasm in the country. Youths are always bubbling with enthusiasm and they do want a outlet for the same. That is the reason why hundreds, literally thousands, want to run to Bombay and take part in the activities, in the demonstration that will be staged on Azad Maidan. Should we curb that enthusiasm, or should we encourage it? I would rather encourage it than curb it. That is the reason why I would ask them to go to Bombay with Food and Clothing provided you make arrangements for their ~~xxx~~ lodging. I know the problem is not so easy. It is much difficult. At the most those who come to the rally may bring one day's dry food; but what about their food of other days? Are we going to make them suffer when the whole thing is being organised by us? No sir. We cannot afford to do it. Therefore, before we say yes for the excess number, we have to be very careful. We can't afford to give either a negative reply or offer to give a positive one. Therefore, I will have to leave the matter in the hands of those powers who are better fitted to judge the whole thing. I am writing to the President of the Bombay P.C.C. It is he who should think about the whole affair and guide us. I am asking Mr. SushilBabu to speak to Mr. Bhanubai Yagnik and then decide as to what to do in this particular case. It is not I now you who sit at a distance to give an outright advise on this matter. I have therefore, wired to you as follows :

"Wired SushilBabu to consult Bhanubhai Yagnik regarding arrangements for excess volunteers who desire to come to Bombay Wire your action

2. Hope to hear from you soon

Your brother,

Dr. N.S.Hardiker

Hz 263

Camp: Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
Date: Oct.16, 1961.

My Dear Sushilbhai,

1. The accompanying is a copy of letter addressed to Mr. Inamdar. It speaks for itself. You too must have received my wire by this time and done accordingly. Please be guided by the guidance given by the President of the Bombay B.C.C. You two together take action. Sitting at this distance I cannot ask you to di this or that.

2. I have written already two cards. Have you received them? On Saturday the 21st I reach Bombay by the Deccan Queen. Until then I will be here. If you have to write to me please use this address.

3. I have asked you already to hire a vehicle for us. Secondly, where are we to stay? Are we going to stay together or you want me to stay at my usual place? Please think about it and arrange as you wish.

4. How is the work going ? You must be pretty busy. Aren't you? More again.

Your brother,

To

SGP

Smt. Sudha V Reddy,
CHAIRMAN

Telephone :Office, 2455

264

D o 6849-51

163

MYSORE
STATE SOCIAL WELFARE ADVISORY BOARD.
BANGALORE 4

16th October, 1961.

Dear Dr.Hardikar,

I am in receipt of a direction from the Central Board, asking that ~~the~~ a jeep be placed at the disposal of the Karnataka Health Institute.

Accordingly, I am keeping ~~the~~ a re-conditioned jeep ready for you on the 30th of this month. Arrangements may be made to take delivery of the same at the State Board Office.

I would thank you for an acknowledgment of this letter and for ~~an~~ early arrangements in the above matter.

With kind regards,

Yours sincerely,

Sudha Reddy

TNK.

(SUDHA V. REDDY)

P.S: It may be kindly noted that since the K.M.S. is already in receipt of a grant for a Mobile Van, a second grant cannot be recommended to Govt.

Sudha Reddy

Dr. N.S.Hardiker

64

(Copy)

Camp: Ghataprabha,
Dist: Belgaum,
Date: Oct.17, 1961.

My Dear Mrs. Sudha Reddy,

1. I have a letter dated 13th October 1961 (No.MYSB/A9/6816) from your office. The Secretary says that the Karnatak Health Institute will be alloted an old jeep which is now under repairs. Thanks for the same.

2. But I want to know as to what happendd to your recommendations for a grant of Rs. 15000/- for a new jeep. Your recommendation had gone to Delhi long time ago.. Are we not getting that grant? Or is it decided that we be satisfied with renovated jeep? Whether a new jeep or an old jeep which is repaired, it matters not, so long as we have some vehicle to push the cause of our villagers forward. Please, therefore, do write to me and let me know your decision.

3. Hoping to be excused for the troubles I have given you

Your brother,

N. S Hardiker

268

~~265~~

1214 Temperance Street
Saskatoon.
October 20, 1961.

My dear Doctor:--

Yours of the 18th Sept. I wrote a letter to Dr. Vaidya. He wrote me back from Toronto saying that he would inform me about his further programme in Canada. I have not yet heard from him. We would be leaving this place on the 30th of this month for Washington D.C. We will go to Winnipeg from here to obtain our U.S. Visa and from there we would be flying to Toronto. We would would be staying at Toronto for two days. While we are in Toronto we would be seeing one of Canada's beauty spots, the "Niagara Falls We reach Washington on the 2nd afternoon. If I get a reliable babysitter I would be joining the University there. I quit my work here from this month because I did not want to take up a new project now and leave it in the middle. In your previous letter you had asked me about the "local Indians" I shall write you about that in detail in my next letter to you from Washington.

Saskatoon is enjoying her winter. House tops, trees and roads are completely covered with snow. It is a beautiful sight. Sandy always wants to be out. He seemed to like snow very much. The little girl is growing. In a few days both of them will be in Uncle Sam's land. Sandy understands English and not Kannada. My husband is winding up his work here. He is appointed as a Visiting Scientist in the National Institute of Health, Bethesda. It is a suburb in Washington D.C. We might be there for an year.

We get letters from home. They are all anxious to see the children. My husband's brother is here now. He came here last month and has joined the university. He would be taking Ph.D. in Metallurgical Engineering. Dr. D.L. Gibson Prof. of the Dairy Research Saskatchwan University has come to Bombay as an U.N.O. expert in that field. He is connected with the Dairy Training Institute, New Zealand Hostel Aarey Milk Colony.

We know him and his family. If you happened to meet him can you please convey our regards to him?

We feel very happy to receive your letter as often as you can make it. Trust this reaches you in exllent health.

With best regards,

Yours sincerely,

Alaka

(Alaka)

When you see Mr. Gulhal next time can you please remember me to her? She owes me a letter.

FIRST FOLD HERE — PLIER D'ABORD ICI

AIR MAIL
PAR AVION

CANADA SAVINGS

POSTAGE POSTES 10c

AEROGRAMME

Dr. N.S.Hardikar
Health Institute,
Ghataprabha
Belgaum (Dist) Mysore State.
I N D I A.

SECOND FOLD HERE — PLIER ENSUITE ICI

SENDER'S NAME AND ADDRESS — NOM ET ADRESSE DE L'ENVOYEUR

Mrs Chandrasekhar

EXPT.P.O. 30OCT61 B-224

NO ENCLOSURE PERMITTED — NE RIEN INSÉRER

266

उपाध्यक्ष निवास
लखनऊ
दिनांक 31/10/89

सेवा में,

श्री डा० ना० सु० हर्डिकर
संस्थापक तथा संचालक
अ० भा० कॉ० सेवादल,
(अ० भा० सेवा दल रैली)
बम्बई

माननीय महोदय,

सादर नमस्कार,

मैं आज बिल्कुल कॉप कर स्टेशन जा रहा था परन्तु यहाँ एकाएक पार्टिया के ट्रस्टी बोर्ड द्वारा औरंगाबाद की सीटों के सम्बन्ध में निर्णय को तारीख 25 दिसम्बर के कारण रुक जाना पड़ा। जिसके सभी उम्मीदवारों को 22 को बुलाया है जो तारीख 26 तक इस सम्बन्ध में निर्णय हो जायगा।

तथा श्री बनारसी दास जी सेवादल बोर्ड के मन्त्री हैं उन्होंने मुझे जोर देकर रोक लिया। मुझे इसका बहुत बड़ा अफसोस है कि मैं सम्पूर्ण इच्छा रहते हुए भी मैं Rally में सम्मिलित नहीं हो सका।

मैंने एक बुक 'सेवादल के इतिहास' के सम्बन्ध में लिखा था। जो कि लगभग 60 पृष्ठ इस समय तैयार है जो अभी 20 पृष्ठ शेष है जो इस समय तक नहीं लौटे हैं। कुछ अभी आने

भाग लिखने को शेष है।

यदि आप श्री वी० एस०
इंडिक को लिखी हुई लिपि
के पृष्ठ भिजवा सकें अथवा
वे अपने Points, dates, facts, circumstances
with events सम्बन्धित स्थानों तथा व्यक्ति के
के नाम सहित मिल सकें तो मैं उन अंशों को
लिखकर उपन्यास को तैयार कर (आपको
दिखाने प्रस्तुत कर सकता हूँ। उप० मा० को ग्रं
अधिकांश रूप में उसका प्रकाशन हो जाय तो
हो, हाँ भारत में उसका एक साथ वितरण हो
सकता है।)

तलमें प्रति में आपके अवलोकनार्थ भेज रहा हूँ। आप इस संबंध में (उप
सम्बन्धी सुधार, सुझाव के Points तथा कोई
कोई नई घटना तथा अधिक लिखने को
अनावश्यक समझकर जो आंशिक काटें
उन टिप्पणियों सहित मुझे वापस
कर सकें तो मैं आपका आदेश पालन
शीघ्र आपके मार्ग दर्शन के अनुसार
करने का प्रयत्न करूँगा।

आप तलप निकालकर देख
लीजिये। हिन्दी की सेवा की दृष्टि से

माननीय डाक्टर साहब

आप की सेवा में सेवा दल

के इतिहास की अपूर्ण लिपि भेजी जा रही है

१८५७ से १९३७ तक के इतिहास का संक्षिप्त

हवाला देते हुए सेवा दल का इतिहास लिख

है। आप ने लगभग पढ़ कर इस सम्बन्धी

टिप्पणी लिखवा लेने की कृपा करें।

१९३७ के बाद के अब तक के जो नोट संग्रहीत

पास हैं उन्हें भेज दीजिये ताकि मैं इसे

पूर्ण कर सकूँ। श्री वी० एन० घडिकर की

लिखी लिपि मेरे पास भिजवा दीजिये

दोनों को देख कर जो अधिक पसन्द

आवे उसी को पूर्ण करने का निश्चय

करूँ। यदि एक प्रति मेरे पास भी

भिजवा सकें तो मैं आप का बड़ा

आभारी होऊँगा। आपका सेवक

19/6/47

सत्यमेव जयते

269

No. 19-6/60-N

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES.

New Delhi-2, the October, 1961.

Dear Dr. Balankhe,

Thank you for your letter of 18th October and for writing to the Auxiliary Nurse Midwives who may be free regarding the posts at the Ramakrishna Mission Hospital in Vrindaban.

We will do our best to try to get grant for your hospital sanctioned as early as possible.

The question regarding the employment of auxiliaries trained in your hospital in Maharashtra will be looked into. I suppose that the Government of Maharashtra is not willing to employ them because the needs of the State can be met from their own training schools. If any candidates are available who cannot be employed in Mysore, we could try to find employment for them in other States.

With kind regards,

Yours sincerely,
G.K Adranvala
(T. K. ADRANVALA)

Dr. G.T. Balankhe,
The Karnatak Health Institute
Hospital & Sanatorium,
Distt. Belgaum.

269

96

THE TUBERCULOSIS ASSOCIATION OF INDIA
NEW DELHI

3, Red Cross Road,
New Delhi-2,

21st October, 1961.

Dear Dr. Hardikar,

I have your letter of 14th October, '61. It will be good if Dr. Vaidya can get an extension of stay in Canada. Since the candidates were sponsored by the Government of India, it is for the Government to address the Colombo Plan authorities in the matter, and if the Colombo Plan agrees to this his expenses will also be met by them as at present. Therefore a request in this respect has to be made to the Government by Dr. Vaidya. Of course, you can also write to the Minister to help in this.

With regards,

Yours sincerely,

(P.V. BENJAMIN)

Dr. N.S. Hardikar, M.P.,
C/o The Karnatak Health Institute,
P.O. Ghataprabha,
Dist. Belgaum, (Mysore State)

270

97

COMMONWEALTH PARLIAMENTARY CONFERENCE
LONDON 1961

Cables and Telegrams:
EMPARLASSO LONDON-SW1

Conference Address:
SAVOY HOTEL
STRAND
LONDON, W.C.2
Room No. 587

22. Sept 1961

My dear Doctor,

I am sorry I could not write to you earlier. I have been on the move ever since I arrived in London visiting Edinburgh & Northern Ireland. We returned to London yesterday. Today, tomorrow and day after are free. Monday to Saturday 25th to 30th we will be busy again with the Conference. I am returning to India on the 1st from London and reach Bombay on the 2nd morning at 7.35 Am. I will go to Delhi for a few days and then after ascertaining how things stand I will come down South. I will let you know the exact date after reaching Delhi.

I rang up Mrs. Dewanpalak at Rich 5112 I was told she had left the place. So I wrote a letter to her to 19. Montagu Road. I had not heard till today. On receipt of your letter this morning I rang her up at the hospital and was able to speak to her. She is coming here with the tape recorder at 4. P.M. tomorrow so I will bring it with me when I come.

I have got a letter from Bhima Chan also. Yes. I have written to him. But the chances are against him born on account of politics and also his age. I am very sorry for the poor chap. How did you shine as an actor on the stage. Panth must have taken the audience by storm. I am anxious to know how the whole thing came off.

I am keeping good health though I feel a little tired. Saw Mr. Dahmankar yesterday. I am dining with him on the 26th. All else Okay.

Yours affy
Anna

271

CENTRAL SOCIAL WELFARE BOARD

Telegram :—
"SANGHASEVA", New Delhi.

169

BOMBAY MUTUAL BUILDING,
1ST FLOOR, PARLIAMENT STREET
NEW DELHI.

No. CBG/Mys/Misc/60-61

Dated 24 OCT 1960

Shri N.S.Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghataparbhat,
Dist. Belgaum,
Mysore State

Subject: Financial assistance for building construction.

Sir,

I am directed to acknowledge receipt of your letter dated the 10th October, 1960 addressed to Smt. Durgabai Deshmukh, Chairman, Central Social Welfare Board and to state that your application, if recommended by the Mysore State Social Welfare Advisory Board, will be placed before the Central Social Welfare Board at its meeting to be held on 24th October, 1960 for consideration.

Yours faithfully,

for Secretary.

गङ्गादेवी डाटा
एम. एल. ए.
सदस्या कार्यकारिणी,
राजस्थान विधान सभा कांग्रेस दल,
अध्यक्षा, नारी उद्योग जिला समिति,

फोन नं० १८४
शान्ति-निकेतन,
अलवर

दिनांक...२५/१०/८१

क्रमांक.....

श्रद्धेय डाक्टर हार्डिकर जी

सादर प्रणाम

आशा है कि आप बम्बई सेवा दल रैली से वापसि आ गए होंगे - मैं बंबई आना चाहती थी, लेकिन किन्हीं अनिवार्य कारणों से मै आ न पाई इस का हार्दिक दुःख है । मै देहली आप से मिलने आई तो मालूम पड़ा कि आपका आना अभी देर से होगा - मैंने पहिले आपको एक पत्र लिखा था, सम्भवतः आपको मिला होगा -

२:- दलबन्दी के आधार पर प्रदेश चुनाव समिति ने मेरा नाम ना मन्जूर कर दिया है, और आप आश्चर्य करेंगे कि सिर्फ वर्तमान महिला विधायिकों में मेरा ही एक मात्र नाम ना मन्जूर किया गया है, बाकी सब महिलाओं को स्वीकार कर लिया गया है, जबकि मैंने सभी महिलाओं से अधिक विधान सभा में कार्य किया है, और अपने क्षेत्र की जनता की सेवा की और पिछले ४४ वर्षों से हमारा सारा परिवार कांग्रेस के द्वारा जनता की सेवा करता आ रहा है ।

३:- दलबन्दी के आधार पर लिए गये प्रदेश चुनाव समिति के निर्णय के विरोध में मैंने अपील की है । श्री टी० आर देवगरीकर जी एम० पी० राजस्थान के अ०भा० कांग्रेस की तरफ से observer है मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपका स्नेह व आशीर्वाद मुझे मिलेगा, और आप मुझे अ० भा० कांग्रेस की चुनाव समिति से न्याय दिलाने की कृपा करेंगे। आभार और आदर सहित -

आपकी पुत्री सम
गंगा देवी डाटा

16-171 273

To

The Chairman & Other Members,
Central Election Committee &
A.I.C.C. Observers,
7, Jantar Mantar Road,
NEW DELHI.

Honoured Sir,

I want to bring to your notice a gross omission that is taking place in Rajasthan. According to A.I.C.C. Circular No...15% Congress tickets should be given to ladies. There are 176 Assembly seats in Rajasthan. We should, therefore, have 26 seats tickets for ladies.

The Rajasthan Pradesh Election Committee has given ticket to only thirteen ladies. In all only 19 ladies applied. In the backward state like Rajasthan all encouragement should be given to ladies. In all fairness all these 19 ladies who dare to come out of seclusion and working public life, should have been given Congress tickets because we are still less by seven.

As is well known tickets are given by the Pradesh Election Committee on group basis. Those of the lady workers who do not belong to any group have been ignored.

Our revered leader Pt. Nehru observed in Lucknow Congress workers meeting on 24th September, 1961 like thus. He said three criteria should be followed in according party nomination. First groupism should be discouraged and all consideration of victory, and lastly in strict adherence by candidates to Congress ideals.

(1) should be on the basis of Merit. Secondly the/ The claim of those who do not belong to any group Considerati should receive prior consideration by central election committee. I am one of those whose claim has been ignored simply because I do not belong to any group. As far as my qualifications to get the Congress ticket is concerned, I beg to state few lines for the consideration of the Committee.

I applied for Election ticket from Ramgarh Constituency in Alwar District of Rajasthan. The Pradesh Election Committee has, however, recommended the ticket to Miss Uma Mathur ignoring my claims.

My personal claims to the tickets are summarised below :-

INFLUENCE: (a) I am a sitting M.L.A. from the same Constituency with a hold on the constituency proved by my last having defeated the famous Jagirdar Raghuvir Singh and the strong Kisan Communist leader Harumal by large margin. The Security of previous sitting M.L.A. against me was forfeited. Apart from this the constituency has large population of refugees and I come from a Refugee family.

Contribution to Legislature:

(b) I am the only M.L.A. from my District, so also the only one among women members of Rajasthan Legislature who has always voiced the needs of my constituency in the House through regular questions and discussions in debates. The Assembly records speak for itself on the point. I was considered useful and nominated by the Speaker on the various important standing committees as subordinate legislation, house committee extra. I am the only Lady Member in the Executive of the Assembly Congress Party since the last two years.

Contd..2..

~~172~~ 274

Integrity:- (c) For the last eighteen years I am earning independently by Insurance work and there has never been any charge against my integrity. I received Government First Prize for work in Rural Insurance Scheme in Rajasthan.

Political & Constructive work:-

(d) 1. Organiser of District Mahila Congress 1954 to 1960.

2. Organiser of Mahila Shivir under Bharat Sevak Samaj in 1958.

3. Organiser and President of Alwar Nagri Udyog Shala for last six years, Institution appreciated and aided by Government by both Central and State.

4. (e) Family background:-

Family gave up Purdha, untouchability, and Social malpractices in 1921 at Congress Call and kept a Harijan household servant.

5. My husband's family has been continuously connected with this great Organisation for the last 44 years. My husband has been imprisoned five times for Congress cause. With his strong claims my husband has delibrately refrained from applying for a ticket to make room for me in respect for the need of women workers.

6. While legislators of ten years and above have been recommended, mine was turned down on the score that I had put in only five years as a legislator.

In comparison Miss Uma Mathur has no congress background nor any rural contacts in Ramgarh Constituency and did not obtain a single preference vote from Mandal Congress Committee and Panchayat Samitis. Even so, Miss Uma Mathur has legal practice and Contacts in Alwar town, and she is the proper candidate from Alwar town Constituency, from where she was at one stage given a ticket in last general elections.

Some further reasons justifying a ticket to me from Ramgarh Constituency and to Miss Uma Mathur from Alwar town Constituency in place of Shri Chotusingh are summarised below:-

(a) Shri Chotusingh has made next to no contribution to proceedings of legislature in ten years period - Assembly record speaks for itself.

(b) Even previously in 1957 two tickets to women were given in Alwar district.

(c) All sitting women M.L.A's who applied have been adjusted except me who was the most active amongst them.

Considering the above facts it will be against Congress interest and also against Congress Policy on Women representation to draw a tie between me and Miss Uma Mathur in Ramgarh Constituency, to up hold the meritless claim of Shri Chotusingh in Alwar Town Constituency where Miss Uma Mathur had already applied and rightly so, looking to her sphere of influence and area of work.

I hope my case would be considered favourably and be given ticket from Ramgarh Constituency.

Thanking you,

Yours sincerely,

Ganga Devi Data

(GANGA DEVI DATA)
M.L.A.

Ganga Devi Data, M.L.A.,
Shantiniketan, Raghu Marg,
Alwar. (Rajasthan)

पुंडलिक मेघे 'साहित्यरत्न'
पत्रकार
मंत्री
वर्धा जिला पत्रकार संघ
संगठक
जिला कॉ. सेवादल
मंत्री
जिला राष्ट्रभाषा प्रचार समिति
सदस्य
जिला विकास मंडल

वर्धा ता. 3/2/1970

आदरणीय अध्यक्ष महोदय अ.भा.कॉ. कमेटी देहली

सेवा में

विषय –(१) कॉंग्रेस सेवादल के किसी एक कार्यकर्ता को वर्धा निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान सभा के लिए कॉंग्रेस का टिकट प्रदान करने बाबत प्रार्थना

(२) वर्धा निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान सभा के लिए वर्तमान आमदार श्री बापूराव देशमुख को कॉंग्रेस की सीट ~~प्रदान~~ प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी ने आपकी ओर शिफारिश की है, उन्हें टिकट न देवें, ऐसी प्रार्थना

कारण इस प्रकार है।

कॉंग्रेस सेवादल वर्धा क्षेत्र में गत १६ वर्ष से बिना किसी पद लालसा, बिना वेतन तथा बिना किसी मान-धन के, नई पीढ़ि को तथा नौजवानों को खासकर अनुशासन, एकता, कॉंग्रेस प्रचार, विकास कार्य में सहायता देने हेतु आदि के हेतु संगठन कार्य कर रहा है। और करता रहेगा।

आदरणीय अध्यक्ष महोदय हमें देखने में आया है कि गत कुछ वर्षों से पैसे के बलपर कुछ ऐसे लोग कॉंग्रेस के (स्थानीय) पदों पर गए हैं, जिन्हें कॉंग्रेस क्या है मालूम ही नहीं, भरी सभा में बोल देते हैं कि "मुझे कॉंग्रेस का प्रेम नहीं है, पैसा कमाने आया हूं कॉंग्रेस में, कॉंग्रेस काम करनेवालों में हमारा थोडा ही हूं आदि।

वैसे ही कुछ विधान सभा सदस्य भी ऐसे हैं, जो दिन दहाड़े घूस लेते, सार्वजनिक संस्था के

पैसों का गबन करते हैं, जातिवाद, भाषावाद आदि का जहर सार्वजनिक रूप से फैलाते हैं, विरोधी पार्टियों से हमेशा गठबंधन करते रहते हैं और कॉंग्रेस के कार्यों को हानि पहुंचाते रहते हैं,

आदरणीय अध्यक्ष महोदय आमदार - बापूराव देशमुख गत १० वर्षों से विधान सभा सदस्य हैं, वे खुले आम घूस लेते हैं, सेवाग्राम, जहां बापू रहते थे के मंदिर कमेटी के वे अध्यक्ष हैं, उन्होंने उस मंदिर के करीब १५ हजार रुपये का गबन किया है, इस कारण गांववालोंने उनपर अदालत में मामला दायर किया है, १० साल पहले जबकि वे आमदार नहीं थे उनके यहां जमीन नहीं थी, अब उनके पास करीब ७० एकड़ जमीन है, जिसके दाम ७० हजार रुपये है, इसके अलावा उनके करीब ४० हजार के बंगले बांधना शुरू है, यह संपत्ति सब घूसखोरी तथा गबन में ही मिलाई है ऐसा लोगों का बापूरावजी पर खास अभियोग है। और वह सच है। इसके अलावा वे अपने स्वार्थ के हेतु जातिवाद, भाषावाद झगड़े आदि को प्रोत्साहन देते हैं।

इसके सिवा वे कॉंग्रेस अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ काम करते हैं। गत आम चुनाव में बापूरावजीने वर्धा निर्वाचन क्षेत्र में कॉंग्रेस के विधान सभा के अधिकृत उम्मीदवार आमदार श्री महादेवराव डाक्रे के खिलाफ खुले आम काम किया था, इस कारण उनको कॉंग्रेस से सस्पेंड

कर दिया था और ~~~~ वर्धा तालुका कॉंग्रेस के अध्यक्ष पद से उन्हें निकाल दिया गया था। सेवाग्राम के मंदिर के पैसे का गबन करने के कारण — श्री जयप्रकाश नारायणजी ~~~~ ने उन्हें बहुत ही कोसा था और एम.एल.ए. पद ~~~~ छोड़ देने की सलाह दी थी।

ऐसे सब गंभीर आरोप बापूरावजी देशमुख पर हैं फिर भी महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी ने आपकी ओर उन्हें टिकट देने के लिए शिफारिश की की है। यह कॉंग्रेस प्रतिष्ठा के लिए एकदम — अनुचित है। ऐसा हमें लगता है।

नये खून को चान्स देने के बहाने — विपक्षियन पार्टी, जनसंघ, कम्युनिष्ट आदि कॉंग्रेस विरोधी संस्था के कार्यकर्ता को एक दिन में कॉंग्रेस में लेकर उन्हें विधान सभा की सीट देने के लिए महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेसने शिफारिश की है। यह संस्था के लिए घातक है।

अतः हमारा नम्र निवेदन है कि ऐसी स्थिति में अनुशासन, एकता, संगठक, आदि के लिए तथा जातिवाद, भाषावाद, घूसखोरी, गबन आदि अनुचित, तथा देश विघातक प्रवृत्ति को रोकने तथा सदा के लिए मिटाने के लिए वर्धा (महाराष्ट्र) के निर्वाचन क्षेत्र से कॉंग्रेस सेवादल के किसी अनुभवी, संगठक तथा सेवाभावी योग्य कार्यकर्ता को महाराष्ट्र विधान सभा की सीट प्रदान करने की कृपा करें।

भवदीय
पुंडलीक मेघे

Chairman
TELEGRAMS: "RAJKALYA"
TELEPHONE. 2455

The Mysore State Social Welfare Advisory Board

SRIMATHI INDIRA V. REDDY
CHAIRMAN.
"GEETHA"
SHANKARMUTT ROAD
Bangalore-4

No. MSSB/19/7982-83

31-10-61

1961

To

The Secretary,
Karnataka Health Institute,
Ghataprabha, Belgaum District.

Madam,

Sub:-Handing over of jeep to Voluntary Institution - Karnataka Health Institute, Ghataprabha, Belgaum District.

-.-.-.-.-.-.-

With reference to your letter dated 25-10-61, I am sending the jeep with necessary accessories and tools, (detailed list enclosed) bearing No. MYW 1962, Chassis No.22614, Engine No.107553 and Serial No. SCJ 3B-5896 with the driver Sri B.S.Patil sent by you on 30th October 1961. I am to inform you that the jeep has been reapired, and the jeep is in good condition. ~~, and the jeep is in good condition.~~ The receipt of the jeep with all the necessary accessories and tools may kindly be acknowledged.

Further, I write to state that the use of the jeep by you is subject to the conditions laid down in the Central Social Welfare Board's Circular No.CB/P-iii-8/Jeeps/61-62 dated 20th June 1961 (Extract of the same is enclosed herewith for your kind reference). I request you kindly to send your acceptance to those conditions immediately.

~~At present,~~ It is not possible to hand over a trailor.

Yours faithfully,

Indira V. Shenoi

(Indira V.Shenoi),
Vice-Chairman

Copy to Sri N.S.Hardikar, Karnataka Health Institute, Ghataprabha, Belgaum District, for kind information

All communications to be addressed to the Chairman.

~~175~~ 279

TELEGRAMS: "RAJKALYAN" TELEPHONE: 2455

The Mysore State Social Welfare Advisory Board

SRIMATHI SUDHA V. REDDY
CHAIRMAN.

"GEETHA"
SHANKARMUTT ROAD
Bangalore-4

f. No. MYSB/A9/7990

1-11-61

2 N 1961

To

Dr. N. S. Hardikar,
Karnataka Health Institute, Ghataprabha,
Belgaum.

Sir,

Sub:-Handing over of jeep

With reference to the above, I am directed to confirm for having sent you a telegram on 31-10-61 as follows. "Please refer Central Social Welfare Board letter dated 9th October 1961 "COMMUNICATE ACCEPTANCE CONDITIONS JEEP".

I am directed to request you kindly to send the institutions acceptance for the conditions laid down by Central Social Welfare Board immediately. ~~Otherwise it would not be possible to hand over the jeep.~~

Yours faithfully,

(V.Doddananjaiah),
Secretary

1/11/61

Replied on 8/11/61 from Hubli

KN 1-11

to the Chairman.
TELEGRAMS: "RAJKALYAN"
TELEPHONE: 2455

476

The Mysore State Social Welfare Advisory Board

SRIMATHI SUDHA V. REDDY
CHAIRMAN.

"GEETHA"
SHANKARMUTT ROAD

Ref. No. MYSB/A9/7981

Bangalore-4 1st November, 1961.

1961

Dr.N.S.Hardikar,
Karnataka Health Institute,
Ghataprabha,
B E L G A U M.

Sir,

Sub: Sanction of Jeep to Karnataka Health Institute, Ghataprabha, Belgaum.

****

In continuation of this Office telegram dated 31-10-1961 regarding the above subject, I write to state that the Institution has not yet accepted the conditions laid down in the Central Board's circular dated 14th April, 1961 for the grant of jeep. And they have intimated this Office that before the transference of the jeep to voluntary institutions. the State Board should ensure that all the conditions laid down for the grant of jeep are fulfilled by the Institution. The delay in getting the acceptance has created needless embarrassment.

As such, I request you kindly to send the Institution's acceptance, immediately, without further delay.

Yours faithfully,

Indira V. Shenoi

(INDIRA V.SHENOI)
Vice-Chairman.

Reply on 8/11/61 from Hubli

टेलीफोन ३६३४
३७१६

तार का पता : कांग्रेस

उत्तर प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी

१६–कैसरबाग, लखनऊ

विभाग———

कांग्रेस सेवादल

पत्र संख्या 3 सी/२८०८

दिनांक ६-११-६२

अद्धेय डा० साहब,

आपका दिनांक 30/10/62 का पोस्टकार्ड प्राप्त हुआ। इस समय चीनी आक्रमण के कारण जो हमारे देश को खतरा उत्पन्न हुआ है वह सर्व प्रथम हमारे प्रदेश पर ही आया है।

आपके आदेश के पूर्व ही हम सतर्क हैं और हम बराबर अपने प्रदेश के नेताओं और कि नायकारजी के सम्पर्क रखे हुये हैं। ऐसे संकट के समय पर भी हमारे पास कोई विशेष बजट या अन्य कोई साधन नहीं है। हम जिन परिस्थितियों में से उनमें हम पूरी शक्ति के साथ काम कर रहे हैं और आपको विश्वास देते हैं कि भविष्य में भी करते रहेंगे। परसों मैं पूर्वी जिलों के दौरे पर और गोरखपुर डिवीजन में १४ नवम्बर से कैम्प भी कर रहा हूं जैसे २१-२२ नवम्बर को समाप्त होगा। उसके बाद दिसम्बर के अन्त तक पूर्वी जिलों के दौरे पर रहूंगा। यह सब जिले जिनका मैं दौरा कर रहा हूं नेपाल के निकट जिले हैं।

विश्वास है कि आप अपना मार्गदर्शन देते रहने की कृपा करेंगे।

आपका विश्वासपात्र,

(उमाप्रसाद तिवारी)

दलपति

गुरुनीय डा० एन०एस० हर्डीकर साहब,
सुपरिटेन्डेन्ट
कांग्रेस सेवादल
हेल्थ इन्स्टीच्यूट
कटप्पा
मैसूर

94 ~~94~~ 282

No. HLH/8(11)1/61
Government of India
Planning Commission.

New Delhi, he 13 November, 1961
1383

From

Dr. M.A.N. Iyengar,
Senior Research Officer,
Planning Commission.

To

Dr. N.S. Hardikar,
Member of Parliament,
76, South Avenue,
New Delhi-11.

Sub: Mallapur piped water supply scheme - Taluk Gokak - Distt. Belgaum - N.R.W.S.& Sanitation Programme.

Sir,

I am directed to draw your kind attention to a discussion you had with Member (Education), Planning Commission on the 18th August, 1961, on the above subject. It was understood that within a short period a self explanatory note after consulting the Government of Mysore, would be forwarded to the Planning Commission on the lines of the discussion held, regarding the details of the scheme for bringing it under the purview of the National water Supply and Sanitation Programme (Rural).

As no such letter has been so far received, may I request you to kindly expedite the matter as in the absence of such a letter it would not be possible to approve the scheme for being included under the National Water Supply and Sanitation Programme.

Yours faithfully,

(M.A.N. Iyengar)

TA 416

~~AS 100 283~~

Dr M.H.Marigowda, M.Sc(Luck),
Ph.D. (Harvard)
Director.

OFFICE OF THE DIRECTOR,
DEPARTMENT OF HORTICULTURE,
LALBAGH, BANGALORE-2,
(S. INDIA),

Dated..... 15th December 1961.

Dear Dr Hardikar,

I am extremely sorry to inform you that I may not be able to come over to Ghataprabha in this month. I will definitely come over there in the third week of Jan.1962. The exact date will be intimated to you some time later.

Thanking you and with regards, I remain

Yours sincerely,

(M.H.Marigowda)

To

Dr N.S.Hardikar,
10 Akbar Road,
New Delhi-11.

KVP/13.12

984

178

1936/1961 CANADIAN BROADCASTING CORPORATION

P.O. Box 1045,
Ottawa. Ontario.

November 16th, 1961.

Dr. B.V. Keskar,
Minister of Information & Broadcasting
Government of India,
NEW DELHI. INDIA.

Dear Sir,

Last month we had the pleasure of recording an interview with Dr. M.K. Vaidya, Chief Medical Officer of the Karnatak Health Institute in India, who was in Canada for a medical conference and to consult with Canadian Government Health Officials.

Dr. Vaidya and I thought you might like to use some or all of this interview on All-India Radio, and hence I have shipped it to you today under separate cover.

As it stands the interview is about 16 min. long, but some editing will be needed on it before airing.

I should appreciate your letting me know what use, if any, you have been able to make of it.

Yours faithfully,

Andrew Simon
Producer,
Public Affairs.

AS/jj

cc. Dr. N.S. Hardikar, M.P.,
10 Akbar Road,
New Delhi.

Robert Reford,
International Service, CBC,
Ottawa.

76 40 285

Addl. PRIVATE SECRETARY TO THE
MINISTER OF TRANSPORT & COMMUNICATIONS

No. 5567-M(T+C)/61 New Delhi, 19th December, 1961.

Dear Sir,

I am directed by Dr. P. Subbarayan, Minister of Transport and Communications, to acknowledge receipt of your letter dated 15th December regarding the case of your boy Shri N.R. Mane, Asstt. Director General (Welfare Department).

Yours faithfully,

C S Swaminathan

(C.S. Swaminathan)
Addl. Private Secretary

Dr. N.S. Hardiker, M.P.,
10, Akbar Road,
NEW DELHI.

V.

Bharat Gulabchand Doshi

CONSTRUCTION HOUSE,
BALLARD ESTATE.
BOMBAY 1.

B-9/57

December 20, 1960.

Dr. N.S. Hardiker, M.P.
10 Akbar Road
New Delhi.11.

Res. 67761
Office 67200

My dear Dr. Hardiker:

I have for acknowledgement your letter of December 19, 1960 and was very glad to read the contents thereof.

At the outset I may mention here that I have no right to get angry with you for your not meeting me at Delhi. Of course your meeting me would have given me an immense pleasure, but I can forgo that since you are a very busy person working for the welfare of the country.

I am further pleased to read that you have decided to visit Satara Road and Walchandnagar somewhere in January 1961 and I hope you will stick up to that.

No doubt it would give me greatest pleasure to meet you in January as intimated by you in your above letter.

Awaiting the pleasure of meeting you in person and with kind personal regards:

Yours sincerely,
Bharat

KRP/

Bharat G. Doshi.

स्वागतसमिति–६७वाँ भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस अधिवेशन

स्वयंसेवक-उपसमिति

चेयरमैन
श्री दारोगा प्र० चौधरी

पटना (बिहार)

#19

मंत्री
सुश्री राजेश्वरी सरोज दास

पत्रांक

दिनांक 20/11/1967

पूज्य डॉ. साहेब,

ज. न. वि. वि.

आपके दि. 5.11.67 पत्र मिला। पत्र पाकर अतिहर्ष आनंद हुआ। वह पहला उत्साह दोनों दल-बल-सहित आपसे आकर भेंट करे। मेरे लिये यह ना. का. प्रोत्साहन दिवाली जैसी-थी। मैं कृतकृत्य। परसों इसीके संबंध-आपसे आपका "फुल्ल इंदिरा" "लिंक" आई। स्वागतद्वार-आरंभका वर्णन-कुछ और लंबाने आपसे। हे आपसे मार्गदर्शन आई थी। आपका नयी स्वागत समिति स्थापन-आयी-आई पहिला स्वागत-समिति बैठक-आयी-उसमें वज्रा-बनाकर होने लायक नेपुं आये आई। नवीन स्वागत समिति बैठक-में सुश्री पद्म उपजुन इच्छावादरूप पत्र देकर दिये आई। व-कार्य आमंत्रण गाम-२ का-वर्ष N.C.C. Scout-योग दिये आई। पद्म-पद्म वर्ष स्वागत समिति-मिटींग-नी-एड-कार्टून पाकीट आई। त्या गाम-आपसे-सर्व कुशल। स्वा. "राजी-गाम-२का-वर्ष-व-N.C.C. कुटुंब-काम-विषय-या

સ્વયંસેવકો ની વ્યવસ્થા કરવામાં આવે છે. આ માટે આપણે ત્યાં Working Committee ના બેઠક પહેલા મિટિંગ મહત્વ કરવામાં આવે છે. પરંતુ કાર્યક્રમ ની વ્યવસ્થા નહીં. આ વ્યવસ્થા ની જવાબદારી ના બધા કોણ કરશે. તેમજ મુખ્ય મંત્રી પણ પ્રવાસ ની વ્યવસ્થા કરી છે. ત્યાં ગ્રામ રક્ષા દળ ને સિક્યુરિટી આપવામાં આવે છે. આ માટે મોટા સિક્યોરિટી સ્ટાફ, ગાડી ની વ્યવસ્થા કરી છે. રાજ્ય સરકાર ત્યાં ગ્રામ રક્ષા દળ ને સિક્યુરિટી અધિકારીઓ ના circular બેઠક આપે છે. આ બેઠકો માટે સ્વયંસેવક તૈયાર કરે છે.

દેશ ના પૂર્વ વડાપ્રધાન શ્રી ઇન્દિરા ગાંધી, પ્રધાનમંત્રી રાજીવ ગાંધી ની હત્યા સેવકો દ્વારા કરવામાં આવી છે. ત્યાં તેમના અંગરક્ષક દ્વારા ગોળી ચલાવવામાં આવી છે. આ બેઠક માં ગ્રામ રક્ષા દળ ના સૈનિકો ને ગોળી મારવામાં આવી છે. આ બેઠક ની વ્યવસ્થા માટે સિક્યુરિટી ની જવાબદારી ગ્રામ રક્ષા દળ ની છે. આ બેઠક માં ૩૦૦૦ સ્વયંસેવકો ની નોંધણી કરવામાં આવી છે. સ્વયંસેવકો ની સિક્યુરિટી ની જવાબદારી ગ્રામ રક્ષા દળ ની છે. આ બેઠક માં ૩૦૦૦ સ્વયંસેવકો ની નોંધણી કરવામાં આવી છે. સ્વયંસેવકો ની સિક્યુરિટી ની જવાબદારી ગ્રામ રક્ષા દળ ની છે.

289

स्वागतसमिति—६७वाँ भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस अधिवेशन

स्वयंसेवक-उपसमिति

पटना (बिहार)

चेयरमैन
श्री दारोगा प्र० चौधरी

मंत्री
सुश्री राजेश्वरी सरोज दास

पत्रांक 181 दिनांक १९६

पटनाच्या आधीच्या स्वयंसेवक आपल्याकडे मजारी आहे. त्यांच्या विनंती-वरून प्रवास पास मंजूर आहे. दोघ पंडया याद्वारे स्वयंसेवक आपला असे समजा-वयाचे. काय-करायचे सांगणार नाही. मुंबईच्या देशी-तील कामा-करता आमंत्रण दिला आहे. एकंदरीत पाहता येणे जवळ ६ ३ दरम्यान अतिशय कठीण जाव आहे. या २२ ता. ला मी. इलाहाबाद येणे होत आहे. तेथून योगा सोयीच्या-स्थिती पहाटेपर्यंत निघेन व तेथून आपणास भेटा-भेटीन. रामदासाचा एक शोधक तेथली-कडा आहेत.

'देवाने होत आहे'
आधी केले पाहिजे' ॥

आपली प्रकृति ठीक असेल. आताचा मंडी सुरू झाली आहे. तेथील प्रकृति जपत जावे ही विनंती. व बरोबर आमंत्रण पत्र पाठवीत जावी. सगळे आमचा-कडा-करमाणी

~~162~~ 162

सन्मु विनंती येते: आमची सर्व कुळ मोठ्यात आहोत. वरील सर्वांच्या सह्या घेतल्या आहेत. तरी आपण आमची नावे सरकारी संस्थेत- वेबसाईटला- जो रिपोर्ट आमची विचारपूस व घर बिहार सर्वेक्षण परवाचा त्यात सविस्तरपणे लिहून या रिपोर्ट देण्यात यावी ही विनंती आहे. आपली विश्वासू सेवक

श्रीमान सह्या

291

21.11.61.

Dear Doctor,

Your Kind letter in hand. Thank you very much. I am glad to say that I have been keeping very well. I had a slight touch of 'flu last week but am fit now. Here the weather is so changable it is not possible to get used to it. I do not mind the cold very much but I do not like the fog. Here it is autumn now. The sun is still shining, also we have had pleasant evenings for this time of the year.

So far I am quite happy here. The work is interesting I work in the x-ray department, taking x-ray films. We work 35 hours a week. 9 a.m. - 5 p.m. every day. By the time I get home it is nearly 6 p.m. I have 2-3 good friends. I visit them occasionally. It is true that it can be pretty lonely here. I have felt so at times.

g ~~[illegible]~~. I have hired a televi
83 for three months. It would be a
nice pastime watching the prog

I expect you have been able
to collect the tape recorder, an
start some of the work.

How are things with you?
Hear I hear you are a ver
busy person.

The first time I ever met
you was in Hubli for a few
minutes. This must have been
in 1946-47. I was a young
girl. I have not grown ver
much since.

I work at the West Middlesex
hospital, Isleworth. It is supposed
to be the 2nd biggest
hospital in London. I will
check up whether they
have any literature

Send it over to you 184

Nothing more to add at the moment

With best wishes

Dave

BY AIR MAIL

PAR AVION

AIR LETTER

AEROGRAMME

Dr. N.S. Hardikar,
Health Institute,
Ghataprabha,
Dist Belgaum,
INDIA

Second fold here

Sender's name and address: DEVI,
19 Montague Road, Richmond,
Surrey, England

AN AIR LETTER SHOULD NOT CONTAIN ANY ENCLOSURE ; IF IT DOES IT WILL BE SURCHARGED OR SENT BY ORDINARY MAIL

To open cut here

~~484~~ 292

Dr. N.S. Hardiker
MEMBER OF PARLIAMENT
RAJYA SABHA

10, Akbar Road,
New Delhi-11

December 1, 1961.

Personal copy

The Director General,
Posts & Telegraphs Directorate,
NEW DELHI

Sir,

Sub: Reservation of beds in the T.B, Sanatorium of the Karnatak Health Institute, Ghataprabha, District Belgaum.

The P. & T. Department have reserved 20 beds in the T.B. Sanatorium of the Karnatak Health Institute, Ghataprabha at a recurring cost of Rs.30,000/- per annum with effect from August 1956 vide letter No. WL.23-6/56 dated 8-8-56. The sanction is being renewed from year to year at the same rate as had been agreed to in 1956. The P. & T. patients are offered the following facilities:-

"1. Medical visits and examinations.
2. Different nursing services.
3. Services of ward boys and mehtars.
4. Disinfections and sterlisations.
5. Accommodation, inclusive of water and electricity.
6. Screening once in 15 days.
7. X-ray once in two months.
8. Routine and special laboratory examinations.
9. Usual medicines.
10. A.P. and P.P.
11. Diet (2500 Calories)
12. Supply of bed pans, urine pots, spittoons, chamber pots, etc.

The charges for dhobi and barber services, special costly and patent medicines, operations, beddings, clothes and travelling expenses to and from the sanatorium will not be included in the above charges."

MEMBER OF PARLIAMENT
RAJYA SABHA

~~185~~ 293

2. Ever since the beds are reserved in this Sanatorium, full benefit is being derived by the P. & T. patients. We are happy to inform that the percentage of cure is quite encouraging.

3. Going through our financial side it has been observed, of late, that due to rising spiral of cost of living in all directions, it is not possible for this organisation to continue to extend the same facilities in the rates agreed to as far back as in the year 1956. We have, therefore, decided that these rates, without altering the facilities which are considered to be quite essential in the case of T.B. patients, be raised by a sum of Rs.10,000/- only on the whole. That means the rise per bed will be Rs.500/-, thus bringing the cost per bed per annum to Rs.2,000/- from Rs.1,500/- as at present. This proposition we are formed to place before you since the Institute is finding it extremely difficult to maintain the standard of treatment within the price level agreed to in the year 1956. We feel that the rates of Rs.2,000/- per bed per annum is even lower compared with the rates offered by the Government organisations to some other sanatorium where the treatment is more or less of the same level. Even we are getting the same rates from other Government organisations who have reserved beds with us.

In view of this it has been decided by us to increase the rates of the beds reserved by you by Rs.500/- per bed per annum with effect from January, 1962.

Kindly communicate your approval to my New Delhi address (10, Akbar Road).

Yours faithfully,

N.S. Hardikar

Administrator
Karnatak Health Institute.

186 294

GOVERNMENT OF MYSORE.

A. M. Shaikh,
Deputy Commissioner,
Belgaum.

D. O. No. GB/MED-372
Office of the Deputy Commissioner
Belgaum, Date 5th Dec. 1961.

Dear Dr. Hardikar,

Please refer to your post-card dated 29-11-61 regarding the out-break of cholera. I have requested Dr. Nagaraj, District Health Officer, to supply the necessary quantity of vaccine after knowing the requirements from your Health Institute I hope he will do so. I have also alerted and requested him to strengthen his staff and put more vigour into it. Although I am told that the epidemic is coming under control, still the fear of its spreading is there; the Health Department under Dr. Nagaraj is however doing its best. This is for your information.

With respects, Yours sincerely,

(A. M. Shaikh)

Dr. N. S. Hardikar, M.P.,
C/O The Karnatak Health Institute,
Ghataprabha.
Now at: 10, Akbar Road, New Delhi-11.

+87 295

फोन नं. ६२६५

टेलिग्रॅम : "काँग्रेस"

महाराष्ट्र विभाग काँग्रेस कमिटी

काँग्रेस भवन, पुणे ५.

जा. क्र.

ता. ८।१।६०

पू० डॉ० साहेब

सादर प्रणाम

सोबत आपला कार्यक्रम पाठविला आहे.

त्याच प्रमाणे आपण दिलेली नोंद ही पाठविली आहे.

आपला नम्र

[illegible]

Speech of Jayaprakash Narayan at the Shanti Sena Rally in New Delhi on December 3, 1961.

189

The conception of the Shanti Sena was Gandhiji's. The name was also coined by him. As early as June 1938 he published in the HARIJAN the broad outlines of the "Peace Brigade', as he called it in English, and laid down the qualifications of its members. In 1939 he dwelt on the idea in his talks with Badshah Khan and the Khudai Khidmatgars. Again, during the Ahmedabad riots in 1940, he wrote repeatedly on the subject, clarifying his ideas and answering doubts.

The calls of the Freedom Movement, however, prevented Gandhiji from giving concrete shape to his conception. "Quit India", prison, Independence, partition and post-partition events came so thickly one after the other that he hardly had time for anything else. Possibly, he would have founded the Shanti Sena as a wing of the Lok Sewak Sangh of which he wrote only a few days before his assassination in what has been called his "last will and testament". Or possibly again, he might have given some concrete shape to the idea at the World Peace Conference which was to meet at Sewagram, in order, particularly, to have the benefit of his advice and guidance. But these things were not to be. (The Peace Conference did actually meet at Sewagram in December 1948).

In the March of 1950 two meetings of constructive workers were held at Wardha to consider setting up of a Shanti Sena. Vinobaji presided and guided the deliberations. As a result two "platoons' of Shanti Sainiks were formed, one centred at Wardha, the other at Sewagram. The work of the peace volunteers was confined to a few villages around. The Wardha-Sewagram Shanti Sena had a written constitution, which defined the object as "elimination of violence from all fields of life by collective non-violent action". It also laid down that the Shanti Sena will keep aloof from all political parties. The programme of the Sena was indistinguishable from the normal constructive programme, except that it enjoined collective performance of some social service at least once every week.

When news of the Wardha-Sewagram Shanti Sena spread, Vinobaji received a large number of requests from Gandhian constructive workers from all over the country to join the Sena. Vinobaji explained in the Hindi periodical, Sarvodaya, that the

(Contd...)

Sena was a local unit and that similar units could be organized elsewhere. It does not appear that the lead was taken up. It also does not appear that the Wardha-Sewagram Shanti Sena survived long. At any rate, it was not different from any organised group of Gandhian workers. Furthermore, Vinobaji, its chief inspirer, struck an entirely new path in the very next year, when in 1951 he discovered Bhoodan in Telangana.

For several years after that remarkable event, Bhoodan swept over the land as nothing else had done since the Satyagraha campaigns led by Gandhiji himself. The curve of Bhoodan rose high and then it fell slowly, and Gramdan took the centre of the stage. It was during the height of the Gramdan movement, on the last day of his Kerala tour, on August 23, 1957, that Vinobaji recruited eight Shanti Sainiks, with the veteran Shri Kelappan at their head. The Shanti Sena was born - this time to stay and spread throughout the country.

It is four years and four months since that small Kerala event, when the eight Shanti Sainiks took the oath of non-violence in Vinobaji's presence. Now there are 2183 Shanti Sainiks in the whole country, of whom the largest number, 747, are in Bihar. Vinobaji is the supreme commander.

The Shanti Sena, as it is today, is not a formidable army. But Vinobaji has deliberately restricted entrance into the force to only those persons who are full-time Sarvodaya workers and who vow to endeavour to live according to the ideals of truth and non-violence, who do not take part in party politics, do not believe in or observe narrow distinctions of caste and creed, and who are prepared to obey orders and accept death when necessary

There is, however, a second line of peace volunteers, made up of what are known as Shanti Sahayaks (helpers of peace). Their numbers must run into thousands. They are a kind of auxiliary force that largely springs into being in the event of a breach of the peace and assists the Shanti Sainiks. There are also registered Shanti Sahayaks who give part of their time to the normal day-to-day work of the Shanti Sena.

The Shanti Sena is conceived of as a "fighting" arm of the broad Sarvodaya movement, that aims at a non-violent social revolution and establishment of a Sarvodaya order of society. While the broad movement worked to bring about basic changes in society and to remove the root causes of social violence, the Shanti Sena is meant, in the interim period, to deal non-violently with out-breaks of such violence. Normally, when a breach of the

(Contd..)

peace occurs, the situation is dealt with by the forces of law and order, in other words, by the forces of violence. Gandhiji wanted, and Vinobaji is trying now, to create a non-violent "fighting" force so that violence might be conquered not by superior violence, but by non-violence.

Thus the Shanti Sena is a specialised wing of the general movement of non-violence. From one point of view, every Sarvodaya or Gandhian worker in this country is a Shanti Sainik, but it was considered necessary to create a specialised wing so that there might be an organised and trained and palpable force ready to meet internal or external violence non-violently. True, the Shanti Sena is no more than a token yet. But as Vinobaji said at Pathankot in 1959, while we have little strength at present, we have the faith that non-violence alone has the power to save the world. It is that faith that leads us forward. It is that faith that encourages us to work not only as a non-violent police force internally, but also as a non-violent army to defend the country against aggression. It is that faith that emboldens us to advocate unilateral disarmament by our country. Our people won their freedom non-violently. It is our faith that they can defend that freedom too in the same manner. Even the strongest army can be no guarantee against powerful aggression. Superior violence can always subdue lesser violence. But non-violence is unconquerable. Every one agrees that war does not solve anything; it only creates new problems. Every one also agrees that war in this atomic age is unthinkable. What use then is an army and huge expenditure on armaments? But no people can agree to give up their army, no matter how useless, unless they have an alternative. The Shanti Sena is a small token of that alternative. But no Shanti Sena, however, large can be adequate answer to external aggression. The people too must have faith in the power of non-violence and be ready to perish without resorting to violence. The Shanti Sena aspires by its word and deed to create this faith in the people of this country. It is wrong to believe that the masses cannot practice non-violence. "Critics can reasonably argue" wrote Gandhiji "that the non-violence pictured by me is not possible for masses of mankind, it is possible only for the very highly developed persons. I have combated that view and suggested that, given proper training and proper generalship, non-violence can be practised by masses of mankind."

I am conscious that it might sound odd to say all this at this moment when China has made further aggression into our territory, the Goa situation is inclining the people's mind towards a military resolution and our relations with Pakistan are

(Contd...)

none too happy. But it is exactly at such moments that there is need to speak out, no matter how utopian and unrealistic we might appear. We are calmly persuaded that the only realism at the present moment is that violence must be rejected if human society is to be saved.

Currently, the activities of the Shanti Senā are confined to the domestic scene. The movement must gather more strength, Bhoodan, Gramdan, must go much further. The people must take more active part in the Sarvodaya movement before non-violence can become an effective international force in this country. It is for the people to decide which way they will choose.

It will have been noticed that the Indian Shanti Sena fills up an important gap in the world pacifist movements. The pacifist attitude towards war has been one of opposition and non-cooperation. That is merely negative. What was necessary was to place before the people the idea that it was possible for to defend freedom without arms. It should be pointed out here parenthetically that any nation that accepted the policy of non-violence would in the course of the preparation for it naturally discard all imperialist or aggressive policies and policies inimical to other nations. Such a nation would give no cause for fear to any one, nor harbour any fear itself.

The example of the Indian Shanti Sena has led peace movements in many parts of the world to consider whether it was not time to form a World Shanti Sena. I am happy to say that a conference of over hundred peace-makers of the world will be meeting at the end of this month at Beirut. If the World Peace Brigade that has been adumberated comes into being; it will be an event of pregnant significance. We have today the spectacle of even the United Nations trying to keep the peace of the world with the means of war. It would have been far more appropriate for that body, symbol as it is of peace, to use peaceful means to achieve peace. One of the first duties of the World Peace Brigade would be to place its service before the U.N. so that it might have at its disposal a non-violent force ready to place itself between warring camps. The Brigade would, of course, also act on its own, trying to ease tensions and remove international violence.

Peace efforts so far have been confined largely to governments. These efforts are no longer peace efforts, but efforts at self-preservation. The question before humanity is not of war and peace today but of life and death. Therefore, it is necessary for the people now to enter the arena of the fight for peace in a

(Contd...)

big way. The effort of Shri J.J. Singh to enlist a million signatures in this country in support of the demand for the immediate stoppage of nuclar testing is a commendable step in that direction. Manufacture of nuclear weapons is a crime against humanity. The people of the world must raise their voice in unison to stop that crime forthwith.

***

MOHAN G. KOKATNUR Ph D (U. S. A.) Vijay Colony, MIRAJ, (Maharashtra State)

301

188

Dec. 8 1961.

Dear Dr. Hardikar,

I have to thank you for your kind gesture in enquiring with my father about me and my welfare.

I have been busy indeed since I left Miraj after Divali for southern tour. I went to study the Research projects and facilities of some scientific Institutions and Laboratories. At present I am home for a brief pause. I may again leave for Poona and Bombay sometime before the end of next week.

I had a brief stop-over at Ghataprabha when my train was delayed due to some mishap to an earlier frieght train. I may however like to visit the Institute again sometime. Please let me know about your tentative stay at Ghataprabha.

By training and experience I am a Nutritionist and Biochemist. Presently I am not connected with any specific organization but sort of exploring various avenues for a suitable position.

With best of my regards,

Yours Sincerely

Mohan Kokatnur

302

Dr.N.S. Hardiker

10, Akbar Road,
New Delhi-11

193

December 14, 1961

My dear Dhebarbhai,

I have been urging Sri Jagjivan Ram, the Railway Minister, to pay a visit to the Karnatak Health Institute at Ghataprabha in Belgaum district and see the work that we are doing there for the last several years. I am connected with it as its Hony. Administrator. We have a general hospital, a sanatorium, a nurses' training centre, a maternity centre, village health service, etc., etc. Sri Jagjivan Ram has assured me that he would certainly come and see the Institute. This morning he told me that during the coming elections it is likely that he will visit Karnataka and his programme is in your hands. May I respectfully request you to place his visit to the Institute in the itinerary that you will draft? The Karnatak Health Institutte is, as I have said above, in Ghataprabha on the Ghataprabha river in Belgaum district, between Miraj and Belgaum proper on the Southern Railways meter gauge. Will you be good enough to le me know to the address given below about the approximate date of his visit to Karnatak, if at all you include

303 Hubli
14-12-61.

Pujya. Hardikarji. ~~194~~

Vaidya Bhagawat informed y'day. to send all the papers regarding our field and accordingly I am sending the same herewith. He said that he received the letter on 12-12-61 evening.

The present position is :-

1) The Deputy Commissioner has not yet visited the field and has informed that he would visit only after informing me. So all the papers concerned sent by the Rev. ministers are still with him.

2) The revenue authorities had asked the opinion of the Ry. authorities about the acquisition of the said land as it lies adjacent to the Ry track and it is reliably learnt that the Ry. authorities are not infavour of any acquisition as it would affect the health of the Unakal Railway Station staff and that the nigh workers will naturally fear to work singly. This has been informed & is duly back.

Thanking you.

Yours faithfully

M. G. Desai

~~19~~ 304

To

The Minister for Revenue,
Government of Mysore,
Bangalore.

Applicant:- Malhar Giridhar Desai,
Valvekar Galli, Hubli.

Sub: Proposed acquisition of R.S. No.186 of Village Unkal, Taluka Hubli for the purposes of Public Burial Ground.

Respected Sir,

The applicant above named is the owner and occupier of R.S.No.186 of Unkal Village, Taluka Hubli. The said land is in the personal cultivation of the applicant. The applicant happens to be a small holder and the land inteded to be acquired is the land under personal cultivation. The applicant has got a big family to maintain and his only source of maintenance is agriculture. In case this land is acquired, the applicant will be deprived of his main source of income for his maintenance.

2. There are a number of waste lands belonging to Government in the vicinity of the village which are better suited and easily available. Over and above this, a Becharak

...2

village within a distance of a furlong, named Topalgatti has been recently marged into this Unkal Village. Consequently a number of open sites are available. In proof of this statement, a few of the lands which can be conveniently acquired and they are detailed below:-

Revision Survey Nos. 76, 71, 81, 118 and 119 of the village Topalgatti are Government Waste lands.

There is also a burial ground in R.S.No.153 of Topalgatti village which can be conveniently utilised for the purposes of burial ground. The said land is being used now as seen from the Record of Rights as burial ground. There is no justification of further acquisition of my land when there is already a land earmarked and used as burial ground.

3. There is a meek objection raised by some of the public of Unkal in respect of this burial ground. There is a Nalla in-between the village and the burial ground, and that therefore it will cause hindrance of a free passage to reach the burial ground. The Nalla is a small one on which a bridge can be built upon at a low cost. This cost can be well met out of the amount that will be paid as value of acquisition of the present burial ground S.No.42 for Jabin Science College. If this land of the applicant is acquired and used for burial purposes, it will tend to deter further extension and expansion of the buildings. Moroever, the bad smell that is being emitted by creamation of the dead bodies will naturally pollute the whole atmosphere of Unkal.

..3

and is likely to give rise to epidemics from the point of health and sanitation it is not advisable to convert R.S.No.186 of the applicant into a burial grounds.

5. S.No.186 of Unkal slopes down towards Unkal village. The water that is being collected from R.S.No.186 and above will naturally flow down into the Gaothana of Unkal village. In case if this land is used as burial and cremation ground, the filth, the ash and small bones will flow along with the water into the Village. This, of course, will be detrimental to the health of the villagers.

6. The V.P.C. of Unkal and some members of the village are not on cordial terms with the applicant. Despite many alternative suitable proposals are made, they are totally ignored by them. They are insistent upon having this land of the applicant only.

7. When the applicant came to know of the intended acquisition, he moved the authorities concerned by applications. On account of the influential ill-wishers of the applicant the matter was not juridically and judicially considered. The people against the applicant are powerful and influential. On account of their manoeuvering, the applicant could not get justice. The various applications given by the applicant are attached herewith.

...4

The officers concerned have ignored the Circulars even-though they are brought to their notice. The partinent circulars bear RDH 112 LQM/60 and No.RDH 82 LQM/59.

8. The Circulars issued, direct the subordinates to acquire waste land if available in preference to the lands under cultivation. Further they also direct that as far as possible the lands owned and possessed by the small holders should not be acquired. In direct contravention of these circulars, though there are waste lands available and they are other lands belonging to the villagers owning number of acreages, the applicant learns that a proposal is sent by the subordinate officers for acquisition of R.S.No.186 belonging to the applicant, a poor and a small holder.

9. The applicant approached the Deputy Commissioner Shri R.R.Naik, the then Deputy Commissioner who heard the applicant and after discussion definitely told the applicant that his land would be excluded from acquisition. He further told the applicant that in view of the circulars the Goverrment would take a waste lands for purposes of burial ground. But the applicant received a communication from the Deputy Commissioner to his shock to the effect that his request and objection cannot be considered. The applicant has attached herewith all the copies of the applications and orders in connection with this inteded acquisition.

10. The applicant apprehends that under the emergency powers, the applicant would be dispossessed within a short time.

11. The applicant therefore, prays that the matter may kindly be considered thoroughly and the proposed acquisition be please dropped.

12. The applicant further prays that till the disposal of this appeal the further progress of the intended acquisition be please stayed. The applicant respectfully prays that the matter may kindly be enquired into and justice be done to this applicant.

Yours faithfully,
S.J. M.G. Desai.

Dt. 12.9.61.

-2-3 8509

My dear Shri Raddy,

I would be more glad if I could meet you personally and talk on the subject mentioned below. As the General Elections are nearing you will be more and more busy with various work of the organisation. Still I believe you will snatch out a few moments and give due thoughts to the subject.

Seva Dal workers are carrying on their work according to the programme approved by the Congress, throughout the country. There are a good number of workers who are working in the Dal for more than 15 years. As disciplined soldiers they can not seek election for any post in the organisation and associate themselves with the any group in the Congress Organisation in their respective places. Besides the qualities of sincerity to purpose, loyalty to the organisation, patriotic, spirit in them they have proved themselves very efficient on many occasions. I feel that workers of above type should come to the legislatures in their respective States so that their services could be utilised by them in the legislative activities also. The recognisition thus given to the quality of the Dal workers will certainly give an impetus to the younger generation who would join the Dal

I hope you will kindly communicate this thought to all PCCs. Also I specially recommend the following names for your favourable consideration. In anticipation of your approval. We have permitted these to apply to their respective Congress Committees on Congress nomination and they have applied formally

~~7A 103-30~~ 310

MADHAV RAJWADE
SECRETARY.

D.O.No. MR 380 | 7378
Urban Development and
Public Health Department,
Sachivalaya, Bombay 32,
29th December 1961.
8 Pausa 1883.

For his information
of Dr. Balankhe
VBW
1.1.62

Dear Dr.Hardikar,

Please refer to your letter dated the 23rd instant forwarding the letter addressed to me officially by the Chief Medical Officer, Karnatak Health Institute, Ghataprabha. I shall have the matter examined in due course.

Yours sincerely,

29/12

(MADHAV RAJWADE)

Dr.N.S.Hardikar, M.P.,
Health Institute,
Ghataprabha,
District Belgaum.

Hq 1311

Mysore State Panchayath Raj Convention

RECEPTION COMMITTEE

PRESIDENT
SRI A R BADRINARAYAN B A B.L M L.A.
VICE-PRESIDENTS
SRI D R MANAPPA GOWDA
SRI H L VEERABHADRAPPA GOWDA
TREASURER
SRI D P MAHADEVAPPA
SECRETARY
SRI H T REDDY

SHIMOGA

Date 1961

Dear Friend,

I have great pleasure in informing you that the first All Mysore State Panchayat Raj Covention will be held in the early part of May this year in Shimoga Hon ble Shri S K Dey Minister for Community Develpoment and Co operation, Government of India has kindly consented to inaugurate the Convention Sri Balawantrai Mehta, the author of that historical report dealing with the establishment and working of the Panchayat Raj has agreed to inaugurate the Plenary Session of the Seminar The Hon ble Chief Minister, Government of Mysore and Sri S Nijalingappa President M P C C have Communicated their desire to participate in this Convention

As a part of the Convention, Group Seminar to promote unified thinking and action in the effective management of the Panchayat Raj is also arranged Draft Working Paper for the consideration at the Seminar is proposed to be prepared As an adjunct to the Convention, an Exhibition which could help to bring home to the participating delegates the varied and various problems the country is facing and the organised efforts being made to get over these problems is also arranged Arrangements are also on hand to bring out a SOUVENIR in this connetion

It is a matter of gratification and great satisfaction to recall the response we have already met with, in organising this Convention from all interested quarters The Reception Committee is busy in making elaborate arrangements for the Convention, Exhibition and to see that nearly 2 000 Delegates and other invitiees will have a comfortable stay here during that time

Having briefly told about the arrangements and the progress made regarding the Convention, I write to request you to guide the Reception Committee in successfully conducting the Convention both by participating in that and forwarding your suggestions regarding various aspects of the Conference which shall be greatly valued and articles relating to Panchayat Raj moments to be published in the Souvenir.

You are requested to send Subjects that can be incorporated in the Draft Working Paper.

We greatly count on your valued suggestion and co-operation.

To
Dr. N.S.Hardikar,
M.P.
New-Delhi

With regards,

Sincerely yours,

A R Badrinarayan

(A. R BADRI NARAYAN)
President,
Reception Committee.

ಕರ್ 312

ಅಖಿಲ ಮೈಸೂರು ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಸಮ್ಮೇಳನ
ಶಿವಮೊಗ್ಗ.
ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ.

ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಪ್ರಥಮವಾಗಿ ಸಂಸ್ಥಾನ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ನಡೆಯಲಿರುವ, ಪಂಚಾಯ್ತಿ ರಾಜ್ಯ ಸಮ್ಮೇಳನ ಮೇ ತಿಂಗಳು 6 ನೇ ತಾರೀಖು ಶನಿವಾರದಿಂದ ಮೂರು ದಿವಸ ಶಿವಮೊಗ್ಗಾದಲ್ಲಿ ಸಮಾವೇಷಗೊಳ್ಳಿತ್ತದೆ.

.... ಸಮ್ಮೇಳನದ ವಿವರ ....

ತಾ|| 6—5—61 ನೇ ಶನಿವಾರ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಉದ್ಘಾಟನೆಮಾಡುವವರು : **ಶ್ರೀಮಾನ್** S. K. **ಡೆ ರವರು** ಕೇಂದ್ರ ಸರ್ಕಾರದ ಸಮುದಾಯ ಯೋಜನಾ ಮಂತ್ರಿಗಳು. ಸಂಸ್ಥಾನದ ಮುಖ್ಯಮಂತ್ರಿಗಳಾದ **ಶ್ರೀಮಾನ್ ಬಿ. ಡಿ. ಜತ್ತಿಯವರು** ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆವಹಿಸುವವರು

,, 7-5-61 ನೇ ಭಾನುವಾರ ಸರ್ವ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳ ಸಭೆಯ ಉದ್ಘಾಟನೆಯನ್ನು ಅಖಿಲಭಾರತ ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ **ಶ್ರೀ N. ಸಂಜೀವರೆಡ್ಡಿಯವರು** ನಡೆಸುವರು. ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯನ್ನು : ಸಂಸ್ಥಾನದ ಯೋಜನಾ ಉಪಮಂತ್ರಿಗಳಾದ **ಶ್ರೀಮಾನ್** H. C. **ಲಿಂಗಾರೆಡ್ಡಿಯವರು** ವಹಿಸುವರು.

,, 8-5-61 ನೇ ಸೋಮವಾರ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಮುಕ್ತಾಯ ಸಮಾರೋಪ ಭಾಷಣ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಅಧ್ಯಕ್ಷರು, ಲೋಕಸಭೆ ಸದಸ್ಯರಾದ **ಶ್ರೀಮಾನ್ ಬಲವಂತರಾಯ ಜಿ. ಮೆಹತ ರಿಂದ**

ಸಂಸ್ಥಾನದ ಮಂತ್ರಿಗಳು ಪಾರ್ಲಿಮೆಂಟಿನ ಸದಸ್ಯರು, ಮೈಸೂರು ಸಂಸ್ಥಾನದ ಸಮುದಾಯ ಯೋಜನಾ ಸಲಹಾಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರೂ, ಶಾಸನಸಭಾ ಸದಸ್ಯರೂ ಮತ್ತು ಸಂಸ್ಥಾನದ ವಿವಿಧ ಇಲಾಖಾ ಮುಖ್ಯಾಧಿಕಾರಿಗಳು ಭಾಗವಹಿಸುತ್ತಾರೆ.

ವ್ಯವಸಾಯಕ್ಕೆ ಮತ್ತು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಯೋಜನೆಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧ ಪಟ್ಟಂತೆ ವಸ್ತು ಪ್ರದರ್ಶನವನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಿದೆ.

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಗಳ ಅಡಳಿತಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಅನೇಕ ವಿಷಯಗಳು ಚರ್ಚೆಯಾಗಿ ಮುಖ್ಯ ತೀರ್ಮಾನಗಳನ್ನು ತೆಗೆದು ಕೊಳ್ಳಲೇರ್ಪಡಿಸಿರುವುದರಿಂದ ಸರ್ವರೂ ಈ ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಿ ಸರ್ವ ವಿಧದ ಸಹಾಯವನ್ನು ಮಾಡಬೇಕಾಗಿ ವಿನಂತಿ.

ಅಧ್ಯಕ್ಷರು ಮತ್ತು ಸದಸ್ಯರು,
ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ.

ಶ್ರೀ ಶಾರದಾ ಪ್ರೆಸ್, ಶಿವಮೊಗ್ಗ.

313

106

ಅಖಿಲ ಮೈಸೂರು ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಸಮ್ಮೇಳನ, ಶಿವಮೊಗ್ಗ.

"ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬ ಪ್ರಜೆಯೂ – ಹೆಣ್ಣಾಗಲಿ, ಗಂಡಾಗಲಿ ತನ್ನ ವೈಯಕ್ತಿಕ ಜವಾಬ್ದಾರಿಗಳನ್ನು ಮನವರಿಕೆಮಾಡಿಕೊಂಡು ಅವುಗಳ ನಿರ್ವಹಣೆಗೆ ದುಡಿಯುವ ಸಂಕಲ್ಪ ಮಾಡಬೇಕಾಗಿರುವುದು ಪ್ರಜಾಪ್ರಭುತ್ವ ಆಡಳಿತದ ಅತ್ಯಂತ ಅಪೇಕ್ಷಣೀಯ ಆವಶ್ಯಕತೆ. ಇದೇ ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯದ ನಿಜವಾದ ಅರ್ಥ"

ಹೀಗೆಂದು ಪೂಜ್ಯ ಬಾಪೂಜಿಯವರು ಭಾರತವು ಸ್ವಯಮಾಡಳಿತ ಪಡೆದ ಎಂಟು ವಾರಗಳ ಹಿಂದೆ ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಸಭೆಯೊಂದರಲ್ಲಿ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾ ತಿಳಿಸಿದ್ದರು.

ಭಾರತವು ಸರ್ವತಂತ್ರ ಸ್ವತಂತ್ರ ಗಣರಾಜ್ಯವಾಗಿರಬೇಕೆಂದು ಘೋಷಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿರುವ ರಾಜ್ಯಾಂಗದ 40 ನೇ ವಿಧಿಯಲ್ಲಿ ಗ್ರಾಮಾಡಳಿತದ ಬಗ್ಗೆ ಉಲ್ಲೇಖಿಸಲಾಗಿದ್ದು ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳನ್ನು ವ್ಯವಸ್ಥೆಮಾಡಿ ಅವು ಸ್ವಯಂಆಡಳಿತ ಭಾಗಗಳಾಗಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡಲು ಆವಶ್ಯಕವಾದ ಅಧಿಕಾರಚಟುವಟಿಕೆಗಳನ್ನು ದೊರಕಿಸಿಕೊಡುವ ಜವಾಬ್ದಾರಿ ಪ್ರಭುತ್ವದ್ದು ಎಂದೂ ನಿರೂಪಿಸಲಾಗಿದೆ. ಅಂದಮೇಲೆ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ರಾಜ್ಯಾಡಳಿತ ವಿಕೇಂದ್ರೀಕೃತ ಘಟಕಗಳಾಗಿ ಗ್ರಾಮಸಮುದಾಯದ ಸಾಮಾಜಿಕ, ಆರ್ಥಿಕ ಪ್ರಗತಿಗಾಗಿ ದುಡಿಯಲು ಸಾಕಷ್ಟು ಅಧಿಕಾರ ಮತ್ತು ಸೌಲಭ್ಯಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರಬೇಕಾದ್ದು ಅನಿವಾರ್ಯವಾಯ್ತು.

ಪ್ರಜಾಪ್ರಭುತ್ವದ ಯಶಸ್ವಿ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಅದು ಗ್ರಾಮಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಬೇರೂರಿದಾಗ ಮಾತ್ರ ಸಾಧ್ಯ. ವಿಶಾಲ ಜನಸ್ತೋಮವು ತನ್ನ ಆಸೆ, ಆಕಾಂಕ್ಷೆಗಳನ್ನು ವ್ಯಕ್ತ ಪಡಿಸಲೂ, ಜವಾಬ್ದಾರಿಗಳನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಳ್ಳಲೂ ನೆರವೀಯಲು ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಒಂದು ಸುಸಂಘಟಿತ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯಾಗಬಲ್ಲವು. ಪ್ರತಿ ಪ್ರಜೆಯ

ಕ್ರಿಯಾಶೀಲತೆ, ಪ್ರಚ್ಛನ್ನ ಶಕ್ತಿಗಳಿಗೆ ಅವಕಾಶಗಳು ಕಲ್ಪಿತವಾಗಿ ಜನಸಮುದಾಯವನ್ನು ಹುರಿದುಂಬಿಸಿ, ಕಾರ್ಯೋನ್ಮುಖರನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಲು ಇದಕ್ಕಿಂತಲೂ ಉತ್ತಮ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಬೇರಾವುದೂ ಕಾಣಸಿಗದು.

ಗ್ರಾಮಗಳ ಸಮಗ್ರ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗೆ ಯೋಗ್ಯ ಯೋಜನೆಗಳು ಅವಶ್ಯಕವಿದ್ದು, ಈ ಯೋಜನೆಗಳ ತಯಾರಿಕೆ ಮತ್ತು ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲ ಗ್ರಾಮಸ್ಥರೂ ಸಹಕರಿಸುವಂತೆ ಆಗಬೇಕಾದುದು ಅನಿವಾರ್ಯವಾದುದೆಂಬುದು ಎರಡು ಪಂಚವಾರ್ಷಿಕ ಯೋಜನೆಗಳ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ನಾವು ಪಡೆದ ಉಪಯುಕ್ತ ಅನುಭವವಾಗಿದೆ.

ಈ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದಲೇ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಗಳು ಘಟನಾತ್ಮಕವಾಗಿ ದೇಶಾದ್ಯಂತ ರಚನೆಯಾಗಿರುತ್ತವೆ. ಈ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸದಸ್ಯರ ಜೊತೆಗೆ ಕೈಕೂಡಿಸಿ ಇತರೆ ಅನುಭವಿಗಳೂ, ಹಿರಿಯರೂ ಕೆಲಸಮಾಡಲು ಅವಕಾಶವಿರುವಂತೆ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ **ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು, ಗ್ರಾಮದ ಅವಶ್ಯಕತೆಗಳಿಗನುಸಾರವಾಗಿ ಯೋಜನೆಗಳನ್ನು ರಚಿಸಿ, ಕಾರ್ಯಗತಮಾಡುವುದು, ದೊರಕಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಹುದಾದ ಎಲ್ಲ ಸಂಪನ್ಮೂಲಗಳ-ಮಾನವ ಶಕ್ತಿಯೂ ಕೂಡಿ-ಕ್ರೋಢೀಕರಣ ಮತ್ತು ನಡೆದ ಕೆಲಸದ ಪರೀಕ್ಷಣ ಹಾಗೂ ಮೌಲ್ಯ ನಿರ್ಧಾರದ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ಸುಧಾರಣೆ, ಈ ಜವಾಬ್ದಾರಿಗಳನ್ನು** ತಕ್ಷಣವೇ ಹೊರಬೇಕಾಗಿದೆ

ಈ ಬೃಹತ್ ಜವಾಬ್ದಾರಿಯ ನಿರ್ವಹಣೆಯಲ್ಲಿ ಬಹುಮುಖ್ಯವಾದ ಅನೇಕ ಸಮಸ್ಯೆಗಳು, ಈಗಾಗಲೇ ಗೋಚರಕ್ಕೆ ಬಂದಿವೆ. **ಕೇಂದ್ರೀಕೃತ ಅಧಿಕಾರ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯನ್ನಯ ರಚಿತವಾಗಿದ್ದ ಕಾನೂನುಭಾಗಗಳಲ್ಲಿನ ದೋಷಗಳ ಜೊತೆಗೆ ಆಡಳಿತದಲ್ಲಿನ ಅನನುಭವ ಮತ್ತು ಸಕಾಲದಲ್ಲಿ ಯೋಗ್ಯ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನದ ಅಭಾವ ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ತತ್ವದ ಹಿರಿಮೆ, ಮಹತ್ವಗಳನ್ನು ಸಂಕುಚಿತಗೊಳಿಸಿವೆ.**

ಇದೊಂದು ಹೊಸ ಪ್ರಯೋಗವಾದ್ದರಿಂದ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯಿತಿಗಳು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಗಳು ಹೊಸ ಸನ್ನಿವೇಶಕ್ಕೆ ಹೊಂದಿಕೊಂಡು ಕಾರ್ಯ ನಡೆಸಬೇಕಾಗಿರುತ್ತೆ. ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯದ **ಮಹತ್ವಪೂರಿತ ಪ್ರತಿಫಲ ಹಳ್ಳಿಗಾಡಿನ ಜನತೆಗೆ ಲಭಿಸುವಂತಾಗಲು ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಗಳು ಹೊಂದಿಕೊಂಡು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ವಿವೇಚನೆಯಿಂದ ನಿರ್ಧಾರವಾಗಿ ಕಾರ್ಯ ನಡೆಸುವುದು** ಅತ್ಯಗತ್ಯವಾಗಿರುತ್ತೆ.

ಇಂತಹ ಸಂಘಟನಾಶಕ್ತಿ ಹೊರಹೊಮ್ಮಬೇಕಾದಲ್ಲಿ ಕ್ರಮಬದ್ಧವಾದ ಪ್ರಯತ್ನ ಅವಶ್ಯವಾಗಿದ್ದು, ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಚಳುವಳಿಯಲ್ಲಿ ಆಸಕ್ತಿ ಇರುವವರೆಲ್ಲರೂ ಈ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ಸಂಘಟನೆಗೆ ಗಮನ ಹರಿಸುವ ಸುಯೋಗ ಒದಗಿಬಂದಿರುತ್ತದೆ. ಅಂತೆಯೇ ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯತ್ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಅಂಗವಾಗಿ ನಮ್ಮ ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿ "ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಪರಿಷತ್" ಎಂಬ ಸಂಸ್ಥೆಯನ್ನು ರಚಿಸುವುದು ಅಗತ್ಯವಾಗಿರುತ್ತೆ.

ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಈ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಮೂಲ ಘಟಕಗಳಾಗಿದ್ದು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಜಿಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ರಾಜ್ಯಮಟ್ಟದ ಶಾಖೆಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿರಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ ಈ ಶಾಖೆಗಳು ಆಯಾ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಜನಸಂಪರ್ಕ ಕಛೇರಿಗಳನ್ನು ತೆರೆದು, ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಅನೇಕ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಆಗುಮಾಡಿಸುವಲ್ಲಿ ಆಯಾಮಟ್ಟದ ಇಲಾಖೆಯವರಲ್ಲಿ ಸಂಪರ್ಕವಿಟ್ಟುಕೊಳ್ಳಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಅಲ್ಲದೆ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳಿಗೆ ಸಕಾಲದಲ್ಲಿ ಸಲಹೆ ಸಹಾಯವನ್ನು ಅವರ ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ದೊರಕಿಸಿಕೊಡುವ ಜವಾಬ್ದಾರಿಯನ್ನು ಹೊರಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ.

ಈ ಸಂಸ್ಥೆ ಪ್ರತ್ಯಕ್ಷವಾಗಿ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳಿಗೆ ನೆರವಾಗುವುದಲ್ಲದೆ ವಿವಿಧ ಇಲಾಖೆಗಳಿಗೂ ಮತ್ತು ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳಿಗೂ ಸಂಪರ್ಕಕಾರಿಯಾಗಿಯೂ ಮತ್ತು ಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳ ಕಾರ್ಯಭಾರದಲ್ಲಿ ಒದಗುವ ಕಾನೂನು ಮತ್ತು ಶಾಸನಭಾಗದ ತೊಡರುಗಳ ನಿವಾರಣೆಯಲ್ಲಿ ಸರ್ಕಾರಕ್ಕೆ ಸಲಹೆಯನ್ನು ನೀಡುವ ಸ್ಥಾನವನ್ನು ಹೊಂದಿರಬೇಕಾಗಿರುತ್ತದೆ.

ಈ ಒಂದು ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ದೊರೆಯುವಂತಾಗಲು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಗಳ ಮತ್ತು ಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಮತ್ತು ಅನೇಕ ಇಲಾಖೆಗಳ ತಜ್ಞರ ಪರಸ್ಪರ ಸಮಾವೇಶ ಅಗತ್ಯವೆಂದು ತಿಳಿದು, ಶಿವಮೊಗ್ಗೆಯಲ್ಲಿ "ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಸಮ್ಮೇಳನವನ್ನು" ಕರೆಯಲಾಗಿದೆ. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ "ರಾಜ್ಯ ಪಂಚಾಯತ್ ಪರಿಷತ್" ರಚನೆಗೆ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲು ಅವಕಾಶವಿರುವುದಲ್ಲದೆ "ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ" ಚಳುವಳಿಯಲ್ಲಿ ಜನತೆಯ ಆಸಕ್ತಿಯನ್ನು ಪ್ರೇರೇಪಿಸಲು ಸಹಾಯಕವಾಗುವಂತೆ ವಿಚಾರ ಪ್ರಚೋದಿತವಾದ "ವ್ಯಾಸಂಗ ಗೋಷ್ಠಿ"ಯನ್ನು ಈ ಕೆಳಕಂಡ ವಿಷಯಗಳ ಮೇಲೆ ನಡೆಸಲು ಏರ್ಪಸಲಾಗಿದೆ.

"ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಮತ್ತು ಗ್ರಾಮಯೋಜನೆ"

"ಗ್ರಾಮಯೋಜನೆಗಳ ಯಶಸ್ವೀ ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗೆ ಬೇಕಾದ ಸಾಧನ ಸೌಲಭ್ಯಗಳು"

ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಾಗಿ ಭಾಗವಹಿಸಲು ರಾಜ್ಯದ ಎಲ್ಲಾ ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಗಳಿಂದ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳನ್ನು ಬರಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದಲ್ಲದೆ " ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ " ಚಳುವಳಿಯಲ್ಲಿ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಎಲ್ಲಾ ಇಲಾಖೆಯವರ ಸಹಕಾರವನ್ನು ಕೋರಲಾಗಿದ್ದು ರಾಜ್ಯಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಪ್ರಥಮವಾಗಿ ನಡೆಸಲಿರುವ ಈ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಯಶಸ್ಸಿಗೆ ಸರ್ವರ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನವನ್ನು ಕೋರಲಾಗಿದೆ.

ಸ್ವಾಗತ ಸಮಿತಿ,
ಅಖಿಲ ಮೈಸೂರು ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಸಮ್ಮೇಳನ,
ಶಿವಮೊಗ್ಗ.

ಶ್ರೀ ಎ. ಆರ್. ಬದರೀನಾರಾಯಣ್,	ಅಧ್ಯಕ್ಷ
,, ಡಿ. ಆರ್. ಮಾನಪ್ಪಗೌಡ,	ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷ
,, ಎಚ್. ಎಲ್. ವೀರಭದ್ರಪ್ಪಗೌಡ,	,,
,, ಡಿ. ಪಿ. ಮಹದೇವಪ್ಪ,	ಖಜಾಂಚಿ
,, ಎಚ್. ಟಿ. ರೆಡ್ಡಿ,	ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ
,, ಎಚ್ ಡಿ. ಮಲ್ಲಪ್ಪ, ಸಾಗರ	ಸದಸ್ಯರು
,, ಪಿ. ಎಸ್. ರಾಮಪ್ಪ, ಹೊಸನಗರ	,,
,, ಗುಂಡಾಭಟ್ಟರು, ತೀರ್ಥಹಳ್ಳಿ	,,
,, ಎಚ್. ಪಿ. ಬಸವರಾಜಪ್ಪ, ಭದ್ರಾವತಿ.	,,
,, ಗುರುಮೂರ್ತಪ್ಪ, ಚೆನ್ನಗಿರಿ	,,
,, ಕಾಂತಪ್ಪ, ಹೆನ್ನಾಳಿ	,,
,, ಕೊಟ್ರಪ್ಪ, ಶಿಕಾರಿಪುರ	,,
,, ರುದ್ರಪ್ಪನಾಯ್ಕ, ಸೊರಬ	,,
,, ಹಾಲೇಗೌಡ, ಶಿವಮೊಗ್ಗ	,,

ಪ್ರಗತಿ ಮುದ್ರಣಾಲಯ, ಶಿವಮೊಗ್ಗ.

(3)
110

ಮೈಸೂರು ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯಪರಿಷತ್

(ಕರಡು ಅಂಗರಚನೆ)

1 **ಹೆಸರು:** ಈ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಹೆಸರು "ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯದ ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯಪರಿಷತ್" ಎಂದಿರತಕ್ಕದ್ದು

2. **ಆಡಳಿತ ವ್ಯಾಪ್ತಿ:** ಸಂಸ್ಥೆಯು ಆಡಳಿತವ್ಯಾಪ್ತಿಯು ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯದಲ್ಲೆಲ್ಲ ಇರತಕ್ಕದ್ದು ಮತ್ತು ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಅಂಗವಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು.

3 **ಉದ್ದೇಶ** ಪಂಚಾಯ್ತಿ ರಾಜ್ಯದ ಮಹತ್ವಪೂರಿತ ಪ್ರತಿಫಲ ಹಳ್ಳಿಗಾಡಿನ ಜನತೆಗೆ ಲಭಿಸುವಂತಾಗಲು, ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಸೂಕ್ತ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಕೈಕೊಳ್ಳುವುದು:

(a) ಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಗಳು ಹೊಂದಿಕೊಂಡು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ವಿವೇಚನೆಯಿಂದ ನಿರ್ಭಯವಾಗಿ ಕಾರ್ಯನಡೆಸಲು ನೆರವಾಗುವುದು

(b) ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಗ್ರಾಮಗಳ ಅವಶ್ಯಕತೆಗಳಿಗನುವಾಗಿ ಗ್ರಾಮಯೋಜನೆಗಳನ್ನು ರಚಿಸಿ ಕಾರ್ಯಗತಮಾಡುವುದರಲ್ಲಿ ನೆರವಾಗುವುದು.

(c) ಆಯಾ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳ ಸಮಸ್ಯೆಗಳೇನೆಂಬುದನ್ನು ತಿಳಿದು ತಾಲ್ಲೂಕ್, ಜಿಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ರಾಜ್ಯಮಟ್ಟದ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಗಮನಕ್ಕೆ ತಂದು ಪರಿಹಾರೋಪಾಯಗಳನ್ನು ಕೈಕೊಳ್ಳಲು ನೆರವಾಗುವಂತೆ ತಾಲ್ಲೂಕ್, ಜಿಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ರಾಜ್ಯಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಸಂಪರ್ಕ ಕೆಛೇರಿಗಳನ್ನು ತೆರೆಯುವುದು

4 **ಪರಿಷತ್ತಿನ ಪ್ರಧಾನ ಶಾಖೆಗಳು:**

(1) ಕೇಂದ್ರ ಪರಿಷತ್ (2) ಜಿಲ್ಲಾ ಪರಿಷತ್ (3) ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಪರಿಷತ್.

5 **ಆಯಾ ಶಾಖೆಗಳ ಕಾರ್ಯಾಂಗ ಭಾಗಗಳು:** ಕೇಂದ್ರ, ಜಿಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಶಾಖೆಗಳೆಲ್ಲವಕ್ಕೂ ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಒಂದೇ ವಿಧವಾದ ಕಾರ್ಯಾಂಗ ಭಾಗಗಳಿರುತ್ತವೆ.

(1) ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ ಅಥವಾ (ಸಮ್ಮೇಳನ) (2) ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್ (3) ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿ (4) ಸ್ಥಾಯೀ ಸಮಿತಿ

6 **ಸದಸ್ಯತ್ವ:** (a) ರಾಜ್ಯದಲ್ಲಿನ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರು ಸಕ್ರಿಯಸದಸ್ಯರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ

(b) ಪಂಚಾಯ್ತಿ ರಾಜ್ಯ ಚಳುವಳಿಯಲ್ಲಿ ತಜ್ಞರಾದವರೆಲ್ಲರೂ ಸಹಾಯಕ ಸದಸ್ಯರಾಗಿರುತ್ತಾರೆ

(c) ವಿಶೇಷ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ "ಪೋಷಕ"ರೆಂದು ಪರಿಗಣಿಸಲ್ಪಟ್ಟವರು

7 **ಸದಸ್ಯತ್ವ ಶುಲ್ಕ:** ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳಿಂದ ವಾರ್ಷಿಕ ಚಂದಾ 100 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು, ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರಿಂದ ವಾರ್ಷಿಕ ಚಂದಾ 5 ರೂಪಾಯಿಗಳನ್ನು ನಿಗದಿಮಾಡುವುದು

8 **ಆಯಾ ಶಾಖೆಗಳಲ್ಲಿ ಶುಲ್ಕದ ಹಂಚಿಕೆ:**

ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳಿಂದ ರೂ 100–00		ತಾಲ್ಲೂಕು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸದಸ್ಯರಿಂದ ರೂ. 5–00
ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಶಾಖೆಗೆ	50–00	2–00
ಜಿಲ್ಲಾ ಶಾಖೆಗೆ	40–00	2–00
ರಾಜ್ಯ ಶಾಖೆಗೆ	10–00	1–00

9 **ಸಭೆಗಳು:** ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಶಾಖೆಗಳ "ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ" ಅಥವಾ ಸಮ್ಮೇಳನ ವರ್ಷದಲ್ಲಿ ಒಂದು ಸಾರಿಯೂ, ಕೌನ್ಸಿಲ್ ವರ್ಷದಲ್ಲಿ ಎರಡು ಸಾರಿಯೂ, ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯು ಎರಡು ತಿಂಗಳಿಗೊಂದು ಸಾರಿಯೂ ಮತ್ತು ಸ್ಥಾಯೀಸಮಿತಿಯು ಅವಶ್ಯಕತೆ ಇದ್ದಾಗ ಸೇರತಕ್ಕದ್ದು. ಎಲ್ಲಾ ಶಾಖೆಗಳ, ಸ್ಥಾಯೀಸಮಿತಿ ವಿನಃ ಸಮ್ಮೇಳನಕ್ಕೆ (ಅಥವಾ ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ) 1/10 ಭಾಗವು ಕೌನ್ಸಿಲ್ ಸಭೆಗಳಿಗೆ 1/5 ಭಾಗವು ಮತ್ತು ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸಭೆಗಳಿಗೆ 1/4 ಭಾಗವು ಕೋರಂ ಇರತಕ್ಕದ್ದು

10. **ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದ ಆಯ್ಕೆ:** ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಶಾಖೆಗಳು ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದವರನ್ನು ಜನರಲ್ ಬಾಡಿಯಲ್ಲೂ ಮತ್ತು ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರನ್ನು ಆಯಾ ಶಾಖೆಗಳ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನ ವಾರ್ಷಿಕ ಸಭೆಯಲ್ಲೂ ಆರಿಸತಕ್ಕದ್ದು

ಅಧ್ಯಕ್ಷ, ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷ, ಪ್ರಧಾನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ, ಖಜಾಂಚಿ

ಹೀಗೆ ಆರಿಸಿದ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದವರು ಎರಡು ವರ್ಷಗಳ ವರೆವಿಗೂ ಇರತಕ್ಕದ್ದು. ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರಲ್ಲಿ 1/3 ಭಾಗ ಸದಸ್ಯರು ಪ್ರತಿ ವರ್ಷ ನಿವೃತ್ತರಾಗತಕ್ಕದ್ದು ಇವರಲ್ಲದೆ ಪರಿಷತ್ತಿನ ನಿತ್ಯ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಲು ಖಾಯಂ ಆಡಳಿತ ವರ್ಗವಿರತಕ್ಕದ್ದು.

P. T. O.

ಮೈಸೂರು ಸಂಸ್ಥಾನದ ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಾರ್ಯಾಂಗಭಾಗಗಳು

ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ ಅಥವಾ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ	ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಲ್ಲಿ	ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯಲ್ಲಿ	ಸ್ಥಾಯೀಸಮಿತಿಯಲ್ಲಿ
ಜಿಲ್ಲಾ ಪರಿಷತ್‌ಗಳ ಎಲ್ಲಾ ಕೌನ್ಸಿಲ್ ಸದಸ್ಯರುಗಳು ಭಾಗವಹಿಸತಕ್ಕದ್ದು	ಜಿಲ್ಲಾ ಪರಿಷತ್ತುಗಳ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರುಗಳೆಲ್ಲರೂ ಇರತಕ್ಕದ್ದು.	ಸಂಸ್ಥಾನದ ಪ್ರತಿ ರೆವಿನ್ಯೂ ಡಿವಿಜನ್ನನ್ನು ಪ್ರತಿನಿಧಿಸಲು ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಚುನಾಯಿತರಾದ ಸದಸ್ಯರು. 1) ಗ್ರಾಮಾಧ್ಯಕ್ಷರ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ರೆವಿನ್ಯೂ ಡಿವಿಜನ್ನಿಗೆ 2 ಜನರಂತೆ 8 ಜನ 2) ತಾಲ್ಲೂಕು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಗಳ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ರೆವಿನ್ಯೂ ಡಿವಿಜನ್ನಿಗೆ ಒಬ್ಬರಂತೆ 4 ಜನ 3) ಮಹಿಳಾ ಸದಸ್ಯರ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ರೆವಿನ್ಯೂ ಡಿವಿಜ್ಞಗೆ ಒಬ್ಬರಂತೆ 4 ಜನ. 4) ಹಿಂದುಳಿದ ಪಂಗಡದ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ರೆವಿನ್ಯೂ ಡಿವಿಜ್ಞಗೆ ಒಬ್ಬರಂತೆ 4 ಜನ. 5) ಅಧ್ಯಕ್ಷರಿಂದ ನಾಮಕರಣಮಾಡ ಲ್ಪಟ್ಟ ಸದಸ್ಯರು ಒಟ್ಟು 2 ಜನರು 6) ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಆಯ್ಕೆಯಾದ ಅಧಿ ಕಾರ ವರ್ಗದವರು.	ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಆರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗ ಮತ್ತು ತಜ್ಞರು ಇರತಕ್ಕದ್ದು.

ಜಿಲ್ಲಾ ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಾರ್ಯಾಂಗಭಾಗಗಳು

ಜನರಲ್‌ಬಾಡಿ ಅಥವಾ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ	ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಲ್ಲಿ	ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯಲ್ಲಿ	ಸ್ಥಾಯೀಸಮಿತಿಯಲ್ಲಿ
ಜಿಲ್ಲೆಯ ಎಲ್ಲಾ ತಾಲ್ಲೂಕುಗಳ ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನ ಸದಸ್ಯರು ಗಳು ಭಾಗವಹಿಸತಕ್ಕದ್ದು	ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿನ ಎಲ್ಲಾ ತಾಲ್ಲೂಕುಗಳ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿ ಸದಸ್ಯರುಗಳಿರತಕ್ಕದ್ದು	1) ಪ್ರತಿ ತಾಲ್ಲೂಕಿನಿಂದ ಗ್ರಾಮಾಧ್ಯಕ್ಷರನ್ನು ಪ್ರತಿನಿಧಿಸುವ ಸದಸ್ಯರು ತಾಲ್ಲೂಕಿಗೆ ಒಬ್ಬರಂತೆ 2) ಜಿಲ್ಲಾ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನ ಎಲ್ಲಾ ತಾಲ್ಲೂಕು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿ ಸದಸ್ಯರನ್ನು ಪ್ರತಿನಿಧಿಸುವ ಸದಸ್ಯರು 5 ಜನ 3) ಜಿಲ್ಲಾ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನ ಮಹಿಳಾ ಸದಸ್ಯರನ್ನು ಪ್ರತಿನಿಧಿಸುವ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು 4 ಜನ 4) ಜಿಲ್ಲಾ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನ ಹಿಂದುಳಿದ ಪಂಗಡಗಳ ಸದಸ್ಯರ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು 4ಜನ 5) ಅಧ್ಯಕ್ಷರಿಂದ ನಾಮಕರಣ ಮಾಡಲ್ಪಟ್ಟವರು ಒಬ್ಬರು. 6) ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಆರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗ.	ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಆರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಜಿಲ್ಲಾ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಅಧಿಕಾರಿವರ್ಗದವರು ಮತ್ತು ತಜ್ಞರು ಇರತಕ್ಕದ್ದು

ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಪರಿಷತ್ತು

ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ ಅಥವಾ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ	ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಲ್ಲಿ	ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯಲ್ಲಿ	ಸ್ಥಾಯೀಸಮಿತಿಯಲ್ಲಿ
ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯಿತಿಗಳ ಎಲ್ಲಾ ಸದಸ್ಯರುಗಳೂ ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರುಗಳೂ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಾಗಿ ಭಾಗವಹಿಸತಕ್ಕದ್ದು	1) ಪ್ರತಿ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯಿತಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷರು 2) do ಮಹಿಳಾ ಪ್ರತಿನಿಧಿ ಒಬ್ಬರು 3) do ಹಿಂದುಳಿದ ಪಂಗಡದ ಪ್ರತಿನಿಧಿ ಒಬ್ಬರು 4) ತಾಲ್ಲೂಕು ಸಮಿತಿಯ ಎಲ್ಲಾ ಸದಸ್ಯರೂ ಇರತಕ್ಕದ್ದು.	1) ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಬೋರ್ಡಿನ ಪ್ರತಿ ಚುನಾವಣಾ ಕ್ಷೇತ್ರದಿಂದ ಕೌನ್ಸಿಲ್ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಆರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಸದ್ಯಸರು ಗ್ರಾಮಾಧ್ಯಕ್ಷರ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು 2 ಜನ ಮಹಿಳಾ ಪ್ರತಿನಿಧಿ ಒಬ್ಬರು. ಹಿಂದುಳಿದ ಪಂಗಡದ ಪ್ರತಿನಿಧಿ ಒಬ್ಬರು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯ ಸದಸ್ಯರನ್ನು ಪ್ರತಿನಿಧಿಸುವ 2 ಜನ. ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಚುನಾಯಿತವಾದ ಅಧಿಕಾರಿವರ್ಗದವರು ಇರತಕ್ಕದ್ದು.	ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಚುನಾಯಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಅಧಿಕಾರಿವರ್ಗ ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯ ಅಧ್ಯಕ್ಷರು ಗೌರವಾನ್ವಿತ ಸದಸ್ಯರಾಗಿಯೂ ಮತ್ತು ತಜ್ಞರು ಇರತಕ್ಕದ್ದು

ಗ್ರಾಮಮಟ್ಟದ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಪರಿಷತ್ತಿನ ಮೂಲಘಟಕಗಳಾಗಿರುತ್ತವೆ.

ಎಚ್. ಟಿ. ರೆಡ್ಡಿ,
ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ,
ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಸಮ್ಮೇಳನ, ಶಿವಮೊಗ್ಗ.

~~H2~~ 817

ಮೈಸೂರು ರಾಜ್ಯ ಪಂಚಾಯತ್ ಪರಿಷತ್ತು

ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಶಾಖೆಯ ಕರಡು ಅಂಗರಚನೆ

1 ಈ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಹೆಸರು **ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಪಂಚಾಯತ್ ಪರಿಷತ್ತು** ಎಂದು ಇರತಕ್ಕದ್ದು.

2 **ಆಡಳಿತ ವ್ಯಾಪ್ತಿ :** ಸಂಸ್ಥೆಯ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯು ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಎಲ್ಲಾ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯತ್ ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಅನ್ವಯಿಸತಕ್ಕದ್ದು

3 ಮೈಸೂರು ಸಂಸ್ಥಾನ "ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯ ಪರಿಷತ್ತಿನ" ಅಂಗವಾಗಿ ಇರತಕ್ಕದ್ದು.

4 **ಉದ್ದೇಶ :** (ಅ) ಪಂಚಾಯತ್ ರಾಜ್ಯದ ಮಹತ್ವಪೂರಿತ ಪ್ರತಿಫಲ ಹಳ್ಳಿಗಾಡಿನ ಜನತೆಗೆ ಲಭಿಸುವಂತಾಗಲು ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಕೈಗೊಳ್ಳುವುದು

(ಆ) ಪಂಚಾಯತ್‌ಗಳು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಗೆ ಆಡಳಿತ ಸಂಬಂಧ ಕಲ್ಪಿಸಿ ಹೊಂದಿಕೊಂಡು ಸುಸಂಘಟಿತವಾಗಿ ವಿವೇಚನೆಯಿಂದ ನಿರ್ಭಯವಾಗಿ ಕಾರ್ಯ ನಡೆಸಲು ನೆರವಾಗುವುದು

(ಇ) ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಗ್ರಾಮಗಳ ಅವಶ್ಯಕತೆಗಳಿಗನುಗುಣವಾಗಿ ಗ್ರಾಮಯೋಜನೆಗಳನ್ನು ರಚಿಸಿ ಅವುಗಳನ್ನು ಕಾರ್ಯಗತಮಾಡುವುದರಲ್ಲಿ ನೆರವಾಗುವುದು

(ಈ) ಆಯಾ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳ ಸಮಸ್ಯೆಗಳೇನೆಂಬುದನ್ನು ತಿಳಿದು ತಾಲ್ಲೂಕ್‌ಮಟ್ಟದ ಅಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ನೇರವಾಗಿಯೂ ಜಿಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ರಾಜ್ಯಮಟ್ಟದ ಅಧಿಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಜಿಲ್ಲಾ ಮತ್ತು ರಾಜ್ಯಮಟ್ಟದ ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್‌ಗಳ ಮೂಲಕ ಸಮಸ್ಯೆಗಳ ಪರಿಹಾರಕ್ಕೆ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಲು ನೆರವಾಗುವುದು.

(ಉ) ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಖಾಯಂ ಕಛೇರಿಯನ್ನು ತೆರೆದು ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳ ಅಧ್ಯಕ್ಷರನ್ನು ಒಳಗೊಂಡ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗವು ಆಡಳಿತ ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಮಟ್ಟದ ವಿವಿಧ ಇಲಾಖೆಯ ಅಧಿಕಾರಿಗಳೊಂದಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕ ಹೊಂದಿ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳ ವಿಶಿಷ್ಟ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ನಡೆಸಿಕೊಡುವುದು.

5 **ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಪಂಚಾಯತ್ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಾರ್ಯಾಂಗಭಾಗಗಳು :**

1) ಸಮ್ಮೇಳನ ಅಥವಾ ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ
2) ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್
3) ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿ
4) ಸ್ಥಾಯೀ ಸಮಿತಿ ಅಥವಾ ವರ್ಕಿಂಗ್ ಸಮಿತಿ

6 **ಸದಸ್ಯತ್ವ :** (1) ತಾಲ್ಲೂಕಿನ ಎಲ್ಲಾ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ವಾರ್ಷಿಕ ಚಂದಾ ಹಣವನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಸಕ್ರಿಯ ಸದಸ್ಯರಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯ ಎಲ್ಲಾ ಸದಸ್ಯರೂ ಸಕ್ರಿಯ ಸದಸ್ಯರಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು

ಅಥವಾ

ರಾಜ್ಯದ ಪಂಚಾಯತ್ ಪರಿಷತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಸಕ್ರಿಯ ಸದಸ್ಯರಾಗಿರುವ ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಮಟ್ಟದ ಎಲ್ಲಾ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಬೋರ್ಡ್ ಸದಸ್ಯರು ತಾಲ್ಲೂಕು ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್ತಿನಲ್ಲಿ ಸದಸ್ಯರಾಗಿರತಕ್ಕದ್ದು

(2) ಪಂಚಾಯ್ತಿ ರಾಜ್ಯ ಚಳುವಳಿಯಲ್ಲಿ ತಜ್ಞರು ಮತ್ತು ಅನುಭವಿಗಳು ಆದವರನ್ನು ಸಹಾಯಕ ಸದಸ್ಯರನ್ನಾಗಿ ಪರಿಗಣಿಸತಕ್ಕದ್ದು

7 **ಸದಸ್ಯತ್ವ ಶುಲ್ಕ.** (1) ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಯು ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕು ಬೋರ್ಡ್ ಸದಸ್ಯರು ರಾಜ್ಯಮಟ್ಟ ಪರಿಷತ್ತಿನಲ್ಲಿ ತೀರ್ಮಾನವಾದ ಶುಲ್ಕವನ್ನು ಕೊಡತಕ್ಕದ್ದು

(2) **ಶುಲ್ಕದ ಹಂಚಿಕೆ :** ವಸೂಲಾದ ಚಂದಾಹಣದಲ್ಲಿ ಈ ಕೆಳಕಂಡಂತೆ ವಿನಿಯೋಗವಾಗತಕ್ಕದ್ದು

1)	ತಾಲ್ಲೂಕು ಪರಿಷತ್ತಿಗೆ ...	50%
2)	ಜಿಲ್ಲಾ ಪರಿಷತ್ತಿಗೆ	40%
3)	ರಾಜ್ಯ ಪರಿಷತ್ತಿಗೆ ..	10%

8 ತಾಲ್ಲೂಕು ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಾರ್ಯಾಂಗಭಾಗಗಳ ರಚನೆ ಮತ್ತು ಅಧಿಕಾರ ವ್ಯಾಪ್ತಿ

1) **ಸಮ್ಮೇಳನ ಅಥವಾ ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ** ತಾಲ್ಲೂಕುಮಟ್ಟದ ಸದಸ್ಯರಾಗಿರುವ ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳ ಎಲ್ಲಾ ಸದಸ್ಯರೂ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳಾಗಿ ಸಮ್ಮೇಳನ ಅಥವಾ ಜನರಲ್ ಬಾಡಿಯಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸತಕ್ಕದ್ದು.

2) **ವಾರ್ಷಿಕ ಸಭೆ :** ಸಮ್ಮೇಳನ ಅಥವಾ ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ ವರ್ಷಕ್ಕೆ ಒಂದು ಸಾರಿ ಸೇರತಕ್ಕದ್ದು.

3) **ಕೋರಂ :** ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ ವಾರ್ಷಿಕ ಸಭೆಗೆ ಕೋರಂ 1/6 ಅಥವಾ 40 ಜನ ಸದಸ್ಯರು ಅಥವಾ ಇವೆರಡರಲ್ಲಿ ಯಾವುದು ಕಡಿಮೆ ಸಂಖ್ಯೆಯೋ ಅದು ಇರತಕ್ಕದ್ದು

4) **ಅಧಿಕಾರ ವ್ಯಾಪ್ತಿ :** ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ ಅಥವಾ ಸಮ್ಮೇಳನದಲ್ಲಿ ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದ ಆಯ್ಕೆ ತಾಲ್ಲೂಕು ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್ತಿನ ವರ್ಷದ ಆಯವ್ಯಯ ಪಟ್ಟಿಯ ಪರೀಕ್ಷಣೆ ಮತ್ತು ಮಂಜೂರಾತಿ ಮತ್ತು ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳ ವೀಕ್ಷಣೆ ಮತ್ತು ಒಪ್ಪಿಗೆ.

9 (ಅ) **ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್ :** ಪ್ರತಿ ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಯಿಂದ ಆರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಇರತಕ್ಕದ್ದು.

1) ಅಧ್ಯಕ್ಷರು ಅಥವಾ ಅವರನ್ನು ಪ್ರತಿನಿಧಿಸುವ ಒಬ್ಬ ಸದಸ್ಯ.
2) ಮಹಿಳಾ ಪ್ರತಿನಿಧಿ ಒಬ್ಬರು.
3) ಹಿಂದುಳಿದ ಪಂಗಡದ ಪ್ರತಿನಿಧಿ ಒಬ್ಬರು.

ಇವರೊಂದಿಗೆ ತಾಲ್ಲೂಕು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯ ಎಲ್ಲಾ ಸದಸ್ಯರೂ ಇರತಕ್ಕದ್ದು

(ಆ) 1) **ಸಭೆಗಳು :** ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್ ವರ್ಷದಲ್ಲಿ 2 ಸಾರಿ ಸೇರತಕ್ಕದ್ದು. ಅಗತ್ಯಬಿದ್ದಾಗ ಇನ್ನೂ ಹೆಚ್ಚು ಸಾರಿ ಸೇರತಕ್ಕದ್ದು.

2) **ಕೋರಂ :** ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಸಭೆಯ ಕೋರಂ ಒಟ್ಟು ಸದಸ್ಯರ 1/4 ಅಥವಾ 20 ಜನ (ಇವೆರಡರಲ್ಲಿ ಕಡಿಮೆಯಾಗಿರುವ ಸಂಖ್ಯೆ ಇರತಕ್ಕದ್ದು)

ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಲ್ಲಿ ವರ್ಷದ ಮೊದಲನೆಯ ಸಭೆಯು ಜನರಲ್ ಬಾಡಿ ಅಥವಾ ಸಮ್ಮೇಳನ ಸಮಾವೇಶ ಗೊಂಡ ತಕ್ಷಣ ಸೇರತಕ್ಕದ್ದು.

3) **ಅಧಿಕಾರ ವ್ಯಾಪ್ತಿ :** ಜನರಲ್ ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಲ್ಲಿನ ಮೊದಲನೇ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಪಂಚಾಯತ್ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯು (ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದವರನ್ನುಳಿದು) ಸದಸ್ಯರನ್ನು ಚುನಾಯಿಸತಕ್ಕದ್ದು ಮತ್ತು ಜನರಲ್ ಬಾಡಿಯಲ್ಲಿ ತೀರ್ಮಾನವಾದ ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಒಪ್ಪಿ ಕಾರ್ಯಗತಮಾಡುವಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಗೆ ನಿರ್ದೇಶನ ಕೊಡುವುದು.

10 (ಅ) ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯಲ್ಲಿ ಜನರಲ್ ಬಾಡಿಯಲ್ಲಿ ಚುನಾಯಿತರಾದ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದವರು ಮತ್ತು ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಿಂದ ಚುನಾಯಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯು ಚುನಾವಣಾ ಕ್ಷೇತ್ರವನ್ನು ಪ್ರತಿನಿಧಿಸುವ ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಸದಸ್ಯರು

1) ಗ್ರಾಮಾಧ್ಯಕ್ಷರು 2
2) ಮಹಿಳಾ ಪ್ರತಿನಿಧಿ 1
3) ಹಿಂದುಳಿದ ಪಂಗಡ 1

ಇವರೊಂದಿಗೆ ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿಯ ಎಲ್ಲಾ ಸದಸ್ಯರಿಂದ ಆರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ 2 ಜನ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಇರತಕ್ಕದ್ದು.

(ಆ) **ಸಭೆಗಳು :** ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯು 2 ತಿಂಗಳಿಗೆ ಒಂದಾವರ್ತಿ ತಪ್ಪದೇ ಸೇರತಕ್ಕದ್ದು. ಆಗತ್ಯಬಿದ್ದಲ್ಲಿ ಅದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಬಾರಿ ಸೇರತಕ್ಕದ್ದು.

(ಇ) **ಕೋರಂ :** ಕಾರ್ಯಕಾರಿ ಸಮಿತಿಯ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಒಟ್ಟು ಸದಸ್ಯರ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ 1/4 ಭಾಗಕ್ಕೆ ಕೋರಂ ಇರತಕ್ಕದ್ದು

(ಈ) **ಅಧಿಕಾರ ವ್ಯಾಪ್ತಿ :** 1) ಕೌನ್ಸಿಲ್‌ನಲ್ಲಿ ತೀರ್ಮಾನವಾದ ತೀರ್ಮಾನಗಳನ್ನು ಜಾರಿಗೆ ತರುವುದು

2) ಗ್ರಾಮಪಂಚಾಯ್ತಿಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಸಂಸ್ಥೆಗಳ ತೀರ್ಮಾನಗಳ ಬಗ್ಗೆ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದು.

3) ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಆಡಳಿತ ಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ನ್ಯೂನತೆಗಳು ಕಂಡುಬಂದಲ್ಲಿ ಸಲಹೆಗಳನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಪರಿಹರಿಸುವುದು

4) ಆಡಳಿತ ಕ್ರಮದ ಸುಧಾರಣೆ ಬಗ್ಗೆ ಸಲಹೆಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಬೇಕಾದ ಸಾಧನಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸುವುದು.

5) ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಆಡಳಿತ ವರ್ಗದವರಿಗೆ ಅಗತ್ಯವಾದ ತರಪೇತಿಯನ್ನು ಕೊಡುವುದರಲ್ಲಿ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಕೈಗೊಳ್ಳುವುದು.

6) ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಯೂ ತನ್ನದೇ ಆದ ಗ್ರಾಮಯೋಜನೆಯನ್ನು ತಯಾರಿಸಲು ಸೂಕ್ತ ಕ್ರಮ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದರಲ್ಲಿ ನೆರವಾಗುವುದು

7) ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಗ್ರಾಮ ಪಂಚಾಯ್ತಿಯಲ್ಲಿ ಕೈಕೊಂಡ ತೀರ್ಮಾನಗಳ ಮುಂಜೂರಾತಿ ಮತ್ತು ಅವುಗಳು ಕಾರ್ಯಗತವಾಗುವುದರಲ್ಲಿ ನೆರವಾಗುವುದು.

8) ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಛೇರಿಯ ನಿರ್ವಹಣೆ ಬಗ್ಗೆ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ನೇಮಿಸಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಮತ್ತು ಪಂಚಾಯಿತಿ ಪರಿಷತ್ತು ದಕ್ಷತೆಯಿಂದ ಜನೋಪಯೋಗಿ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳನ್ನು ನಡೆಸುವಲ್ಲಿ ಅಗತ್ಯವಾದ ಸೂಕ್ತ ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಕೈಗೊಳ್ಳುವುದು.

11 **ಸ್ಥಾಯೀ ಸಮಿತಿ :** 1) ಸ್ಥಾಯೀ ಸಮಿತಿಯಲ್ಲಿ ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಅಧಿಕಾರಿ ವರ್ಗದವರು ಇರತಕ್ಕದ್ದು. ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಸಮಿತಿ ಅಧ್ಯಕ್ಷರು ಗೌರವಾನ್ವಿತ ಸದಸ್ಯರಾಗಿ ಇರತಕ್ಕದ್ದು. ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಮಟ್ಟದ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಇರತಕ್ಕದ್ದು.

2) **ಸಭೆಗಳು :** ಪಂಚಾಯ್ತಿ ಪರಿಷತ್ತಿನ ಕಾರ್ಯಗಳು ಮತ್ತು ತೀರ್ಮಾನಗಳು ಸುಗಮವಾಗಿ ಕಾರ್ಯಗತವಾಗಲು ಅಗತ್ಯವಾದ ಮಾರ್ಗಗಳನ್ನು ದೊರಕಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಬಗ್ಗೆ ಅಗತ್ಯ ಬಿದ್ದಾಗ ಸೇರತಕ್ಕದ್ದು

3) **ಕೋರಂ :** ಈ ಸಭೆಗೆ ಕೋರಂ ವಿನಾಯಿತಿ ಇರತಕ್ಕದ್ದು.

4) **ಅಧಿಕಾರ ವ್ಯಾಪ್ತಿ :** ಪರಿಷತ್ತಿನಲ್ಲಿ ವಿಶಿಷ್ಟ ಕಾರ್ಯಗಳನ್ನು ಆಗುಮಾಡುವುದರಲ್ಲಿ ಮತ್ತು ನಿರ್ಣಯಗಳನ್ನು ಜಾರಿಗೆ ತರುವುದರಲ್ಲಿ ವ್ಯವಸ್ಥಿತವಾದ ಮಾರ್ಗವನ್ನು ಹುಡುಕುವುದು ಮತ್ತು ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ಇಲಾಖೆಯ ಅಧಿಕಾರಿಗಳೊಂದಿಗೆ ಮತ್ತು ತಾಲ್ಲೂಕ್ ಮಟ್ಟದ ಜಿಲ್ಲಾ ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಆಗಬಹುದಾದ ಕೆಲಸ ಕಾರ್ಯಗಳಲ್ಲಿ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಣೆಯನ್ನೊಳಗೊಂಡ ನಿಕಟ ಸಂಪರ್ಕವನ್ನು ಇಟ್ಟುಕೊಳ್ಳತಕ್ಕದ್ದು.

1961 ~~115~~ 39 25

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Class
Prefix _____ Code _____ No. C,

Recd. from _____ Sent at _____ H. _____ M.
By _____ To _____
By _____

Handed in at (Office of Origin)	Date	Hour	Minute	Service Instructions.	Words
-		12	45		

TO

Recd. here at _____ H _____ M.

X MI A 1 KARNATAK HEALTH INSTITUTE 2,15 DR HARDIKAR CONGRESS SEVADAL

BHAVNAGAR SN==

= KHI TELEGRIPH OFFICE OPENED =SHANKARRAO KIRLOSKAR==

N B.—The name of the Sender, if telegraphed, should be written after, but separated from, the text

Bhave P. Ltd.–60 T 213/9600

320

No. 2490

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Received here at——H.——M.

O PT C 03 AHMEDABAD 14 12

DOCTOR HARDIKAR CONGRESS NEW- DELHI =====

FIX 30 TH TO 2 PM = PROGRAMME FOLLOWS = NAVINBHA

1961

30th

This form must accompany any enquiry respecting this telegram.

phones : { 40320
45870

115 321

Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD
NEW DELHI-1

I do not write the details but I feel that we you should call a meeting of the important workers and to allowed to discuss freely. Any how the clear picture should be ~~expressed~~ but among our workers in the nearest future. ~~At~~ Almost all the workers must have a clear picture of our organization.

I need not write to you about our activities. ~~but~~ you might be knowing that we have actually ~~not~~ not active even a single activity which is very effective It is very difficult to maintain a Volum in the organization without enough wor

You will think over it and kindly write to me.

Hoping a good health

with good respect & regard

Yours obediently

Narasimhan Shetty

To

Dr. N. S. Hardikar

Chief Practitioner - Karnataka health institute.

Dist Belgaum.

CONGRESS SEVA DAL,
MYSORE PRADESH.

322 117

ZONAL RALLIES OF CONGRESS SEVA DAL, MYSORE PRADESH.

In accordance with the instructions issued by the All India Congress Seva Dal to hold District Rallies during this year it is found to be not possible to do so in the present context of the organisation of Seva Dal in Mysore Pradesh But, it has been decided to hold 3 Zonal Rallies instead ie., 1 Zone comprising of Belgaum, Bijapur, Dharwar and North Kanara; Second Zone of Mysore, S.Kanara Chickmagalur, Hassan, Mandya and Coorg Bangalore third Zone of Raichur, Bidar and Gulbharga.

In the first instance, 1st Zonal Rally (will be held at Ramdurg Belgaum List) comprising of Belgaum, Bijapur, Dharwar and North Kanara in December 62.

At a meeting of the District Workers held on 16th and 17th of June 62, at Gulbharga, it has decided to hold, besided the three Zonal Rallies, and five Mandal Officeres Training Camps in the Pradesh this year, in Bijapur, Belgaum Mysore, North Kanara and Souhh Kanara.

To finalise arrangements for the First Zonal Rally a meeting was held under the presidentship of Dr. N.S.Hardikarji at Ghataprabhaon 8-7-62 Pradesh samyojak Pradesh Organiser and District Worksers of the Concerned Zone were present in the meeting. It was finally decided to hold the Rally of 2000 Volunteers at Ramdurg.

It was estimated that about Rs. 10000/- would be the total expenditure of the Rally for three days. It is proposed to raise the funds as follows:-

Collection from the Volunteers at Rs.1/- as admission fees	Rs.2000/-
From Shramdan Project.	Rs.2000/-
Proposed to request MPCC to contribute the same	Rs.1000/-
The Reception Committee Ramdurg will bear the rest	Rs. 5000/-

The programme of the Rally:-

The first Zonal Rally would be held for three days (actual dates would be intimated later on.)

1 day programme Inauguration of the Rally, Inspection, Flag salutation

11Day: March past sport, and cultural activities.

111 Day Shramdan.

A penal names has been suggested for inviting to anaugurate the function, they are Shri .D.Sanjivaiah Congress President, Shri. Morarji Desai Finance Minister Shri Kamaraj Nadar Chief Minister of Madras Mysore, Major Bhonsale and for second day's functions Smt. Indiata Gandhi Shri Nijalingappa Chief Minister of Mysore

~~Chief Minister of Mysore~~, Sri. Jagannatha Rao Chandarki, Prithviraj former ~~and are~~ MP. and for the final day Shramdan function, any of the person available from the above panel will be invited.

The following will be our invities:-

Dr. N.S.Hardikarji
Ministers of State Governments.
Office bearers of MPCC and AICC and All India Congress Seva Dal
Shri Sushil Mukerji Nanda Kumar and Manubhai Shah.

With view to enlighting the co-operation of the Congress members of the Rally Zone it has been decided to convence a meeting of the President andSecretary's of the concerned Districts on 1st of August62 at Bhagalkot,Seva Dal Academy.

(N.K.KRISHNAN).
PRADESH ORGANISER?
C.S.D.

njl*

Copies to:-

Shri. Nijalingappa. Chief Minister of Mysore.
MPCC President
Organiseing Secretary
Organiser AICSD
Dr. N.S.Hardikarji
Shri Shyam Watve
President's ofDCC'S:-
Belgum
Bijapur
Dharwar
N.Kanara.

ROLL No 3

DR N.S HARDIKER

PAPER's

CONTD. FROM:- FILE NO 23 PAGE NO 78

TO

FILE NO 26

S.P.A
19.12.83

CONTD IN NEXT ROLL No. 4

DR N. S. HARDIKER'S

PAPERS

MICROFILMED AT

GHATPRABHA

MICROFILMED BY

NEHRU MEMORIAL MUSEUM

AND LIBRARY

TEEN MURTI HOUSE

NEW DELHI